सूर्योदय : 5:28
सूर्यास्त : 6:38
अधिकतम तापमान : 34.0
न्यूनतम : 28.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्या: SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-330 पेज-16

मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, रविवार, 25 मई 2025

26 जिकाद 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com

केंद्र-राज्य टीम इंडिया की तरह काम करें

नीति आयोग बैठक

- 2047 तक विकसित भारत का सपना होगा साकार
- तेजी से हो रहा शहरीकरण, अब समय है स्मार्ट शहरों का
- जल प्रबंधन और कृषि सुधारों पर भी विशेष ध्यान

बैठक का मुख्य उद्देश्य

- विकसित भारत 2047 के रोडमैप पर चर्चा
- राज्यों की भूमिका और योगदान को मजबूत करना
- क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करना
- विकासशील से विकसित बनने की रणनीति पर सुझाव लेना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को हुई। नई दिल्ली में गवर्निंग काउंसिल की बैठक का विषय विकसित राज्य के लिए विकसित भारत@2047 था। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए। राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। वहां सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचे उपलब्ध कराने चाहिए। एक राज्य- एक वैश्विक गंतव्य। इससे पड़ोसी शहरों का भी पर्यटन स्थल के रूप में विकास होगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमें अपने कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें ऐसे कानून और नीतियां बनानी चाहिए, जिससे उन्हें कार्यबल में सम्मानपूर्वक शामिल किया जा सके। हमें इस तरह काम करना चाहिए कि लागू की गई नीतियां आम नागरिकों के जीवन में बदलाव ला सकें। जब लोग बदलाव महसूस करते हैं, तभी यह बदलाव मजबूत होता है और बदलाव को एक आंदोलन में बदल देता है। एक टीम के रूप में हमारे पास 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक बड़ा अवसर है। हमें एक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए- 2047 तक भारत को विकसित बनाना। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हर राज्य विकसित हो, हर शहर विकसित हो, हर नगर पालिका विकसित हो और हर गांव विकसित हो। अगर हम इन तर्ज पर काम करेंगे, तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इस बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शामिल हुए।

भविष्य के लिए तैयार हों हमारे शहर

प्रधानमंत्री ने तेजी से हो रहे शहरीकरण की ओर इशारा करते हुए कहा कि अब वक्त है कि भारत के शहर भविष्य के लिए तैयार हों। शहरों के विकास में नवाचार, वृद्धि और स्थायित्व को केंद्र में रखना होगा मोदी ने कार्यक्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि हमें ऐसे कानून और नीतियां बनानी चाहिए, जिससे महिलाएं सम्मानजनक तरीके से देश के विकास में भागीदार बन सकें। सरकार की नीतियां तभी सफल मानी जाएंगी, जब उनका असर आम नागरिकों की जिंदगी में स्पष्ट तौर पर दिखे. उन्होंने कहा कि जब लोगों को बदलाव महसूस होता है, तभी वो बदलाव मजबूत बनता है और जन आंदोलन में बदलता है।

सपनों की स्क्रीन पर उतरेगी उत्तर प्रदेश की पहचान

यमुना एक्सप्रेसवे पर जल्द बसेगी इंटरनेशनल फिल्म सिटी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म सिटी का निर्माण कार्य इस माह के अंत तक या फिर अगले माह से शुरू हो सकता है। निर्माण कार्य के लिए चयनित निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने पूरी तैयारी कर ली है। जिस भूमि पर निर्माण होना है उसका जियो-टेक्निकल सर्वे लगभग पूर्ण हो चुका है और कंपनी आने वाले दो-तीन दिनों में अपना बिल्डिंग प्लान सबमिट कर देगी।

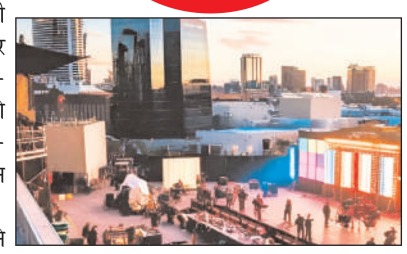

इस बीच भूमि को समतल करने का कार्य जारी है और सड़क निर्माण सहित अन्य विकास कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर हैं। साफ-सफाई का काम लगभग पूरा हो चुका है। सभी अप्रूवल मिलते ही निर्माण कार्य का शुभारंभ हो जाएगा। इसका शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलो से कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में यह इंटरनेशनल फिल्म सिटी स्थापित की जा रही है, जिसका उद्देश्य राज्य को फिल्म निर्माण, मीडिया, मनोरंजन और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाना है। बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी के जीएम राजीव अरोड़ा के अनुसार, जैसे ही बिल्डिंग प्लान को मंजूरी मिलती है, निर्माण कार्य औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। पहले चरण (फेज-1) में कंपनी 13 से 14 अत्याधुनिक फिल्म साउंड स्टूडियो और लगभग 3 लाख वर्ग मीटर में फैला फिल्म इंस्टीट्यूट स्थापित करेगी। इस पूरी परियोजना का निर्माण तीन चरणों में 8 वर्षों के भीतर किया जाएगा। राजीव अरोड़ा ने कहा कि, हम ऐसी फिल्म सिटी बनाएंगे, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपनों को साकार करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म सिटी के शिलान्यास का कार्य स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाएगा, जिसके लिए मुख्यमंत्री कार्यालय से समय निर्धारित करने की प्रक्रिया चल रही है।

तय समय से आठ दिन पहले केरल पहुंचा मानसून, हुई झमाझम बारिश

साल 2009 के बाद मानसून की भारत में सबसे जल्दी हुई एंट्री

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिमी मानसून शनिवार को केरल पहुंच गया जो 2009 के बाद से भारतीय मुख्य भूमि पर इसका सबसे जल्दी आगमन है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मानसून 2009 में 23 मई को केरल पहुंचा था। दक्षिण-पश्चिमी मानसून सामान्यतः एक जून तक केरल में प्रवेश करता है और आठ जुलाई तक पूरे देश में पहुंचता है। 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिमी भारत से इसकी वापसी शुरू हो जाती है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, मानसून दक्षिणी राज्य में पिछले साल 30 मई को, 2023 में आठ जून को, 2022 में 29 मई को, 2021 में तीन जून को, 2020 में एक जून को, 2019 में आठ जून को, और 2018 में 29 मई को आया था। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि केरल में मानसून के जल्दी या देर से आने का मतलब यह नहीं है कि यह देश के अन्य हिस्सों में भी उसी तरह पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि यह बड़े पैमाने पर परिवर्तनशीलता और वैश्विक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय कारकों से तय होता है। आईएमडी ने अप्रैल में इस साल मानसून में सामान्य से अधिक वर्षा का अनुमान जताया था जिससे अल नीनो की स्थिति की संभावना खारिज हो गई। अल नीनो प्रणाली भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम वर्षा से जुड़ी है।

एपल भारत में ही बनाएगी आईफोन

- कंपनी अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में नहीं आएगी
- ट्रम्प ने धमकी दी थी- अमेरिका में बनें फोन

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी के बाद भी एपल भारत में ही आईफोन बनाएगी। सीएनएन की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में आईफोन के प्रोडक्शन से कंपनी को काफी फायदा होगा। इसीलिए कंपनी किसी राजनीतिक दबाव में कोई फैसला नहीं लेगी। मामले से जुड़े एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि उन्हें पूरा विश्वास है कि एपल कंपनी ट्रम्प प्रशासन के किसी भी दबाव के बावजूद मुनाफे को तवज्जो देगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी भारत में उपलब्ध टैलेंट और यहां बिजनेस के लिए उपलब्ध सुविधाओं पर ज्यादा फोकस कर रही है। एपल सीईओ के साथ हुई इस बातचीत की जानकारी देते हुए ट्रम्प ने 15 मई को कहा था कि एपल को अब अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाना होगा। मुझे कल टिम कुक के साथ थोड़ी परेशानी हुई। मैंने उनसे कहा, टिम, तुम मेरे दोस्त हो, तुम 500 बिलियन डॉलर लेकर आ रहे हो, लेकिन अब मैं सुन रहा हूं कि तुम पूरे भारत में प्रोडक्शन कर रहे हो। मैं नहीं चाहता कि तुम भारत में प्रोडक्शन करो उन्होंने आगे कहा कि अगर तुम भारत का ख्याल रखना चाहते हो तो तुम भारत में निर्माण कर सकते हो, क्योंकि भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक है।

29 मई से बिजलीकर्मियों की हड़ताल

- चार कामों का होगा बहिष्कार
- बाकी बिल पर नहीं कटेंगे कनेक्शन
- नहीं जमा करेंगे बिल
- आवेदकों को नहीं मिल सकेंगे कनेक्शन

पावर कॉर्पोरेशन के झटपट पोर्टल पर आवेदन होने वाले बिजली कनेक्शन की कोई सुनवाई नहीं होगी।

लखनऊ। आपकी बिजली कनेक्शन लेने की इच्छा है। कनेक्शन का बिल बकाया है, मगर उसको जमा नहीं कर रहे हैं। ये बिजली संबंधी आपके जो भी काम हों, यह सब आप 29 मई से पहले निपटा लें, नहीं तो अटक सकते हैं।

दरअसल, दो कंपनियों पूर्वांचल व दक्षिणांचल की बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने की चल रही कार्रवाई के विरोध में लखनऊ समेत प्रदेशभर में कर्मचारी और अभियंता 29 मई से कार्यालय तो आएंगे, मगर उपभोक्ता का काम नहीं करेंगे। इनकी ओर से बेमियादी कार्य बहिष्कार शुरु करने का नोटिस जारी किया गया है, जिससे बिजली महकमे में हड़कंप मचा है। इससे राजधानी के 14 लाख उपभोक्ताओं की बिजली व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। उपकेंद्र, उपखंड, खंड के कर्मचारी एवं अभियंता काम करना बंद कर देंगे तो हड़ताल (कार्य बहिष्कार) होने तक न तो बिजली कनेक्शन पाएंगे और न ही कटी बिजली चालू हो सकेगी। जेई संगठन ट्रांस एवं सिस गोमती इकाई के अध्यक्ष क्रमशः चंदशेखर व अरविंद कुमार और विद्युत तकनीकी कर्मचारी एकता संघ के केंद्रीय अध्यक्ष वीके सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि बेमियादी कार्य बहिष्कार आंदोलन के दौरान नियमित कर्मचारी, अभियंता प्रमुख रूप से चार कामों का बहिष्कार करेंगे। यह चार काम उपभोक्ता एवं विभाग की लिहाजा से बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। 29 मई से उपकेंद्र के कर्मचारी व अभियंता बाकी बिल पर उपभोक्ता का कनेक्शन काटना बंद कर देंगे। कनेक्शन नहीं कटेंगे तो आय ठप हो जाएगी। पावर कॉर्पोरेशन ने जिन कर्मियों की ड्यूटी कैश कलेक्शन सेंटर पर बिल जमा करने की लगाई है, वह बहिष्कार करेंगे। इससे उपभोक्ता के बिल जमा नहीं करेंगे। पावर कॉर्पोरेशन के झटपट पोर्टल पर आवेदन होने वाले बिजली कनेक्शन की कोई सुनवाई नहीं होगी। जब तक जेई की रिपोर्ट नहीं लगेगी, तब तक नए कनेक्शन नहीं मिल सकेंगे।

गलत बिल का नहीं होगा संशोधन : बिलिंग एजेंसी की ओर से जिन उपभोक्ताओं के गलत रीडिंग के बिल बना दिए जाते हैं, उनको कर्मियों की मीटर की जांच के बाद संशोधित किया जाता है। बहिष्कार से यह काम भी नहीं होगा। बिजली चालू रखेंगे- विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से निजीकरण की लड़ाई में आमजन से भी सहयोग का आह्वान किया गया है।

पाकिस्तान को नहीं मिल रही भारत के फैसले की काट

- अब बांध परियोजनाओं में तेजी लाने की तैयारी

नई दिल्ली। पहलगाम में नृशंस आतंकी हमले के बाद दंडात्मक उपायों के तहत सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के निर्णय को वाटर बम करार देने वाला मायूस पाकिस्तान प्यास लगने पर अब कुआं खोदने चला है। हर तरफ से हताश-निराश पाकिस्तान लंबित बांध परियोजनाओं में तेजी लाने पर विचार कर रहा है क्योंकि उसे सिंधु जल समझौता निलंबित करने के भारत के मजबूत आधार की कोई काट नहीं मिल रही है। हालांकि पाकिस्तान ने इस बाबत मदद के लिए दुनिया के कई देशों से गुहार लगाई है, मगर उसे अब तक मायूसी ही हाथ लगी है।

जिओ टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के संघीय योजना मंत्री अहसान इकबाल ने शनिवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी कि भारत को लाभ उठाने से रोकने के लिए डायमर भाषा बांध सहित सभी जल-संबंधी परियोजनाओं का काम शीघ्र पूरा किया जाए। इंजीनियरों के एक प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि भारत की जल आक्रामकता के मद्देनजर इन परियोजनाओं पर काम को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसी पहलों के लिए प्राथमिकता के आधार पर धन आवंटित किया जाएगा। सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान सिंधु, झेलम और चेनाब के पानी का उपयोग करता है, जबकि भारत को रावी, सतलुज और ब्यास नदियों के पानी का उपयोग करने का अधिकार है। सिंधु, झेलम और चेनाब के पानी से पाकिस्तान में 80 प्रतिशत खेतों की सिंचाई होती है। अल जजीरा को दिए गए साक्षात्कार में सशस्त्र बलों के प्रवक्ता ने कहा कि केवल एक पागल व्यक्ति ही यह सोच सकता है कि भारत, पाकिस्तान का पानी रोक सकता है क्योंकि 24 करोड़ लोगों के लिए पानी रोकना अव्यावहारिक है। बहरहाल, इकबाल ने स्पष्ट किया कि आगामी संघीय बजट में देरी प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा और ईद की छुट्टियों के कारण हुई है, न कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के किसी दबाव के कारण। उन्होंने जोर देकर कहा कि बजट को लेकर आईएमएफ का कोई दबाव नहीं है और सरकार लोगों को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति रक्षा बजट में वृद्धि की मांग करती है। उन्होंने इंजीनियरों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों को आगामी बजट में शामिल किया जाएगा और संतोष व्यक्त किया कि सरकार की आर्थिक नीतियों से आईएमएफ पूरी तरह संतुष्ट है।

पाकिस्तान ने सिंधु नदी को बताया जीवनरेखा

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सीनेटर अली जफर ने शुक्रवार को संसद में कहा था कि सिंधु हमारी जीवन रेखा है। हमें अकाल का सामना करना पड़ सकता है। यह दरअसल हमारे ऊपर मंडरा रहा एक वाटर बम है, जिसे हमें निष्क्रिय करना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद पर भारत की जीरो-टॉलरेंस नीति का उल्लेख करते हुए पिछले सप्ताह कहा था कि पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते। पाकिस्तान को उन नदियों से पानी नहीं मिलेगा जिन पर भारत का अधिकार है। हालांकि, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने इस टिप्पणी को पागलपन भरा विचार बताकर खारिज कर दिया।

विधायक डॉ. सुभाष गर्ग को मिली बड़ी जिम्मेदारी

आरएलडी के राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त

जयपुर। भरतपुर विधायक और पूर्व मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग को राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। चौधरी ने डॉ. गर्ग को आरएलडी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। इस एलान से पार्टी कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। राष्ट्रीय महासचिव के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति देने पर डॉ. गर्ग ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी का आभार व्यक्त किया है। डॉ. गर्ग ने पार्टी का मजबूती के साथ विस्तार करने का विश्वास दिलाते हुए कहा है कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। डॉ. गर्ग ने कहा कि वह पार्टी का विस्तार करने के लिए समर्पण भाव से कार्य करेंगे।

अरविंद केजरीवाल की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

कोर्ट ने एफएसएल रिपोर्ट तलब की, संपत्ति नुकसान का आरोप

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित अदालत ने वर्ष 2019 में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) से रिपोर्ट तलब की है। अतिरिक्त चीफ न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) नेहा मित्तल ने एफएसएल निदेशक को नोटिस जारी कर संबंधित थाना प्रभारी (एसएचओ) को निर्देश दिया कि वह फोरेंसिक रिपोर्ट की प्रक्रिया में तेजी लाएं और इसे अदालत में पेश करें। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए नौ जून की तारीख तय की है। यह निर्देश तब आया जब दिल्ली पुलिस ने अदालत में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की, जिसमें बताया गया कि आरोपों से संबंधित एक सीडी एफएसएल को भेजी गई है और उसकी रिपोर्ट का इंतजार है। यह मामला वर्ष 2019 में दर्ज की गई एक शिकायत से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि केजरीवाल, तत्कालीन मटियाला विधायक गुलाब सिंह और द्वारका ए वार्ड की पार्षद नितिका शर्मा ने बड़े-बड़े बैनर और होर्डिंग्स लगाकर सार्वजनिक संपत्ति का दुरुपयोग किया था। इन बैनरों पर आरोपितों के नाम और तस्वीरें छपी थीं, जो विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए थे। कोर्ट ने 11 मार्च 2025 को इस मामले में दिल्ली संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। शिकायतकर्ता ने आरोपों के समर्थन में टाइमस्टैम्प के साथ विजुअल सुबूत भी प्रस्तुत किए थे।

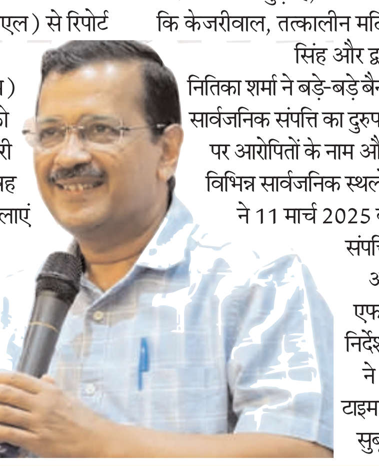

यूपी में कोविड की एंट्री : जालौन में आया नया केस, अलर्ट पर स्वास्थ्य विभाग

- वैरियंट सर्दी जुखाम की तरह ही है

जालौन। गाजियाबाद और नोएडा के बाद अब जालौन निवासी भी कोविड पॉजिटिव पाया गया है। हालांकि जालौन का मरीज एम्स दिल्ली में पॉजीटिव मिला है। अब इस बात की पड़ताल की जा रही है कि वह सप्ताहभर में कहां- कहां की यात्रा कर चुका है। इधर प्रदेश में कोविड की जांच, उपचार सहित हर स्तर पर स्वास्थ्य विभाग तैयार है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि यह वैरियंट सर्दी जुखाम की तरह ही है और मरीज अपने आप ठीक हो रहे हैं। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। केरल, गुजरात एवं कर्नाटक के बाद दो दिन पहले गाजियाबाद में चार मरीज पॉजिटिव पाए गए थे। उनमें सर्दी जुखाम के लक्षण थे। उन्हें एहतियात के तौर पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद एक मरीज नोएडा में पाया गया, जो बेंगलुरु से लौटा था। शनिवार को जालौन निवासी मरीज एम्स में उपचार के लिए गया था, जांच के बाद पॉजिटिव पाया गया है। अब उसकी यात्रा इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि विभिन्न प्रदेशों और उत्तर प्रदेश में मिलने वाले मरीजों में सर्दी जुखाम जैसे ही लक्षण हैं। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। जिस तरह से मौसम बदलने के बाद फ्लू होता है और तीन से पांच दिन में आसाम मिल जाता है। उसी तरह से इसमें भी आराम मिल जाएगा। यदि किसी मरीज को ज्यादा समस्या होती है तो उसकी जांच और उपचार के लिए अस्पतालों में पुख्ता व्यवस्था की गई है।

स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों ने सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों एवं चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देश दिया है कि लैब में जांच के इंतजाम दुरुस्त रखे जाएं।

हौसला — पुंछ में राहुल गांधी ने एक स्कूल का किया दौरा

डरो मत सब ठीक हो जाएगा : राहुल

- सीमा पार से हो रही गोलाबारी से प्रभावित छात्रों से की बातचीत
- राहुल की मौजूदगी से उत्साहित दिखे बच्चे

जम्मू। संसद में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर दौरे का दौरा किया। वे पुंछ और श्रीनगर में पाकिस्तानी गोलाबारी में घायलों और पीड़ित परिवारों से मिले।

पुंछ में राहुल गांधी ने एक स्कूल का दौरा किया और पाकिस्तान की सीमा पार से हो रही गोलाबारी से प्रभावित छात्रों से बातचीत की। उन्होंने कहा, आपने थोड़ा खतरा और थोड़ी भयावह स्थिति देखी है, लेकिन चिंता न करें, सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इस समस्या से निपटने का आपका तरीका यह होना चाहिए कि आप खूब पढ़ाई करें और खूब खेलें और स्कूल में ढेर सारे दोस्त बनाएं। राहुल यहां एक स्कूली छात्र से मुलाकात की, जिसने अपने दो साथियों 12 वर्षीय जुड़वां बच्चों जैन अली और उर्वा फातिमा को पाकिस्तानी गोलाबारी में खो दिया था। हालांकि स्कूल 7 से 10 मई के बीच हुई गोलाबारी से बच गया था, लेकिन इसमें 28 लोग मारे गए थे और 70 से अधिक घायल हुए थे। स्कूल में उनकी मौजूदगी से छात्र उत्साहित दिखे। बच्चों ने ताली बजाई और हाथ हिलाते हुए राहुल का अभिवादन किया। जाने से पहले उन्होंने कहा, आप सभी को बहुत-बहुत बधाई। आपसे प्यार करता हूं और आपका शुक्रिया। राहुल गांधी ने पुंछ दौरे के दौरान गुरुद्वारा सिंह सभा में शिरकत की और शहीद अमरीक सिंह व अमरजीत सिंह के परिवारजनों, विशेष रूप से बच्चों से मुलाकात की। राहुल गांधी के पुंछ दौरे पर कांग्रेस सांसद और जम्मू-कश्मीर के प्रभारी महासचिव सैयद नसीर हुसैन ने कहा कि जिस तरह से पाकिस्तान ने नागरिकों पर हमला किया। 13 लोग मारे गए और कई घायल हुए। बहुत नुकसान हुआ है। इसीलिए राहुल गांधी आज यहां लोगों से मिले। हम चाहते थे कि राहुल गांधी पहले यहां आएं, लेकिन अनुमति नहीं दी जा रही थी। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले के बाद से यह राहुल गांधी का जम्मू-कश्मीर का दूसरा दौरा था। 25 अप्रैल को उन्होंने आतंकी हमले में घायल हुए लोगों से मिलने के लिए श्रीनगर का दौरा किया था। उस समय उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और कई हितधारकों से भी मुलाकात की थी।

मांगों के निस्तारण को लेकर किसानों ने की भूख हड़ताल शुरू

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। बिजली पोल बदलने में हुए भ्रष्टाचार समेत गन्ना मूल्य भुगतान न होने से क्षुब्ध किसान मजदूर संगठन के कार्यकताओं ने आज से भूख हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को नजर अंदाज किया गया, तो वह भूख हड़ताल जारी रखेंगे। जिला मुख्यालय पर भूख हड़ताल पर बैठे किसान मजदूर संगठन के कार्यकताओं ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा आरडीएस योजना के अन्तर्गत कम्पनी को जनपद में विद्युत सुधार कार्य दिया गया था, जिसमें विभाग व कम्पनी के अधिकारियों द्वारा पुराने व नये पोल बदलने में बड़े घोटाले का अन्देशा है। उन्होंने इस मामले में जांच की मांग की। उन्होंने मांग की कि जनपद में बजाज गांगनौली मिल व दया शुगर गागलहेड़ी मिल पर किसानों का गन्ना भुगतान तत्काल दिलाया जाये। पीडब्लूडी विभाग द्वारा पिछले सालों में बनायी गयी सड़कों की कमेटी द्वारा गुणवत्ता की जांच करायी जाये एवं अनियमितता पाये जाने पर दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर कार्यवाही की जाये। किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह को सुरक्षा प्रदान की जाये। किसानों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता, तब तक यह धरना और अनिश्चित भूख हड़ताल जारी रहेगी। इस दौरान किसान मजदूर संगठन के प्रदेश महासचिव विनय राणा, युवा जिलाध्यक्ष कुलदीप राणा, महानगर अध्यक्ष आशु पंडित, जिला उपाध्यक्ष प्रिंस राणा, ब्लाक अध्यक्ष सागर राणा, तहसील महामंत्री नकुड़ रामकुमार शर्मा, अश्वनी पुण्डीर, निखिल राणा, अशोक राणा, अभिषेक राणा आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने 51 लाख की स्मैक के साथ तीन शातिर नशा तस्कर दबोचे

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) थाना गंगोह कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थो की तस्करी करने वालो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत तीन शातिर नशा तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिसके कब्जे से 510 ग्राम स्मैक व दो मोबाइल बरामद हुए है। बरामद स्मैक की कीमत 51 लाख रूपये आंकी गयी है।

गंगोह कोतवाली प्रभारी पीयूष दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक विरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान अरमान निवासी मजनुपुर थाना भमोरा जिला बरेली, शौकीन निवासी ग्राम बाढ़ी माजरा, आसिफ निवासी ग्राम हमजागढ को बाढीमाजरा अड्डा के पास से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 510 ग्राम स्मैक व दो मोबाइल बरामद किये है।

बरामद स्मैक की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 51 लाख रूपये बताई जा रही है। पुलिस पूछताछ मे आरोपियों ने बताया कि उन्होंने स्मैक अपने साथी अरमान से खरीदकर अभियुक्त शौकीन ने बताया कि उसके गांव का ही एक व्यक्ति हरियाणा में रह रहा है वह उसी के साथ स्मैक बेचने का धंधा करता है। पुलिस ने दबोचे गये नशा तस्करों का चालान काटकर जेल भेज दिया है।

श्रीमद् भागवत कथा को विधि विधान के साथ दिया विश्राम

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) श्रीमद् भागवत कथा का आज विधि विधान के साथ विश्राम हो गया। श्रीमद् भागवत कथा में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर धर्म लाभ उठाया। श्री श्याम नगर कॉलोनी में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का विधि-विधान के साथ विश्राम हो गया। श्रीमद् भागवत कथा में काफी संख्या मे श्रद्धालुओं ने पहुंचकर धर्म लाभ उठाया। वही श्रद्धालुओं द्वारा खूब जयकारे लगाए गए।

श्रीमद् भागवत कथा मे पहुंचे नगर विधायक राजीव गुंबर ने श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन करने पर श्री रामेश्वर धाम मन्दिर समिति के पदाधिकारियों के प्रयासो की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा धार्मिक और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करती है।

श्रीमद भागवत कथा के अंतिम दिन विशेष पूजा व आरती कर भक्तों को प्रसाद का वितरित किया गया। श्रीमद् भागवत कथा में श्री रामेश्वर धाम मन्दिर समिति के अध्यक्ष मधुकर कश्यप, मंत्री देवेन्द्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष पंकज मल्होत्रा, योगेश बंसल समेत कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

तकनीकी युग में विद्यार्थियों को रोबोटिक्स ज्ञान जरूरी: पंकज गर्ग

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) विद्यार्थियों को आज के तकनीकी युग में विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जोड़ने के लिए एआर एकेडमी द्वारा मोन्टफोर्ट स्कूल में एक दिवसीय रोबोटिक्स वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें होनहार बच्चों ने स्वयं अपने हाथों से रोबोटिक्स प्रोजेक्ट्स बनायें। गागलहेड़ी स्थित मोन्ट फोर्ट स्कूल में एआर एकेडमी द्वारा आयोजित रोबोटिक्स कार्यशाला में कक्षा 4 से कक्षा 10 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रबंधक पंकज गर्ग ने कहा कि रोबोटिक्स कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को रोबोटिक्स की बुनियादी जानकारी देना व उनके भीतर वैज्ञानिक सोच विकसित करना है। इसके अलावा उन्हें नवाचार के प्रति प्रेरित करना है। बच्चों ने इस दौरान स्वयं अपने हाथों से रोबोटिक्स प्रोजेक्ट्स बनाए, जिसमें छोटे रोबोट्स, सेंसर आधारित मॉडल, और अन्य तकनीकी डिवाइस शामिल रही। सचिव हर्षित गर्ग ने कहा कि इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने न केवल तकनीकी ज्ञान प्राप्त किया, बल्कि टीम वर्क, समस्या समाधान और रचनात्मकता जैसी महत्वपूर्ण क्षमताओं का भी विकास किया। कार्यक्रम का संचालन ए.आर. एकेडमी के निदेशक अरिहंत जैन ने करते हुए बच्चों को रोबोटिक्स की महत्ता और इसके भविष्य में बढ़ते अवसरों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर कोऑर्डिनेटर पारुल सचदेवा, कुलदीप, समद, शोभित, महेश, रोहन, प्रिया, मानसी, ईशानी, प्रिया, सुनीता आदि उपस्थित रहे।

समर कैंप में परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने उठाया लुत्फ

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर प्रारंभ किए गए समर कैंप में प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को योगासनों का अभ्यास कराया। इस दौरान बच्चों ने बैडमिन्टन प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित शिविर का संचालन समस्त परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं कंपोजिट विद्यालयों में किया गया। समर कैंप का शुभारंभ पारंपरिक प्रार्थना सभा और सूर्य नमस्कार से हुआ। तत्पश्चात प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों योग अभ्यास में प्राणायाम, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन जैसे सरल परंतु प्रभावशाली योगासनों का अभ्यास कराया गया। योग के प्रत्येक अभ्यास को बच्चों को सहज रूप में समझाते हुए इसके शारीरिक और मानसिक लाभों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने योग के माध्यम से एकाग्रता, मानसिक शांति और स्वास्थ्य लाभ के महत्व को गहराई से समझा। सभी प्रतिभागियों ने योग को अपनी दिनचर्या में अपनाने का संकल्प लिया। समर कैंप में बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा दिया, बल्कि टीम वर्क, अनुशासन और फुर्ती जैसे गुणों का भी विकास किया।

शिविर में 41 वरिष्ठजनों का दंत परीक्षण कर दिया उचित परामर्श

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) रेलवे पेंशनर्स समाज के तत्वावधान में आयोजित निशुल्क दंत परीक्षण शिविर में वरिष्ठ चिकित्सकों ने 41 वरिष्ठजनों का दंत परीक्षण कर उचित परामर्श दिया।

रेलवे कॉलोनी स्थित संस्था कार्यालय पर रेलवे पेंशनर्स समाज द्वारा आयोजित निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर में डेंटल सर्जन डॉ.राजरानी ने 41 सदस्यों का दंत परीक्षण कर उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया। उन्होंने वरिष्ठ जनों को दांतों की सुरक्षा के उपाय बताते हुए कहा कि वह अपने दांतों को सुबह एवं रात को सोने से पहले ब्रश अवश्य करें। ज्यादा ठंडा, ज्यादा गर्म, ज्यादा सख्त खाने से परहेज करें। दांतों के बीच फंसे हुए खाद्य कणो को खाने के बाद ब्रश से निकाल दें। संस्थापक आरसी शर्मा ने अध्यक्ष जेएन शर्मा, महामंत्री एनएस चौहान तथा कोषाध्यक्ष अजय शर्मा के सहयोग से डॉ.राज रानी को स्कन्ध वस्त्र पहना कर एवं संस्था की पत्रिका भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान जगदीश शर्मा, मूलचंद रांगड़ा, स्वतंत्र भारद्वाज, देवेंद्र कुमार, अमरनाथ त्यागी, जयदेव सिंह, अमरनाथ, मीना कटारिया, विजय तलवार, इकबाल अजीम, हरीश कुमार, अशोक शर्मा, अरविंद शर्मा, विजय त्यागी, जुगल, इंद्रजीत कुमार, श्रीकृष्ण आर्य, बलजीत जायसवाल, वेद प्रकाश आदि मौजूद रहे।

बाईकों की आमने-सामने की भिड़न्त में युवती की मौत, दो गंभीर

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) थाना बेहट क्षेत्रान्तर्गत मेला देखने जा रहे भाई बहनों की बाइक में सामने से आ रही दूसरी बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक बहन की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो भाई बहन सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जबकि मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार थाना मिर्जापुर इलाके के गांव खेड़ी निवासी जीशान पुत्र शहजाद अपनी बहनों रेशमा व मंतशा के साथ बाइक द्वारा बेहट मेला देखने आ रहे थे। जैसे ही वह गंदेवड पेट्रोल पंप से आगे मीरगढ़ मोड के पास पहुंचे तो सामने से आ रही बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों भाई बहन सहित दूसरे बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायलों को बेहट सीएचसी में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने करीब 17 वर्षीय रेशमा पुत्री शहजाद को मृत घोषित कर दिया और अन्य दोनों घायलों की हालत को गंभीर मानते हुए जिला अस्पताल रैफर कर दिया।

विकास कार्यो से सहारनपुर की सूरत बदली: महापौर

महापौर ने दो वार्डो में किया 70 लाख रुपये के विकास कार्यो का शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार ने आज दो वार्डो में करीब 70 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सड़क व नाली आदि विकास कार्यो का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शहर में हो रहे विकास कार्यो से सहारनपुर की सूरत बदली है।

महापौर डॉ.अजय कुमार ने नगर विधायक राजीव गुंबर व महानगर भाजपा अध्यक्ष शीतल विश्नोई के साथ आज वार्ड 24 मे सतयुग आश्रम के बराबर वाली गली में सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का सड़क पर गेंती मारकर व नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। इन कार्यो पर करीब 30 लाख रुपये की लागत आयेगी। इसके अलावा उन्होंने गुरुद्वारा वाली गली में भी सीवर पाईप लाइन के निर्माण कार्य का

शुभारंभ किया। महापौर ने वार्ड 50 हकीकत नगर में पानी की टंकी के पास नाले एवं इंटरलॉकिंग टाइल लगाने के कार्य का शुभारंभ किया। इस कार्य पर भी करीब 40 लाख रुपये की लागत आयेगी। महापौर ने उक्त निर्माण कार्यो के शुभारंभ अवसर पर क्षेत्रवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षो में हुए शहर के विकास से सहारनपुर की सूरत बदली है। तीन-चार वर्ष बाद सहारनपुर आने वाले व्यक्ति को सहारनपुर आज एक नये रुप में दिखायी देता है।

उन्होंने कहा कि आज जिन विकास कार्यो की शुरुआत की गयी है इनसे गोविंद नगर व हकीकत नगर क्षेत्र में जनसुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर नगर विधायक राजीव गुम्बर, भाजपा महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई गोयल, क्षेत्रीय पार्षद राजीव कुमार अन्नू, पार्षद अमित त्यागी व पार्षद सुधीर पंवार के अलावा पूर्व पार्षद संजय फुटेला, मंडल अध्यक्ष हनी वर्मा, समाजसेवी प्रदीप गिलहोत्रा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे।

दलित बस्तियों में विकास कार्यों का अन्देखा

अवधनामा संवाददाता

गोशाईगंज-अयोध्या । विकासखंड मया क्षेत्र के ग्राम पंचायत बंदनपुर के प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के घोर उदासीनता हठविदतता भेदभाव के चलते दर्जनों दलितो के घरों एवं बरसात का पानी जल निकासी न होने से नरकीय जीवन बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त ग्राम पंचायत के कुल 7 पूरवे मे बड़ी चोराड़ी, छोटी चोराडी, हरदोईया, गंजा बंदनपुर, कलंदरपुर,रूपी का पुरवा, राजभर का पुरवा सहित कुल लगभग 1500 लोगों का आबादी है। जिसमें लगभग सभी पूरवे में कमोबेश कार्य कराया गया परंतु बड़ी चौडरी में 25 वर्ष से कोई विकास कार्य नहीं हुआ है जिसमें दो-चार घरों के सामने सोकता बनाया गया जो आधे अधूरा छोड़ दिया गया उक्त क्षेत्र का ग्राम पंचायत अधिकारी संतोष मौर्य जो पिछले तीन वर्षों से एक ही स्थान पर कार्यरत हैं उनसे एवं ग्राम प्रधान से गांव के दर्जनों लोगों नाली एवं खडंजा लगवाने की मांग किया इसके उपरांत कार्रवाई न होने पर जिला अधिकारी व खंड विकास अधिकारी मया को प्रार्थना पत्र देकर जल निकासी एवं नाली खड़ंजा लगवाने की मांग किया परंतु वोट की राजनीति के चलते ग्राम प्रधान दलित होने के बावजूद दलितों से ईर्षा रखता है क्योंकि वह कुछ उच्च वर्ग के लोगों के इशारे पर कार्य करता है और जातीय भेदभाव ईर्ष्या रखता है जब यह बात ग्राम पंचायत अधिकारी से लोगों ने अपनी बात रखा ग्राम पंचायत अधिकारी ने कहा हम जल्द ही बनवा देंगे सूत्रों ने बताया इस ग्राम पंचायत को प्रतिवर्ष लाखों रुपया विकास मद में आ रहा है एवं मनरेगा में फर्जी मानव दिवस मजदूर खड़ा कर फोटो खिंचवा लिया जाता है और बिल वाउचर लगाकर फर्जी सारा धन हड़प रहे है। इस तरह करते 4 साल गुजर गए परंतु विकास कार्य नहीं हुआ हल्की सी बरसात होने पर दलित बस्ती के राम लगन,कालिका,शेर बहादुर,प्रेमा देवी, जसवंत कुमार, बलराम, सियाराम ,राजेश कुमार, रमेश कुमार सहित कई घरों के सामने जल भराव बना रहता है।

अग्निकांड पीड़ितों को दुर्विजय शाक्य ने बांटी शासकीय सहायता तथा राहत सामग्री

पीड़ितों को ढांढस बंधाते हुए बोले,मोदी-योगी सरकार आपके साथ

अवधनामा संवाददाता

बदायूँ। थाना जरीफनगर क्षेत्र के सोनबुड़ी में आग हादसे के पीड़ितों को भाजपा व्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष द्वारा राहत सामग्री का वितरण करते हुए शासकीय सहायता के चेक वितरित किए गए। गौरतलब है कि बुधवार रात आई तेज आंधी बारिश के दौरान थाना जरीफ नगर क्षेत्र के ग्राम सोनबुड़ी में कई घरों में आग लग गई थी।भाजपा के मीडिया प्रभारी आशीष शाक्य ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा ब्रज क्षेत्र दुर्विजय सिंह शाक्य ने गांव सोनबुड़ी पहुंचकर पीड़ित परिवारों को शासकीय सहायता के चेक वितरण

किए और राहत सामग्री वितरण की। उन्होंने बताया कि श्री शाक्य ने पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया और कहा मोदी व योगी सरकार इस दुःख की घड़ी में आपके साथ खड़ी है,आपकी हर संभव मदद की जाएगी और जो भी नुकसान हुआ है उसका सर्वे स्थानीय प्रशासन कर रहा है, उसका पूरा मुआवजा मिलेगा। इस मौके पर उपजिलाधिकारी सहसवान प्रेमपाल सिंह, डीसीबी चेयरमैन जेके सक्सेना, ब्लॉक प्रमुख शिशुपाल शाक्य, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नमित गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि केसी शाक्य, तीर्थेंद्र पटेल, आशीष शाक्य, अंकित शाक्य, परमवीर शाक्य, अरविन्द पटेल, हेमेंद्र पटेल सहित आदि उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय पर मनाई गई रानी अहिल्याबाई की 300 वीं जयंती

अवधनामा संवाददाता

बदायूँ। भाजपा कार्यालय पर रानी अहिल्याबाई होलकर की तीन सौ वीं जयंती के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।प्रदर्शनी का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता,बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, पूर्व विधायक प्रेमस्वरूप पाठक, पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य, पूर्व एमएलसी जितेन्द्र यादव द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में रानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा कराए गए सेवा, गौरवमयी सुशासन, धर्मार्थ और ऐतिहासिक कार्यों को दर्शाया गया।इस दौरान जिलाध्यक्ष श्री गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी गांव में हुआ था। उन्होंने कहा कि उनके 30 वर्ष के कार्यकाल को सुशासन, न्यायप्रियता, सामाजिक समरसता, धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के कार्यों के लिए जाना जाता है।बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने काशी विश्वनाथ से लेकर सोमनाथ मंदिर तक देशभर के लगभग 10 हजार मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया था तथा नारी सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और राष्ट्रनिर्माण के लिए अपने जीवन को समर्पित किया। इस मौके पर पूर्व विधायक प्रेमस्वरूप पाठक, पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य, पूर्व एमएलसी जितेन्द्र यादव, पूर्व डीसीबी चेयरमैन उमेश राठौर, एमपी सिंह राजपूत, शारतेंदु पाठक, शैलेंद्र मोहन शर्मा, भगवान सिंह मौर्य, धीरज पटेल, मोनिका गंगवार, अचल शर्मा, मुनीश पंडित, डॉ. आशीष शर्मा, अमित सिंहआदि मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से मृतकों के आश्रितों को प्रभारी मंत्री ने दी आपदा सहायता राशि

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग तथा प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा द्वारा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सर्किट हाउस सभागार में आकाशीय बिजली गिरने से मृतकों के आश्रितों को आपदा सहायता राशि चेक वितरित किए। मृतक अनिल कुमार पुत्र बीरबल सिंह निवासी खजुरी एवं अंकित कुमार पुत्र नेकीराम निवासी ग्राम कुरड़ी के परिवारजनों को सहायता राशि के रूप में 04-04 लाख रूपये के चेक वितरित किए गए।

इस दौरान विधायक नकुड़ मुकेश चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र सैनी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

रोडवेज एवं प्राइवेट बस चालकों की मनमानी से,नागरिक परेशान

मनमाने तरीके से गाड़ियों को पार्क करने एवं सवारियां भरने से लगा रहता है जाम

अवधनामा संवाददाता

बदायूँ। रोडवेज तथा प्राइवेट बसों के चालकों द्वारा रोडवेज के निकट सड़क पर मनमाने तरीके से अपनी गाड़ियों को पार्क करने एवं यहां से सवारियां भरने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है,जिस कारण यहां हर समय जाम लगना एक आम बात बन कर रह गई है।जिससे नागरिकों को यहां से गुजरने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।बावजूद इसके जिम्मेदार इससे बेखबर बने हुए हैं।

रोडवेज के निकट स्थित अजंता होटल के बगल से वन विभाग तथा कचहरी की ओर जाने वाले मार्ग पर रोडवेज एवं प्राइवेट बसों के चालक लगभग हर रोज अपनी गाड़ियों को मनमाने तरीके से पार्क कर देते हैं। बसों के चालक यहां पर अपनी बसों को आड़ा-तिरछा खड़ा करके सवारियां भरते रहते हैं जिससे यहां हर समय जाम जैसी स्थिति बनी रहती है। यह स्थिति तब है जब यहां से महज 10-15 कदम की दूरी पर रोडवेज पुलिस चौकी स्थित है। यहां जाम की स्थिति देखकर ऐसा लगता है कि जैसे न तो पुलिस को इससे कोई सरोकार है और ना ही रोडवेज के अधिकारियों को,जबकि यह मामला मीडिया सुर्खियों आए दिन बना रहता है। इस सबके बाद भी जिम्मेदार इस और से बेखबर बने हुए हैं।

ट्रेन में अवैध तरीके से बेचे जा रहे खाद्य सामग्री के साथ पांच पकड़े गए

पनियहवा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी कप्तानगंज व गोरखपुर ने की कार्रवाई

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। पनियहवा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी कप्तानगंज एवं गोरखपुर की संयुक्त टीम ने एक विशेष अभियान के तहत शनिवार सत्याग्रह एक्सप्रेस ट्रेन में अवैध वेंडिंग कर रहे पांच व्यक्तियों को पकड़ लिया। इस कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में बिना अनुमति खाद्य एवं पेय पदार्थ बरामद किए गए हैं।

इस विशेष चेकिंग ऑपरेशन का नेतृत्व उपनिरीक्षक मनोज कुमार यादव ने किया। उनके साथ हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार यादव, हेड कांस्टेबल योगेश कुमार सिंह, कांस्टेबल नितिन कुमार सिंह तथा कांस्टेबल जयप्रकाश यादव शामिल रहे। टीम ने ट्रेन में सघन तलाशी अभियान चलाया, जिसके दौरान बिना किसी वैध लाइसेंस या वेंडिंग पास के खाद्य सामग्री और पेय पदार्थ बेचते हुए पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए विक्रेताओं में खड्डा निवासी वीरेंद्र पासवान से 24 बोतल पानी और 24 लीटर मैंगो जूस बरामद हुआ। किशन पासवान से 15 बोतल पानी और 70 रुपये नकद मिले।

मटिया निवासी बलिराम गुप्ता से 26 बोतल पानी, 26 लीटर मैंगो जूस और 1630 रुपये नकद बरामद हुए। खड्डा निवासी विज्ञान चौधरी से 11 बोतल पानी और 570 रुपये जब्त किए गए। जब उपनिरीक्षक मनोज कुमार यादव ने इन सभी व्यक्तियों से वैध वेंडिंग प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने को कहा, तो कोई भी व्यक्ति वैध दस्तावेज दिखाने में असमर्थ रहा। इसके बाद नियमानुसार उन्हें हिरासत में लिया गया और बरामद सामान एवं नकदी के साथ पनियहवा पुलिस चौकी लाया गया।

आगे की विधिक कार्रवाई हेतु सभी को आरपीएफ पोस्ट कप्तानगंज को सुपुर्द कर दिया गया।

नोडल अधिकारी बी चंद्रकला ने रामपुर गहिरखेत में हर घर नल, जल जीवन मिशन का किया स्थलीय निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। सचिव महिला कल्याण विभाग उप्र शासन/ नोडल अधिकारी बी चंद्राकला ने ग्राम पंचायत रामपुर गहिर खेत, वि.ख. डलमऊ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत घर-घर जाकर हर घर नल जल योजना का स्थलीय निरीक्षण किया। जांच के क्रम में मुख्य पाइप से जल आपूर्ति,जल शुद्धता की स्थिति व नल में लगे टोटी का जायजा लिया।

ग्राम पंचायत रामपुर गहिरखेत में ही एक जनसभा में लाभार्थियों और उपस्थित ग्रामीणो से नल से जल आपूर्ति को लेकर जानकारी हासिल की। ग्राम प्रधान शिवकुमार यादव ने बताया कि अभी तक लगभग 90 प्रतिशत घरों में नल से पानी आना शुरू हो गया है। वहीं कुछ ग्रामीणों ने कहा कि नलों में पानी का प्रेशर कम आता है। जिस संबंध में नोडल अधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय को निर्देश दिया कि संबंधित को समय से समस्या का निस्तारण कराने का निर्देश दिया जाए। इस दौरान नोडल अधिकारी ने स्वयं ग्रामीण क्षेत्र में जाकर नल में कम प्रेशर आने की शिकायत का निरीक्षण किया और जल जीवन मिशन के अधिशासी अभियंता से तत्काल समस्या का निस्तारण कराया। नोडल अधिकारी ने इस दौरान ग्रामीणों को बताया कि पेयजल की शुद्धता से कई प्रकार की गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने नव निर्मित पम्प हाऊस की व्यवस्था परखते हुए कर्मचारियों से पंप संचालक की तकनीकी जानकारी भी ली। निर्देश दिया कि पंप हाउस पर कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए। साथ ही ग्रामीणों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों का समय से निस्तारण कराया जाए। नोडल अधिकारी ने पंप हाउस परिसर में पौध रोपण भी किया। इसके उपरांत नोडल अधिकारी ने पूरे गुरु गांव में जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल द्वारा लगाए गए नलों में आने वाले पानी की गुणवत्ता भी देखी गयी। ग्रामीणों ने नोडल अधिकारी को बताया की घर-घर नल लग जाने से उनके जीवन स्तर में सुधार आया है साथ ही शुद्ध पानी की उपलब्धता होने लगी है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, उपजिलाधिकारी अहमद फरीद, डीसी मनरेगा शिवशंकर पांडे और जल जीवन मिशन के अभियंता ए रहमान सहित अन्य उपस्थित रहे।

नोडल अधिकारी ने वन स्टॉप सेंटर का किया औचक निरीक्षण

नोडल अधिकारी बी. चंद्रकला ने महानंदपुर स्थित वन स्टाफ सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान साफ सफाई और खाद्य सामग्री की गुणवत्ता परखते हुए केंद्र की मैनेजर आस्था ज्योति से निराश्रित महिलाओं और बालिकाओं को दी जा रही विधिक और स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि महिलाओं की समय-समय पर काउंसलिंग भी कराई जाए। साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए।

बाल गृह (बालिका) चक धरौहरा का नोडल अधिकारी ने किया निरीक्षण

बी.चंद्रकला नोडल अधिकारी ने बाल गृह (बालिका) चक धरौहरा का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बालिकाओं की हस्त निर्मित कलाकृतियों को भी देखा। उन्होंने इस संबंध में बच्चियों से वार्ता की और संचालक अरुण कुमार मिश्रा को निर्देश दिया कि बच्चों को अन्य कलात्मक विषयों चित्रकला, संगीत, सिलाई-कढ़ाई से भी प्रशिक्षित किया जाए। उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाए। केंद्र पर उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर का भी अवलोकन किया। उन्होंने संचालक को निर्देश दिया कि बच्चियों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें घर वापस भेजने के लिए नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, अधीक्षका नीतू सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा गौ आश्रय स्थलीय का किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश जल निगम के प्रबंध निदेशक एवं नोडल अधिकारी रमाकांत पांडेय द्वारा शनिवार को गौ आश्रय स्थल ताहरपुर, तकीपुर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। प्रबंध निदेशक, जल निगम द्वारा गौ आश्रय स्थलों पर गौवंश की देखरेख, चारे की उपलब्धता एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को परखा गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान में भीषण गर्मी पड़ रही है ऐसे में गौशालाओं में मूलभूत सुविधाओं की किसी भी स्तर पर कमी न हो और पशुओं की समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। सीवीओ डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी ने बताया कि ताहरपुर गौशाला में 175 गौवंश संरक्षित हैं। सभी जिओ टैग से आच्छादित हैं। गौशाला के लिए हरा चारा उपलब्ध है। 10 कंतल भूसा दान में एवं 300 कुंतल भूसा खरीदा गया है। 04 केयर टेकर के माध्यम से गौशाला की देखरेख की जा रही है। गौशाला से 1.2 हैक्टेयर चारागाह संबद्ध है। सहभागिता योजना में 14 पशुपालकों को 26 गाय प्रदान की गई हैं। एसएफसी पूलिंग में 3 लाख की धनराशि उपलब्ध है। प्रबंध निदेशक ने गौशाला हित में उपलब्ध धनराशि का समुचित सदुपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विकाखखण्ड टप्पल के अस्थाई गौवंश आश्रय स्थल तकीपुर के निरीक्षण में 80 गौवंश संरक्षित पाए गए। गौवंश की स्वास्थ्य स्थिति अच्छी पाई गई। तीन कुंतल साइलेज मौके पर पाया गया। सीवीओ ने बताया कि 400 कुंतल भूसा खरीदा गया है एवं 60 कुंतल दान में प्राप्त हुआ है। गौशाला तार फेंसिंग से घिरी हुई है। 02 केयर टेकर एवं चौकीदार हैं। 06 लाभार्थियों को 14 गाय वितरित की गई हैं। गोबर के बदले भूसा प्राप्त किया जा रहा है। एसएफसी पूलिंग से प्राप्त 12480 रूपये का सुदपयोग होना पाया गया। मौके पर केयर टेकर रूम एवं भूसा कक्ष की आवश्यकता पाई गई।

मंडलायुक्त ने श्रीराम मेमोरियल वैदिक इंटर कॉलेज अतरौली के प्रधानाचार्य को किया सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। मण्डलायुक्त संगीता सिंह द्वारा ऑपरेशन जागृति फेज-4 में महत्वपूर्ण योगदान के लिए तहसील अतरौली स्थित कृष्णा एवं श्रीराम मेमोरियल वैदिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार श्रोतिय को कार्यालय कक्ष में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विदित रहे कि ऑपरेशन जागृति फेज-4 के तहत तहसील अतरौली के कृष्णा एवं श्रीराम मेमोरियल वैदिक इंटर कॉलेज में 15 मई को छात्र-छात्राओं एवं एनसीसी/स्काउट कैडेट्स द्वारा मिशन से जुड़े कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में संगीता सिंह आयुक्त अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़, अमृत लाल जैन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, ममता कुरील, एसपी क्राइम एवं उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी अतरौली सहित अभियान से जुड़े हुए अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा प्रतिभाग किया गया। सम्पूर्ण अभियान में कालेज के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार श्रोतिय के तहसील अतरौली स्तर पर योगदान व उनकी कार्यशैली एवं कर्मठता के लिए शनिवार को मण्डलायुक्त ने आयुक्त कार्यालय में उनके योगदान की सरहाना करते हुए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मण्डलायुक्त ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को शासन के प्रत्येक अभियान एवं विकास कार्यों में रूचि लेकर समय से कार्यों को पूर्ण करने तथा शासन की जनहित व शासकीय योजनाओं को आम नागरिक तक पहुँचाकर उन्हें लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए।

बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र में लापरवाही पर ग्राम पंचायत अधिकारी निलंबित

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने कालपी कोतवाली में आयोजित संपूर्ण समाधान थाना दिवस में आम जनता की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और कई मामलों में मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया। कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से सभी शिकायतों का तत्काल गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया।

मनोज कुमार ने अपनी फरियाद प्रस्तुत करते हुए बताया कि ग्राम पंचायत अधिकारी इंद्रजीत सिंह राणा बीते 10 अप्रैल से बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में टालमटोल कर रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी व जिला पंचायत राज अधिकारी से पुष्टि पर प्रकरण को गंभीर मानते हुए ग्राम पंचायत अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। साथ ही आदेशित किया कि आज ही बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किए जाएं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी नागरिक को प्रमाण पत्र बनवाने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा पंचायत भवन में ही प्रमाण पत्र बनेंगे। मिर्जा मंडी क्षेत्र से आए मोहल्ले वासियों ने पेयजल संकट की शिकायत की। जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए अधिशासी अभियंता, जल संस्थान को निर्देशित करते हुए तत्काल पानी के टैंकर से जलापूर्ति कराई और दीर्घकालिक समाधान के लिए ठोस कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान बिजली, चक मार्ग और अन्य मूलभूत समस्याओं को भी गंभीरता से सुना गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की सतर्कता और सख्ती का असर साफ दिखाई दिया मौके पर मौजूद अधिकारियों ने तत्परता से कार्रवाई की।

भ्रष्टाचार में डूबी नगर पालिका टांडा में सरकारी धन को लूटने की कोशिश जारी

अवधनामा संवाददाता

पहले से हो चुके काम की करा दिया निविदा प्रकाशन समय से निविदा न खुलने से खुल गई पोल

टांडा अम्बेडकरनगर। भ्रष्टाचार के आखण्ड में डूबी नगर पालिका परिषद टांडा में घोटाले कम होने का नाम नहीं ले रहे है आये दिन जहां यहाँ के सभासद ही पालिका अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे है वहीं अब इसका एक सीधा और जीता जागता उदाहरण मिल गया है जिसमें पहले से बन चुकी सड़क की निविदा का प्रकाशन कराकर उसका फर्जी भुगतान कर पैसे के बन्दर बांट की योजना थी जो कि शायद अब पूरी न हो सके क्योंकि टांडा नगर पालिका के ईओ आशीष सिंह के अवकाश पर चले जाने की वजह से निविदा खुलने के देरी हो गई और आज उनकी इस योजना की पोल खुल गई है और यह तो एक मात्र उदाहरण है ऐसी और बहुत से कार्य होंगे जो शायद उच्च अधिकारी जान ही नहीं पाते होंगे और सरकारी धन का बंदरबांट हो जाता है। ताजा मामला नगर के मोहल्ला नेहरू नगर वार्ड नंबर एक का है जहां पर दिनांक 09/04/2025 को निविदा का प्रकाशन कराकर 15 वें वित्त मद से नगर के मोहल्ला नेहरूनगर चुंगी घर से होते हुए प्रेम नारायण वर्मा के मकान से होते हुए डॉक्टर यादव के मकान तक पिच रोड निर्माण व नाली मरम्मत का कार्य जो कि 6 लाख 4 हजार 37 रुपए का है उक्त निविदा को क्रम संख्या 27 पर दर्शाया गया है और उक्त कार्य की निविदा भी दिनांक 02 /05/2025 को पालिका अध्यक्ष द्वारा अपने चहेते ठेकेदारों द्वारा डलवाई गई है और निविदा को खोलने की डेट भी 02/05/2025 नियत की गई थी लेकिन नगर पालिका के ईओ आशीष सिंह द्वारा अवकाश पर चले जाने की वजह से उक्त कार्य सहित और सभी कार्यों की निविदा अभी तक नहीं खुल पाई जिससे नगर पालिका टांडा का यह खेल उजागर हो गया है क्योंकि यह सड़क पहले से ही जल निगम द्वारा बनाई जा चुकी है लेकिन इस पिच रोड के नाम पर धन को गबन करने के लिए उक्त पिच रोड को जबरदस्ती मात्र कुछ मीटर का कार्य नगर पालिका द्वारा नहीं करने दिया गया जिससे कि किसी को मेन रोड से देखने पर यह पिच रोड खराब लगे और मात्र कुछ मीटर का कार्य कराकर सारे धन का बंदरबांट किया जा सके लेकिन नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी आशीष कुमार सिंह अवकाश पर चले गए और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी का चार्ज उपजिलाधिकारी टांडा को मिल जाने के कारण अभी तक उक्त कार्यों की निविदा नहीं खुल पाई है जिससे कि इनकी पोल खुल गई जबकि नगर के प्रमुख समाजसेवी अंकित श्रीवास्तव ने कहा कि नगर पालिका टांडा में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है चारों तरफ लूट मची हुई है कमीशन खोरी बढ़ गई और नगर को दोनों हाथों से लूटा जा रहा है यह तो मात्र एक मामला है जो आप जैसे पत्रकारों की वजह से उजागर हो गया है लेकिन अगर सही तरह से जॉच करा ली जाये तो अभी ऐसे ऐसे कई मामले सामने आयेगे मै उच्च अधिकारियों से आग्रह करता हूँ कि वह इस नगर को लूटने से बचाये।

एवरेस्ट फतह पर रचा इतिहास, गीता समोटा बनी सीआईएसएफ की पहली महिला अधिकारी

अंबेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। देश की सुरक्षा में संलग्न केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने इतिहास रच दिया है। बल की महिला उप निरीक्षक गीता समोटा ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8,849 मीटर / 29,032 फीट) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर न केवल बल का मान बढ़ाया, बल्कि भारतीय महिला शक्ति का भी गौरवपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि सोमवार, 19 मई 2025 की सुबह दर्ज हुई, जब गीता एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचीं। राजस्थान के सीकर जिले के छोटे से चक गांव से निकलकर एवरेस्ट की चोटी तक की इस यात्रा में गीता ने मानवीय सहनशक्ति, साहस और संकल्प की एक नई मिसाल पेश की है। यह विजय केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि यह सीआईएसएफ की महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। गीता समोटा ने वर्ष 2011 में ष्ट्धस्स्न जॉइन किया था। सेवा के शुरुआती वर्षों में ही पर्वतारोहण के प्रति उनके रुझान ने उन्हें कुछ अलग करने की प्रेरणा दी। वर्ष 2017 में उन्होंने पर्वतारोहण का प्रशिक्षण प्राप्त किया और ऐसा करने वाली वह पहली तथा अब तक की एकमात्र सीआईएसएफ अधिकारी बनीं। इस सफलता ने उन्हें एवरेस्ट अभियान के लिए तैयार किया। गीता की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से प्रेरित होकर अब सीआईएसएफ वर्ष 2026 में एक पूर्ण पर्वतारोहण दल माउंट एवरेस्ट पर भेजने की योजना बना रहा है। बल का मानना है कि यह पहल ना केवल संगठन के भीतर रोमांच और फिटनेस को बढ़ावा देगी, बल्कि राष्ट्र सेवा में लगे सुरक्षाबलों के भीतर आत्मविश्वास और प्रेरणा का नया संचार करेगी।

पुलिस द्वारा शातिर चोर किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की हुई एक बाली बरामद

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। 10.5.25 को वादी गौतम माहौर की भतीजी रोशनी उम्र करीब 10 वर्ष शाम 5 बजे ट्यूशन से लोट रही थी तभी एक व्यक्ति द्वारा उपरोक्त छोटी बच्ची को बहला फुसला कर पला रोड कल्पना पार्क के सामने ले गया और उसके कान से बाली निकाल ली।

जिसकी सूचना गौतम माहौर द्वारा थाना हाजा पर दी गयी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में चोरी व लूट की घटनाओं की रोकथाम व तलाश वांछित अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना सासनीगेट पुलिस टीम द्वारा मु0अ0स0 222/25 धारा 303 (2) बीएनएस में वांछित अभियुक्त ताहिर पुत्र हसमत नि0 शिफालाज के पास मामूद नगर थाना रोरावर जपनद अलीगढ को चोरी की हुई एक पीली धातू की एक बाली के साथ गिरफ्तार किया गया।

सैनिकों के सम्मान में व्यापारियों ने निकाली विशाल तिरंगा यात्रा

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। पहलगांव में हुए आतंकी हमले पर्यटकों की निर्मम हत्या ओर फिर उसके बाद भारत सरकार के अदम्य निर्णय से भारतीय सैनिकों द्वारा आतंकियों को करारा जवाब देकर उनके ठिकानों को निशाना बनाकर उनको खत्म करके पूरे विश्व में भारतीय सेना ने अपने शौर्य पराक्रम को दिखाया। इसी के अंतर्गत आज भारतीय सेना के सम्मान में संयुक्त व्यापार मंडल सर्राफा एसोशियेशन एवं व्यापारी समाज द्वारा संयुक्त तत्वाधान में व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता, संजीव सिपौल्या के नेतृत्व में शौर्य तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यात्रा माहिल तालाब गांधी स्मारक से सर्राफा बाजार बलदाऊ चौक और भरत चौक होते हुए विभिन्न मार्गों से निकाली गई। व्यापारी समाज ने तिरंगा यात्रा पर जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत अभिनन्दन किया। वरिष्ठ व्यापारियों ने विजय विश्व तिरंगा को अपने हाथ में लेकर सड़को में उतर कर अपने जोश और उत्साह को दिखाया। व्यापारियों ने आतंकियों और उनके संरक्षण देने बाले देश के प्रति अपना रोष भी दिखाया। देश के प्रति अपनी अपना समर्पण दिखाया। इस अवसर पर डॉक्टर हरिमोहन पुरवार बसंत माहेश्वरी केदार भारद्वाज बलवीर ईंटोंदिया महेश पुरवार ज्ञान सिंह खागर श्याम किशोर सर्राफ अरुण त्रिपाठी राकेश अग्रवाल व्यापारी नेताओं में संतोष गुप्ता अनिल यादव सुनील शिवहरे प्रभात तिवारी विजय बाजपेई संजीव सिपोलिया प्रदीप द्विवेदी बबलू दुबे मती रंजना अग्रवाल बलवीर जादौन रोहित अग्रवाल उदय करण प्रजापति श्री मती निशा राजपूत अंकित त्रिपाठी मोहन रावलानी युवा नेता गौरव राठौर रमेश चंद्र यादव राजेंद्र सोनी जी श्री मती रचना श्रीवास्तव मती शांति गुप्ता श्री मती संगीता पाठक श्री मती सोनम व्यास गोपाल मिश्रा अमित शुक्ला विवेक गहोई माचिस उमेश चंद्र शर्मा सौरभ दुबे सुधीर पांडेय सहयोगी इष्ट मित्र एवं सैकड़ों में व्यापारी गण उपस्थित रहे।

सूचना

न्यायालय सिविल जज सीडी सहारनपुर स्टेट बैंक बीफ इण्डिया द्वारा शाखा प्रबन्धक शाखा कोर्ट रोड सहारनपुर (वादी) बनाम..श्रीमती रविता शर्मा पत्नि श्री जगदीश लाल निवासी निकट चौधरी सिनेमा मोहल्ला सर्वगयान ननौता देहात त0 रामपुर मनिहारान जिला सहारनपुर। प्रतिवादी हरगह वादी ने आपके नाम एक नालिश बामत के दायर की है कि लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप दि.16/07 /2025 को 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार चाकई वाकिफ किया गया हो और कुल उमरात अहम मुतालिका मुकदमे का जवाब दे सके या जिसके पास कोई शख्स हो कि जवाब ऐसे सवाजात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा की करे लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाही को जिनकी शहादत पर नाज तमाम दस्तावेज को जिन पर पर आप अपनी जवाबदेही के ताहिद इस्तेमाल करना चाहते ही पेश करें आपको इतिला दी जाती है बरोज मजकूर आप हाजिर ना होंगे तो मुकदमा बगैर आपकी हाजिरी आपके समात और फैसला होगा। बब्जत मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज 22/5)2025 को जारी किया गया।

आज्ञा से मुंसरिम सिविल जज सीडी सहारनपुर

सूचना

न्यायालय सिविल जज सीनियर डिविजन सहारनपुर वाद स.3201 सन् 2024 जितेंन्द्र कपूर पुत्र श्री कुलदीप कपूर नि.14/1 सहारनपुर बनाम तनवीर अहमद पुत्र हाजी सिजजील अहमद निवासी मौहल्ला, हिरनमारान, सहारनपुर। हरगाह वादी ने आपके नाम स्थायी निषेधाज्ञा दिनांक 24/12/2004 में दायर की है लिहाजा हुक्म होता है कि आप तारीख 10/7/2025 को 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जी मुकदमा के हालात करार वाकई वाकिफ किया गया हो या जिसके पास कोई शख्स हो कि अहम मुतालिका मुकदमे में सवालात का जवाब दे सके हाजिर ही और जवाबदेही दावा की करे हरगाह वही तारीख़ जो आपके इजहारी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमे की वजहुई बस को जिम है कि उसी रोज अपने गवाह एवं दस्तावेज़ पेश करें इत्तिला दी जाती है कि बरोज मजकूर आप हाजिर न हो तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके समात और फैसला होगा मेरे दस्तख्त और मुहर अदालत से 22/5/25, को जारी किया गया।

आज्ञा से मुंसरिम सिविल जज सीडी सहारनपुर

ये शोले आज़माना जानते हैं, तो हम दामन बचाना जानते हैं

अवधनामा संवाददाता

खूब सजी शेरों व शायरी की महफ़िल, सम्मानित हुए नासिरुद्दीन गोरखपुरी

कप्तानगंज, कुशीनगर। एक शाम हाफ़िज़ नासिरुद्दीन गोरखपुरी के नाम से शेअ्री, अदबी व एज़ाज़ी महफ़िल का आयोजन शायर नूरुद्दीन नूर की रिहायश (आवास) कनोडिया इण्टर कॉलेज कप्तानगंज के सामने बहुत धूमधाम से किया जिस में दूर दराज़ से कवियों एवं शायरों की शिरकत कर के प्रोग्राम को सफल बनाया। उर्दू संस्था अंजुमन इस्लाह ए अदब के ज़ेर ए एहतमाम यह साहित्यिक अदबी प्रोग्राम दो मरहलों (चरणों) में हुआ पहले चरण में गोरखपुर के प्रसिद्ध शायर व मुशायरा संचालक नासिरुद्दीन नासिर गोरखपुरी साहब को उनकी साहित्यिक एवं सामाजिक अदबी गतिविधियों के लिए उन्हें फूल, वस्त्र के साथ सिपासनामा सौंप कर उनका सम्मान किया गया इसके पश्चात बाहर से आए सभी कवियों को उनकी साहित्यिक सेवाओं और सुंदर प्रस्तुतियों के लिए फूल माला, शाल व एज़ाज़ी सनद (प्रशस्ति पत्र) से सम्मानित किया गया। इस चरण का संचालन प्रसिद्ध शायर डा. अर्शी बस्तवी ने किया। दूसरे चरण में शायरी और कविताओं का दौर चला जिसका संचालन मुशायरों के मश्हूर संचालक वक़ार वाहिद साहब ने निहायत सलीक़े से अंजाम दिया। इस कवि सम्मेलन एवं मुशायरा की सदारत तन्ज़ीम के अध्यक्ष मौलाना क़ुदसी बस्तवी साहब ने फ़रमाई। मुख्य अतिथि मशहूर व मारूफ शायर वसीम मज़हर गोरखपुरी विशिष्ट अतिथियों में गोरखपुर से आए जनाब शाकिर अली व अब्दुल्लाह जामी साहिबान आख़िर तक मौजूद रहे। जिन कवियों ने अपनी रचनाओं, कविताओं से सामईन (श्रोताओं) की तालियां बटोरीं उन में मुख्य रूप से फ़ीरोज़ अश्क, मधुसूदन पाण्डेय, बेचू बीए, विनोद गुप्ता, राधे श्याम रागी, बेनी गोपाल शर्मा, बलराम राय के नाम अहम हैं। अखीर में आर्गनाइजर नूरुद्दीन नूर ने तमाम शायरों, कवियों एवं श्रोताओं का शुक्रिया अदा करते हुए प्रोग्राम को आइन्दा तक के लिए मुल्तवी (स्थगित) का एलान किया।

मिली है कामयाबी हमको जिस दिन से ज़मानें में
हमारी आस्तीं के सांप हैरानी में कितने हैं।।

वसीम मज़हर गोरखपुरी

दिल पर ऐसा जख्म लगा।
लाएं कहां से अब मरहम।।

अब्दुल्लाह जामी

गुनह करके कोई भी चैन हरगिज़ पा नहीं सकता।
बुराई करते रहने से मुसीबत जन्म लेती है।।

शाकिर अली शाकिर

ये शोले आज़माना जानते हैं।
तो हम दामन बचाना जानते हैं।।

डा. इम्तियाज़ समर

सुला तो लेगी मां बच्चों को आख़िर।
खिलौना ख़्वाब में आता रहे गा।।

वक़ार वाहिद

मैं कैसे हुस्न के लिक्खूं क़सीदे।
मिरे अफ़कार को फ़ुरसत नहीं है।।

असलम निज़ामी

आदमीयत की बात करते हो
कितनी हैरत की बात करते हो
इस तरक़्क़ी के दौर में अर्शी
तुम मुहब्बत की बात करते हो

अर्शी बस्तवी

सोच के मेरा दिल ये क्यों घबराया है।
आज ख़यालों में जाने कौन आया है।

नूरुद्दीन नूर

50 करोड़ से अधिक की 14 महत्वपूर्ण योजनाओं की जिलाधिकारी ने की गहन समीक्षा

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 50 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 14 महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। नमामि गंगे व पेयजल योजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी जिलाधिकारी ने नमामि गंगे और ग्रामीण जिला आपूर्ति विभाग के अंतर्गत कोटा मुस्तकिल, रायपुरा, मडेपुरा व सला ग्राम की पाइप पेयजल योजनाओं की प्रगति धीमी पाए जाने पर कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि मैनपावर बढ़ाकर कार्य में तेजी लाई जाए ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। नगर विकास एवं नगरी रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन विभाग द्वारा संचालित नगर पालिका परिषद उरई की पेयजल पुनर्गठन योजना की समय से टेंडर प्रक्रिया पूर्ण न होने पर निर्माण कार्य में देरी पर जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्था को शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा महेबा में 400/220/132 केवी उपकेंद्र व संबंधित ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर भी जिलाधिकारी ने मैनपावर बढ़ाकर कार्य में तेजी लाने को कहा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद मौर्य, संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं कार्यकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पंचतत्व में विलीन हुए शहीद लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का अंतिम संस्कार शनिवार को जमथरा घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। शुक्रवार देर रात उनका पार्थिव शरीर विशेष विमान से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचा, जहां सेना द्वारा उन्हें मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया। शनिवार सुबह उनका शव उनके पैतृक गांव मझवा गद्दौपुर लाया गया, जहां माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया। सेना के जवानों ने शहीद के पिता जंग बहादुर तिवारी को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा। सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। सुबह 11 बजे उनके शव की अंतिम यात्रा जमथरा घाट के लिए निकली, जहां पिता ने पुत्र को मुखाग्नि दी। जमथरा घाट पर सेना द्वारा उन्हें सलामी दी गई। शहीद के अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि हेतु जनसैलाब उमड़ पड़ा। उनके आवास पर प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी गौरव ग्रोवर, डोगरा रेजीमेंट सेंटर के अधिकारी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, अमित सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, कांग्रेस जिलाध्यक्ष चेत नारायण सिंह पूर्व मेयर ऋषिकेश उपाध्याय और बीजेपी महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव सहित कई जनप्रतिनिधियों, राजनितिक दलों के कार्यकर्ता व प्रशासनिक अधिकारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। शहीद शशांक तिवारी की शहादत पर पूरे जिले में शोक की लहर है। लोगों ने उन्हें सच्चा राष्ट्रभक्त बताते हुए कहा कि उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जाएगा। नम आंखों से सपा ज़िला अध्यक्ष पारसनाथ यादव, पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव, पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने अंतिम विदाई दी। इस मौके पर सपा ज़िला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा उत्तर सिक्किम की बर्फीली ऊंचाइयों में तैनात लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी ने कर्तव्य, साहस और मानवता की मिसाल पेश करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी उनके इस बलिदान को देश व देश के लोग युगों युगों तक याद करेंगे।

अशोक मिश्रा बने सोहावल इकाई के अध्यक्ष, के के सिंह को सौंपी गई महामंत्री की जिम्मेदारी

अयोध्या। (अवधनामा संवाददाता) नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (एनयूजे) की सोहावल इकाई की वार्षिक बैठक सावित्री मैरिज लॉन, सोहावल में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से अशोक मिश्रा को पुनः तहसील अध्यक्ष और के के सिंह को महामंत्री चुना गया। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब दोनों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र तिवारी, उपाध्यक्ष महेंद्र उपाध्याय और महानगर अध्यक्ष अंकुर पांडेय मौजूद रहे। अध्यक्ष और महामंत्री के नाम का प्रस्ताव संरक्षक लाल जी तिवारी और फहीम अहमद ने किया, जिसे अनुमोदन सोहराब खान और फहीम अहमद ने प्रदान किया।अपने संबोधन में अशोक मिश्रा और के के सिंह ने संगठन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वे पत्रकार हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत रहेंगे। जिला अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता ने कहा कि ग्रामीण पत्रकारों को निष्पक्ष पत्रकारिता के चलते कई बार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन संगठन हमेशा उनके साथ खड़ा है।बैठक के समापन पर शहीद लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी और दिवंगत पत्रकार देव शरण पांडेय को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।इस अवसर पर पत्रकार शशांक सिंह, धर्मेंद्र पटेल, पवन पटेल, राम सुरेश सिंह बाबा, गौरव मिश्रा, मोहम्मद फहीम सहित कई पत्रकार साथी मौजूद रहे।

सब कुछ टाइड पर: भारत के उद्यमियों के लिये एकीकृत डिजिटल प्लेबटफॉर्म

अवधनामा संवाददाता

बरेली। दोहारा की एक हार्डवेयर दुकान से लेकर एकता नगर के ट्यूशन सेंटर तक उत्तर प्रदेश के छोटे कारोबार अब डिजिटल युग में कदम रख रहे हैं। और इस बदलाव में उनका भरोसेमंद साथी बन रहा है टाइड। एक ऐसा राज्य, जहाँ उद्यमियों को अब तक लंबी कतारों, भारी-भरकम कागजी कार्यवाही और सीमित कर्ज़ सुविधाओं जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ता था, वहीं अब टियर-2 और टियर-3 शहरों में डिजिटल-फर्स्ट बिज़नेस ओनर्स की एक नई पीढ़ी उभर रही है और वे टाइड को अपना विकास-साथी बना रहे हैं। टाइड भारत का एक अग्रणी बिज़नेस मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म है जो देशभर के छोटे और मझोले कारोबारों (एमएसएमई) को उनके पैसे कागजात, बिजनेस एडमिन और भुगतानों को एक ही मोबाइल ऐप से मैनेज करने की सुविधा देता है। चाहे कोई कारोबारी अपना व्यापार शुरू कर रहा हो या पहले से एक बढ़ता हुआ बिज़नेस चला रहा हो टाइड उनके लिए काम को तेज़, आसान और स्मार्ट बनाता है। गुरजोधपाल सिंह सीईओ टाइड (इंडिया) ने कहा भारत की विकास यात्रा छोटे कारोबारों के योगदान के बिना अधूरी है। एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में जहाँ ज़मीनी स्तर पर उद्यमिता तेज़ी से बढ़ रही है। टाइड के ज़रिए हम इन उद्यमियों को ऐसे डिजिटल टूल्स दे रहे हैं जो उनके कारोबार को तेज़, आसान और अधिक सुलभ बनाते हैं। जो काम पहले हफ्तों में होता था, अब कुछ ही मिनटों में हो जाता है। सही संसाधनों से सशक्त होकर ये कारोबारी भारत की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब कारोबारियों को न तो शाखा-दर-शाखा दौड़ने की ज़रूरत है और न ही दस्तावेज़ों के लिए हफ्तों इंतजार करना पड़ता है। टाइड ऐप खास तौर पर छोटे व्यवसायों की जरूरतों के हिसाब से डिज़ाइन किया गया है। इसके ज़रिए एमएसएमई कुछ ही मिनटों में उद्यम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं, घर बैठे जीएसटी के लिए आवेदन कर सकते हैं और अपने कारोबार के लिए उपयुक्त सरकारी योजनाओं की जानकारी भी पा सकते हैं।

थानाध्यक्ष सुधीर की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस आयोजित

अवधनामा संवाददाता

मसौली बाराबंकी। प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह की अध्यक्षता मे आयोजित थाना समाधान दिवस मे आज शिकायतों का लगा अम्बार थाने मे आयी शिकायतों के निस्तारण के लिए पुलिस एव राजस्व टीमों का गठन किया गया है। शनिवार को थाना मुख्यालय पर आयोजित थाना समाधान दिवस मे ग्राम सुरसंडा निवासी अमर सिंह पुत्र शिव नरायण ने गांव के ही सुशील कुमार नौमीलाल पर 20 फिट जमीन पर कब्जा करने की शिकायत की थाना रामसनेही घाट के ग्राम हुसैनमऊ निवासी अंकित कुमार चतुर्वर्दी ने सुरसंडा निवासी नदीम पुत्र नईम पर खरीदी गयी भूमि पर हेराफेरी का आरोप लगाया है भूलीगंज निवासी हसीब अहमद ने जान मो0 व बुलाकी पर कब्जे की शिकायत की बांसा निवासी राजेश पुत्र विद्यासागर ने राज बहादुर पुत्र तुलसी पर सहन से पानी निकालने कि शिकायत की वही अमदहा निवासी रामचंद्र भूमि पैमाइश की शिकायत की। थाना समाधान मे कुल 17 शिकायते आयी जिसके निस्तारण के लिए राजस्व एव पुलिस टीम का गठन किया गया है। इस मौके पर अतिरिक्त निरीक्षक सनत मिश्रा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक श्मशाद अली, राहुल शर्मा, राजकरन सिंह राजस्व निरीक्षक स्वामीनाथ सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

380 सविंदा कर्मचारियों को वापस नही लेती धरना जारी रहेगा: रंजीत वर्मा

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। गन्ना संस्थान में 19वे दिन भी संविदा कर्मियों का लगातार अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा, लेकिन आज तक प्रशासन अधिकारी द्वारा आश्वासन नही दिया गया और नही मौके पर पहुँचकर धरने पर बैठे सविंदाकर्मियों की सुंध ली। आज शनिवार को पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10 बजे से कलेक्ट्रेट स्थित गन्ना संस्थान में उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के जिला सचिव अनिकेत वर्मा के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन 19 वें दिन भी जारी रहा। अध्यक्षता में रंजीत कुमार वर्मा ने किया जिसका संज्ञान प्रबंधन एवं प्रशासन द्वारा कोई भी रुचि नहीं ली जा रही है। श्री वर्मा ने आगे कहा कि 380 संविदा कर्मचारियों को जब तक वापस नहीं लिया जाएगा तब तक यह अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन अनवरत चलता रहेगा। इस मौके पर मुकेश कुमार शर्मा, शिवेंद्र कुमार, आशीष कुमार, राजकुमार चौधरी, अमरेश शर्मा, रोहित कुमार, लालजी वर्मा, अनिकेत कुमार, रंजीत कुमार, वीरेंद्र कुमार वर्मा, विनय वर्मा, विजय वर्मा, आलोक कुमार वर्मा, पवन यादव, माधव, हंसराज यादव, अनुज, अनूप, सत्यम विश्वकर्मा आदि सम्मिलित रहे।

किसान गोष्ठी में किसानों को टमाटर की खेती करने को जागरूक किया

जैदपुर बाराबंकी। ग्राम मिर्जापुर में किसान गोष्ठीः इंडस सीड्स कंपनी ने टमाटर की खेती के लिए किसानों को किया जागरूक। बताते चलें कि मिर्जापुर गांव में इंडस सीड्स कंपनी द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कंपनी ने किसानों को कैलाशा नामक हाईब्रिड टमाटर की खेती के बारे में जानकारी दी।

नोडल अधिकारी ने मधवलीय गो सदन का किया निरीक्षण

महराजगंज। (अवधनामा संवाददाता) जनपद में नोडल अधिकारी एवं विशेष सचिव आवास मनोज कुमार द्वितीय ने गौसदन मधवलिया का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पशु शेड, पशुओं की संख्या तथा सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। नोडल अधिकारी ने शेड में नाद की संख्या बढ़ाने, नर गोवंश को पृथक रखने और साईलेज का प्रमाण पत्र पशुपालन विभाग से प्राप्त करने के निर्देश दिए। परिसर की सुबह-शाम सफाई सुनिश्चित करने तथा 30 पशुओं पर एक केयर टेकर की तैनाती करने को कहा। वर्मी कंपोस्ट उत्पादन व उसके विपणन को बेहतर बनाने हेतु भी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। नोडल अधिकारी ने गौसदन की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक रामदरश चौधरी, बीडीओ निचलौल शमा सिंह, जल निगम के अधिशासी अभियंता आतिफ हुसैन, तहसीलदार सदर अमित सिंह समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोर्ट के आदेश पर दो के विरुद्ध केस दर्ज

मिठौरा महराजगंज। (अवधनामा संवाददाता)सिंदुरिया थाना क्षेत्र एक महिला ने न्यायालय में मुकदमा कर दो लोगों के विरुद्ध मार-पीट व घर का सामना तोड़ने का आरोप लगाया है जिसपर न्यायालय के आदेश पर सिंदुरिया पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत दर्ज कर लिया है। मथानिया टोला नेटुहयिया सुमन ने बताया कि बीते आठ अप्रैल को समूह की बात को लेकर हमारे पट्टीदार सीमा व उनके पति मेघवाल से बाद विवाद हो रहा था जिसको लेकर न्यायालय में गुहार लगाई थी। थानाध्यक्ष मनोज गुप्ता के अनुसार कोर्ट के आदेश पर दो लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

राज्यमंत्री ने अहिल्याबाई होलकर के जीवन वृतांत से जुड़ी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। पुण्यश्लोका लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर्यंत किए गए कार्यों को लेकर उनके जीवन दर्शन पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय पर किया गया। खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने फीता काट कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया एवं अन्य अतिथियों संग प्रदर्शनी का अवलोकन किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि न्यायप्रिया प्रशासक,सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जीवनभर संघर्ष करने वाली एवं नारी सम्मान की प्रतीक अहिल्याबाई के 300 वीं जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा स्मृति अभियान आयोजित कर रही है।कहा कि प्रदर्शनी के जरिए आम जन मानस को उनके कृतित्व से अवगत होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा अहिल्याबाई द्वारा किए गए कार्यों को छिपाने का प्रयास पूर्ववर्ती सरकारों ने किया किंतु भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने देश की समस्त महान विभूतियों के सम्मान को बढ़ाने के लिए अनेकों प्रयास किए जा रहे हैं जिसके जरिए भारत का गौरवशाली इतिहास युवा पीढ़ी को बताया जा सके।कहा कि अहिल्याबाई ने अपने जीवन में सुशासन का आदर्श प्रस्तुत किया। उनके जीवन का पल-पल और उनके शरीर का कण-कण मानव कल्याण को समर्पित रहा।अहिल्याबाई ने अपनी सेना में महिलाओं को भर्ती कर राष्ट्र की रक्षा में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की।उन्होंने अनेकों कुंआ,तालाब और बावड़ी बनवाई,नारी शिक्षा को बढ़ावा दिया,बाल विवाह,विधवा विवाह,सती प्रथा जैसी अनेकों कुरीतियों के विरुद्ध सतत् संघर्ष किया।जिला अध्यक्ष अरविंद मौर्य ने बताया कि 31 मई तक जिला कार्यालय पर प्रदर्शनी रहेगी। इस अवसर पर विधायक दिनेश रावत, एमएलसी अंगद सिंह, एससी आयोग के प्रदेशाध्यक्ष बैजनाथ रावत, अजीत प्रताप सिंह, अमरीश रावत, रामकुमारी मौर्य, शीलरत्न मिहिर, संदीप गुप्ता, विजय आनंद बाजपेई, मनोज वर्मा, राकेश पटेल, रामहेत विश्वकर्मा, शशि गुप्ता, रोहित सिंह, सर्वेश अवस्थी, सूरज सिंह मौजूद रहे।

रामबाबू व रामशरण ने मन्त्री एके शर्मा का किया जोरदार स्वागत

रामनगर बाराबंकी। (अवधनामा संवाददाता) कस्बा रामनगर में उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री एके शर्मा का भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रामबाबू द्विवेदी एवं नगर चेयरमैन राम शरण पाठक अपने सैकड़ो समर्थको के साथ जोरदार स्वागत अभिनंदन किया गया। स्वागत के दौरान प्रदेश मन्त्री ए के शर्मा ने अशोक खरवार अधिशाषी अभियंता से कई विकास कार्यों की प्रगति के बारे में पूंछा और चेयरमैन पाठक से रामनगर के अन्य विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव भी लिए मंत्री जी ने कहा कि हमारे सरकार की प्राथमिकता सर्वांगीण विकास की है हम मोदी और योगी के नेतृत्व में हर व्यक्ति को अच्छी व्यवस्थाएं देने के लिए संकल्पित है। मन्त्री एके शर्मा ने रामबाबू द्विवेदी की जमकर तारीफ की जिसकी रामनगर में चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रांतीय महामंत्री ने मंत्री एके शर्मा एवं उपस्थित सैकड़ों स्थानीय साथी गणों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष महादेवा अमित सिंह युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष वैभव मिश्रा, पर्यावण प्रेमी कुँवर मोनू भास्कर, अशोक शुक्ला, सभासद अवनीश कुमार मिश्रा टिंकू तिवारी शुभम जायसवाल, इसरार, रियाज नेता, उदय प्रताप, शिव कैलाश गौतम, रमेश राठौर, पूर्व सभासद दयाशंकर पवन ओझा जय प्रकाश शुक्ला बबलू आदेश सिंह रैकवार, रामनरेश शुक्ला दीपक ओझा अमरेश तिवारी आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संस्थागत प्रसव की खराब स्थिति पर अधीक्षकों और एमओआईसी का वेतन बाधित

अप्रैल माह में संस्थागत प्रसव में आई गिरावट से सीएमओ असंतुष्ट

महराजगंज। (अवधनामा संवाददाता) अप्रैल माह 2025 में संस्थागत प्रसव में आई गिरावट पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ श्रीकांत शुक्ला ने असंतोष व्यक्त किया है। ऐसी स्थिति को देखते हुए सभी चिकित्सका अधीक्षकों और प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों का मई माह का वेतन बाधित कर दिया है। व्यवस्था में सुधार के लिए जिम्मेदारों को निर्देशित भी किया है। सीएमओ ने कहा कि माह अप्रैल 2025 के संस्थागत प्रसव की समीक्षा में पाया गया कि एक अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक मंत्रा एप के माध्यम से 1855 प्रसव हुआ जबकि जन्म मृत्यु पोर्टल से जन्म पंजीकरण 8846 परिलक्षित हो रहा है। उक्त आकड़े के परीक्षण से प्रतीत हो रहा है कि सरकारी स्वास्थ्य इकाईयों में संस्थागत प्रसव में काफी कमी आई है। जो अधीक्षकों और प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों द्वारा राजकीय कार्यों में उदासीनता को दर्शाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त जिम्मेदारों द्वारा अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ बैठक कर समीक्षा नहीं की जा रही है। जिससे संस्थागत प्रसव में गिरावट आई है ।सीएमओ ने कहा कि उनके द्वारा प्रत्येक माह बैठक कर कार्यक्रमों के प्रगति के लिए बिन्दुवार समीक्षा की जाती है साथ ही सुधार के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया जाता है, लेकिन जिम्मेदारों द्वारा कोई रूचि नहीं ली गयी। जिसकी वजह से मई माह का वेतन बाधित किया जा रहा है।

नवागत एडीशनल एसपी ने थाना दिवस में सुनी फरियाद

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। शनिवार को फरेंदा थाने में समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जिसमें राजस्व के चार मामले आए। मामलों के समाधान के लिए टीम गठित किया गया है। समाधान दिवस में पुलिस और भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई हुई। पुलिस और राजस्व विभाग से जुड़े अफसरों ने सुनवाई की। सुनवाई के दौरान सर्वाधिक जमीन से संबंधित मामले पहुंचे। अधिकारियों ने मातहतों को सप्ताहभर के अंदर प्राप्त शिकायती पत्रों का निस्तारण करने का निर्देश दिया। नवागत एडीशनल एसपी सिद्धार्थ ने कहा कि पीड़ितों की समस्याओं को खुद समझ कर दूर करें। फोर्स के साथ राजस्वकर्मी मौके पर जाकर विवादित मामलों का निस्तारण करें अगर मामला गंभीर है तो तत्काल अधिकारियों को अवगत कराएं, ताकि अधिकारी मौके पर जाकर समाधान करें। उपजिलाधिकारी मुकेश कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी दीपशिखा वर्मा कोतवाल प्रशांत पाठक, चौकी इंचार्ज गंगाराम यादव, दुर्गेश वैश्य, अरुण कुमार, अभय नरायन मौजूद रहें।

हज यात्रा पर निकले हाजियों को पुष्पगुच्छ देकर किया रवाना

अवधनामा संवाददाता

बरेली /मीरगंज । इस्लाम धर्म के सबसे पवित्र तीर्थ स्थल मक्का और मदीना में हज करने के लिए दियोरिया से कमर अली अपनी पत्नी के साथ हज यात्रा पर एक साथ रवाना हुए। हज यात्रा पर जाने वालों दोनों पति पत्नी हज यात्री पहले दिल्ली पहुचेंगे, जहां अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से मक्का के लिए उडान भरेंगे। हाजियों के काफिले को लोगों ने यह पवित्र यात्रा के लिए मुबारकबाद देकर विदा किया। हज को जाने वाले हज यात्रियों के बीच भी इस पवित्र यात्रा को लेकर उत्साह देखने को मिला।

मक्का मदीना जाना हर मुसलमानों का सपना होता है. हर वर्ष लाखों की संख्या में देश भर के मुसलमान वहां जाते हैं। शनिवार को तहसील मीरगंज के गांव दियोरिया अब्दुल्लागंज के 2 लोग हज के लिए रवाना हो गए।

हज को रवाना होने वालों में कमर अली (मुल्ला जी) और उनकी पत्नी अन्नो बेगम शामिल हैं। रवाना होने से पहले इन लोगों को गांव के लोगों ने विदाई दी और उनकी सकुशल यात्रा की कामना की। विदाई देने वालों में पूर्व विधायक शराफ़त यार खा, सहकारी साधन सीमित के उपसभापति शाहनवाज, चम्मू खा, माहिर, शाजिम हुसैन, अज़ीम हुसैन, नाजिम, तनवीर, काले खा, नासिर खा, गुड्डू, अजहर, अतहर और उनके रिश्तेदार और परिचित के अलावे कस्बे के लोग भी मौजूद रहे. लोगों ने गले मिलकर उन्हें हज के लिए रवाना किया. हज जाने वालों का नेतृत्व कर रहे नासिर खा ने बताया कि वे लोग गांव से दिल्ली तक कार से हाजी लोगों को छोड़ने जा रहे है। वहां से हवाई मार्ग से मक्का मदीना के लिए रवाना होंगे. शाहनवाज़ खान ने बताया कि यही दुआ है कि अल्लाह सभी हज यात्रियों का सफर आसान फरमाकर हज कबूल फरमाए।

हज पर जा रही अन्नो बेगम ने कहा कि यह हमारी खुशनसीबी है कि अल्लाह ने हमें हज के लिए चुना।मक्का व मदीना शरीफ़ मे इबादत कर खूब दुआएं मांगनी है मुल्क, परिवार के लिए।

कमर अली खा ने कहा कि दिल में एक ही दुआ लेकर जा रहा हूं कि हमारे हज को खुदा कुबूल कर ले। कोई गलती हो तो माफ कर दे और गुनाहों से बचाए। मेरी खुशनसीबी है कि आज खुदा ने यह दिन दिखाया है।

स्टर्लिंग पब्लिक स्कूल में कथक कार्यशाला का आयोजन 2 जून से

सिसवा बाजार महराजगंज। (अवधनामा संवाददाता) स्थानीय स्टर्लिंग पब्लिक स्कूल में बिरजू महाराज कथक संस्थान लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) एंव स्टर्लिंग पब्लिक स्कूल सिसवा बाजार के संयुक्त तत्वधान में ग्रीष्मकालीन कथक कार्यशाला का आयोजन 2 जून से 8 जून तक स्टर्लिंग पब्लिक स्कूल के प्रांगण में किया जा रहा है। इसमें विशेष रूप से बिरजू महाराज कथक संस्थान लखनऊ की कथक नृत्य प्रशिक्षिका सुश्री तनु श्री (लखनऊ से आकर) इस क्षेत्र के बच्चों को कथक नृत्य के लिए प्रशिक्षित करेंगी। स्टर्लिंग पब्लिक स्कूल के निदेशक चन्द्रशेखर पाल ने बताया कि उक्त कार्यशाला में किसी भी विद्यालय के बच्चें 7388309966,7081189539 पर अपना पंजीकरण करा सकते है एंव भाग ले सकते है।

117 प्रार्थना पत्रों में से 18 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही हुआ निस्तारण

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। जनपद के समस्त थानों में ÷थाना समाधान दिवस÷ का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक महराजगंज द्वारा थाना कोतवाली में थाना समाधान दिवस पर फरयादियों की समस्याओं को सुना गया। कुल 10 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमे से मौके पर ही 01 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया तथा शेष मामलो मे समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया । जिलाधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक महराजगंज द्वारा निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बन्धित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पडे तथा प्रकरणों का त्वरित व न्यायपूर्ण निस्तारण हो सके । जिलाधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा जमीन सम्बन्धित थाना स्तर, आइजीआरएस या अन्य सभी माध्यमों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों को थाना समाधान दिवस रजिस्टर में अंकित करने एवं समाधान दिवस पर दोनों पक्षों को बुलवाकर पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा निस्तारित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

ग्राम पंचायत पड़रिया में समय से नहीं आते मनरेगा मजदूर, कागजों में दम तोड़ती परियोजनाएं

रोजगार सेवक का मोबाइल नंबर रहता स्वीच ऑफ, कब कैसे और कौन लगा रहा हाजिरी

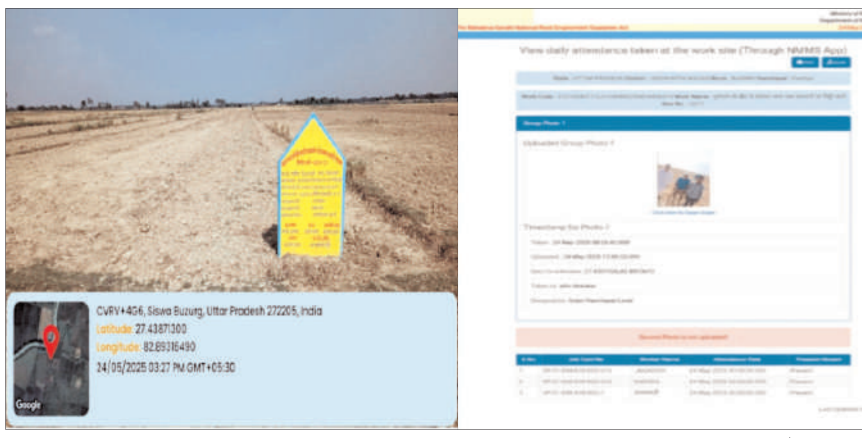

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। विकास खंड बढ़नी के ग्राम पंचायत पड़रिया में विकास के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। ग्राम पंचायत में दो साइड पर कुल लगभग पांच दर्जन मनरेगा श्रमिकों का मास्टर रोल भरा जा रहा है। जिसमें गुलजार के खेत से सोतवा नाला तक चकमार्ग पर मिट्टी पटाई कार्य व घनश्याम के खेत से सोतवा नाला तक मिटटी पटाई कार्य चल रहा है।

शनिवार को मीडिया टीम ने जब धरातल पर सच्चाई जानने के लिए साइड पर तीन बजे पहुंच कर देखा तो मौके पर कोई भी श्रमिक, रोजगार सेवक व मेठ मौके पर मौजूद नहीं था, करीब आधा घंटे तक इंतजार करने पर भी कोई जिम्मेदार समय से नही पहुंचा। वहीं रोजगार सेवक शिव शंकर यादव के मोबाइल नंबर पर कई बार सम्पर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ बताता रहा। अब सवाल उठ रहा है कि रोजगार सेवक का मोबाइल जब स्वीच ऑफ रहता है तो मनरेगा श्रमिकों की हाजिरी कब और कौन कैसे लगा रहा है। वहीं सूत्रों की मानें तो एक रोजगार सेवक के पास कई ग्राम पंचायतों का कार्य भार होने की वजह से उनके आईडी पासवर्ड का कोई अन्य व्यक्ति गलत इस्तेमाल कर रहा है, जो जांच का विषय बन गया है। उक्त संबंध में एपीओ शाहिद सिराज का कहना है कि रोजगार सेवक का मोबाइल नंबर स्वीच ऑफ होने के कारण सम्पर्क नहीं हो पा रहा है। लेकिन इस समय गर्मी के दिनों में तीन बजे से मनरेगा मजदूरों को साइड पर पहुंचना जरूरी होता है। वहीं बीडीओ यशोवर्धन सिंह का कहना है कि रोजगार सेवक का मोबाइल स्विच ऑफ होने पर भी हाजिरी लगाने की जिम्मेदारी रोजगार सेवक की है। अगर समय से मनरेगा मजदूर कार्य नहीं करते हैं तो एपीओ को अधिकार है मास्टर रोल जीरो कर सकते हैं। मामले की जांच कराई जायेगी।

समाधान दिवस पर आये दस मामले में छह का निस्तारण

अवधनामा संवाददाता

लोटन सिद्धार्थनगर। शासन के मंशा के अनुरूप शनिवार को लोटन कोतवाली पर थाना समाधान दिवस के दौरान थाना प्रभारी दिनेश कुमार सरोज ने क्षेत्र से आए हुए फरियादियों की समस्याओ को सुना। समाधान दिवस के दौरान आये कुल दस मामलो के बारे मे बारी बारी से फरियादियों की समस्याओं को सुना और लेखपालों से कहा कि आप लोगो द्वारा भूमि विवाद व जमीनी बटवारा चक मार्ग का विवाद फोर्स के साथ मौके पर जाकर निस्तारण करा सकते है कोई भी विवाद लम्बित न रखे उससे समस्या और बढ़ती है लोगों को कोर्ट का चक्कर लगाना पड़ता है। जिसमें लेखपालों द्वारा 5 मामला राजस्व से सम्बन्धित निस्तारण किया गया। वही पुलिस से सम्बन्धित एक मामला ग्राम पंचायत एकडेगवा का था जो परिवाररिक विवाद था वह भी निस्तारण किया गया। थाना प्रभारी ने बताया राजस्व से सम्बन्धित 4 मामले न्यायालय मे चल रहा है वह निस्तारण नही हो पाया है। इस दौरान थाना प्रभारी दिनेश कुमार सरोज उप निरीक्षक नन्दलाल सरोज, उप निरीक्षक भीम सिंह, कांस्टेबल मुंसी अबरार अहमद, कांस्टेबल संजय कांस्टेबल लक्ष्मण, कांस्टेबल शिवपाल सिंह यादव, कांस्टेबल अजय कुमार, महिला कांस्टेबल पूजा वर्मा, कानूनगो अब्दुल क्यूम, लेखपाल मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

विशेष सचिव ने डीएम के साथ किया स्वास्थ्य केन्द्र, परीक्षक कक्ष का निरीक्षण

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। विशेष सचिव, व्यवसायिक शिक्षा/नोडल अधिकारी अभिषेक सिंह द्वारा जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 के साथ सिद्धार्थ विश्व विद्यालय, कपिलवस्तु में बने स्वास्थ्य केन्द्र, परीक्षक कक्ष का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विशेष सचिव, व्यवसायिक शिक्षा/नोडल अधिकारी अभिषेक सिंह द्वारा सिद्धार्थ विश्व विद्यालय कपिलवस्तु में बने स्वास्थ्य केन्द्र को देखा गया जिसका निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। इसके साथ ही परीक्षक कक्ष को देखा गया। सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि कार्य प्रगति पर है बजट के लिए पत्र शासन को भेजा गया है। शेष कार्य समय से पूर्ण कर लिया जायेगा। विशेष सचिव, व्यवसायिक शिक्षा/नोडल अधिकारी अभिषेक सिंह ने निर्देश दिया समय से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्माण कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

जिले के बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षक पुत्र ने लहराया परचम

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। बेसिक शिक्षा विभाग, सिद्धार्थनगर में कार्यरत शिक्षक के पुत्र ने लहराया सफलता का परचम। लक्ष्य सिंह पुत्र सुनील कुमार निवासी ग्राम आलमगीरपुर बढला परीक्षित गढ़ मेरठ ने ऑल इण्डिया सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2025 में 300 में से 294 अंक लाकर एआईआर-19 वी रैंक प्राप्त कर परिजनों का नाम रोशन किया। इससे पूर्व भी छात्र यूपी सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा व मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट स्कूल राई सोनीपत में भी सफलता प्राप्त कर चुका है। छात्र के पिता जिले में शिक्षक पद पर कार्यरत है। सुनील कुमार ने एकल अभिभावक होने के बावजूद अपने बच्चो के साथ-साथ विद्यालय के बच्चों का भी भविष्य सवार रहे हैं। लक्ष्य सिंह ने बताया उसका सपना सेना में बडा अधिकारी बन कर देश की सेवा करना है।

पूमाशि0 संघ अध्यक्ष को पत्नी शोक

बांसी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष व तहसील क्षेत्र बांसी के गजहड़ा निवासी रमेश चन्द्र मिश्र के धर्म पत्नी का लम्बी बीमारी के बाद 21 मई दिन बुधवार को देहावसान हो गया। शिक्षकों ने शोक सभा आयोजित कर मृतका आत्मा की शान्ति और परिवार को इस अपार दुःख के सहन करने की शक्ति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। शोकसभा में मुख्य रूप से संगठन के जिला महामंत्री कलीमुल्लाह, मस्तराम चौधरी सतीश चन्द्र त्रिपाठी, बालाजीत कुमार, मोहम्मद आजाद, संजय आनन्द, वरुणेंद्र राय, शिव सागर चौबे, धनंजय मिश्र आरिफ उस्मानी, राम बिलास चौधरी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने अहिल्या बाई होल्कर के जीवन शैली पर आधारित प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी के त्रिशताब्दी जन्म जयंती के के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के माध्यम से 31 मई तक विभिन्न कार्यक्रम किये जा रहे हैं, जिसके क्रम में शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की जीवन शैली पर आधारित प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया एवं पार्टी पदाधिकारियों के साथ अवलोकन किया। अहिल्याबाई होलकर की जीवन शैली पर लगी प्रदर्शनी में अहिल्याबाई होलकर जी के जीवन की काल रेखा उनके धार्मिक योगदान उनके प्रशासनिक कौशल और सैन्य नेतृत्व, नारी शक्ति सशक्तिकरण एवं नई नेतृत्व सेवा और न्याय से सजी मराठा शक्ति की अनुपम गाथा के बारे में दिखाया गया है। जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने कहा लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी का जीवन न्याय समाज सुधार और महिला सशक्तिकरण एवं दूरदर्शन नीतियों के लिए समर्पित रहा उनका मानना था जहां धर्म है, वहीं न्याय है और वही मेरा मार्ग होना चाहिए आज उनकी नीतियों पर भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता चल रहा हैं। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी, वरिष्ठ भाजपा नेता हरिशंकर सिंह, कार्यक्रम संयोजक/जिला उपाध्यक्ष दीपक मौर्य, सह संयोजक सचिदानंद चतुर्वेदी, अरुणा मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी भाजपा निशांत पाण्डेय, जिला मंत्री फतेबहादुर सिंह, बिंदुमति मिश्रा, संतोष शुक्ला, अमित उपाध्याय, रमेश मणि त्रिपाठी,नगर महामंत्री अनुराग गगन, डॉ अरविंद पाण्डेय, रमेश पाण्डेय, लक्ष्मीकांत जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

बीएसए ने समर कैम्प का किया औचक निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने बर्डपुर ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय मधुबेनिया, काशीपुर और नौगढ़ ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय रेहरा में चल रहे समर कैम्प का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान समर कैम्प में बच्चों को खेल खेल के माध्यम से दी जाने वाली शिक्षा का अवलोकन किया, और बच्चों के साथ स्वयं खेल कर उनका हौसला बढ़ाया तथा समर कैम्प में अधिक से अधिक बच्चों के प्रतिभाग करने हेतु अनुदेशकों तथा शिक्षा मित्रों से प्रयास करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस समर कैम्प का मकसद खेल खेल के माध्यम से बच्चों के बुनियादी गणित के लिखने पढ़ने और समझने की दक्षताओं को मजबूत करना है। उन्होंने विज्ञान गणित के किट के अधिक से अधिक प्रयोग करने का सुझाव दिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने समर कैम्प में उपस्थित बच्चों से विज्ञान और गणित के कई सवाल पूछे, बच्चों ने सभी सवालों का सही सही उत्तर दिया। उसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने बच्चों के साथ टेबल टेनिस, वालीबाल, क्रिकेट आदि खेल कर उनका हौसला बढ़ाया। कंपोजिट विद्यालय काशीपुर में बच्चों के योगा, जिम्नास्टिक, पोस्टर आदि को देखा और खूब प्रशंसा की। निरीक्षण के दौरान खण्ड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार, जिला समन्वयक अमित कुमार शुक्ला, करुणाकर त्रिपाठी, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री कलीमुल्लाह, प्रथम एजुकेशन संस्था के जिला समन्वयक संदीप पाठक, ब्लॉक समन्वयक गुणवत्ता आशीष कुमार सिंह, अब्दुल अज़ीज़, नागेश्वर प्रसाद, विजय लक्ष्मी, मोहीउद्दीन, अपराजिता, शब्बीर अनवर अंसारी आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सोमवार को लगेगा बाहबहानी जीवन रक्षा हल्लौर में निःशुल्क मेडिकल कैम्प

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के हल्लौर कर्बला रोड स्थित बाहबहानी हॉस्पिटल पर सोमवार 26 मई को बाहबहानी जीवन रक्षा निःशुल्क मेडिकल कैम्प में कुशल चिकित्सक द्वारा मरीज़ों की जांच के उपरांत दवा भी दी जाएगी। यह जानकारी हॉस्पिटल प्रबंधक डॉ फखरुल हसन ने देते हुए बताया कि यह कैम्प सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगाया जाएगा। जिसमें हीमोग्लोबिन यूरिक एसिड और शुगर आदि का मुफ्त परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र वासियों से अधिक से अधिक तादात में उक्त कैम्प में पहुँचकर अपने स्वास्थ्य का परीक्षण करा कर लाभ उठाने की अपील की है।

समर कैम्प में नौनिहाल शारीरिक व मानसिक विकास के लिये विभिन्न खेलों का शिविर में लिया भाग

जलालपुर अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। ब्लॉक जलालपुर के कम्पोजिट व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में चल रहे समर कैंप में बच्चे उत्साहित होकर शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए योग एवं खेल समेत अन्य गतिविधियों में नौनिहाल काफी रूचि ले रहे हैं। समर कैंप के प्रथम सप्ताह में हमारी सांस्कृतिक विरासत, समाज में मेरा योगदान, डिजिटल कौशल और स्मार्ट कक्षा समेत अन्य गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय हाजीपुर में शिक्षा मित्र चंद्रेश कुमारी, अनीता विश्वकर्मा ने बच्चों में रचनात्मक कौशल को बढ़ावा देने के लिए आउट डोर व इनडोर गेम खेल समेत कई गतिविधियों को संचालित किराया। कन्या सीनियर विद्यालय में पहुचे सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक मुनीर अहमद ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए समाज में मेरा योगदान आधारित थीम पर अपने विचार साझा किए। यहां तसमिया फात्मा, उम्मे कुलसूम, सोनाक्षी व असरा मरियम समेत अन्य छात्राओं ने बताया कि शिविर में भाग लेकर हम सभी काफ़ी खुश हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय अजईपुर में खेल के माध्यम से नौनिहालों के अंदर छिपी प्रतिभा को निखारा गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़े गांव में बालिकाओं में डिजिटल कौशल को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट क्लास गतिविधियों से परिचित कराते हुए पावर प्वाइंट की सीख दी गई। व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने के लिए उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़े पुर में हमारी सांस्कृतिक विरासत थीम के अंतर्गत कई प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गई । खंड शिक्षा अधिकारी मीनाक्षी सिंह ने बताया कि समर कैंप से बच्चों में छिपी प्रतिभा निखर रही है।

प्राकृतिक खेती आज की आवश्यकता है

कृषि विज्ञान केंद्र पर कृषि विभाग द्वारा आयोजित नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के अंतर्गत पाँच दिवसीय प्राकृतिक खेती पर चल रहें प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक समापन हुआ

अवधनामा संवाददाता

बस्ती। कृषि विज्ञान केंद्र पर कृषि विभाग द्वारा आयोजित नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के अंतर्गत पाँच दिवसीय प्राकृतिक खेती पर चल रहें प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम ने अपने संबोधन के दौरान कहां कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 20 मई से 24 मई 2025 तक आयोजित किया गया, जिसमें बस्ती जिले के बहादुरपुर, दुबौलिया, कुदरहा विकासखंडों से आए 35 कृषि सखियों ने भाग लिया।

उप संभागीय प्रसार अधिकारी हरेंद्र प्रसाद ने बताया कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित खेती की ओर प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर रहे जनपद के प्राकृतिक एवं जैविक खेती के पुरोधा सेवानिवृत कर्नल के सी मिश्रा ने अपने संबोधन में बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाकर किस प्रकार शुद्ध, स्वस्थ, उन्नत उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। केंद्र के शस्य वैज्ञानिक हरिओम मिश्रा ने कृषि सखियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवामृत, बीजामृत व घनजीवामृत का निर्माण व उपयोग प्राकृतिक संसाधनों की निर्माण विधि एवं उनके लाभों पर व्याख्यान दिए और खेत में इनका प्रदर्शन किया गया। केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ प्रेम शंकर ने कहा कि प्राकृतिक खेती आज की आवश्यकता है, जिससे न केवल लागत में कमी आती है, बल्कि पर्यावरण भी संरक्षित रहता है और उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य प्राप्त होता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. वी बी सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि किसानों को आत्मनिर्भर और टिकाऊ खेती की दिशा में एक सशक्त मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

बकरीद पर्व को लेकर प्रशासन सख्त सम्भरात लोगों के साथ हुई बैठक

टांडा अम्बेडकरनगर। आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को टांडा तहसील सभागार में शांति समिति की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी टांडा रेनू ने की, जिसमें प्रशासनिक अफसरों के साथ-साथ नगर के जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। बैठक में उपजिलाधिकारी रेनू ने नगर पालिका परिषद टांडा के सफाई निरीक्षक राकेश कुमार गौरव को स्पष्ट निर्देश दिए कि बकरीद पर्व से पहले नगर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चुस्त-दुरुस्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सफाईकर्मियों की एक अलग टीम बनाकर उनका मोबाइल नंबर सूचीबद्ध किया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में उनसे तुरंत संपर्क किया जा सके। क्षेत्राधिकारी शुभम कुमार सिंह ने निर्देश देते हुए कहा कि बकरीद पर कुर्बानी के बाद उत्पन्न मलबे को केवल निर्धारित स्थलों पर ही निस्तारित किया जाए।

ढेबरुआ पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने दो नफर को 1.30 किग्रा चरस के साथ किया गिरफ्तार

बढ़नी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध/तस्करी के रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के दृष्टिगत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ सुजीत राय के कुशल पर्वेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक ढेबरूआ गौरव सिंह के नेतृत्व में शनिवार को एसएसबी व थाना ढेबरुआ की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 02 नफर को 1 किलो 30 ग्राम चरस के साथ नेपाल से आ रहे भारत-नेपाल बार्डर के पिलर सं0-568 के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 93/2025 धारा 08/20/23 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर, मा0 न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरफ्तार नजमुद्दीन अबुल कलाम खान पुत्र अबुल कलाम खान निवासी वार्ड नं0-15 बिस्कोहर रोड इटवा थाना इटवा जनपद सिद्धार्थनगर और मोहम्मद इमरान पुत्र मो0 इरफान निवासी ग्राम विशुनपुर चौबे पोस्ट पतिला थाना इटवा जनपद सिद्धार्थनगर है। वहीं पुलिस द्वारा अभियुक्तों के कब्जे से 1.30 किग्रा चरस बरामद किया। इस दौरान गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक अनिरुद्ध सिंह, एसएसबी 50वीं वाहिनी के उप निरीक्षक महेश सिंह, थाना ढेबरूआ के कांस्टेबल अखिलेश यादव, एसएसबी 50वीं वाहिनी के कांस्टेबल विवेक कुमार, आरक्षी कृष्णा मौर्य, आरक्षी हेमपाल गुर्जर, आरक्षी तिरुपति मौजूद रहें।

शिक्षक समस्याओं को लेकर प्राशिसं ने किया बीएसए से वार्ता

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी के नेतृत्व में शनिवार को पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल बीएसए से मिला और शिक्षक समस्याओं के समाधान पर चर्चा किया। बीएसए कार्यालय के सभागार में आयोजित वार्ता में जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिक्षकों को प्रत्येक वर्ष जनवरी में वेतनवृद्धि मिलना चाहिए। चयन वेतनमान के लिए पात्र बहुत से शिक्षकों का नाम पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहा है यही हाल प्रोन्नत वेतनमान से संबंधित है। कहा कि 12460 शिक्षक भर्ती के तहत कई शिक्षकों का अवशेष भुगतान आदेश नहीं हुआ है। इसे शीघ्र जारी होना चाहिए। इसके अलावा एक दिन के चिकित्सा अवकाश के स्वीकृति, निरीक्षण में किसी विशेष परिस्थिति में शिक्षक के अनुपस्थित मिलने पर वेतन भुगतान आदेश जारी करने सहित अन्य मांग रखा गया। बीएसए शैलेश कुमार ने बताया कि चयन वेतनमान के लिए पात्र शिक्षकों का नाम प्रदर्शित कराने के लिए पत्राचार किया गया है। अन्य समस्याओं के समाधान के लिए भी बीएसए ने सकारात्मक आश्वासन दिया। इस दौरान गयानंद मिश्रा, एके श्रीवास्तव, शिवाकांत दूबे, इंद्रसेन सिंह, सुधाकर मिश्र, अरुण सिंह, आशुतोष उपाध्याय, श्रीचंद, उमेश मिश्रा, अरुण सिंह, अनिल पांडेय, दिनेश शर्मा, श्रीष चंद व अकबाल आदि उपस्थित रहे।

तहसीलदार की अध्यक्षता में आयोजित थाना समाधान दिवस

डुमरियागंज थाने पर आए पांच मामले तो भवानीगंज में छह मामले जिसमें दो का हुआ निस्तारण

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना परिसर में शनिवार को तहसीलदार रविकुमार यादव की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार वर्मा और प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव भी उपस्थित रहे। समाधान दिवस में कुल पाँच शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से चार राजस्व विभाग से संबंधित थीं और एक नगर पंचायत से। इन सभी मामलों को संबंधित विभागों को त्वरित निस्तारण हेतु प्रेषित कर दिया गया है। थाना समाधान दिवस में तहसीलदार रविकुमार यादव ने सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि जमीन संबंधी सभी प्रकरणों में पुलिस और राजस्व विभाग की टीमें संयुक्त रूप से कार्य करें, ताकि फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े और मामलों का त्वरित एवं न्यायपूर्ण निस्तारण हो सके। इस दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार वर्मा ने थाना समाधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को शीघ्र न्याय और राहत प्रदान करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव ने सभी उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण और निर्धारित समय-सीमा में शिकायतों का निपटारा सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपनिरीक्षक उमेशधर द्विवेदी, लालकृष्ण श्रीवास्तव, देवेंद्र राठौर, संजय वरुण, प्रवेश शुक्ला, पवन यादव, राहुल यादव, वीरविक्रम सिंह, देवेंद्र गुप्ता, दुर्विजय प्रसाद सहित कई राजस्व और पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इसी क्रम में थाना भवानीगंज में समाधान दिवस पर नायब तहसीलदार डुमरियागंज बिजेंद्र गुप्ता और थानाध्यक्ष भवानीगंज प्रभारी राम गति की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। समाधान दिवस में राजस्व से संबंधित कुल 6 शिकायतें प्राप्त हुई। इनमें भूमि विवाद और अन्य राजस्व से जुड़े मामले शामिल थे। 2 शिकायतों को मौके पर ही निस्तारण किया। शेष 4 मामलों के समाधान के लिए अधिकारियों ने दिशा-निर्देश जारी किए। कार्यक्रम में क्षेत्र के राजस्व लेखपाल और बीट पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने पूर्व से लंबित चल रहे विभिन्न मामलो पर चर्चा की अंत मे उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है।

विशेष सचिव ने डीएम के साथ किया इंडो- नेपाल ककरहवा बार्डर सड़क का निरीक्षण

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। विशेष सचिव, व्यवसायिक शिक्षा/नोडल अधिकारी अभिषेक सिंह द्वारा जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 के साथ शनिवार को इंडो नेपाल - ककरहवा बार्डर सड़क का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के अधिकारी द्वारा बताया गया कि बीच-बीच में कुल 4 किमी गैप बाकी है। शेष कार्य पूर्ण कर लिया गया है। विशेष सचिव, व्यवसायिक शिक्षा/नोडल अधिकारी अभिषेक सिंह ने निर्देश दिया कि शेष कार्यो को शीघ्र पूर्ण करा ले। निरीक्षण के दौरान पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीडीओ गोपाल प्रसाद कुशवाहा तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जफराबाद स्थित बहिश्त ए वफ़ा मे मजलिस का आयोजन

जलालपुर अम्बेडकरनगर। आगामी 26 मई को मदरसा इमामिया जाफरिया जाफराबाद के छात्रों की तरफ से दिवंगत सहपाठियों की स्मृति में नगर के जाफराबाद स्थित बहिश्त-ए-वफा में दो मजलिसों का आयोजन किया गया है। पहली मजलिस दिन में सायं 4 बजे आयोजित होगी। जिसको मौलाना काजिम मेहंदी उरूज व दूसरी मजलिस रात्रि में 8बजे आयोजित होगी। रात्रि की मजलिस को मौलाना सैयद नामदार अब्बास रिजवी दिल्ली खिताब करेंगे। मजलिस के पूर्व सरवर जलालपुरी व कुमैल अब्बास पेश ख्वानी करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए अब्दुल्ला ने बताया विगत माह मोमिन हसन, हैदर मेंहदी, मेजबान असगर, फात्मा जहरा पुत्री नज़र अब्बास, फात्मा जहरा पुत्री कल्बे हसन कम उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह दिया था। उक्त मजलिस दिवंगत सहपाठियों के ईसाल -ए-सवाब के लिए आयोजित की जा रही है।

राजकीय इंजिनियरिंग कालेज मे छात्रों ने किया ज़ोरदार प्रदर्शन

अंबेडकरनगर। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों द्वारा जोरदार धरना प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन कॉलेज परिसर स्थित अंबेडकर छात्रावास में पीने के पानी में मरी हुई छिपकली मिलने के बाद हुआ। छात्रों का कहना है कि कॉलेज के सभी 7 से 8 छात्रावासों में महीनों से पीने के पानी की समस्या बनी हुई है।छात्रों ने बताया कि स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था न होने के कारण उन्हें दूर-दराज से पानी लाना पड़ता है। बीते दिन अंबेडकर छात्रावास में पानी के कंटेनर से मरी हुई छिपकली मिलने के बाद छात्रों में भारी आक्रोश फैल गया, जिसके बाद उन्होंने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ धरना दिया और नारेबाजी की।

'लाल ताबूत' में आधी कील

नक्सलवाद अर्थात 'लाल आतंकवाद' के ताबूत में लगभग आधी कील घुसेड़ दी गई है। 'लाल आतंकवाद' की सांसें तभी उखड़ गईं, जब सुरक्षा बलों ने सीपीआई (माओवादी) के महासचिव, नक्सलियों की रीढ़ और ऑपरेशनल सरगना गगन्ना उर्फ बासव राजू उर्फ नंबाल्ला केशव राव उर्फ दारापू नरसिम्हा रेड्डी को ढेर कर दिया। उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। नक्सलवाद के खिलाफ करीब तीन दशकों की लड़ाई में बासव महासचिव स्तर का पहला नक्सली था। यह सुरक्षा बलों की शानदार, साहसिक, रणनीतिक सफलता और उपलब्धि है। गगन्ना अप्रैल, 2010 के उस दंतेवाड़ा हमले का 'मास्टरमाइंड' था, जिसमें नक्सलियों ने सीआरपीएफ के 75 जवानों को 'शहीद' कर दिया था। छत्तीसगढ़ की ही झिरम घाटी में 2013 में राज्य कांग्रेस के प्रमुख नेताओं के नरसंहार की रणनीति भी बासव ने ही तैयार की थी। बेशक वह खूंखार नक्सली था। वह नक्सलियों के मिलिट्री कमीशन का संचालन करता था, लिहाजा बस्तर के जंगलों में सुरक्षा बलों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाले बूबी ट्रैप और आईईडी भी गगन्ना ने ही तैयार किए थे। वह आंध्रप्रदेश के एक इंजीनियरिंग कॉलेज से प्रशिक्षित बीटेक था, लिहाजा उसने नक्सलियों के हमलों को भी तकनीकी आयाम दिए। बहरहाल 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' का उपसंहार, अंततः, सफल रहा, क्योंकि नक्सलियों का महासचिव मार दिया गया, एक ही दिन में 27 नक्सली भी ढेर किए गए, तेलंगाना, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 84 अन्य नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। सितंबर, 2023 से 20 मई, 2025 के दौरान छत्तीसगढ़ में ही 401 नक्सली मारे गए, जबकि 1355 ने आत्मसमर्पण किया। अब नक्सलवाद की मौजूदगी और सक्रियता देश के 7 राज्यों के 18 जिलों तक ही सिमट कर रह गई है। यह मौजूदगी 9 राज्यों के 38 जिलों में होती थी।

लिहाजा हम कह रहे हैं कि 'लाल आतंकवाद' के ताबूत में लगभग आधी कील गाड़ दी गई है। संपूर्ण खात्मा अभी कुछ शेष है, लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद का अस्तित्व खत्म करने के जिस लक्ष्य को दोहराते रहते हैं, वह संभव लगता है। दरअसल यह ऑपरेशन छत्तीसगढ़ के उस घने जंगल-अबूझमाड़-में सफलता के साथ किया गया है, जहां दशकों तक सरकारी अधिकारी नहीं गए अथवा जाने का साहस नहीं कर पाए और विकास की योजनाएं तो महज एक सपना थीं। नक्सलवादी स्कूलों और पक्की सडक़ों के भी खिलाफ रहे हैं और देश की संसदीय व्यवस्था के भी घोर विरोधी रहे हैं। चारु मजूमदार के नेतृत्व में नक्सलवाद पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी शहर से जिस मकसद के साथ शुरू किया गया था, वह लगातार पीछे छूटता गया। किसानों और भूमिहीनों में समान जमीन का वितरण, बंटवारा नहीं हो सका, लेकिन यह आंदोलन पहले वामपंथी उग्रवाद बना और फिर खास किस्म के आतंकवाद में तबदील होता गया। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का मानना था कि नक्सलवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती रहा है। यह कश्मीर से भी बड़ी और भयावह चुनौती है। ऐसा ही मौजूदा गृहमंत्री अमित शाह का मानना है, लिहाजा नक्सलवाद का समूल नाश करने की रणनीति पर विचार किया गया। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान नक्सलवाद देश के करीब 160 जिलों में मौजूद और सक्रिय था। तत्कालीन योजना आयोग की एक रपट में उल्लेख किया गया था कि नक्सलियों की सालाना आमदनी 1200 करोड़ रुपए के करीब थी। वह अफीम की खेती करते थे, लिहाजा उनके पास आधुनिकतम हथियार और विस्फोटकों की सहज आपूर्ति होती थी। अब भी ऑपरेशन में जो नक्सली मारे गए हैं, उनके आधुनिक हथियार और विभिन्न विस्फोटक सुरक्षा बलों ने बरामद किए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में न तो निवेश होता था और न ही विकास के काम गति पकड़ पाते थे, नतीजतन वे इलाके और भी पिछड़ते चले गए। यह नक्सलियों की रणनीति भी थी। असमान सामाजिक-आर्थिक हालात, शोषण, अपर्याप्त रोजगार, भूमि सुधारों के अभाव आदि ऐसे कारण थे, जिनसे नक्सलवाद पनपा और फैलता चला गया। अब उसकी जड़ों में भी कील गाड़ने का समय आ गया है।

21 मई को 'लाल आतंकवाद' की सांसें तभी उखड़ गईं, जब सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में 27 खूंखार माओवादियों को मार गिराया, जिनमें नम्बाला केशव राव उपनाम बसवराज उर्फ बासवराजू भी शामिल था, जो सीपीआई-माओवादी का महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ था। उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। नक्सलवाद के खिलाफ करीब तीन दशकों की लड़ाई में बासव महासचिव स्तर का पहला नक्सली था।

...अब अंतिम सांसे ले रहा लाल आतंकवाद

वामपंथी उग्रवाद यानी एलडब्ल्यूई, जिसे अक्सर नक्सलवाद के रूप में जाना जाता है, देश की आंतरिक सुरक्षा की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। पश्चिम बंगाल में 1967 के नक्सलबाड़ी आंदोलन से उत्पन्न, यह आंदोलन मुख्य रूप से 'लाल गलियारे' में फैल गया और इसने छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों तथा आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के कुछ हिस्सों को प्रभावित किया। माओवादी विद्रोही हाशिए पर पड़े लोगों, विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने का दावा करते हैं, लेकिन उनके तरीकों में सशस्त्र हिंसा, जबरन वसूली, बुनियादी ढांचे को नष्ट करना और बच्चों व आम नागरिकों की भर्ती शामिल है।

राजेश माहेश्वरी

सामाजिक-आर्थिक असमानताओं में निहित और माओवादी विचारधारा से प्रेरित, वामपंथी उग्रवाद ने ऐतिहासिक रूप से देश के कुछ सबसे सुदूरवर्ती, अविकसित और जनजातीय-बहुल क्षेत्रों को प्रभावित किया है। इस आंदोलन का उद्देश्य सशस्त्र विद्रोह और विशेष रूप से सुरक्षा बलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और लोकतांत्रिक संस्थानों को निशाना बनाते हुए समानांतर शासन संरचनाओं के जरिए भारतीय राज्य को कमजोर करना है। शुरू से ही नक्सलवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती रहा है। नक्सलवादी स्कूलों और पक्की सडक़ों के भी खिलाफ रहे हैं और देश की संसदीय व्यवस्था के भी घोर विरोधी रहे हैं। चारु मजूमदार के नेतृत्व में नक्सलवाद पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी शहर से जिस मकसद के साथ शुरू किया गया था, वह लगातार पीछे छूटता गया। किसानों और भूमिहीनों में समान जमीन का वितरण, बंटवारा नहीं हो सका, लेकिन यह आंदोलन पहले वामपंथी उग्रवाद बना और फिर खास किस्म के आतंकवाद में तबदील होता गया। यह कश्मीर से भी बड़ी और भयावह चुनौती है। ऐसा ही मौजूदा गृहमंत्री अमित शाह का मानना है, लिहाजा नक्सलवाद का समूल नाश करने की रणनीति पर विचार किया गया।

21 मई को 'लाल आतंकवाद' की सांसें तभी उखड़ गईं, जब सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में 27 खूंखार माओवादियों को मार गिराया, जिनमें नम्बाला केशव राव उपनाम बसवराज उर्फ बासवराजू भी शामिल था, जो सीपीआई-माओवादी का महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ था। उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। नक्सलवाद के खिलाफ करीब तीन दशकों की लड़ाई में बासव महासचिव स्तर का पहला नक्सली था। यह सुरक्षा बलों की शानदार, साहसिक, राजनीतिक सफलता और उपलब्धि है। गगन्ना अप्रैल, 2010 के उस दंतेवाड़ा हमले का

'मास्टरमाइंड' था, जिसमें नक्सलियों ने सीआरपीएफ के 75 जवानों को 'शहीद' कर दिया था। छत्तीसगढ़ की ही झीरम घाटी में 2013 में राज्य कांग्रेस के प्रमुख नेताओं के नरसंहार की रणनीति भी बासव ने ही तैयार की थी। वहीं, ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। सितंबर, 2023 से 20 मई, 2025 के दौरान छत्तीसगढ़ में ही 401 नक्सली मारे गए, जबकि 1355 ने आत्मसमर्पण किया।

कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान नक्सलवाद देश के करीब 160 जिलों में मौजूद और सक्रिय था। तत्कालीन योजना आयोग की एक रपट में उल्लेख किया गया था कि नक्सलियों की सालाना आमदनी 1200 करोड़ रुपए के करीब थी। वह अफीम की खेती करते थे, लिहाजा उनके पास आधुनिकतम हथियार और विस्फोटकों की सहज आपूर्ति होती थी। अब भी ऑपरेशन में जो नक्सली मारे गए हैं, उनके आधुनिक हथियार और विभिन्न विस्फोटक सुरक्षा बलों ने बरामद किए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में न तो निवेश होता था और न ही विकास के काम गति पकड़ पाते थे, नतीजतन वे इलाके और भी पिछड़ते चले गए। यह नक्सलियों की रणनीति भी थी। असमान सामाजिक-आर्थिक हालात, शोषण, अपर्याप्त रोजगार, भूमि सुधारों के अभाव आदि ऐसे कारण थे, जिनसे नक्सलवाद पनपा और फैलता चला गया। देश में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या अप्रैल 2018 में 126 से घटकर 90, जुलाई 2021 में 70 और अप्रैल-2024 में 38 रह गई। कुल नक्सलवाद प्रभावित जिलों में से, सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के चार जिले (बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा), झारखंड का एक जिला (पश्चिमी सिंहभूम) और महाराष्ट्र का एक जिला (गढ़चिरौली) शामिल है। इसी तरह, कुल 38 प्रभावित जिलों में से, चिंता वाले जिलों की संख्या, जहां गंभीर रूप से प्रभावित जिलों से परे अतिरिक्त संसाधनों को पुरजोर तरीके से प्रदान करने की आवश्यकता है, 9 से घटकर 6 हो गई है। ये 6 जिले हैं, आंध्र प्रदेश (अल्लूरी सीताराम राजू), मध्य प्रदेश (बालाघाट), ओडिशा (कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी) और तेलंगाना (भद्राद्री-कोठागुडेम)। नक्सलवाद के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई के कारण, अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या भी 17 से घटकर 6 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ (दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी), झारखंड (लातेहार), ओडिशा (नुआपाड़ा) और तेलंगाना (मुलुगु) के जिले शामिल हैं। पिछले 10 वर्षों के दौरान, 8,000 से अधिक नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता त्याग दिया है और इसके परिणामस्वरूप, नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या घटकर 20 से भी कम रह गई है। असल में, वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ भारत की बहुआयामी रणनीति ने उग्रवाद को क्षेत्रीय और परिचालन दोनों के लिहाज से काफी कमजोर कर दिया है। मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक प्रतिबद्धता और लोगों की भागीदारी के साथ, एलडब्ल्यूई मुक्त भारत का सपना पहले से कहीं अधिक करीब दिख रहा है। वामपंथी उग्रवाद से जुड़ी हिंसा की घटनाएं, जो 2010 में अपने उच्चतम स्तर 1936 पर पहुंच गई थीं, 2024 में घटकर 374 रह गई हैं, यानी 81 प्रतिशत की कमी आई है। इस अवधि के दौरान, कुल मौतों की संख्या (नागरिकों एवं सुरक्षा बलों) भी 85 प्रतिशत घट गई और यह 2010 में 1005 से घटकर 2024 में 150 रह गई है। नक्सलियों पर आर्थिक रूप से शिकंजा कसने और उनकी आर्थिक कमर तोड़ने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और प्रवर्तन निदेशालय का इस्तेमाल किया गया, जिससे नक्सलियों से कई करोड़ रुपये जब्त किए गए। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामले दर्ज किए गए और नक्सलियों को फंड देने वालों को सलाखों के पीछे भेजा गया।

भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षाबलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बयान देते हुए कहा था, सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है।

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा पोषित और प्रेषित आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर नृशंस हत्या की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने जहां पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर तबाह कर दिया वहीं, उससे पहले सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया है। भारत ने सिंधु जल संधि को ऐसे समय में निलंबित किया है जब पाकिस्तान पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में छह नई नहरें बनाने की योजना भी विवादों में फंसी है।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल समझौते के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ। इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया। वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल का 80 फीसदी हिस्सा पाकिस्तान को आवंटित किया गया। समझौते में जिस तरह से जल का बंटवारा किया गया उससे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री और सरकार की रीति–नीति का समझा जा सकता है। पीएम नेहरू ने देशहित की बजाय पाकिस्तान के हितों का अधिक ध्यान रखा। यह संधि पाकिस्तान में कृषि और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए बहुत अहम है और पाकिस्तान में 80 प्रतिशत सिंचाई के पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों के पानी से होती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने जिन कड़े कदमों की घोषणा की उनमें यह सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। भारत द्वारा संधि को निलंबित करना इसकी स्थापना के बाद से पहली बार है, जो सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी जल कूटनीति में बदलाव का संकेत है। यह भारत के दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है। 2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षाबलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बयान देते हुए कहा था, सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है। अगस्त 2019 में भारत के तत्कालीन जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था, सिंधु जल संधि का उल्लंघन किए बिना पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिए काम शुरू हो गया है।

भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल समझौते को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं, एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सय्यद अली मुर्तज़ा ने भारत को लिखी चिट्ठी में कहा, सिंधु जल समझौता स्थगित होने की वजह से पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 13 मई को कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को फिर से शुरू नहीं करता है और हमारी तरफ आने वाले पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो दोनों देशों के बीच लागू हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है।

सिंधु जल संधि पर चर्चा के लिए पाकिस्तान की ये पेशकश उसकी छटपटाहट को साफ दिखा रही है। यह पहली बार नहीं था जब भारत सरकार ने 1960 में दोनों देशों के बीच हुई इस संधि में बदलाव की मांग की थी। दो साल पहले भारत ने पाकिस्तान को इस संबंध में नोटिस भेजा था लेकिन इस नोटिस में सिर्फ बदलावों के बारे में बात की गई थी। हालांकि अगस्त 2024 में भेजे नोटिस में भारत ने बदलावों के साथ-साथ समझौते की समीक्षा करने की भी बात की थी। इसमें सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों का भी उल्लेख किया गया था। इसमें भी भारत की ओर से कहा गया था कि सीमा पार से आतंकवाद इस समझौते के सुचारू रूप से संचालन में बाधा है। लेकिन पाकिस्तान ने इस पर कोई उत्तर नहीं दिया, अब जबकि भारत ने समझौते को स्थगित कर दिया है तो पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है। 15 मई को एक कार्यक्रम में संवाददाताओं ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से जब सिंधु जल समझौते को लेकर प्रश्न किया, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यह समझौता अभी निरस्त ही रहेगा। भारत सरकार इस पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार नहीं है और इस मामले में पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं होगी। विदेश मंत्री के ताजा बयान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन में स्पष्ट कर चुके हैं कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते हैं।

सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की जल सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि इसकी 80 प्रतिशत कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है। इस व्यवधान से खाद्य सुरक्षा, नगरीय जल आपूर्ति और विद्युत उत्पादन पर प्रभाव पड़ेगा साथ ही पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में सिंधु नदी तंत्र के 25 प्रतिशत योगदान के कारण आर्थिक अस्थिरता भी उत्पन्न होगी। नदी प्रवाह डेटा को रोकने की भारत की क्षमता से पाकिस्तान की सुभेद्यता और बढ़ जाएगी तथा बाढ़ तत्परता और जल संसाधन प्रबंधन में बाधा उत्पन्न होगी। भावार्थ यह है कि आने वाले समय में पाकिस्तान में जल संकट से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ना तय है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत में जल बंटवारे को लेकर पुराना विवाद है। वर्तमान जल संकट ये विवाद और गहराएगा। भारत अब अपने हिस्से की तीनों नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल को अपने लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम शुरू कर दिया गया है।

जल की एक-एक बूंद अत्यंत महत्वपूर्ण

संजीव ठाकुर

जल यानी पानी की एक-एक बूंद कितनी महत्वपूर्ण है जिसकी कीमत सबसे ज्यादा ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर पाकिस्तान जैसे नापाक देश को बहुत अच्छे से समझा दिया है। पाकिस्तान में जल बम बनकर फूटा है वहां 90त्न कृषि तथा अन्य कार्य सिंधु के जल पर अवलंबित हैं,जल की एक-एक बूंद को जब पाकिस्तान तरसेगा तब उसे समझ में आएगा कि आतंकवाद से ज्यादा घृणित कोई काम नहीं हो सकता और पानी की अहमियत से ज्यादा जिंदगी में कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं हो सकती। पाकिस्तान जल की एक बूंद के लिए तरस जाएगा तब उसे जल का महत्व समझ में आएगा।

जल की एक बूंद का संरक्षण मानवीय जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। जल की एक-एक बूंद जीवन के लिए बेशकीमती और बहु उपयोगी है। जल की बर्बादी भविष्य के बहुत बड़े खतरे को इंगित करती है, यदि पृथ्वी पर जल नहीं होगा तो जीवन की संभावनाएं भी विलुप्त हो जाएंगीं। सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। पृथ्वी की सतह का लगभग 70 फीसदी भाग जल से आच्छादित है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97 फीसदी समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है द्य बहुत कम मात्रा का जल ही पीने के योग्य है, इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुश्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है। यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी-बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है।

हिन्दोस्तान में इस्लामोफोबिया के बयानीए की हक़ीक़त

आईन के आर्टीकल 14-15 और 25 क़ानून के सामने मसावात की ज़मानत देते हैं और आज़ादी से इक़रार, इबादत और अपने मज़हब की तब्लीग़ करने का हक़ फ़राहम करते है। अदालत मुस्तक़िल तौर पर फ़िर्क़ा वाराना कशीदगी पर मुलव्विस मामलात पर दख़ल देते हैं, जो मुतास्सिरीन के लिए सीधे मुआवज़ा, आज़ाद तफ़तीश का हुक्म, नफ़रतअंगेज़ तक़ारीर पर जुर्माना लगाना शामिल है।

इंशा वारसी

आलमी एनजीओज़ और वकालत करने वाले गिरोहों की जानिब से इल्ज़ामात के बढ़ती हुई लहर हिन्दुस्तान को सख़्त आलमी तफ़तीश के अंदर ले आया है। इस दावे के साथ कि इस्लामोफोबिया उरूज पर है, हालाँकि इन दावे में से ज्यादा-तर गहरी तफ़तीश ज़ाहिर करते हैं कि ये मबालग़त, ग़लत मालूमात का मुस्तक़िल सिलसिला है, और उसे जान-बूझ कर बिगाड़ा गया है। अक्सर उनका सरकारी डेटा, हक़ीक़त के तफ़तीश करने वाले और हिन्दुस्तान की आज़ाद अदालत द्वारा मुक़ाबला किए जाते हैं

जनवरी 2022 हियूमन राईट्स वाच ने अपने साउथ एशिया बुलेटिन में एक वीडियो का हवाला दिया, इल्ज़ाम लगाते हुए एक मुस्लिम नौजवान को दिखाया कि उत्तर प्रदेस में इस के अक़ीदे की वजह से इस पर हमला किया गया, ये वीडियो मुख़्तलिफ़ आलमी मीडिया प्लेटफ़ार्म पर वाइरल हो गया। हालाँकि हक़ायक़ के तफ़तीश करने वालों ने ऑल्ट न्यूज़ प्राण फूटेज की तफ़तीश की, तो उन्होंने पाया कि ये 2022 के एक सड़क का ग़ुस्सा का मामला था, जिसका फ़िर्क़ा वाराना मक़सद से कोई ताल्लुक़ नहीं था, उत्तर प्रदेश पुलिस ने फ़िर्क़ा वाराना पहलू को ख़ारिज करते हुए एक सरकारी बयान जारी किया और उन लोगों के ख़िलाफ़ क़ानूनी अमल किया, जिन्होंने इस वीडियो को गुमराह कुन उनवानात से फैलाई। इसी तरह के मामलात बूम लाईव, इंडिया टूडे फ़ेक्ट चौक, और पीआईबी फ़ेक्ट चौक द्वारा यह देखा गया। इस रुजहान का इशारा करते हुए कि फ़िर्क़ा वाराना बयानिये गढ़े जाते हैं या सनसनीखेज़ बनाए जाते हैं, कुछ मख़सूस फूटेज और ग़ैर तसदीक़ सबूत का इस्तेमाल कर के हिन्दुस्तान का क़ानूनी निज़ाम मज़बूती के साथ सैकूलरिज़्म से जुड़ा हुआ है। आईन के आर्टीकल 14-15 और 25 क़ानून के सामने मसावात की ज़मानत देते हैं और आज़ादी से इक़रार, इबादत और अपने मज़हब की तब्लीग़ करने का हक़ फ़राहम करते है। अदालत मुस्तक़िल तौर पर फ़िर्क़ा वाराना कशीदगी पर मुलव्विस मामलात पर दख़ल देते हैं, जो मुतास्सिरीन के लिए सीधे मुआवज़ा, आज़ाद तफ़तीश का हुक्म, नफ़रतअंगेज़ तक़ारीर पर जुर्माना लगाना शामिल है। 2023 मैं दिल्ली हाईकोर्ट ने रियासत बमुक़ाबला अंकित शर्मा को ता-उम्र की सज़ा सुनाई जिन्हें 2020 के फ़सादात में हत्या करने का मुजरिम पाया गया। ये दिखाते हुए कि अदालत सख़्त फ़ैसला देने से हिचकिचाती नहीं है इन मुलव्विस लोगों के मज़हबी शनाख़्त से क़त-ए-नज़र हो कर। जब कि क़ानून नाफ़िज़ करने वाली एजेंसियां मुसलसल नफ़रतअंगेज़ तक़ारीर की निगरानी कर रही हैं, और मुंसिफ़ाना तरीक़े से ज़ुल्म करने वाले के ख़िलाफ़ मामलात दर्ज कर रहे हैं, जैसा कि डासना, ग़ाज़ियाबाद के नरसंघनंद; जो इस्लाम के ख़िलाफ़ बयान की वजह से न्यूज़ में रहे थे।

वज़ारत उमूर दाखिला के सबसे पहले हालिया ख़बर के मुताबिक़ जो दिसंबर 2024 पार्लीमेंट में पेश की गई, फ़िर्क़ा वाराना फ़सादात के मामलात पूरे हिन्दुस्तान में पिछले साल के मुक़ाबले में 12.5 फ़ीसद घटी है। रियासतें जैसे कि महाराष्ट्र, तमिलनाडू से ख़बर है कि 2024 में 10 से कम वाकेयात रोनुमा हुए, मुतहर्रिक मुआशरती रसाई और पुलिसिंग प्रोग्रामों की वजह से नुमायां बेहतरी आई है। मज़ीद,एनसीआरबी के आदाद-ओ-शुमार साबित करते हैं कि फ़िर्क़ा वाराना फ़सादात के मामलात में सज़ाएं बढ़ीं हैं जबकि दर्ज किए गए नफ़रती जराइम की तादाद आदाद-ओ-शुमार के मुताबिक़ कम है दूसरे ममालिक के मुक़ाबले में जो एक ही जैसी मुश्किलात का सामना कर रहे हैं।

हिन्दुस्तान के आज़ाद सहाफ़ी और डिजीटल प्लेटफार्म ने दोनों मज़हबी कशीदगी के हक़ीक़ी मामलात और ग़लत बयानिये को ज़ाहिर करने में उम्दा किरदार अदा किया है। दी वायर और इंडिया इसपनडु ने फ़िर्कावाराना वाकेयात के पीछे के मआशी और सियासी हक़ायक़ मुसलसल दिखा रहे हैं, जबकि उन्होंने दरुस्त और वज़ाहत भी शाया किया, जब ग़लत मालूमात सामने आयीं। मार्च 2024 दी कोइंट ने इस वाइरल दावे की तफ़तीश की जो मध्य प्रदेश में बीफ लंचिंग के इल्ज़ाम के बारे में था। सिर्फ उसे पता करने के लिए, जो कि वज़ाहत और गवाही के बयान की बुनियाद पर थे, वो वाक़ेया एक मिल्कियत की लड़ाई के बारे में था, ना कि मज़हब के बारे में। यहां तक कि वो कहानी पहले ही आलमी ब्लॉग पर इल्ज़ाम लगाने वाली सुर्ख़ीयों में हिंदू हुजूम का तशद्दुद के साथ वाइरल किए गए थे।

प्रधान मन्त्री नरेंद्र मोदी मुख़्तलिफ़ प्लेटफार्म पर इस मसला को हल किया है, जी 20 बैनुल मज़ाहिब बेहस 2013 में, जहां पर उन्होंने कहा कि ''हिन्दुस्तान की ताक़त उसकी तनुव में छिपी हुई है, हमारे आईन और सक़ाफ़्त में नफ़रत की कोई जगह नहीं है'' इसी तरह वज़ीर ए ख़ारिजा उमूर एसजे शंकर ने 24 अक्तूबर, 2023 फ्रांस में एक इंटरव्यू के दौरान ''आलमी एनजीओज़ के एजंडा पर मबनी बयानिया की तन्क़ीद की। और उन्होंने मैदान पर हक़ायक़ के साथ ज्यादा ईमानदार मसरुफ़ियात की दावत दी। कुछ तजज़िया कारों ने उन तहरीकों के बारे में बताया कि ये जुगराफियाई तौर पर मुतास्सिर होते हैं। ये गिरोहों ख़ासकर के हिन्दुस्तान को हदफ़ बनाते हैं,जबकि अपने ही मुल्क में हुक़ूक़ के ख़िलाफ़वरज़ी को नज़रअंदाज करते हैं।'' एशिया सोसाइटी पालिसी इंस्टीटियूट के प्रोफेसर सी राजन मोहन ने कहा। ''ये इन्सानी हुक़ूक़ के बारे में कम है, बल्कि नज़रियाती असर-ओ-रसूख़ के बारे में ज्यादा है''।

हिन्दुस्तान किसी तकसीरी मुआशरा की तरह है, जो बैनुल जमाअती हरकयात की पेचीदगियों का सामना करता है। लेकिन हिन्दुस्तान को एक निज़ामी इस्लामोफोबिया की तरह बयान करना, ये तजुर्बाती हिमायत की कमी, आईन और अदालती ज़राए को नज़र अंदाज करना है, जो कि अमली तौर पर अक़िल्लयती हुक़ूक़ की हिफ़ाज़त के लिए काम कर रहे हैं। ग़लत मालूमात ख्व़ाह वो जान-बूझ कर हो या बेएहतियाती हो, उसी अमन को ख़तरा लाहक़ है जो उसकी हिफ़ाज़त करने की कोशिश करते हैं। इस वक्त जब हक़ायक़ को हथियार बनाए जा सकते हैं या वाइरल गुस्से के अंदर दफ़नाए जा सकते हैं, दोनों दाख़िली और आलमी क़ौम के साथ झूट को सन्तुलित और तसदीक़ करने की ज़िम्मेदारी आइद होती है। जैसा कि हिन्दुस्तान एक सेकूलर, जमहूरी रीपब्लिक के सफ़र के तौर पर जारी-ओ-सारी है, ये पूरी दुनिया को दावत देता है कि वो उसके मुश्किलात से नज़र ना हटाई जाय, बल्कि उसे ज्यादा क़रीब, ईमानदारी और इन्साफ़ से देखें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन
स्थानीय संपादक
मोहम्मद आलम रिज़वी
RNI No UPHIN/2010/31173
टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716
avadhnamahindi@gmail.com,

अवनीश अवस्थी ने बल्क ड्रग पार्क का किया दौरा

बोले, मुख्यमंत्री के विजन को जल्द धरातल पर उतारना हमारी जिम्मेदारी, सलाहकार समिति ने जनप्रतिनिधियों व जिला प्रशासन को सराहा

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। मुख्यमंत्री की सलाहकार समिति के आर्थिक सलाहकार डा.के.वी.राजू, खाद्य सुरक्षा सलाहकार डा.जी.एन.सिंह एवं सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने जनपद के ग्राम सैदपुर में बन रहे बल्क ड्रग फार्मा पार्क का आज शनिवार को निरीक्षण किया। राज्यमंत्री मनोहर लाल ने समिति के सदस्यों का माल्यार्पण व शॉल ओढ़ाकर व डीएम अक्षय त्रिपाठी व एसपी मो.मुश्ताक ने बुके भेंट कर समिति का स्वागत किया।

इस दौरान सलाहकार समिति ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर सबसे पहले मौके पर चल रहे निर्माण कार्यों को देखा, इसके उपरान्त आउटर साईनेज/साइट मैप का अवलोकन किया और फार्मा पार्क के टेविल थ्रीडी मॉडल को देखा। कार्यक्रम के दौरान एलईडी स्क्रीन के माध्यम से फार्मा पार्क के सम्पूर्ण प्रोजेक्ट की डॉक्यूमेंट्री वद शॉर्ट पीपीटी दिखाई गई, जिसमें फार्मा पार्क के बारे में छोटी से छोटी जानकारी के बारे में बताया गया, जिस पर समिति के सदस्यों ने जिला प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के कार्यो की प्रसंशा की और त्वरित गति से मुख्यमंत्री के विजन को धरातल पर उतारने के निर्देश दिये। सलाहकार मुख्यमंत्री अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि हमें प्रसन्नता हो रही है कि यहां काफी तेजी से प्रगति हुई है, यहां जमीन का आवंटन शुरु हो गया है, हमारा लक्ष्य होगा कि अगले 9 महीने में जमीनों का आवंटन पूर्ण करा दें, जिससे यहां नई औद्योगिक इकाईयां लगना शुरु हो जाएं और रोजगार के साधन सृजित हों। उन्होंने कहा कि जनपदवासियों के विकास के लिए यहां के जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन पूरा सहयोग कर रहे हैं। यहां के स्थानीय नागरिक भी इस कार्य में पूरा सहयोग प्रदान करें। जनपद में इन्डस्ट्रीज आने से यहां सड़कें, बिजली एवं रोजगार के अवसर सृजित होंगे और ललितपुर में विकास के नये नये आयाम स्थापित होंगे। मुख्यमंत्री के विजन के अनुसार इसी साल इसका कार्य पूर्ण कर अगले साल तक यूनिट स्टार्ट करने की कोशिश की जा रही है, ताकि यहां के लोगों को रोजगार मिलने के साथ-साथ इस क्षेत्र का विकास हो सके। प्रजेन्टेशन के दौरान बताया गया कि मुख्यमंत्री की संकल्पना है कि ललितपुर में बल्क ड्रग फार्मा पार्क की स्थापना हो, जिससे यहां का चौमुखी विकास हो सके। इसके लिए भारत सरकार के बल्क ड्रग पार्क नीति के अन्तर्गत निर्धारित पैरामीटर्स के आधार पर ललितपुर में फार्मा पार्क की स्थापना की जा रही है। बल्क ड्रग फार्मा पार्क में प्रथम चरण का कार्य प्रारंभ हो गया है, बल्क ड्रग पार्क के लिए राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र सैदपुर-ललितपुर पर पशुपालन विभाग के स्वामित्व वाली भूमि रकवा-2000 एकड़ में से 1472.33 एकड़ भूमि यूपीसीडा को नोडल एजेन्सी नामित करते हुए पूर्व में ही हस्तानान्तरित की जा चुकी है, इस 1472 एकड़ भूमि में से 350 एकड़ भूमि पर प्रथम चरण में विकास कार्य किया जा रहा है। इसके लिए मास्टर प्लान तैयार हो गया है, जिसके क्रियान्वयन हेतु शासन ने 450 करोड़ रुपये की धनराशि निर्गत कर दी है, जिसमें सड़क के चौड़ीकरण हेतु बिजली के खंभों को शिफ्टिंग, विद्युत उपकेन्द्र व अलग से विद्युत लाइन डाले जाने तथा वन विभाग द्वारा पेड़ कटान का कार्य कराया जा रहा है। साथ ही यहां औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए प्लॉट काटे जा रहे हैं। इससे मेडिकल सेक्टर में रिसर्च को बढ़ावा मिल सकेगा। नए उपकरण भी तैयार किए जा सकेंगे, जिससे गंभीर बीमारियों को जल्द चिह्नित किया जा सके। यहां आधुनिक तकनीक से मेडिकल डिवाइस बनाने के लिए कुछ कंपनी के एमओयू भी साइन हुए हैं। जल्द ही जिले की पहचान फार्मा क्षेत्र में होगी। विद्युत विभाग द्वारा फार्मा पार्क के लिए 33/11 केवी उपकेन्द्र की स्थापना का कार्य चल रहा है।

प्रेमी प्रेमिका ने मामूली विवाद के चलते फांसी लगाकर दी जान

■ ढाई माह से लिव इन रिलेशनशिप में रह रहा था कपल

अवधनामा संवाददाता

महोबा। कस्बा चरखारी में लिव इन रिलेशन में रहने वाले कपल के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो जाने पर पहले युवक ने कमरे में जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली और इसके बाद प्रेमी को मनाने पहुंची प्रेमिका ने जब उसे फांसी पर लटका देखा तो उसने भी दूसरे कमरे में जाकर फांसी लगाकर जान दे दी। किशोरी के परिजनों और मोहल्ले वासियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों से घटना के संबन्ध में पूछताछ में जुट गई है।

चरखारी के मोहल्ला चिंतेपुरा निवासी धीरेन्द्र;18) पुत्र सुरेंद्र कुमार और सोनिया;17) पुत्री अजय कुमार निवासी ग्राम चंद्रपुरा दोनों की मुलाकात एक शादी समारोह में हुई थी और धीरे धीरे मुलाकात शुरू होने के बाद एक दूसरे से प्रेम करने लगे। जब परिजनों को इसकी सूचना हुई तो उन्होंने इसका विरोध किया, लेकिन सोनिया की जिद के आगे उसके पिता को झुकना पड़ा और ढाई माह पहले बेटी को प्रेमी के पास छोड़ दिया तबसे दोनो लोग लिव इन रिलेशन में रहने लगे। शुक्रवार की रात करीब साढ़े 10:30 बजे सोनिया और धीरेन्द्र खाना खाने के बाद कमरे में चले गए। इसी बीच सोनिया का प्रेमी से किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई, विवाद बढने पर धीरेंद्र को इतना गुस्सा आया कि वह ऊपर वाले कमरे में गया और वहां पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद गुस्सा शांत होने के बाद सोनिया उसे मनाने के लिए ऊपर वाले कमरे में पहुंची तो धीरेंद्र के शव को फांसी से लटकता देख सन्न रह गई। सोनिया चिल्लाते हुए नीचे आई और दादी मानकुंवर को घटना की जानकारी दी।

जिलाध्यक्ष राजकुमार तो महामंत्री बने बृजेश नहारिया

■ उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेशध्यक्ष ने की घोषणा

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुन्दर बाबू चंचल ने सफाई कर्मचारियों के प्रति समर्पित जन सेवा को देखते नेहरू नगर ललितपुर निवासी राजकुमार नाहार को जिलाध्यक्ष एवं जेल चौराहा निवासी बृजेश नहारिया को जिला महामंत्री मनोनीत किया है।

दोनों के मनोनयन पर उनके समर्थको एवं शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं दी। इस दौरान नवमनोनीत जिलाध्यक्ष राजकुमार नाहर ने कहा कि समाज की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है और समाज में बच्चों के शैक्षिक स्तर को बढ़ाने की दिशा में उनके द्वारा काम किया जायेगा। इसके अलावा युवाओं को विकास की मुख्य धारा से जोडने् के लिए वह कार्य करेंगे। वहीं नवमनोनीत महामंत्री बृजेश नहारिया ने कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए वह लम्बे समय से कार्यरत हैं और आगे भी प्रबल तरीके से काम किया जायेगा।

अधिवक्ता अखिलेश को अंतरराष्ट्रीय सम्मान

ललितपुर। जिले के ग्राम बछ्लापुर निवासी अधिवक्ता अखिलेश राय को एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। उन्हें इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट्स (आईसीजे) लंदन द्वारा डिस्टिंग्विश्ड मेंबर के रूप में चुना गया है। यह प्रतिष्ठित सदस्यता उन्हें 2025 से 2030 तक के लिए प्रदान की गई है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट्स का मुख्यालय लंदन के बकिंघम पैलेस रोड पर स्थित है। संगठन ने अखिलेश राय को उनके कानूनी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए यह सम्मान दिया। प्रमाणपत्र में संगठन के अध्यक्ष डा. आदिश सी. अग्रवाल के हस्ताक्षर हैं, जिसमें अखिलेश राय की उपलब्धि की सराहना की गई है। अखिलेश राय ने इस सम्मान पर खुशी जताते हुए कहा यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं अपने क्षेत्र और देश का नाम रोशन करने के लिए और मेहनत करूंगा। उनके परिवार और स्थानीय समुदाय ने भी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

हथियारों से लैस दबंगों ने घर में घुसकर की थी मारपीट

अवधनामा संवाददाता

■ अब पूरे परिवार को धमकाने का आरोप

ललितपुर। हथियारों से लैस होकर आये बदमाशों ने घर में घुसकर भाई पर जानलेवा हमला कर दिया था। इस प्रकरण में आज पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र भेजकर हमलावरों पर धमकाने का आरोप लगाते हुये पुलिस से उक्त लोगों की शीघ्र गिरफ्तारी कराये जाने की गुहार लगायी है। थाना बार क्षेत्रांतर्गत ग्राम डुलावन निवासी कृपाल पुत्र जगदीश बुनकर ने पुलिस अधीक्ष को शिकायती पत्र देकर बताया कि बीती 22 मई को अपराह्न करीब 12.30 बजे करीब आठ मोटर साइकिलों व बुलट पर सवार होकर आये डुलावन निवासी धुरूराजा पुत्र मनोहर, व ग्राम खजरा निवासी चिम्मा राजा पुत्र अमर सिंह, कृष्णपाल पुत्र गोदन सिंह, आर्यश पुत्र चिम्मा राजा, राजा पुत्र स्व.हल्के राजा, संजू पुत्र बृगभान लोधी, भरत सिंह पुत्र हनुमत सिंह, दीपेन्द्र सिंह पुत्र जाहर सिंह, पंकज पुत्र लक्खी एकराय होकर आये और उसके घर में घुस गये। बताया कि उक्त लोगों ने उसे व उसके भाई को लाठी-डण्डों से मारपीट कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने उसके भाई ललित कुमार को बुरी तरह से पीटा था। वहीं ओमप्रकाश पुत्र आशाराम के घर में घुसकर महिलाओं के साथ भी मारपीट की थी। हमलावरों की संख्या करीब एक दर्जन से अधिक थी। आरोप है कि उक्त लोगों ने सभी को जान से मारने की धमकी दी है। तत्समय मामले की शिकायत करने पर थाना बार पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (3), 333 व 191 (2) के तहत एफआईआर दर्ज की थी।

संक्षिप्त समाचार

पालिका कर्मियों ने नगर में चलाया अतिक्रमण अभियान

गुरसहायगंज, कन्नौज (अवधनामा संवाददाता)। नगर में यातायात एवं सफ़ाई व्यवस्था को सुचारु बनाये रखनें के उद्देश्य से पालिकाध्यक्षा एवं अधिशासी अधिकारी के निर्देश पर पालिका कर्मियों ने नगर पूर्वी क्रांसिग से अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरूआत की। इस दौरान अतिक्रमण कारियों में हडकम्प मच गया। शनिवार को पालिकाध्यक्षा मुन्नी देवी गुप्ता एवं अधिसाषी अधिकारी अनिल कुमार के निर्देश पर वीवीटी प्रभारी राजेश वर्मा, अतिक्रमण प्रभारी अशोक कुमार ने सफ़ाई कर्मियों के साथ नगर में अवैध अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाते हुये पूर्वी क्रॉसिंग से बैंक ऑफइंडिया तक फुटपाथ पर अवैध अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया तथा भविष्य में दोबारा अतिक्रमण पाये जानें पर जुर्माना किये जाने की चेतावनी दी गई।

प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त किराये स्थायी अबैध कब्जे

गुरसहायगंज, कन्नौज (अवधनामा संवाददाता)। शनिवार को स्थानीय कोतवाली में उप जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार द्विवेदी की अध्यक्षत में आयोजित थाना समाधान दिवस में ग्राम डुंडबा बुजुर्ग निवासीगण आफ़क खान पुत्र सईद तथा साजिया बेगम पत्नी कयामुद्दीन खान व ताहिर खान पुत्र कमालुद्दीन खान द्वारा सरकारी ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा किए जाने का प्रार्थना पत्र दिया। जिसपर एसडीएम ने पुलिस व राजस्व कर्मियों की संयुक्त टीम भेंजकर अबैध कब्जा हटवानें के निर्देश दिये। छिबरामऊ उप जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी एवं प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुवे द्वारा नायब तहसीलदार हिमांशु प्रभाकर, कानूनगो कौशलेंद्र दुबे, क्षेत्रीय लेखपाल कौशल पाण्डेय, अतुल प्रताप सिंह, अनुराग दुबे, श्याम नारायण द्विवेदी तथा पुलिस टीम में उपनिरीक्षक शिशुपाल सिंह व कांस्टेवल नागेंद्र सिंह, सचिन कुमार आदि कि संयुक्त टीम गठित करके ग्राम समाज की भूमि को खाली कराने के लिये आदेशित किया गया।

बच्चे के नाम जमीन दूसरे को बेचने के विरोध में मारपीट

ललितपुर (अवधनामा संवाददाता)। थाना महरौनी क्षेत्रांतर्गत ग्राम अगौरा निवासी राजकुमारी पत्नी राजपाल ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि उसका पति गांव के हल्के रजक पुत्र दौलतराम को अपनी जमीन बेच चुका है और अब उसका ही साथ देता है व साथ में रहता है। बताया कि 24 मई की सुबह करीब साढ़े छह बजे उसका पति उसके घर में था। तभी उसके छोटे बच्चे का नाम जमीन का सौदा भी उसी को कर दिया, जब इसकी जानकारी पीड़िता को हुयी तो उसने उलाहना दिया। इस पर उसके पति ने जमीन नहीं बेचने की बात कहते हुये उसे जान से मारने की धमकी दी।

तीस मई को आयोजित होगा रोजगार मेला

ललितपुर। जिले के समस्त युवक-युवती अभ्यर्थियों को सूचित किया गया है कि कार्यालय परिसर गोविन्द नगर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन 30 मई को किया जा रहा है। रोजगार मेले में अन्य कम्पनियां भी प्रतिभाग कर सकती हैं। जिसमें शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक एवं परास्नातक, आईटीआई डिप्लोमा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की आवश्यकता है। रोजगार मेले में सम्मिलित होने व साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों को अपना पंजीयन रोजगार संगम पोर्टल पर जॉबसीकर के रूप में कराना होगा।

पीएम सड़क योजना से बने कारव- पचावर मार्ग का एक हिस्सा हुआ जर्जर

मथुरा। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बने कारव पचावर मार्ग का 400 मीटर का हिस्सा जर्जर हालत में पड़ा हुआ है। जिसको बनाने की मांग को लेकर जिला पंचायत सदस्य सत्यपाल चौधरी के नेतृत्व में राजीव भवन स्थित आरईएस के अधिशासी अभियंता कन्हैया लाल से मिले। ग्रामीणों की समस्या सुनने के बाद आरईएस के एक्सईएन के ग्रामीणों को अश्वस्त किया कि वे शासन को उनकी बात पहुंचाएंगे और सड़क के जर्जर हिस्से को बनवाने का प्रयास करेंगे।

कारव के प्रधान सुशील चौधरी ने बताया कि कारव पचावर मार्ग पर 400 मीटर का टुकड़ा काफी जर्जर है। इसमें वर्षा के दिनों में पानी भर जाता है। जिससे वाहन चालकों व स्थानीय नागरिकों को काफी परेशानी हो रही है। जिला पंचायत सत्य पाल चौधरी ने बताया कि कारव पचावर मार्ग को ठीक कराने की मांग को लेकर आरईएस के एक्सईएन से मिले।

सफाई व्यवस्था को देख आगबबूला हुए नगर आयुक्त

अवधनामा संवाददाता

■ सफाई निरीक्षकों को दिए नोटिस

■ कहा, भविष्य में सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं

मथुरा। महानगर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में नगर आयुक्त द्वारा शनिवार प्रातः 9 बजे पुराने बस स्टैंड से होली गेट, होली गेट से भरतपुर गेट, भरतपुर गेट से डैंपियर नगर तथा डैंपियर नगर से टाउनशिप तक स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर गंदगी पाई गई तथा समय पर सफाई नहीं मिली । इस पर नगर आयुक्त जग प्रवेश ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित सफाई निरीक्षकों को कड़ी चेतावनी देते हुए नोटिस जारी करने के आदेश किये है। नगर आयुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भविष्य में सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। निरीक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्वयं उपस्थित रहकर सफाई कार्य की निगरानी सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल बाबू गर्ग एवं सफाई निरीक्षक राजकुमार लवानिया उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त के इस तरह शहर में औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था को देख अपनी अपनी प्रतिक्रिया लगातार देने की खबरों से मथुरा की जनता को थोड़ा भरोसा नए नगर आयुक्त पर होने लगा है लोगों का कहना है, बीते कार्यकाल में जनता के लाख कहने के बावजूद भी नगर निगम अधिकारियों के कान पर जू तक नहीं रेंगती थी अब नए नगर आयुक्त खुद जमीनी हकीकत अपनी आंखों से देख रहे हैं, नगर में सफाई व्यवस्था बीते दिनों तक राम भरोसे चल रही थी।

कैंटर की टक्कर से कार के उड़े परखच्चे, तीन दोस्त घायल

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार तड़के नोएडा से आगरा की ओर सुरीर के समीप खड़ी कार में पीछे से आ रहे कैंटर ने टक्कर मार दी। जिससे कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीन दोस्त घायल हो गए। जिनमें एक की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

प्रदीप कुमार निवासी गांव असवारपुर थाना राई जिला सोनीपत (हरियाणा) जगुआर कार में अपने दोस्त साजिद, गौरव, मनीष, अरविंद और डा.वसीम के साथ यमुना एक्सप्रेस वे पर होकर किसी काम से लखनऊ जा रहे थे। सुरीर क्षेत्र में माइल स्टोन 84 के समीप शनिवार तड़के करीब तीन बजे खराबी आने पर उन्होंने कार को सड़क किनारे खड़ा कर लिया था।

डा. वसीम कार के अंदर आराम कर रहे थे जबकि बाकी के दोस्त बाहर खड़े थे। तभी पीछे से आ रहे कैंटर ने खड़ी कार में टक्कर मार दी।

जनसेवा और सुशासन का प्रतीक थी अहिल्याबाई : विनोद

अवधनामा संवाददाता

■ अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति में अभियान प्रदर्शनी आयोजित

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के अंतर्गत एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी पुष्पांजलि स्थित भाजपा जिला कार्यालय में लगाई गई। जिसमें अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, कार्यो एवं समाज सुधार में उनके योगदान को प्रदर्शित किया गया।

महापौर विनोद अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे तथा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, कार्यक्रम संयोजन ज्ञानेंद्र राणा ने अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन नारी शक्ति, जनसेवा और सुशासन का प्रतीक है। उन्होंने जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी प्रेरणा स्रोत हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि समाज सुधार एवं धार्मिक सहिष्णुता के क्षेत्र में अहिल्याबाई का योगदान अविस्मरणीय है। उनका प्रशासनिक दृष्टिकोण आज के नेतृत्व के लिए अनुकरणीय है। भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि त्रिशताब्दी वर्ष में हमें अहिल्याबाई होल्कर के कार्यो को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर विनीत शर्मा, पवन हिंडौन, सत्यपाल चौधरी, संजय शर्मा, कुंज बिहारी चतुर्वेदी, भगत सिंह जादौन, अनिल चौधरी, अंकुर अग्रवाल, नरेंद्र गौतम, जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी, महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा, मनोज सरोठ, ललित गौतम, पार्षद अंकुर गुर्जर, धर्मेश, नितिन चतुर्वेदी, ज्ञानेंद्र चौहान, नेम प्रकाश चौहान, पवन शर्मा, अजय परखन आदि मौजूद रहे।

समाधान दिवस में नौ शिकायतों में से तीन का निस्तारित

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। प्रदेश शासन के निर्देश पर स्थानीय कोतवाली में उप जिलाधिकारी छिबरामऊ की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कुल नौ फरियादियों ने अपनी समस्याएं रखीं। जिसमें से तीन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

शनिवार को स्थानीय कोतवाली परिसर में आयोजित समाधान दिवस में पहुंचे उप जिलाधिकारी छिबरामऊ ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी के समक्ष आठ राजस्व एवं एक पुलिस संबंधित शिकायतें आई। जिसमें से तीन राजस्व संबन्धित शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित राजस्व कर्मियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाधान दिवस में आने वाले प्रत्येक फरियादियों की समस्याओं को समय रहते निस्तारित करने का कार्य करें। निस्तारण में फर्जीबाडा पाये जानें पर संबन्धित राजस्व कर्मी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जायेगी। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे, राजस्व निरीक्षक प्रेम कृष्ण मिश्रा एवं कौशलेन्द्र दुवे, कस्वा प्रभारी दीपक सहित लेखपाल कौशल सहित तमाम राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

गंगा दशहरा की तैयारियों पर सिविल डिफेंस ने किया मंथन

मथुरा। उप नियंत्रक सुमित मौर्य के नेतृत्व मे नागरिक सुरक्षा विभाग मथुरा की वार्डन पोस्ट संख्या एक और क्विक रिस्पांस टीम ने कलेक्ट्रेट स्थित सिविल डिफेंस कार्यालय पर गंगा दशहरा पर्व एवं ईद-उल-जुहा (बकरीद) की तैयारियों को लेकर वार्डन एवं स्वयंसेवक के साथ पोस्ट वार्डन अशोक यादव ने बैठक की। जिसमें मन्दिरों के आस-पास सफाई अभियान एवं बाहर से आने वाले यमुना नदी के आस पास के घाटों पर सतर्कता एवं सिविल डिफेंस के वार्डन एवं स्वयंसेवक साथ में गोताखोर टीम लाईफ जैकिट के साथ नजर बनाए रखें। इस दौरान स्वयं सेवक नगर की यातायात व्यवस्था बनाने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करेंगे। डिविजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी, पोस्ट वार्डन अशोक यादव के द्वारा वार्डन एवं स्वयंसेवक को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें उनको आग से होने वाली घटनाओं को रोकने, सी पी आर, गांठ बांधना एवं एमरजेंसी मैथड के बारे में जानकारी दी गई।

मथुरा में 62 एकड़ की नई टाउनशिप

अवधनामा संवाददाता

■ मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण की 106 वी बोर्ड बैठक में हुए कई प्रस्ताव पास

मथुरा। तीर्थ नगरी मथुरा के वृंदावन-राधाकुंड रोड पर 62 एकड़ में टाउनशिप का भी प्रस्ताव पास किया गया। प्राधिकरण सचिव ने बोर्ड को अवगत कराया कि प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत आवासीय/अनावासीय सम्पत्तियों की ई- नीलामी हेतु पंजीकरण खोले जाने की कार्रवाई की जा रही है।

बैठक में वृंदावन-राधाकुंड रोड पर ग्राम जुल्हेंदी व कोन्हई पर न्यू टाउनशिप (होबल वृंदावन टाऊनशिप) की डीपीआर स्वीकृति के संबंध में प्रस्ताव रखा गया। मल्टीमीडिया प्रस्तुतीकरण के माध्यम से डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बोर्ड को बताया कि लगभग 62 एकड़ में यह टाउनशिप विकसित की जा रही है। लगभग 52 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। शेष अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। इसमें विभिन्न श्रेणियों में आवासीय, अनावसीय के साथ क्लब, स्कूल, पार्क, हेल्थ सेंटर, पुलिस चौकी, अन्य यूटिलिटी सर्विस से जुड़े भूखंड भी शामिल हैं। दो एसटीपी बनाए जाएंगे। सीवर, जलनिकासी और विद्युत लाइन सभी भूमिगत रहेंगे। प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा के बाद नियमानुसार भू उपयोग परिवर्तन की कार्रवाई पूर्ण कराने की शर्तों के साथ आयुक्त द्वारा डीपीआर को स्वीकृति प्रदान की गई।

दूसरे प्रस्ताव में, होबल वृंदावन टाऊनशिप के अंतर्गत ग्राम जुल्हेंदी व कोन्हई में क्रय की जा चुकी लगभग 24.16 हेक्टेयर भूमि का भू-उपयोग कृषि से आवासीय में परिवर्तन करने से संबंधित प्रस्ताव रखा गया। उत्तर प्रदेश टाउनशिप नीति 2023 के प्रावधानों के तहत चर्चा के बाद इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

तीसरे प्रस्ताव में, प्राधिकरण की रुक्मणी विहार आवासीय योजना में अधिग्रहीत गाटाओं के अतिरिक्त ऐसी भूमि, जिनका प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहण नहीं किया गया है तथा बिना अधिग्रहण के विकास कार्य कराए जा चुके हैं, ऐसे भू-स्वामियों को भूमि के बदले रुक्मणी विहार आवासीय योजना में भू-खण्ड प्रदान किए जाने के संबंध में प्रस्ताव रखा गया, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई।

पर्यटन नीति के तहत पंजीकृत बजट होटल, ग्राम रॉल, तहसील सदर, जिला मथुरा के खसरा संख्या 740/2 भूमि का भू-उपयोग कृषि से व्यावसायिक में परिवर्तन करने के संबंध में प्रस्ताव रखा गया। इसके अलावा, मैसर्स हाई स्काईसन रियलटी एलएलपी द्वारा तहसील गोवर्धन, जिला मथुरा के खसरा संख्या 343 का भू-उपयोग कृषि से आवासीय में परिवर्तन कराने से संबंधित प्रस्ताव रखा गया। चर्चा के बाद, आयुक्त द्वारा उक्त दोनों प्रस्तावों में सशर्त आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कराने के उपरांत शासन में भेजे जाने के निर्देश दिए गए।

पुलिस ने तमंचों व चोरी का माल बरामद कर दो चोर पकड़े

अवधनामा संवाददाता

■ पुलिस, एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त टीम ने मंदिरों से चोरी किये गये घण्टों सहित दबोचा

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक जनपद विनोद कुमार के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी सदर कमलेश कुमार के नेतृत्व में, थाना गुरसहायगंज पुलिस, एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त टीम के द्वारा मंदिरों में चोरी करने वाले दो अभियुक्तों के पास से दो तमंचों व कारतूसों सहित मंदिरों से चोरी किये गये घण्टों व कुछ सामान बरामद कर हिरासत में लिया गया है।

शनिवार को पुलिस कार्यालय में एसपी विनोद कुमार जनपद के विभिन्न मंदिरों में हुई चोरियों का खुलासा करते हुये बताया कि थाना गुरसहायगंज क्षेत्रांतर्गत काली माता मन्दिर से एक माह में दो बार चोरी, माता सिद्धपीठ मां शीतला देवी मंदिर ग्राम सियरमऊ, काली माता मन्दिर ग्राम मढपुरा थाना इन्दरगढ़ से चोरी होने के मुकदमें पंजीकृत कराये गये थे। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे, उपनिरीक्षक मोहनलाल, देवी चरन साहू, कांस्टेवल कृष्णकान्त, अशोक कुमार, राहुल कुमार, अनुभव पटेल, योगेन्द्र सिंह, विनय कुमार, सनी यादव सहित निरीक्षक त्रदीप सिंह प्रभारी सर्विलांस टीम, उपनिरीक्षक कमल भाटी प्रभारी एसओजी टीम, हेड कांस्टेवल सुधीर कुमार, दुष्यंत यादव, मनोज सिंह, अजय कुमार, कांस्टेवल शिवराज, मनीष कुमार सिंह, गौरव कुमार, यगन के साथ चेकिंग के दौरान ग्राम मिरगावां के निकट से नसीम उर्फनसीमुद्दीन पुत्र आशिक अली निवासी ग्राम गरीबपुर्वा थाना कोतवाली देहात हरदोई व सगीर पुत्र सफीक खाँ निवासी मोहल्ला इदरीशगंज मस्जिद वाली गली थाना कोतवाली शहर हरदोई के पास से दो तमंचे व दो कारतूस सहित मंदिरों से चोरी किये गये कुछ जेवरात व घण्टे बरामद कर हिरासत में ले लिया गया।

नोडल अधिकारी ने किया विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

हरदोई। भ्रमण के दौरान नोडल अधिकारी चैत्रा वी ने विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। सबसे पहले वह संडीला के सुम्बा बाग़ में अमृत योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन पानी की टंकी देखने पहुँचीं। यहाँ उन्होंने अधिशाषी अभियंता जल निगम नगरीय को परियोजना की गति को बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने पम्प हाउस और स्टॉफ क्वार्टर के कार्य को देखा। भूमि परीक्षण रिपोर्ट, ले आउट प्लान आदि दस्तावेजों का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने संडीला के कैनाल रोड जाकर सड़क का पुनर्निमाण के कार्य को देखा। संडीला के बाद नोडल अधिकारी अहिरोरी विकास खण्ड के नयागाँव मुबारक़पुर पहुँचीं। यहां उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित पेयजल परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने पंप हाउस वह स्टाफ क्वार्टर को देखा। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक घरों में कनेक्शन दिए जाएं। निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जल निगम ग्रामीण एक त्रिपाठी से जल आपूर्ति के रोस्टर के बारे में जानकारी ली। परियोजना का लेआउट मैप देखा। पानी की टंकी के परिसर में उन्होंने अमरूद के पौधे का रोपण किया। इसके पश्चात वह इसी ग्राम पंचायत में स्थिति गोआश्रय स्थल का निरीक्षण करने पहुँचीं। यहां उन्होंने गो पूजन किया। उन्होंने अपने हाथों से गाय को फल खिलाया। उन्होंने कहा कि गौशाला में सभी तरह की व्यवस्थाएं रखी जाएं। उन्होंने भूसा चारा आदि की खरीद की भी जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने विकास भवन में जल निगम व पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के पश्चात वह महोलिया शिवपार में जिला जीवन मिशन की परियोजना को देखने पहुँचीं। यहाँ उन्होंने पम्प हाउस का निरीक्षण किया तथा परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली। यहाँ पर भी उन्होंने अमरुद के पौधे का रोपण किया। यहाँ से वह पुनः नयागाँव मुबारकपुर पहुँचीं और जल जीवन मिशन के कनेक्शन धारकों से बात की और जल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली। लोगों ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से आपूर्ति मिल रही है। एक स्थान पर ढीले तार देखकर उन्होंने अधिशाषी अभियंता विद्युत को इसे ठीक कराने के निर्देश दिए। नयागाँव से वह सीधे बघौली प्रताप नगर मार्ग का निरीक्षण करने पहुँचीं। यहाँ उन्होंने अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण को निर्देश दिए कि सड़क पर साइनेज लगवाने का कार्य जल्द पूरा किया जाये। उन्होंने अपने सामने फीते से सड़क की चौड़ाई नपवाई। इस अवसर पर जिलाधिकारी अनुनय झा, मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नोडल अधिकारी ने की जल निगम व पशुपालन विभाग की समीक्षा

अवधनामा संवाददाता

हरदोई। महानिदेशक, युवा कल्याण विभाग श्रीमती चैत्रा वी की अध्यक्षता में विभिन्न विभागीय अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं की बैठक हुई। उन्होंने जल निगम की परियोजनाओं की समीक्षा की। नोडल अधिकारी ने निर्देश दिए कि परियोजनाओं के निर्माण में समय व गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाये। जल निगम शहरी को उन्होंने निर्देश दिया कि परियोजना से आच्छादन के लिए कार्य योजना तैयार कर ली जाये। उन्होंने परियोजनाओं की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी ली। जिलाधिकारी अनुनय झा को उन्होंने निर्देशित किया कि अमृत योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का सत्यापन समिति के माध्यम से करा लिया जाये। जल निगम ग्रामीण की समीक्षा के दौरान वह प्रगति से संतुष्ट नजर आयीं। उन्होंने कहा कि कनेक्शनों की संख्या बढ़ाई जाये। परियोजना के पूर्ण होने के उपरांत मार्गो की तत्काल मरम्मत करायी जाये। अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण ने परियोजनाओं का विस्तृत ब्यौरा रखा। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि सभी निर्माण कार्यों का पार्ट चार्ट अनिवार्य रूप से जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को उपलब्ध कराया जाये। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने गो संरक्षण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हाई वे निराश्रित गोवंश की ट्रैकिंग के लिए एक पेट्रोलिंग वाहन की व्यवस्था करायी जाये। गोवंश को गर्मी से बचाने की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाये। दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। गोशाला में पानी की कमी न होने दी जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह व सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आधा दर्जन दोपहिया वाहनो के साथ तीन शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली सदर पुलिस द्वारा चोरी की 3 मोटरसाइकिल व 3 स्कूटी बरामद कर 3 शातिर वाहन चोरो को गिरफ्तार किया गया। गत 22 मई को राकेश कुमार पुत्र लक्ष्मीनारायण ग्राम व पो0 बन्थर वर्तमान पता एलआईजी 73 निराला नगर उन्नाव ने तहरीर देकर अपनी स्कूटी चोरी हो जाने के सम्बन्ध में थाना कोतवाली सदर पर मु0अ0सं0-386/25 धारा-303(2) बीएनएस दर्ज कराया था। वादिनी मुकदमा श्रीमती मुन्नी पत्नी रघुवर गौतम नि0 कन्जौरा हाल पता जय सिंह के मकान में मगरवारा थाना कोतवाली की तहरीरी सूचना पर अज्ञात चोरो द्वारा वादिनी की मोटरसाइकिल पैसन प्रो रजिस्ट्रेशन नं0 यू0पी0-35ए0यू0-0524 को चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध में थाना कोतवाली सदर पर मु0अ0सं0-0387/25 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया तथा अवनीन्द्र कुमार पुत्र स्वामीदीन ग्राम बेनीगंज डीह उन्नाव की तहरीरी सूचना पर अज्ञात चोरो द्वारा वादी की मोटरसाइकिल रजिस्ट्रेशन नं0 यू0पी035के-5788 सीडी डीलक्स चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध में मु0अ0सं0-388/25 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया।

नवागंतुक जिलाधिकारी ने कार्यभार ग्रहण किया

अवधनामा संवाददाता

हरदोई। नवागंतुक जिलाधिकारी अनुनय झा ने आज हरदोई कोषागार पहुँचकर जिलाधिकारी हरदोई का कार्यभार ग्रहण किया। नवागंतुक जिलाधिकारी को वरिष्ठ कोषाधिकारी डॉ अनुराग द्विवेदी ने कार्यभार ग्रहण कराया। इस दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के विभिन्न विषयों पर अधिकारियों के साथ बात भी की। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने पत्रकारों से संवाद किया। उन्होंने अपने बारे में बताया तथा पत्रकारों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुँचाने का कार्य किया जायेगा। मीडिया के बन्धुओं का भी सकारात्मक सहयोग लिया जायेगा।

उन्होंने लोक कल्याण के लिए मीडिया से सहयोग की अपेक्षा की। जिलाधिकारी ने निकट भविष्य में बाढ़ से निपटने को अपनी प्राथमिकता बताया। अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बिजली की समस्या को दूर करने का प्रयास किया जायेगा। पत्रकार बन्धुओं ने बेबाकी से जिलाधिकारी के समक्ष अपने प्रश्न रखे जिनका जिलाधिकारी ने जवाब दिया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया

अवधनामा संवाददाता

सिरसी (सम्भल) मुजाबिर हसनैन चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा मेधावी छात्र छात्राओं के लिए सम्मान समारोह सम्भल पब्लिक स्कूल सिरसी जनपद सम्भल में आयोजित किया गया।

ट्रस्ट के चेयरमैन ने यू0पी0, सी बी एस सी आदि बोर्ड में कक्षा 10 और 12 में 75 प्रतिशत और उससे अधिक प्राप्त अंक के साथ उत्तीर्ण मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मनित किया गया। सभी छात्र छात्राओं को बधाई दी और शिक्षा की उयोगोगिता के बारे में बताया। ट्रस्ट के चेयरमैन मोहम्मद एबाद कहा मुजाबिर हसनैन चैरीटेबल ट्रस्ट शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की है, जिसका उद्देश्य गरीब छात्र-छात्राओं को शिक्षा प्रदान करना और उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाना है। इस ट्रस्ट के प्रयासों से न केवल छात्रों की शिक्षा में सुधार होगा, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा। गरीब छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना, छात्रों को पुस्तकें, स्टेशनरी और अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान करना, छात्रों को व्यक्तिगत ध्यान देना और उनकी प्रतिभा को निखारना, समाज में शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देना और गरीब छात्रों के लिए समान अवसर प्रदान करना

मुजाबिर हसनैन चैरिटेबल ट्रस्ट का यह प्रयास निस्संदेह मेधावी छात्रों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा और उन्हें अपने भविष्य को लेकर आशावादी बनाएगा। हमें उम्मीद है कि ट्रस्ट का यह कार्य शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा देगा और समाज को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्य अतिथि डी0आई0जी0 जमाल ताहा जी ने छात्र छात्राओं को समय की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है हमे अपने समय का सही उपयोग करना चाहिए। शाकिर इस्लाही जी ने कहा आज छात्र छात्राओं को अपने समय का ध्यान रखते हुए पढ़ाई करनी चाहिए समय बहुत कीमती है हमे समय की अहमियत समझना चाहिए। असगर अली अंसारी ने कहा शिक्षा अत्यंत आवश्यक है हमे अधिक से अधिक शिक्षा प्राप्त करके ही सफल हो सकते है। आधुनिक युग मे बिना शिक्षा के समाज तरक़्क़ी नही कर सकता।कार्यक्रम के अली शहज़ाद द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी नुसरत इलाही, गुलाम मोहम्मद, मोहम्मद आदिल एडवोकेट, गुलाम अब्बास, मोहसिन रज़ा, हुसैनुल बथा, नौशाद पाशा, कादिर पाशा, शाहिद पाशा, मोहम्मद रज़ा, हाजी काशिफ, फ़िरोज़ हैदर आदि मौजूद रहे।.

दिव्य गर्भ संस्कार पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सम्भल। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देश एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्रभूषण के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 24.05.2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चन्दौसी में दिव्य गर्भसंस्कार पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्रभूषण, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हरवेन्द्र सिंह, संगीता भार्गव, आंकाक्षा समिति आदि के द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्रभूषण ने बताया कि दिव्य गर्भ संस्कार एक महत्वपूर्ण भारतीय परंपरा है जो माता और शिशु दोनों के लिए लाभदायक है. यह माता को स्वस्थ रखने, शिशु के बहुमुखी विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने और शिशु में अच्छे गुणों को विकसित करने में मदद करता है। प्रत्येक माता-पिता की इच्छा होती है कि उनके घर भी झाँसी की रानी, महाराणा प्रताप, शिवाजी, स्वामी विवेकानंद, ध्रुव, प्रह्लाद, मीरा, श्रवण कुमार, अभिमन्यु आदि जैसी संतान हो, किंतु इसको साकार करने के पीछे जो वैज्ञानिक और वैदिक चिंतन था, उसके विषय में अधिकांश जनमानस अनभिज्ञ हैं। भारतीय ऋषियों ने अनेकानेक वर्षो तक शोध एवं आत्मज्ञान के आधार पर विभि-?न वैज्ञानिक एवं वैदिक चिंतनों को निश्चित सिद्धांतों के रूप में पिरोया, जिन्हें 'संस्कार' कहते हैं। इन्हीं संस्कारों और परंपराओं का आधार है-गर्भ संस्कार। यह दिव्य (दैवीय) विज्ञान है। 'दिव्य गर्भ संस्कार विज्ञान' नारी सशक्तिकरण और परिवार संस्था को सबल बनाने तथा प्रत्येक परिवार/व्यक्ति में दिव्य शक्तियों के आमंत्रण और आगमन का आधार है। उन्होंने यह भी बताया कि जब माता-पिता किसी दिव्य आत्मा का आह्वान करते हैं, तो उनको वही शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक पात्रता भी स्वयं में विकसित करनी होती है। इसीलिए मनुष्य में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग के अवतरण के उद्घोष को साकारित कर भारत के विश्वगुरु के पुरातन वैभव और स्वर्णिम भविष्य की नींव इस 'दिव्य गर्भ संस्कार विज्ञान' ग्रंथ के माध्यम

से रखकर हम देवकऋ ण- ऋषिऋण-पितृऋण-भूतऋण-मनुष्य/लोक ऋण-राष्ट्रऋण से उऋण हो सकते हैं। डॉ. तनवी के द्वारा गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, पोषण, और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया, जिसमें उनके द्वारा गर्भवती महिलाओं के द्वारा मोटे अनाज, दालें, मूंग, चना, राजमा, सोया और पनीर जैसे प्रोटीन स्त्रोतों के महत्व को बताते हुए अपनी दिनचर्या में शामिल करने पर जोर दिया। डॉ. श्रेयती द्वारा गर्भावस्था के दौरान संतुलित जीवनशैली, मानसिक शांति हेतु योग एवं व्यायाम के प्रयोग तथा समय-समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. श्रेयती ने कहा कि समय पर सही जानकारी और संतुलित पोषण ही एक स्वस्थ माँ एवं स्वस्थ शिशु की नींव होती है। डॉ. वन्दना सक्सैना के द्वारा बताया गया कि गर्भवती महिलाओं को अपने आहार में दलिया, ताजे व मौसमी फलों को प्रतिदिन सम्मिलित करते हुए संतुलित आहार लेना चाहिए जिससे मां के साथ-साथ शिशु को भी उचित पोषण प्राप्त हो सके, उन्होंने बताया कि सेब, आम, जामुन, पालक और शकरकंद जैसे फल, हरी सब्जियाँ एवं गेहूं, बाजरा आदि विटामिन्स और प्रोटीन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, जिससे शरीर में अधिक समय तक ऊर्जा बनी रहती है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ हरवेन्द्र सिंह ने गर्भवती महिलाओं को पालक, चुकंदर, मेथी और सूखे मेवे को आयरन का अच्छा स्त्रोत बताया जो एनीमिया से बचाव एवं विकास के लिए सहायक हैं। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को प्रारम्भिक गर्भावस्था के दौरान हल्का व्यायाम आदि करना चाहिए एवं ग्रीष्म ऋतु में बेल का रस, आमरस एवं आवश्यकतानुसार संतुलित मात्रा में खाद्य पदार्थों के साथ-साथ पानी भी पीना चाहिए जिससे शरीर में पानी की कमी न हो। जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्रभूषण ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हरवेन्द्र सिंह, डॉ. तनवी, डॉ. श्रेयती, डॉ. वन्दना सक्सेना, संगीता भार्गव, आंकाक्षा समिति, नीलम राय एवं नूतन चौधरी, सदस्य बाल कल्याण समिति, एकांशु वशिष्ठ, संरक्षण अधिकारी, मिशन वात्सल्य आदि का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यशाला में उपस्थित समस्त माताओं-बहनों का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में शिल्पी, नेहा, सोनल, काजल, सरिता, सोनी, प्रियांशी, आंकाक्षा के साथ-साथ लगभग 80 गर्भवती महिलाएं उपस्थित रहीं, जिन्हें फल, चना-गुड, परमल, शीतल पेय पदार्थों का वितरण किया गया।

करोड़ों खर्च के बाद भी गर्मियों में नहीं बुझ पा रही शहरियों की प्यास

- बांध और सरोवरो में पानी कम हो जाने से बढी पानी की दिक्कत

अवधनामा संवाददाता

महोबा। पेयजल योजना के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी शहर में पानी को लेकर हालात बद से बदतर होते जा रहे है। हर साल गर्मी के मौसम में यहां के बाशिंदों को पानी के लिए जूझना पड़ता है। स्थिति यह है कि कहीं टेंकरों से पानी की आपूर्ति की जा रही है तो कहीं पर लोग स्वयं हैंडपंपो और कुओं से पानी भरकर प्यास बुझा रहे हैं। भीषण गर्मी में तमाम बांध में पानी कम हो गया हैं, वहीं तालाबों के कुछ हिस्से में पानी शेष है और कही पर धूल उड़ रही है। पानी का स्तर तेजी से नीचे खिसक रहा है, इससे हैंडपंपों में भी पर्याप्त पानी हीं मिल निकल रहा है। कई हैंडपंप ड्राई हो चुके है, जिससे पानी को लेकर मारामारी मचने लगी है।

गौरतलब है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई महोबा पुर्नगठन पेयजल योजना के जरिए जिला मुख्यालय से उर्मिल बांध तक करीब 28 किमी0 पाइप लाइन बिछाकर और श्रीनगर में फिल्टर प्लांट बनाकर वर्ष 2010 में श्रीनगर, सिजहरी और महोबा में पेयजल आपूर्ति शुरु कराई गई थी, लेकिन यह योजना भी दस साल बाद शहरियों की प्यास बुझाने में नाकाम साबित हो रही है। 2010 से शहरियों को उर्मिल बांध से भरपूर पानी नहीं मिल रहा है, यही वजह है कि हर साल गर्मी के दिनों में पानी को लेकर मारामारी मचने लगी है। लोग पानी के लिए रातो को जागकर हैंडपंपों से पानी भरते हैं। कारण, सुबह होने तक हैंडपंपों में भारी भीड़ जुटने के कारण हैंडपंप भी जबाव दे जाते हैं, जिससे तमाम लोग पानी से महरुम रह जाते है। शहर में सबसे ज्यादा दिक्कत नयापुरा नैकाना, नैकानापुरा, ढपलानापुरा, बड़ीहाट, भटीपुरा के कुरयानापुरा सहित तमाम इलाकों में गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत बढ़ जाती है। नैकानापुरा में गर्मी की शुरुआत से ही लोग पानी के लिए तरसने लगते हैं, जिसको देखते हुए इस मोहल्ले में पालिका प्रशासन द्वारा सुबह के समय टेंकरों से पानी की सप्लाई दी जा रही है। टेंकर आते ही यहां के लोग पानी के टूट पड़ते है, जिससे चंद मिनटों में टेंकर का पानी खत्म हो जाता है। एक टेकर में तमाम पाइप डालकर लोग थोड़ी ही देर में पानी खींचकर टेंकर खाली कर देते हैं, जिससे तमाम लोगों को टेंकर आने के बाद भी पानी नसीब नहीं हो पाता, जिससे यहां के लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं।

गर्मी आते ही बाधित हो रही पानी की सप्लाई

गर्मी शुरू होते ही शहर के कई मोहल्लों में पानी की आपूर्ति भी नाम मात्र की हो रही है, जिससे पानी की सप्लाई आने के बाद भी लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। रविवार को मदन सागर सरोवर से की जाने वाली सप्लाई ठप हो जाने से लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ा। शहर के मोहल्ला चौसियापुरा, मथुरनपुरा, पठानपुरा, जारीगंज, भीतरकोट, दरियापुरा, मकनियपुरा, कसोरा टोरी सहित तमाम मोहल्लों की पेयजल आपूर्ति बाधित रही, बावजूद इसके जल निगम के अधिकारियों द्वारा कोई ध्यान न दिए जाने से लोग पानी के लिए खासा परेशान दिख रहे हैं। पेयजल आपूर्ति ठप होने पर लोग सुबह से ही डिब्बे बाल्टी और अन्य बर्तन लेकर पानी की तलाश में हैंडपंपों और कुओं में पहुंच गए।

अभियान चलाकर सड़क पटरी पर किए गए अवैध कब्जे अधिकारीयों ने हटवाए

अवधनामा संवाददाता

महोबा। पं. दीनदयाल उपाध्याय उद्यान से बस स्टेशन तक और बुधवारी बाजार में सड़क पटरी पर सब्जी की दुकानें लगाए जाने पर अतिक्रमण के चलते आवागमन में हो रही आसुविधा को देखते हुए उपजिलाधिकारी चरखारी और नायब तहसीलदार चरखारी ने सड़क पटरी पर अतिक्रमण करने वालों से जुर्माना चसूला और अभियान चलाकर अतिक्रमण हटवाया। अतिक्रमण अभियान के दौरान फुटपात पर दुकानें लगाने वालों में हड़कंप मचा रहा। मालूम हो कि बस स्टेशन से महोबा रोड पर पंण् दीनदयाल उपाध्याय पार्क के सामने सड़क पटरी पर ही अवैधानिक रूप से टीन टप्पर और लकड़ी व चादर के डिब्बे रखकर अतिक्रमण कर लिया गया था जिससे आए दिन जाम की समस्या बढने से नागरिकों ने उपजिलाधिकारी से शिकायत कर अतिक्रमण हटवाए जाने की मांग की थी, जिस पर एसडीएम ने शिकायत को गंभीरता से से लिया। नागरिकों की शिकायत पर शनिवार को एसडीएम चरखारी डॉण् प्रदीप कुमार, नायब तहसीलदार चरखारी आलोक मिश्रा, ईओ नगर पालिका अमरजीत, लेखपाल लक्ष्मण सिंह, लेखालिपिक अय्यूब खां, संजीत कुमार ने सड़क पटरी पर हुए अतिक्रमण पर कार्रवाई की है जिसमें अवैधानिक रूप से पटरी पर लगे टीन टप्पर और आस्थाई दुकानों को हटवाया गया। सब्जी बाजार बुधवारी बाजार में सड़क से सटाकर दुकानों को लगाकर रास्ता जाम किए जाने पर भी प्रशासन का सख्त रूख दिखाई दिया। नगर पालिका द्वारा चिन्हित स्थल के बाहर सड़क के किनारे दुकाने लगाने पर आधा दर्जन दुकानदारों से जुर्माना वसूला है। इस दौरान एसडीएम चरखारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि दोबारा अतिक्रण करते हुए आवामगन को प्रभावित करने पर कठोर कार्रवाई अमल में लायी जाएगी।

सिपाही का शव मिला, दोस्तों पर हत्या का आरोप

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। माखी थाना अंतर्गत शुक्रवार सुबह एक सिपाही का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान मिलने के बाद परिजनों ने दोस्तों द्वारा हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मौके से दो युवकों को हिरासत में लेकर पूंछताछ शुरू कर दी है वहीं फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल की है। मृतक की पहचान सिपाही वेद प्रकाश उर्फ सोनू पाल पुत्र राम लखन पाल निवासी पुरवा गांव, माखी के रूप में हुई है। वह बहराइच जनपद में सिपाही पद पर तैनात था गत दिवस डाक लाने के लिए लखनऊ भेजा गया था। 17 मई को लखनऊ पहुंचने के बाद वह अपने गांव आ गया जहां गुरुवार रात अपने दो साथियों के साथ पार्टी करने गया था। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में

सामने आया है कि सिपाही और उसके दो दोस्त दुकान की छत पर रात में रुके थे।

सुबह वेद प्रकाश का शव मिला, जिस पर चोटों के कई निशान थे। ग्रामीणों और परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। जिसे गंभीरता से लिया गया है। पुलिस ने सिपाही के दोनों दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीएमओ सभागार में 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम की समीक्षा बैठक

- पीएसआई इंडिया व केनव्यू के सहयोग से चलाया जा रहा कार्यक्रम

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया और केनव्यू के सहयोग से जिले में चलाये जा रहे ÷डायरिया से डर नहीं÷ कार्यक्रम की समीक्षा बैठक शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.हरिनंदन प्रसाद की अध्यक्षता में हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में हुई बैठक में पीएसआई इंडिया के मैनेजर प्रोग्राम गजेन्द्र सिंह और मैनेजर (एमआईएस एंड डाक्युमेंटेशन) डॉ.विभीषण ने कार्यक्रम सम्बन्धी गतिविधियों और प्रगति के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि डायरिया से बच्चों को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने के लिए जन जागरूकता बहुत जरूरी है। डायरिया से जुड़ी गलत धारणाओं और भ्रांतियों को भी दूर किया जाना चाहिए। पीएसआई इंडिया के गजेन्द्र ने बताया कि पीएसआई इंडिया द्वारा जनपद उन्नाव के 53 प्रमुख स्थानों पर डायरिया से संबंधित दीवार लेखन किया जा रहा है, ताकि जन-जन में जागरूकता की अलख जगाई जा सके। ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर आशा एवं एएनएम की बैठक में प्रतिभाग कर डायरिया पर चर्चा की जा रही है। इसके अलावा अतिरिक्त छाया ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्रों का सहयोगात्मक निरीक्षण किया जा रहा है। ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर ओआरएस व जिंक कार्नर बनाने का कार्य किया जा रहा है। जुलाई तक करीब एक हजार आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, आशा संगिनी का डायरिया पर अभिमुखीकरण किया जाएगा। महिला आरोग्य समिति की सदस्यों का अभिमुखीकरण किया जा चुका है। पम्पलेट आदि प्रचार सामग्री (आईईसी) का वितरण किया जायेगा और प्रचार वाहन का संचालन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रचार-प्रसार व अभिमुखीकरण के लिए दिए गए सुझावों को कार्ययोजना में शामिल किया जाएगा। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डॉ. जयराम सिंह, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नरेंद्र, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक (डीपीएम) इंतजार अहमद सिद्दीकी, शहरी स्वास्थ्य समन्वयक डॉ. रानू कटियार, डीसीपीएम जे.बी. पाण्डेय ने भी प्रतिभाग किया। इस मौके पर पीएसआई इंडिया से अशरफ हुसैन उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि पीएसआई इंडिया और केनव्यू के सहयोग से उत्तर प्रदेश के सात जिलों उन्नाव, मुरादाबाद, मथुरा, फिरोजाबाद, बदायूं, गोंडा व श्रावस्ती और बिहार के तीन जिलों दरभंगा, सुपौल और पूर्णिया में 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और विकास खंड कार्यालयों को दीवार लेखन के माध्यम से आच्छादित किये जाने की योजना है ताकि जन-जन तक डायरिया से बचाव के प्रमुख सन्देश पहुंचाए जा सकें। इसके साथ ही बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार (आईसीडीएस) और शिक्षा विभाग के साथ ही अन्य विभागों को भी कार्यक्रम से जोड़ा जा रहा है।

विवाहिता ने ससुरालीजनो पर लगाया दहेज प्रताड़ना का आरोप

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र भवानी नगर मजरा अकोहरी निवाशी चांदनी पत्नी विकाश ने 14 मई को थाना में शिकायती पत्र देकर बताया कि मेरी शादी तीन वर्ष पूर्व हुई थी। पति विकास व ससुर महेश पुत्र चोरई सास सुनीता नंद संगीता देवरा राजन उसे विवाह के दो दिन बाद से ही दहेज को लेकर परेशान करने लगे व मारने पीटने लगे। जबकि मेरे पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार एक सोने की चेन अंगूठी 5 ग्राम एक हीरो स्प्लेंडर कंपनी की बाइक सोफा बेड पीतल के बड़े बर्तन कीमत 22000 वह अन्य 150 बर्तन तिलक परीक्षा 11000 रुपए एक अलमारी सहित आदि दहेज दिया था। पीड़िता ने बताया कि अब मेरे पिता एक लाख रुपए व एक सोने की चेन देने में सक्षम नहीं है तो पीड़िता की ननंद कहती है कि इसको पेट्रोल डालकर फूंक दो तबसे पीड़िता के ससुरालवाले लगातार प्रार्थिनी को बाहर के गेट में ताला बंद कर मारते हैं। पीड़िता का पति जब शहर चला जाता है तो वहां से घरवालों को कहता है कि पीड़िता को मार डाले या दहेज लेकर आए पीड़िता का ससुर महेश अक्सर मेरे साथ नाजायज संबंध बनाने की कोशिश करता है। पीड़िता के पास एक दो वर्ष की बच्ची भी है तो पीड़िता के ससुराल वाले कहते हैं की लड़की क्यों पैदा किया इसको मार डालो पीड़िता के जब से पुत्री हुई है तबसे पीड़िता का ससुराल में रहना और भी दूभर हो गया है। पीड़िता के जेवरों को घर वालो ने छीन लिया है और खाना मांगने पर मारते पीटते हैं।

इस दाल की मदद से घर पर तैयार करें टैन रिमूवल साबुन, इस्तेमाल के बाद दमक उठेगी त्वचा

नई दिल्ली। मसूर की दाल टैनिंग हटाने और त्वचा को नेचुरली ग्लोइंग बनाने के लिए बेहद फायदेमंद है। ऐसे में इसकी मदद से घर पर ही साबून तैयार करें, जो आपकी त्वचा को दमकाएगी। जब भी बात आती है स्किन केयर प्रोडक्ट की तो लोगों के जहन में एक ही बात आती है कि स्किन केयर में तो हजारों रुपये खर्च करने ही पड़ेंगे। जबकि ऐसा नहीं है। आप कम पैसे खर्च करके भी अपनी त्वचा का खास ध्यान रख सकते हैं। यदि आप टैनिंग से परेशान हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है। यहां हम आपको ऐसी साबुन बनाने का तरीका बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा खिल उठेगी और टैनिंग भी खत्म हो जाएगी। इस साबुन को घर पर बनाने के लिए आपको ज्यादा चीजें भी नहीं चाहिए होंगी। बस इसके इस्तेमाल से पहले एके बार पैच टेस्ट अवश्य कर लें, ताकि किसी तरह की एलर्जी की संभावना नहीं रहे। मसूर की दाल की साबुन बनाने के लिए सबसे पहले मसूर की दाल पाउडर तैयार करें। इसके लिए आपको मसूर की दाल को धोकर अच्छी तरह से सुखाना है। जब ये पूरी तरह से सूख जाए तो इसका बारीक पाउडर बना लें। पाउडर बनाने के बाद जो ग्लिसरीन की साबुन ली है उसे छोटे टुकड़ों में काट लें। टुकड़ों में काटने के बाद इस साबुन को डबल बॉयलर या माइक्रोवेव में पिघला लें। जब साबुन पूरी तरह पिघल जाए, तो उसमें मसूर की दाल पाउडर, हल्दी, एलोवेरा जेल, नींबू का रस, तेल और गुलाब जल डालें। इसे अच्छी तरह से मिक्स करें, ताकी सभी चीजें आपस में मिल जाएं। आखिर में चाहें तो खुशबू के लिए कोई तेल भी इसमें मिक्स कर सकते हैं। जब सभी चीजें मिक्स हो जाएं तो इस मिश्रण को साबुन के सांचे (मोल्ड) में डालें। अब इसे 6-8 घंटे या पूरी रात के लिए सेट होने दें। जब साबुन पूरी तरह जम जाए, तो इसे सांचे से निकाल लें। अब हर रोज इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

एक लिपस्टिक लगाकर हो गई हैं बोर तो पुराने शेड्स को ऐसे करें इस्तेमाल

नई दिल्ली। पुरानी लिपस्टिक को फेंकने की बजाय इन आसान ब्यूटी हैक्स से नए और खूबसूरत लिप शेड तैयार किए जा सकते हैं। आइए आपको भी इस बारे में जानकारी देते हैं। महिलाएं चाहे किसी भी उम्र में हों, उन्हें लिपस्टिक लगाने का हमेशा से क्रेज रहता है। शायद ही कोई ऐसी महिला होगी, जिसके पास लिपस्टिक का कलेक्शन नहीं होगा। इसी के चलते कई बार तो लिपस्टिक रखे-रखे पुरानी होने लगती है। वहीं कई बार एक ही रंग लगाते-लगाते बोरियत होने लगती है।

ऐसे में हम आपको पुरानी लिपस्टिक इस्तेमाल करने के कुछ आसान ट्रिक्स बताने जा रहे हैं। इन ट्रिक्स को अपनाने के बाद आपकी पुरानी लिपस्टिक दोबारा इस्तेमाल हो जाएगी और आपको नया शेड भी मिल जाएगा।

बदलते मौसम में खो रही है पैरों की रंगत तो अपनाएं ये नुस्खे

नई दिल्ली। अगर आपके पैरों की रंगत भी खो रही है और आप उन्हें मखमली मुलायम बनाना चाहते हैं, तो ये घरेलू नुस्खे आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। जिस तरह से बदलते मौसम का असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, ठीक उसी तरह से इसका असर लोगों की त्वचा पर भी देखा जा रहा है। ऐसे में लोग अपने चेहरे और हाथों का तो खास ध्यान रख लेते हैं, लेकिन वो अक्सर पैरों पर ध्यान देना भूल जाते हैं। जिस वजह से लोगों से पैरों में रूखापन बढ़ने लगता है और पैरों की रंगत खोने लगती है। इसी वजह से आज हम आपको पैरों की रंगत सुधारने के लिए कुछ टिप्स देने जा रहे हैं। इन टिप्स को अपनाकर आप अपनी त्वचा को और भी ज्यादा खूबसूरत बना सकते हैं। इन टिप्स को आप हफ्ते में एक से दो बार फॉलो कर सकते हैं। यदि आप अपने पैरों को साफ और मुलायम बनाना चाहते हैं तो पैरों गुनगुने पानी में भिगोने से आपको लाभ मिल सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक टब या फिर बाल्टी में गुनगुना पानी लेकर उसनें थोड़ा सा नमक और नीबू का रस डालें। पैरों को कम से कम 20 मिनट के लिए पानी में भिगो कर रखें।

चुकंदर की मदद से घर पर तैयार करें हेयर कलर, आसान है इसे लगाने का तरीका भी

नई दिल्ली। यदि आप बाजार में मिलने वाले हेयर कलर के इस्तेमाल के इस्तेमाल से डरते हैं, तो घर पर ही चुकंदर की मदद से घर पर ही इसे तैयार करें और अपना लुक बदलें।

आज के समय में कम उम्र में ही युवाओं के बाल सफेद हो जा रहे हैं। ऐसे में बेहद कम उम्र में ही लोगों को हेयर कलरों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। वैसे तो बाजार में कई कंपनियों के हेयर कलर आते हैं, जो न सिर्फ लुक बदल देते हैं, बल्कि इनके इस्तेमाल से बालों में शाइन भी आती है। पर, बहुत से लोग केमिकल वाले इन रंगों के इस्तेमाल करने से डरते हैं। इसी के चलते हम आपको यहां घर पर ही हेयर कलर बनाने का तरीका बताने जा रहे हैं, ताकि आपको किसी तरह

की एलर्जी का खतरा नहीं रहे। यहां हम आपको चुकंदर की मदद से हेयर कलर बनाना बताएंगे, ताकि आप घर पर ही अपने बालों का लुक बदल सकें। यदि आप अपने बालों में चुकंदर से बने हेयर कलर का इस्तेमाल करते हैं, इससे बालों को कोई नुकसान नहीं होता। चुकंदर में आयरन, विटामिन ष्ट और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो बालों को मजबूत बनाते हैं। ये हेयर कलर बालों का रंग बदलने के साथ-साथ स्कैल्प को हाइड्रेट करता है और बालों की ग्रोथ को बढ़ाता है। अगर आप चाहते हैं कि बालों में हल्का रेड-बर्गंडी शेड आए, तो इस मिश्रण को अपनाएं। इसके लिए आपको चुकंदर के साथ-साथ गाजर और नारियल के तेल की जरूरत पड़ेगी। हेयर कलर तैयार करने के लिए चुकंदर और गाजर को छोटे टुकड़ों में काटकर मिक्सी में ब्लेंड कर लें। सही से ब्लेंड करने के बाद इसका गाढ़ा रस निकाल लें और इसमें 1 चम्मच नारियल तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को बालों में ब्रश से लगाएं और 1 घंटे के लिए छोड़ दें। एक घंटे के बाद अपने बालों को अच्छी तरह से धो लें। इससे आपके बालों में हल्का लाल कलर आ जाएगा। यदि आपके बाल रूखे हैं तो सिंपल हेयर कलर की बजाए चुकंदर के साथ एलोवेरा को मिक्स करें। इस पैक से आपके बालों की नमी बरकरार रहेगी। इसे तैयार करने के लिए 2 चुकंदर के साथ एलोवेरा जेल की जरूरत पड़ेगी।

चेहरे के लिए रामबाण है चावल और एलोवेरा से बना जेल

नई दिल्ली। चावल और एलोवेरा दोनों ही प्राकृतिक रूप से त्वचा को निखारने और हाइड्रेट करने में मदद करते हैं। ऐसे में आप इसका चेल बनाकर स्किन केयर में कर सकते हैं। यदि आप ग्लोइंग और दमकती त्वचा पाना चाहते हैं तो उसके लिए या तो महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं, वरना घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। आज के समय में ज्यादातर लोग घरेलू नुस्खे अपनाना पसंद करते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं, जिन्हें घरेलू चीजें इस्तेमाल करना पसंद है तो यहां हम आपको एक ऐसे जेल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से आपका चेहरा खिल उठेगा। हम बात कर रहे हैं चावल और एलोवेरा से बने जेल की, जो आपका चेहरा दमकाने में आपकी मदद उठेगा। इसका इस्तेमाल आप पैच टेस्ट के बाद कर सकते हैं। यहां हम आपको न सिर्फ से जेल तैयार करना बताएंगे, बल्कि इसके इस्तेमाल का सही तरीका भी बताएंगे। चावल का जेल बनाने के लिए चावल को धोकर 30 मिनट तक पानी में भिगो दें। इसके बाद इन चावलों को एक कप पानी में तब तक उबालें, जब तक कि ये पूरी तरह से नरम न हो जाए। इस जेल को पूरी तरह से ठंडा करके इसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं। इन दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद गुलाब जल और विटामिन श्व कैप्सूल भी मिला सकते हैं। आखिर में इसे एयरटाइट कंटेनर में पैक कर लें। इस जेल को चेहरे पर लगाने के लिए पहले चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। अब साफ चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करते हुए लगाएं। इसे 15-20 मिनट* तक लगा रहने दें। आखिर में इसे गुनगुने पानी से धो लें। इसे हफ्ते में 3-4 बार इस्तेमाल करें और कुछ दिनों में ही आपको ग्लोइंग और सॉफ्ट स्किन नजर आने लगेगी।

इंडिया पोस्ट के नाम पर ऑनलाइन ठगी! पैकेज डिलीवरी के नाम पर हो सकता है बड़ा धोखा

नई दिल्ली। इंडिया पोस्ट के नाम पर चल रहे ऑनलाइन स्कैम का भंडाफोड़ हुआ है। इस नए तरह के स्कैम में लोगों को डिलीवरी एड्रेस अपडेट करने के लिए स्स्स्र पर लिंक भेजा जा रहा है। लिंक पर क्लिस करते ही फोन हैक होने के मामले सामने आए हैं।

क्या आपको भी एक एसएमएस आया है जिसमें कहा गया है कि आपका पैकेज किसी वेयरहाउस में अटका हुआ है और अगर आपने 24 घंटे के अंदर अपना पता अपडेट नहीं किया, तो पैकेज वापस कर दिया जाएगा? अगर हां, तो अलर्ट हो जाइए!

यह एक नया ऑनलाइन स्कैम है, जो मासूम लोगों को ठगने के लिए फैलाया जा रहा है। यह फर्जी मैसेज एकदम असली लग सकता है, जिससे लोगों को जल्दी से एक्शन लेने के लिए

मजबूर किया जाता है। मैसेज में एक लिंक दिया जाता है, जो दिखने में इंडिया पोस्ट की वेबसाइट जैसा लगता है, लेकिन असल में यह धोखाधड़ी वाली फेक साइट होती है। जब कोई यूजर इस लिंक पर क्लिक करता है, तो उसे अपना नाम, पता, फोन नंबर, बैंक डिटेल्स और यहां तक कि क्रेडिट कार्ड की जानकारी भरने के लिए कहा जाता है। इस डेटा का इस्तेमाल पहचान की चोरी, फर्जी ट्रांजैक्शन या फिर इसे डार्क वेब पर बेचने के लिए किया जाता है। कई मामलों में, यह फर्जी साइट आपके डिवाइस में मैलवेयर भी इंस्टॉल कर सकती है, जिससे आपका फोन या कंप्यूटर हैक हो सकता है। प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो फैक्ट चेक ने इस फेक मैसेज का भंडाफोड़ किया है और बताया है कि इंडिया पोस्ट कभी भी ऐसे मैसेज नहीं भेजता, जिसमें पता अपडेट करने के लिए किसी बाहरी लिंक पर क्लिक करने को कहा जाए। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें। हमेशा यूआरएल चेक करें और किसी भी संदेहजनक वेबसाइट से बचें। ऑफिशियल सोर्स से जानकारी लें। अगर कोई भी डिलीवरी अपडेट चाहिए, तो 222.indiapost.gov.in पर जाकर खुद चेक करें। अगर आपको ऐसा कोई मैसेज मिले, तो इसे तुरंत cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें या फिर PIB Fact Check के सोशल मीडिया हैंडल पर जानकारी दें।

गूगल ने भारत में शुरू किया अपना सबसे बड़ा कैम्पस, 5000 सीटों का है इंतजाम

नई दिल्ली। Ananta, जो अब गूगल के सबसे बड़े कार्यालयों में से एक है, इसी विश्वास और भारत के डिजिटल भविष्य को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह उन सभी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो इस भविष्य को आकार देने में योगदान दे रहे हैं। गूगल ने बुधवार को भारत में अपना सबसे बड़ा कैंपस ÒAnantaÓ (जिसका संस्कृत में अर्थ असीम होता है) लॉन्च किया। यह न केवल भारत में बल्कि गूगल के वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े परिसरों में से एक है। यह कैंपस बेंगलुरु के महादेवपुरा में स्थित है और इसमें 5,000 से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता है। इस कैंपस का डिजाइन सुगमता (एक्सेसिबिलिटी) को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और इसके निर्माण में उपयोग किए गए अधिकांश सामग्री स्थानीय स्रोतों से ली गई है। गूगल इंडिया की वाइस प्रेसिडेंट और कंट्री मैनेजर, प्रीति लोबाना ने इस अवसर पर कहा, "Ananta केवल उन इनोवेशन के लिए नहीं जाना जाएगा जो इसकी दीवारों के भीतर से उभरेंगे, बल्कि इसके स्थायी प्रभाव के लिए भी पहचाना जाएगा। छह साल पहले हमने AI-फर्स्ट दृष्टिकोण को अपनाने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया। हमने भारत को न केवल एक प्रतिभा संपन्न देश के रूप में देखा,

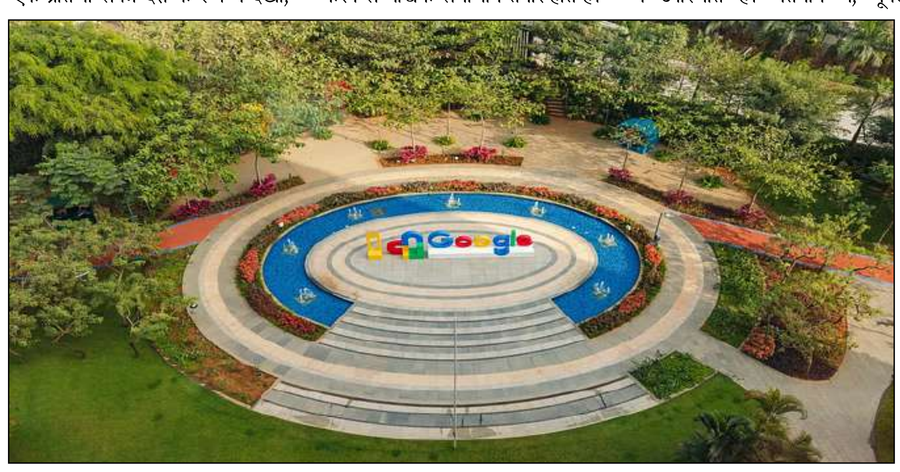

बल्कि एक ऐसे स्थान के रूप में भी पहचाना, जहां AI बड़े पैमाने पर जीवन को बदल सकता है। यह नया कैंपस तकनीकी क्षेत्र में हो रहे व्यापक बदलावों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। गूगल डीपमाइंड के वाइस प्रेसिडेंट और बेंगलुरु साइट लीड आनंद रंगराजन ने कहा, भारत जटिल चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है। भारतीय उपयोगकर्ताओं की समस्याओं को हल करने से वैश्विक समाधान तैयार होते हैं। Ananta, जो अब गूगल के सबसे बड़े कार्यालयों में से एक है, इसी विश्वास और भारत के डिजिटल भविष्य को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह उन सभी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो इस भविष्य को आकार देने में योगदान दे रहे हैं। गूगल का भारत में 10,000 से अधिक कर्मचारियों के साथ एक मजबूत कार्यबल है। कंपनी की बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद और गुरुग्राम सहित कई शहरों में उपस्थिति है। वर्तमान में, गूगल हाइब्रिड वर्क मॉडल का अनुसरण करता है, जिसमें कर्मचारियों को प्रति सप्ताह तीन दिन कार्यालय में काम करने की आवश्यकता होती है। Ananta कैंपस के लॉन्च के साथ, गूगल भारत में अपने विश्व-स्तरीय उत्पादों और जटिल उपयोगकर्ता चुनौतियों को हल करने की क्षमता को और मजबूत करेगा।

ब्राजील के न्यायालय ने एक्स पर 1.4 मिलियन डॉलर का लगाया जुर्माना, आदेशों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई

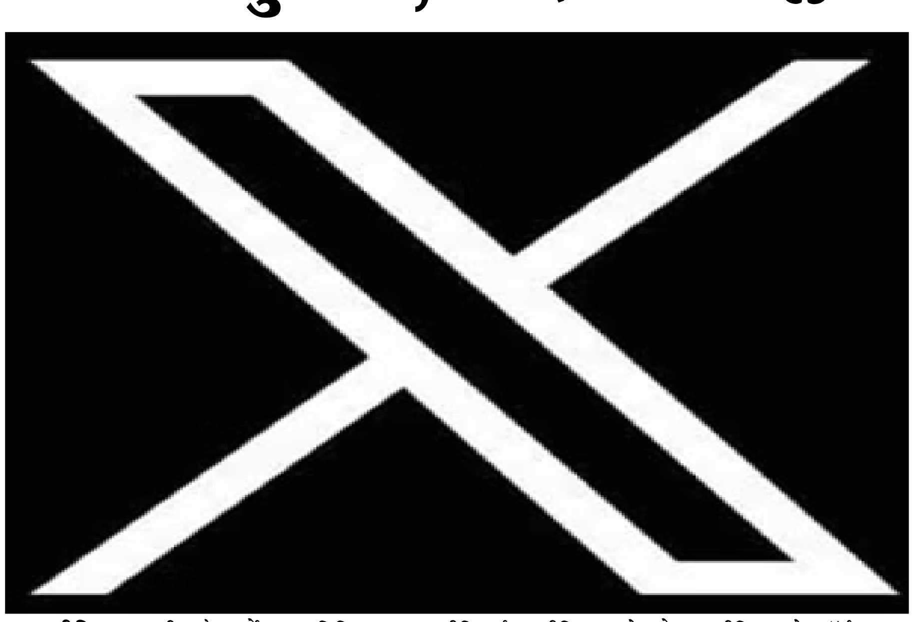

ब्रासीलिया। ब्राजील के सर्वोच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के लिए बुधवार को एक अहम आदेश जारी किया। इसके तहत उन्होंने एक्स को 8.1 मिलियन ब्राज़ीलियाई रीसिस (करीब 1.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भरने का आदेश दिया। ब्राजील के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, एलेक्जेंडर डी मोरेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) के लिए बुधवार को एक अहम आदेश जारी किया। इसके तहत उन्होंने एक्स को 8.1 मिलियन ब्राज़ीलियाई रीसिस (करीब 1.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भरने का आदेश दिया। यह जुर्माना तब लगाया गया जब एक्स ने अदालत के आदेश के बावजूद एलन डॉस सैंटोस के प्रोफ़ाइल से संबंधित पंजीकरण डेटा देने से इनकार कर दिया।

बता दें कि डी मोरेस ने जुलाई 2024 में आदेश दिया था कि एक्स और मेटा को सैंटोस के एकाउंट को ब्लॉक करने, उसे प्रतिबंधित करने और उसका डेटा प्रदान करने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए। एक्स ने इस आदेश का पालन करते हुए एकाउंट तो ब्लॉक किया, लेकिन यह दावा किया कि उसके पास डेटा नहीं है क्योंकि यह डेटा एकत्र नहीं किया गया था और उपयोगकर्ता का ब्राजील से कोई तकनीकी संबंध नहीं था। हालांकि, न्यायाधीश ने इस तर्क को खारिज कर दिया। इसके बाद, एक्स को डेटा देने में नाकाम रहने पर अगस्त 2024 में 100,000 ब्राज़ीलियन रीसिस (करीब 17,500 अमेरिकी डॉलर) का दैनिक जुर्माना लगाया गया। अक्टूबर तक यह जुर्माना बढ़कर 8.1 मिलियन रीसिस हो गया।

एक्स ने इस जुर्माने के खिलाफ अपील की थी, लेकिन बाद में उसने अदालत को सूचित किया कि वह जुर्माना भरने को तैयार है। अदालत ने बुधवार के फैसले में कंपनी को तुरंत पूरी राशि का भुगतान करने का आदेश दिया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि एक्स ने न्यायालय के अनुरोध के अनुसार पंजीकरण डेटा प्रदान किया या नहीं। वहीं पिछले वर्ष, डी मोरेस ने एक्स के खिलाफ एक और कदम उठाया था जब कंपनी ने ब्राज़ील में अपने सारे कर्मचारियों को निकालने की योजना बनाई थी। तब उन्होंने देश में एक्स के कानूनी प्रतिनिधि को गिरफ़्तारी की धमकी दी थी। ब्राज़ील के कानून के अनुसार, विदेशी कंपनियों को देश में एक स्थानीय कानूनी प्रतिनिधि नियुक्त करना पड़ता है, ताकि वे अदालत के फैसले प्राप्त कर सकें और त्वरित कार्रवाई कर सकें।

सरकार ने दी बड़ी चेतावनी, एक झटके में हो सकते हैं हैकर्स के शिकार

नई दिल्ली। यह चेतावनी Vulnerability Note CIVN-2025-0024 के तहत जारी की गई है, जिसमें बताया गया है कि यदि इन सुरक्षा खामियों का फायदा हैकर्स द्वारा उठाया जाता है, तो वे प्रभावित सिस्टम पर मनचाहा कोड एडिट कर सकते हैं और अनधिकृत रूप से पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में उपयोगकर्ताओं को तत्काल अपना ब्राउजर अपडेट करने की सलाह दी गई है। यदि आप macOS, Windows Øæ Linu× पर Google Chrome ब्राउजर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो आपके लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा चेतावनी जारी की गई है। भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम ने एक उच्च-स्तरीय (हाई-रिस्क) सुरक्षा चेतावनी जारी की है, जो Google Chrome ब्राउजर में मौजूद कई खतरनाक कमजोरियों की ओर इशारा करती है। CERT-In के अनुसार, Windows, macOS ¥õÚU Linu× उपयोगकर्ताओं के

लिए Google Chrome में कई गंभीर सुरक्षा खामियां पाई गई हैं। ये खामियां Chrome के आर्किटेक्चर में मौजूद विभिन्न कमजोरियों के कारण पैदा हुई हैं, जिनमें शामिल हैं CERT-In का कहना है कि हैकर्स इन कमजोरियों का उपयोग गलत वेबसाइटों के जरिए कर सकते हैं। यदि कोई उपयोगकर्ता इन वेबसाइटों पर क्लिक करता है, तो मैलवेयर के जरिए हैकर्स उसके सिस्टम पर नियंत्रण प्राप्त कर सकते हैं। इसका परिणाम निम्नलिखित हो सकता है उपयोगकर्ता की संवेदनशील जानकारी चोरी हो सकती है। सिस्टम क्रैश हो सकता है या पूरी तरह से हैक हो सकता है। सरकारी संस्थानों और व्यवसायों पर साइबर हमले का खतरा बढ़ सकता है। CERT-In ने बताया कि यह सुरक्षा खामी उन उपयोगकर्ताओं को प्रभावित कर सकती है, जो Google Chrome का पुराना संस्करण चला रहे हैं। प्रभावित संस्करणों में शामिल हैं।

देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामले, अस्पताल अलर्ट पर

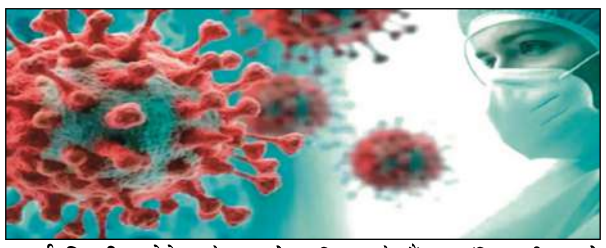

नई दिल्ली। कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। केरल से लेकर मुंबई और दिल्ली तक बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मिले चुके हैं। इसे लेकर अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है। आइए 10 प्वाइंट में समझते हैं कोरोना का खतरा कैसे बढ़ रहा है? देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। केरल से लेकर मुंबई और दिल्ली तक बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मिले चुके हैं। इसे लेकर सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। अस्पतालों को कहा गया है कि वे बेड और ऑक्सीजन का पर्याप्त इंतजाम कर लें। दिल्ली में अब तक 23 केस मिल चुके हैं। हालांकि सभी मामले गंभीर हैं। आइए 10 प्वाइंट में समझते हैं कोरोना का खतरा कैसे बढ़ रहा है?

दक्षिण एशिया में कोविड के मामलों में उछाल ओमिक्रॉन छ्ह.1 वैरिएंट के प्रसार के कारण आया है। डॉक्टर बता रहे हैं कि वैरिएंट काफी है सक्रिय है, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे चिंताजनक वैरिएंट घोषित नहीं किया है।

मौजूदा कोविड मरीजों में आमतौर पर हल्के लक्षण आ रहे हैं। संक्रमित व्यक्ति चार दिन में ठीक हो जाता है। इसके सामान्य लक्षण बुखार, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द, थकान और थकावट शामिल हैं।

संजय राउत ने दिए मनसे के साथ गठबंधन के संकेत, राज ठाकरे की पार्टी ने रखी है शर्त

इंटरव्यू

राज ठाकरे ने पिछले महीने फिल्म निर्माता महेश मांजरेकर के साथ एक इंटरव्यू में संकेत दिए थे कि मराठी मानुस के लिए वे शिवसेना यूबीटी से हाथ मिला सकते हैं।

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी और मनसे के बीच गठबंधन की चर्चा है, लेकिन हाल ही में मनसे के एक शीर्ष नेता ने कहा कि बेहतर प्रस्ताव मिलने पर ही गठबंधन पर विचार किया जाएगा। हालांकि अब शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने संकेत दिए हैं कि उनकी पार्टी मनसे के साथ गठबंधन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मराठी लोगों की भलाई के लिए दोनों नेता साथ आएंगे। संजय राउत ने कहा कि मराठी लोगों की भलाई के लिए उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे के साथ गठबंधन के लिए मनसेऔर दिल से तैयार हैं।गौरतलब है कि इस साल के अंत में मुंबई, ठाणे, नासिक, नागपुर और पुणे के नगर निगमों सहित महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव होने वाले हैं। संजय राउत का यह बयान ऐसे समय आया है, जब गुरुवार को मनसे के नेता संदीप देशपांडे ने कहा था कि राज ठाकरे शिवसेना (यूबीटी) के साथ गठबंधन पर तभी विचार करेंगे, जब कोई ठोस प्रस्ताव सामने आएगा। उन्होंने कहा कि गठबंधन के पिछले प्रयासों के लिए उन्हें धोखा मिला था। उन्होंने कहा, अगर शिवसेना (यूबीटी) को लगता है कि मनसे के साथ गठबंधन संभव है, तो उन्हें एक ठोस प्रस्ताव के साथ आना चाहिए। राज ठाकरे इस पर फैसला लेंगे। राज ठाकरे ने पिछले महीने फिल्म निर्माता महेश मांजरेकर के साथ एक इंटरव्यू में संकेत दिए थे कि मराठी मानुस के लिए वे शिवसेना यूबीटी से हाथ मिला सकते हैं। इसके कुछ घंटों बाद ही उद्धव ठाकरे ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। इसके बाद ही दोनों पार्टियों में गठबंधन की चर्चा शुरू हो गई थी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने कहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति से पवार और ठाकरे ब्रांड को खत्म करने की कोशिश की गई है, लेकिन उन्हें खत्म नहीं किया जा सकता। पुणे में एक मराठी समाचार पोर्टल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में राज ठाकरे ने कहा, जहां तक ठाकरे ब्रांड का सवाल है, मेरे दादा प्रभोदनकर ठाकरे ने महाराष्ट्र पर सबसे पहले बड़ा प्रभाव डाला। उनके बाद बालासाहेब ठाकरे और फिर मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे ने संगीत में अपनी छाप छोड़ी। बाद में उद्धव और मैंने दोनों ने अपना प्रभाव छोड़ा। मनसे नेता ने कहा कि निस्संदेह इन ब्रांड्स को खत्म करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि इन्हें आसानी से खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि भले ही शीर्ष पर बैठे नेता बदल जाएं, लेकिन ब्रांड बने रहेंगे।उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और शरद पवार द्वारा स्थापित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में 2022 और 2023 में बंटवारा हो गया था।

कांग्रेस ने नीति आयोग को बताया अयोग्य निकाय

नई दिल्ली।कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक पर सवाल उठाया और कहा कि यह सिर्फ पाखंड और भेदभाव बढ़ाने वाली कवायद है। जयराम रमेश ने केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए कई सवाल भी पूछे।

कांग्रेस ने नीति आयोग की बैठक पर तीखा हमला बोलते हुए इसे अयोग्य निकाय बताया और कहा कि यह और कुछ नहीं बल्कि पाखंड और भेदभाव बढ़ाने वाली कवायद है। कांग्रेस के संचार प्रभारी और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट कर शनिवार को हो रही नीति आयोग की बैठक पर सवाल खड़े किए। नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की यह बैठक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रही है, जिसका उद्देश्य विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा करना है।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ये कैसा विकसित भारत होगा अगर जो लोग सत्ता में बैठे हैं, वो ही देश के सामाजिक सद्भाव को अपने शब्दों और कर्मों से तबाह करने लगें? ये कैसा विकसित भारत होगा, अगर सत्ता में बैठे लोग ही अपने नापाक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संसद, न्यायपालिका, विश्वविद्यालयों, मीडिया और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करेंगे? कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि ये किस तरह का विकसित भारत होगा, अगर जिन मूल्यों के लिए हमेशा भारत खड़ा रहा, उन्हें ही संस्थागत तरीके से खत्म किया जाएगा? ये किस तरह का विकसित भारत होगा, जहां आर्थिक असमानता होगी और धन सिर्फ कुछ लोगों तक ही सीमित रहेगा? अगर भारत की गौरवशाली विविधताओं का जानबूझकर अपमान किया जाएगा और उन्हें खत्म करने की कोशिश होगी? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक हो रही है। इस बैठक में शामिल होने के लिए विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री नई दिल्ली पहुंचे हैं। इस बैठक में इस बात पर चर्चा हो रही है कि राज्य किस तरह से विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान दे सकते हैं। बैठक की थीम विकसित भारत 2047 के लिए विकसित राज्य% है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहली शीर्ष स्तरीय बैठक है, जिसमें पीएम मोदी शामिल हुए हैं।

तय समय से आठ दिन पहले केरल पहुंचा मानसून, 16 साल में सबसे जल्दी भारत में दी दस्तक

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून आज यानी 24 मई को केरल में दस्तक दे चुका है। इसकी सामान्य तिथि 1 जून है। ढ्रस्ड्ढ के मुताबिक, ऐसे में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य तिथि से 8 दिन पहले केरल में दस्तक दे चुका है। केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है। यह अपने तय समय से करीब एक सप्ताह पहले चल रहा है। इस साल केरल में मानसून का आगमन पिछले 16 वर्षों में सबसे जल्दी हुआ है। राज्य में मानसून के आगमन के लिए सभी अनुकूल परिस्थितियां तैयार हो गई थीं। पिछले दो दिनों में केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। यह कम दबाव वाले क्षेत्र और आगे बढ़ते मानसून सिस्टम के संयोजन के कारण हो रहा है। पिछली बार राज्य में मानसून इतनी जल्दी 2009 और 2001 में पहुंचा था। तब यह 23 मई को राज्य में पहुंचा था। आमतौर पर मानसून केरल में 1 जून को दस्तक देता है। हालांकि, सबसे पहले 1918 में 11 मई को मानसून ने केरल में दस्तक दे दी थी। देरी से मानसून के आने का रिकॉर्ड 1972 में था, जब मानसूनी बारिश 18 जून से शुरू हुई थी। पिछले 25 वर्षों में सबसे देरी से मानसून का आगमन 2016 में हुआ था, जब मानसून ने 9 जून को केरल में प्रवेश किया था। दक्षिणी राज्यों में भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्रस्ड्ढ) ने शनिवार को केरल, तटीय-दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से भारी वर्षा की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने कहा कि 29 मई तक केरल और तटीय कर्नाटक में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलेंगी। तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी अगले पांच दिनों में छिटपुट बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

राज्य मानवाधिकार आयोग से मांग, दहेज जैसी प्रतिगामी प्रथाओं पर लगे रोक

पुणे। जिनजादे ने कहा कि सबसे पहले शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों को एकमत होकर दहेज और अन्य प्रतिगामी प्रथाओं जैसे विधवा संबंधी, बाल श्रम, बाल विवाह, जातीय भेदभाव के खिलाफ प्रस्ताव पारित करें। महाराष्ट्र के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने राज्य के मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखकर समाज में मौजूद प्रतिगामी प्रथाओं जैसे दहेज और विधवाओं से संबंधित प्रथाओं को खत्म करने की मांग की। सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि मानवाधिकार आयोग राज्य सरकार को निर्देश दे कि वह दहेज प्रथा के खिलाफ सख्त कदम उठाए। यह मांग ऐसे समय की गई है, जब हाल ही में पुणे में दहेज प्रताड़ना से तंग आकर 26 साल की महिला ने आत्महत्या कर ली थी।

जस्टिस ओका की सेवानिवृत्ति के बाद जस्टिस नागरत्ना बनेंगी कॉलेजियम की सदस्य

नई दिल्ली। कॉलेजियम प्रणाली सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद 1993 में अस्तित्व में आई। इस प्रणाली के तहत सर्वोच्च न्यायालय के पांच शीर्ष न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट और 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, स्थानांतरण और पदोन्नति की सिफारिश करते हैं। इस बारे में क्या अपडेट सामने आए हैं, आइए जानते हैं।

भारत की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने की दौड़ में शामिल न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना का न्यायमूर्ति अभय एस ओका की सेवानिवृत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम का सदस्य बनना तय हो गया है। देश की पांचवीं सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश होने के नाते, न्यायमूर्ति नागरत्ना 25 मई को आधिकारिक रूप से कॉलेजियम में शामिल हो जाएंगी। वे 29 अक्टूबर, 2027 को भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त होने तक कॉलेजियम में शामिल रहेंगी। कॉलेजियम के सदस्यों में अब मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति नागरत्ना का नाम होगा।

सर्वोच्च न्यायालय के सूत्रों के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश गवई सोमवार को शीर्ष न्यायालय में रिक्तियों पर चर्चा करने और कई उच्च न्यायालयों में महत्वपूर्ण नियुक्तियां करने के लिए अपनी पहली कॉलेजियम बैठक बुला सकते हैं।

न्यायमूर्ति ओका की सेवानिवृत्ति के बाद शीर्ष अदालत में तीन न्यायाधीशों का पद रिक्त हो जाएगा।

कॉलेजियम प्रणाली सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद 1993 में अस्तित्व में आई। इस प्रणाली के तहत सर्वोच्च न्यायालय के पांच शीर्ष न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट और 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, स्थानांतरण और पदोन्नति की सिफारिश करते हैं। इस व्यवस्था के तहत सरकार कॉलेजियम को उसकी आरे से की गई सिफारिश लौटा सकती है। कॉलेजियम की ओर से दोबारा सिफारिश दोहराए जाने पर सरकार आमतौर पर सिफारिश स्वीकार कर लेती है। लेकिन ऐसे मामले भी आए हैं जब सरकार ने फाइल को फिर से लौटा दिया है या सिफारिशों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। 30 अक्टूबर 1962 को जन्मी न्यायमूर्ति नागरत्ना पूर्व मुख्य न्यायाधीश ईएस वेंकटरमैया की पुत्री हैं।

पद

न्यायमूर्ति ओका की सेवानिवृत्ति के बाद शीर्ष अदालत में तीन न्यायाधीशों का पद रिक्त हो जाएगा।

उन्होंने 28 अक्टूबर 1987 को बंगलौर में एक वकील के रूप में पंजीकरण कराया और संविधान, वाणिज्य, बीमा और सेवा से संबंधित क्षेत्रों में प्रैक्टिस की। 18 फरवरी, 2008 को उन्हें कर्नाटक उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 17 फरवरी, 2010 को वे स्थायी न्यायाधीश बनीं। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल 29 अक्तूबर, 2027 तक रहेगा और 23 सितंबर, 2027 के बाद पहली महिला मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल एक महीने से अधिक का हो सकता है।

मोहम्मद यूनुस ने बुलाई अंतरिम कैबिनेट की औचक बैठक, बांग्लादेश में अशांति की करेंगे समीक्षा

आमंत्रित

बीएनपी के एक प्रवक्ता ने कहा, हमें मुख्य सलाहकार कार्यालय से मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है।

ढाका। बांग्लादेश में अशांति के बीच अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम कैबिनेट की औचक बैठक बुलाई है। बता दें कि, बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों में सरकार, सेना और राजनीतिक दलों के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने शनिवार को एक आपात बैठक बुलाई है। यह बैठक तब हो रही है जब सरकार, सेना और राजनीतिक दलों के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूनुस ने इस्तीफे की इच्छा जताई है क्योंकि उन्हें राजनीतिक दलों के बीच सहमति की कमी के चलते काम करने में कठिनाई हो रही है। यूनुस ने ये बात गुरुवार को छात्र-नेतृत्व वाली %नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के नेताओं से चर्चा में कही थी। उन्होंने कहा कि स्थिति ऐसी हो गई है कि अब काम करना मुश्किल हो गया है। इससे पहले कैबिनेट की बैठक में भी उन्होंने इस्तीफे की बात कही थी। मोहम्मद यूनुस शनिवार को अपने सलाहकारों (जो मंत्री के समान होते हैं) के साथ बैठक कर रहे हैं। इसके बाद उनका पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के नेताओं से मुलाकात का कार्यक्रम है। बीएनपी के एक प्रवक्ता ने कहा, हमें मुख्य सलाहकार कार्यालय से मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है। बीएनपी ने हाल में एक विशाल रैली कर चुनाव की तारीख घोषित करने की मांग की थी। पार्टी चाहती है कि यूनुस जल्द चुनाव करवाएं और सम्मानपूर्वक पद छोड़ें। यूनुस के इस्तीफे की खबरें उस समय आई हैं जब सेना और अंतरिम सरकार के बीच भी तनाव की खबरें सामने आई हैं। खासकर दो मुद्दों पर मतभेद है - पहला चुनाव की समयसीमा - सेना चाहती है कि चुनाव दिसंबर तक हो जाएं। दूसरा म्यांमार के रखाइन राज्य में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए प्रस्तावित कॉरिडोर - सेना को इस पर आपत्ति है। तीन दिन पहले सेना प्रमुख जनरल वाकर-उज-जमान ने नौसेना और वायुसेना प्रमुखों के साथ मिलकर यूनुस से मुलाकात की और चुनाव की समयसीमा तय करने की बात दोहराई। अगली सुबह सेना प्रमुख ने एक बैठक में कहा कि कई अहम फैसलों की जानकारी उन्हें नहीं दी गई, जिससे यह संकेत मिला कि सेना अपनी स्थिति मजबूत कर रही है। पिछले साल अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार एक छात्र आंदोलन के बाद सत्ता से बेदखल हुई थी।

भारत से संबंध सुधारना चाह रहा कनाडा

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 1914 की कोमागाटा मारू घटना, जिसमें 376 भारतीय प्रवासियों को कनाडा में घुसने रोक दिया गया था, पर टिप्पणी की है। कार्नी ने कहा है कि यह घटना इस बात की ÷सख्त याद दिलाती है÷ कि हमारा देश अपने मूल्यों से कैसे चूक गया? पीएम कार्नी ने आगे क्या कहा, आइए जानते हैं।

कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो के समय में भारत के साथ बढ़ी तल्खी को पाटने के संकेत दे रहे हैं। 110 साल से अधिक पुरानी कोमागाटा मारू की घटना पर उनकी टिप्पणी से यह संकेत मिलते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 1914 की कोमागाटा मारू घटना, जिसमें 376 भारतीय प्रवासियों को कनाडा में घुसने रोक दिया गया था, पर टिप्पणी की है। कार्नी ने कहा है कि यह घटना इस बात की ÷सख्त याद दिलाती है÷ कि हमारा देश अपने मूल्यों से कैसे चूक गया? उन्होंने कनाडा के लोगों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस तरह के अन्याय फिर कभी न दोहराए जाएं। कार्नी ने कहा आइए हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें जहां समावेश एक नारा न होकर हकीकत बन जाए।

संकेत

कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो के समय में भारत के साथ बढ़ी तल्खी को पाटने के संकेत दे रहे हैं।

1914 में, कोमागाटा मारू नामक एक जापानी स्टीमर ने प्रशांत महासागर में एक लंबी यात्रा के बाद वैंकूवर के बंदरगाह पर

लंगर डाला था। कार्नी ने बताया कि जहाज पर सवार सिख, मुस्लिम और हिंदू धर्मों के 376 लोग शरण और सम्मान की तलाश में यहां पहुंचे थे।

कार्नी ने शुक्रवार को कोमागाटा मारू घटना की याद में एक बयान में कहा, ÷कनाडाई अधिकारियों ने बहिष्कार और भेदभावपूर्ण कानूनों का उपयोग करते हुए उन्हें प्रवेश देने से इनकार कर दिया।÷ उनके कष्टों को याद करते हुए कार्नी ने कहा कि दो महीने तक यात्रियों को जहाज पर ही रोके रखा गया तथा उन्हें भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधा से वंचित रखा गया। उन्होंने कहा, ÷जब उन्हें भारत लौटने के लिए मजबूर किया गया तो उनमें से कई को या तो जेल में डाल दिया गया या मार दिया गया।÷ कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा, कोमागाटा मारू त्रासदी इस बात की स्पष्ट याद दिलाती है कि कैसे हमारे इतिहास के कुछ क्षणों में कनाडा उन मूल्यों से चूक गया जिन्हें हम प्रिय मानते हैं।÷

कार्नी ने कहा, ÷हम अतीत को फिर से नहीं लिख सकते, लेकिन हमें उसका सामना करना होगा; उद्देश्यपूर्ण तरीके से कार्य करना होगा, यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह के अन्याय कभी न दोहराए जाएं, और एक मजबूत भविष्य का निर्माण करना होगा जहां समावेशिता एक नारा नहीं, बल्कि एक वास्तविकता हो - जिसे जिया जाए, अभ्यास में लाया जाए और जिसका बचाव किया जाए।÷ कनाडाई पीएम ने कहा कि इस घटना की वर्षगांठ को स्मरण और विवेक की पुकार के रूप में मनाएं। अतीत का सम्मान करना हमें इस घटना से सीखनी है।

अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता, तो पाकिस्तान उसका हैंडलर

टोक्यो। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे जो आतंकी संगठन टीआरएफ है, वह लश्कर ए तैयबा का छद्म संगठन है और लश्कर ए तैयबा को संयुक्त राष्ट्र ने आतंकी संगठन घोषित किया हुआ है। हम सभी जानते हैं कि पाकिस्तान ने लश्कर ए तैयबा को आतंकी संगठनों की सूची से निकालने की कोशिश की थी।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ विदेश दौरे पर गए टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को जापान में एक कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है तो पाकिस्तान उसका हैंडलर है। भारत सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों के दौरे पर भेजे हैं। इनका उद्देश्य सीमापार आतंकवाद पर पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब करना है। जदयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल में अभिषेक बनर्जी भी शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल अपने दौरे के पहले पड़ाव पर जापान पहुंचा था, जहां शनिवार को इस प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। इस दौरान टीएमसी सांसद ने कहा कि %हम डरने वाले नहीं हैं और अब हमने वो भाषा सीख ली है, जिससे पाकिस्तान समझता है। अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है तो पाकिस्तान उसका हैंडलर है। पूरी दुनिया को इस हैंडलर से निपटने के लिए एकजुट होना होगा, वरना यह और पागल कुत्तों को जन्म देता रहेगा। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे जो आतंकी संगठन टीआरएफ है, वह लश्कर ए तैयबा का छद्म संगठन है और लश्कर ए तैयबा को संयुक्त राष्ट्र ने आतंकी संगठन घोषित किया हुआ है। हम सभी जानते हैं कि पाकिस्तान ने लश्कर ए तैयबा को आतंकी संगठनों की सूची से निकालने की कोशिश की थी। भारत के हवाई हमलों के बाद जो तस्वीरें सामने आईं, उनमें हमले में मारे गए आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारी दिखाई दिए। तस्वीरें झूठ नहीं बोलती हैं और अब यह खुलकर सामने आ चुका है।

बलूच अमेरिकी कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी से बलूचिस्तान आंदोलन के लिए समर्थन मांगा

नई दिल्ली। बलूच अमेरिकी कांग्रेस के अध्यक्ष और बलूचिस्तान सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री तारा चंद बलूच ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने के प्रधानमंत्री मोदी के फैसले की सराहना की है। उन्होंने इसे एक साहसी कदम बताया जो पाकिस्तान को एक शक्तिशाली संदेश देता है। बलूच नेता ने बलूचिस्तान आंदोलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत का समर्थन भी मांगा है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

बलूच अमेरिकी कांग्रेस के अध्यक्ष और बलूचिस्तान सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री तारा चंद बलूच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर पाकिस्तान के प्रभुत्व के खिलाफ बलूच लोगों के राष्ट्रीय प्रतिरोध के लिए भारत के नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन का अनुरोध किया है। यह अपील बलूच अमेरिकी कांग्रेस की ओर से भेजे गए दो औपचारिक पत्रों के माध्यम से की गई, जो सीधे दिल्ली में

प्रधानमंत्री कार्यालय को संबोधित थे। अपने पत्र में, चंद ने बलूचिस्तान मुद्दे पर भारतीय नेतृत्व के पहले ध्यान देने के लिए प्रशंसा व्यक्त की, विशेष रूप से लाल किले के भाषण के दौरान पीएम मोदी की टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए, जिसे वे नैतिक समर्थन के प्रदर्शन के रूप में देखते हैं जिसने वैश्विक स्तर पर उत्पीड़ित बलूच आबादी के बीच आशा को प्रेरित किया।

डॉ. चंद ने कहा, आपके लाल किले के संबोधन में बलूचिस्तान का जिक्र दुनिया भर के बलूच लोगों ने एक ऐसे राष्ट्र के लिए नैतिक समर्थन के संकेत के रूप में स्वीकार किया, जिस पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया है, उसे अपने अधीन कर लिया है और उसे आतंकित कर दिया है।÷ पत्र में 1948 में अंग्रेजों के जाने के बाद बलूचिस्तान को पाकिस्तान में जबरन शामिल किए जाने के इतिहास का वर्णन किया गया है, जिसे डॉ. चंद क्रूर कब्जे की शुरुआत बताते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बलूच लोगों को रावलपिंडी जीएचक्यू में पाकिस्तान के प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा समर्थित जिहादी सेना÷ द्वारा किए गए नरसंहार जैसे कृत्यों का सामना करना पड़ा है।

पत्र में दावा किया गया है, ÷एक जिहादी सेना की ओर से शासित, यह खराब रूप से परिकल्पित देश मेरे हजारों देशवासियों के लापता होने, यातना, मृत्यु और विस्थापन के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये कार्रवाई बलूच राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन को दबाने के एक बड़े अभियान का हिस्सा है, जो कई दशकों से चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि एक औपनिवेशिक शक्ति के रूप में बलूचिस्तान में चीन की भागीदारी एक अतिरिक्त भू-राजनीतिक खतरा पेश करती है। तारा चंद ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा है कि बलूच राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन पर वैश्विक समुदाय का ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा, भारतीय मीडिया के अलावे, कब्जे वाले बलूचिस्तान में पाकिस्तान की आरे से किए गए अत्याचारों की बहुत कम चर्चा है।

उन्होंने भारत से इस स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने में वैश्विक मंच पर अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की। चंद ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने के प्रधानमंत्री मोदी के फैसले की भी सराहना की और इसे एक साहसी कदम बताया जो पाकिस्तान को एक शक्तिशाली संदेश देता है।

पत्र में कहा गया है, मैं सिंधु जल संधि को स्थगित करने और पाकिस्तान के जिहादी जनरलों को यह स्पष्ट करने के आपके चतुर निर्णय की सराहना करता हूं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।

भ्रष्टाचार एवं अवैध वसूली करने के आरोपी दरोगा की बर्खास्तगी रद्द

कोर्ट ने कहा विभागीय कार्रवाई करना जरूरी, जेब में हाथ डालकर पैसे देने का वीडियो हुआ था जारी

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि उ प्र अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दण्ड एवं अपील) नियमावली 1991 के नियम-8 (2) (बी) के प्राविधानों के अन्तर्गत पर्याप्त साक्ष्य होने पर भी, वगैर विभागीय कार्यवाही के बर्खास्तगी करना अवैध है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना नियम तथा कानून के विरूद्ध है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार ने वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम एवं अतिप्रिया गौतम की बहस सुनकर पारित किया है। मामले के अनुसार दरोगा प्रदीप कुमार गौतम, चौकी इंचार्ज, गोलचक्कर, थाना फेस-1, नोएडा, गौतमबुद्धनगर में उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत था। याची पर यह आरोप है कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था, जिसके अवलोकन से पाया गया कि वायरल वीडियों में एक व्यक्ति अपनी जेब में हाथ डालता है और पास में खड़े उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार गौतम चौकी प्रभारी गोलचक्कर, थाना फेस-1, नोएडा को कुछ रूपये पकड़ाता है।

आरोप लगाया गया है कि उक्त व्यक्ति के द्वारा चौकी प्रभारी को रिश्वत दी जा रही है। कहा गया कि दरोगा का यह कृत्य उ0प्र0 सरकारी सेवक आचरण नियमावली के प्रतिकूल है, जिससे पुलिस विभाग की छवि धूमिल हुई है। वीडियो के अवलोकन से प्रथम दृष्टया अपराध कारित होना पाये जाने के फलस्वरूप उक्त प्रकरण में दिनांक 05 अप्रैल 2005 को दरोगा के विरूद्ध थाना फेस-1, नोएडा में धारा 7/13 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कराया गया। याची के ऊपर यह भी आरोप था कि वायरल वीडियो के अवलोकन से याची द्वारा घूस लेना स्वतः स्पष्ट हो रहा है एवं दरोगा के विरूद्ध पंजीकृत अपराधिक अभियोग गम्भीर अपराध की श्रेणी में आता है। अभियोग की विवेचना प्रचलित है तथा दरोगा प्रदीप कुमार गौतम द्वारा कर्तव्य पालन में घोर लापरवाही बरतते हुए गैर जिम्मेदारीपूर्ण, स्वेच्छाचारिता एवं अनुशासनहीनता के साथ-साथ पुलिस जैसे अनुशासित विभाग की छवि को धूमिल की गयी है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि पुलिस कर्मी की बर्खास्तगी बगैर विभागीय कार्यवाही के अवैध है। उ0प्र0 अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दण्ड एवं अपील) नियमावली 1991 के नियम-8 (2) (बी) के प्रावधानों के अन्तर्गत पर्याप्त साक्ष्य के आधार होंने पर भी बगैर स्पष्ट कारण बताये कि क्यों विभागीय कार्यवाही नहीं की जा सकती, बर्खास्त करना नियम एवं कानून के विरूद्ध है। याचिका में कहा गया है कि याची के ऊपर बर्खास्तगी आदेश में जो आरोप लगाये गये है वह बिल्कुल असत्य एवं निराधार है, एवं याची को साजिशन अभियुक्त द्वारा षडयंत्र करके झूठा फसाया गया है, जबकि याची ने रिश्वत के एवज में कोई भी पैसा नहीं लिये है और न ही याची के पास से कोई रिकवरी हुई है।

याची के वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम का कहना था कि उक्त प्रकरण में बगैर विभागीय कार्यवाही किये हुए एवं बगैर नोटिस तथा सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुये याची को सेवा से पदच्युत किया गया है, जो कि सर्वोच्च न्यायालय एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा प्रतिपादित किये गये विधि की व्यवस्था के विरूद्ध है।

हाईकोर्ट ने अपर पुलिस आयुक्त, मुख्यालय गौतमबुद्धनगर द्वारा दरोगा के विरूद्ध पारित बर्खास्तगी आदेश 05 अप्रैल 2025 को रद्द कर दिया एवं याची को बहाल करने का आदेश पारित किया है।

इस बार मोहर्रम के जुलूस में दिखेगी क़ौमी यकजहती की झलक

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। माहे मोहर्रम में अज़ादारी के जुलूस को समयबद्ध और सुचारू रुप से उठाने को तीन दौर की बैठक के बाद आज विभिन्न मातमी अन्जुमनों के बीच आपसी सहमति से माहे मोहर्रम के जुलूस संचालित करने को इमाम जुमा शिया जामा मस्जिद चक ज़ीरो रोड के इमाम ए जमात सैय्यद हसन रज़ा ज़ैदी की अध्यक्षता व ज़ाकिर ए अहलेबैत रज़ा अब्बास ज़ैदी के संचालन में बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में अन्जुमन अब्बासिया रानी मण्डी के हुसैन अब्बास मोनू , अन्जुमन हैदरिया के सचिव कब्बन भाई ,जुलूस चुप ताजिया की बुनियाद रखने वाले खानदान के बशीर हुसैन, असद हुसैन बब्बू, हैदर बशीर अन्जुमन मज़लूमिया के इरशाद हुसैन (मुन्ने भैय्या), नजमी, मोहम्मद अब्बास राजन, अन्जुमन ग़ुन्चा ए क़ासिमिया बख्शी बाज़ार के मिर्ज़ा अज़ादार हुसैन (अब्बू भाई), हसनैन अख्तर, सैय्यद मोहम्मद अस्करी, अन्जुमन इमामिया चक के अध्यक्ष मोहसिन रज़ा, अहसन रज़ा, अन्जुमन आबिदया के मिर्ज़ा हैदर रज़ा (शेरु) भाई, ज़ाकिर ए अहलेबैत हसन मियां, अन्जुमन गुलज़ार ए क़ासमी के ज़हीर अब्बास भैय्या, शादाब ज़मन अस्करी अब्बास की मौजूदगी में अज़ादारी को फरोग़ (उन्नति) व अज़ादारी के मक़सद को आम लोगों तक पहुंचाने को एकजुटता व दसवीं मोहर्रम के जुलूस में अपने अपने अज़ाखानों के ताजिया को जुलूस के साथ चकिया कर्बला तक ले जाने पर सहमती बनी। बैठक में ओलमा की क़यादत (सरपरस्ती) में विभिन्न मातमी अन्जुमनों के अध्यक्ष सचिव की कमेटी बनाने और दसवीं, चेहल्लुम व आठ रबीउल अव्वल के जुलूस में सभी अज़ादारों को अपनी ज़िम्मेदारी निभाने को लेकर सहमति बनाने पर भी विचार विमर्श किया गया।वहीं गत दिवस बुज़ुर्गाने कौमों मिल्लत को उनकी ख़िदमात से नवाजे जाने के कार्यक्रम में किसी कारण न उपस्थित रहने वालों को आज उपस्थित रहने पर सर्टिफिकेट देकर सम्मानित भी किया गया। बैठक में मौलाना सैय्यद हसन रज़ा ज़ैदी ,मौलाना आमिरुर रिज़वी ,ज़ाकिर ए अहलेबैत बाबर नदीम, अख्तर नजफी, मोतावल्ली मस्जिद शिया जामा मस्जिद आफताब साहब, गौहर काज़मी, काज़िम अब्बास आदि शामिल रहे।

दबंगों से परेशान पीड़ित परिवार बैठा धरने पर

घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट और लूट

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। सिविल लाइंस में धरना स्थल पर एक मुस्लिम परिवार की महिलाएं धरने पर बैठी हैं। फरहीन बानो और उनके परिवार ने पुलिस कमिश्नर को शिकायत पत्र सौंपा है। आरोप है कि सुफियान और उसके साथी रेशमा बानो, नौशाद उर्फ समीर, अमदज, फिरोज हथियारों के साथ उनके घर में घुस आए। आरोपियों ने महिलाओं के साथ मारपीट की और अश्लील व्यवहार किया। विरोध करने पर फरहीन की बड़ी बहन का कुर्ता फाड़ दिया गया। घटना का वीडियो बना रही आफसा को फिरोज ने इतना पीटा कि वह बेहोश हो गई। आरोपियों ने घर से चार लाख रुपये के जेवरात और 1.72 लाख रुपये नकद लूट लिए। ये पैसे फरहीन की शादी के लिए रखे गए थे। फरहीन के अनुसार सुफियान खुद को पूर्व सांसद अतीक का गुर्गा बताता है और एक कुख्यात भू-माफिया है। हमले के बाद आरोपियों ने घर का मुख्य दरवाजा बंद कर चारदीवारी तोड़ दी। परिवार पांच दिन तक भूखा-प्यासा कैद रहा। कुछ लोगों की मदद से दरवाजा तोड़कर वे बाहर निकल पाए। आरोपी अब खुलेआम धमकी दे रहे हैं कि जो भी पीड़ित परिवार की मदद करेगा, उसे जान से मार दिया जाएगा। पीड़िता का आरोप है कि शिकायत के बावजूद पुलिस कार्रवाई करने के बजाय उनके परिवार पर ही शांति भंग का मुकदमा दर्ज कर रही है। फरहीन ने कहा कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उनका पूरा परिवार खतरे में है।

मार्ग दुर्घटना में विधि के पूर्व छात्र की मौत

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हाईकोर्ट हनुमान मंदिर के पास शुक्रवार देर रात सड़क दुर्घटना में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक विधि पुराछात्र की मौत हो गई। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजवाया। पुराछात्र की पहचान गौतम आनंद (25) निवासी लखीसराय, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है। हादसा किस वाहन से हुआ इसका पता नहीं चल सका है।

निर्माणाधीन ऑडिटोरियम, म्यूजियम, बहुद्देशीय हॉल का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

मैनपुरी। विशेष सचिव कृषि, कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार उ.प्र. शासन टी.के. शिबु ने विकास खंड जागीर के ग्राम मेरापुर गुजराती, चन्दरपुर में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित ओवर हेडटैंक के माध्यम से हर घर नल के माध्यम से स्वच्छ जल योजना, विकास भवन के समीप निर्माणाधीन ऑडिटोरियम, म्यूजियम, बहुद्देशीय हॉल का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि पाइप पेयजल के माध्यम से उपलब्ध पानी की गुणवत्ता काफी बेहतर है, आप सब पीने के लिए इसी पानी का उपयोग करें, गांव में स्थापित हेडपंप के पानी की गुणवत्ता ठीक नहीं है, पानी में फ्लोराइड की मात्रा होने के फलस्वरुप पेट संबंधी समस्याओं के साथ-साथ दांतों की भी समस्या हो सकती है इसलिए सभी लोग अपने-अपने घरों में कनेक्शन लेकर नल के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे जल का प्रयोग करें। उन्होंने मेरापुर गुजराती में रू. 150 लाख की लागत से निर्मित 100 के.एल. क्षमता के ओवरहेड टैंक का निरीक्षण किया साथ ही पूरे गांव का भ्रमण कर नल के माध्यम से उपलब्ध कराये जा रहे जल की आपूर्ति के बारे में उपभोक्ताओं से संवाद कर फीडबैक लिया, गांव में डी.पी.आर. के अनुसार 346 उपभोक्ताओं को नल संयोजन स्वीकृत किए जा चुके हैं, मांग के आधार पर अन्य लोगों को भी नल संयोजन उपलब्ध कराये जा रहे हैं, ग्रामीणों ने बताया कि प्रातः 07 बजे से 09 बजे तक एवं अपरान्ह 04 बजे से 06 बजे तक जलापूर्ति की जा रही है। उन्होंने कनेक्शन संख्या-15 के उपभोक्ता देवीलाल, 55 के उपभोक्ता संत कुमार, 60 की उपभोक्ता हंसमुखी, कनेक्शन संख्या-79 की उपभोक्ता सरिता, 145 की उपभोक्ता उर्मिला, 210 के उपभोक्ता राहुल से संवाद कर फीडबैक प्राप्त करने पर संत कुमार ने बताया कि उसका कनेक्शन लगाया तो गया था लेकिन जलापूर्ति कभी नहीं हुई, मिस्त्री ने पाइप भी हटाकर रख दिया वहीं हंसमुखी ने बताया कि उसके घर तक पानी काफी कम प्रेशर से पहुंच रहा है, अन्य उपभोक्ताओं ने जलापूर्ति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने नल संयोजन न लेने वाले सिराजुद्दीन, दयाराम से संवाद कर उन्हें नल संयोजन लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उथले हेडपंप का पानी पीने से तमाम प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं, जो पानी नल के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है, उसकी गुणवत्ता काफी बेहतर है। विशेष सचिव कृषि ने ग्राम पंचायत चंन्दरपुर में 147.53 लाख की लागत से निर्मित 150 के.एल. क्षमता की परियोजना का भी स्थलीय निरीक्षण किया, परियोजना से ग्राम नगला मुकुंद, नगला गिरन्द सहित 04 ग्रामों में जिलापूर्ति की जा रही है। श्री शिबु ने नगला मुकुंद, नगला गिरन्द का स्थलीय निरीक्षण कर उपभोक्ताओं से संवाद कर जलापूर्ति के बारे में फीडबैक प्राप्त करते हुए सभी से ओवरहेड टैंक के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे जल का ही प्रयोग करने का आग्रह किया। उन्होने मौके पर उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी, अधिशाषी अभियंता जल निगम से कहा कि ऐसे लोग जो नल संयोजन नहीं ले रहे हैं, उन्हें संभ्रांत व्यक्तियों, स्वास्थ्य विभाग के दंत, अन्य चिकित्सकों के माध्यम से हेडपंप के पानी के प्रयोग के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देकर नल संयोजन लेने के लिए जागरूक करायें। शासन स्तर से नामित नोडल अधिकारी ने रु. 2461.61 लाख की लागत से निर्माणाधीन बहुद्देशीय हॉल, प्रेक्षागृह, सांस्कृतिक केंद्र एवं रू. 38 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन संग्राहलय के कार्य का मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए सी.एन.डी.एस. उ.प्र. जल निगम फर्रूखाबाद के अभियंता को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माणाधीन कार्यो में गुणवत्ता, मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए, मौके पर कार्यदायी संस्था का कोई न कोई अभियंता उपस्थित रहकर अपनी देख-रेख में कार्य करायें, प्रयोग में लायी जाने वाली ईटों, सीमेंट, बालू-सरिया में मानकों का पूरा ध्यान रखा जाये।

28 मई को उ.प्र. राज्य महिला आयोग की सदस्य करेगी जनसुनवाई

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। उ.प्र. राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ0 प्रियंका मौर्या दिनांक 28 मई 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे सर्किट हाउस आजमगढ़ के सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ महिलाओं की समस्याओं को सुनेंगी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदक/ आवेदिकाओं की समस्याओं के निराकरण के लिए उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की तरफ से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के राजकीय गेस्ट हाउसों में सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी की ओर से नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एवं सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ महिला आयोग की सदस्यों द्वारा जन सुनवाई की जायेगी। किसी भी महिला को किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा या अन्य प्रकार की कोई भी समस्या है और उसकी सुनवाई कहीं भी नही हो रही है, तो वह 28 मई 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से सर्किट हाउस आजमगढ़ के सभागार में प्रारम्भ होने वाली जन सुनवाई कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपनी समस्या बता सकती हैं। जिससे उसका उचित निराकरण किया जायेगा। उक्त जन सुनवाई कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए वन स्टाप सेन्टर आजमगढ़ की केन्द्र व्यवस्थापक श्रीमती सरिता पाल के मोबाईल नम्बर 6393397509 पर सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं। तत्पश्चात सदस्य द्वारा सामुदायिकध्प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा बालिका, महिला गृहों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया जाएगा।

सुजीत बने अध्यक्ष और प्रमोद मंत्री

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय कर्मचारी संघ में हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। सुजीत कुमार कनौजिया को अध्यक्ष, महेश प्रसाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, और अखिलेश यादव को उपाध्यक्ष, मंत्री प्रमोद मौर्य, संयुक्त मंत्री शिव दास चौधरी, संगठन मंत्री, श्रीमती रंजना, प्रचार मंत्री सुभाष कुमार, कोषाध्यक्ष अध्यक्ष भोलानाथ, के रूप में चुना गया है। इसके अतिरिक्त अन्य महत्वपूर्ण पदों के लिए भी चुनाव संपन्न हुए।

चुनाव के बाद कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बुके और माला पहनाकर उनका स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दीं और चिकित्सालय के कर्मचारियों के कल्याण के लिए काम करने की प्रेरणा दी।

रेलवे मुख्यालय में वित्तीय साक्षरता कार्यशाला आयोजित

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, प्रयागराज में वित्तीय धोखाधड़ी और साक्षरता पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन वरिष्ठ उप महाप्रबंधक हिमांशु बडोनी के निर्देशन और उप महाप्रबंधक रजत पुरवार के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यशाला में प्रयागराज, झाँसी और आगरा मंडल के साथ मुख्यालय और वर्कशॉप के कर्मचारियों ने भाग लिया। आईसीआईसीआई बैंक के रिलेशनशिप हेड क्षितिज सिंह ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को प्लांटर भेंट किया। क्षितिज सिंह और उनकी टीम के सदस्य कृतिका खत्री तथा सुनील पांडेय ने कर्मचारियों को वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए। उन्होंने आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक खाता विवरण के दुरुपयोग से होने वाली धोखाधड़ी के बारे में जागरूक किया। साथ ही फर्जी ईमेल और संदेशों से सावधान रहने की सलाह दी। कार्यक्रम का समापन कार्य अध्ययन अधिकारी संतोष बाजपेई ने किया। उन्होंने व्याख्याताओं को स्मृति चिन्ह भेंट किए। कार्यशाला का सफल संचालन चंद्र प्रकाश राय, पुष्पेंद्र सिंह, शशिप्रभा वर्मा और मिथिलेश कुमार की टीम ने किया।

एएनएम की समस्त बैच की छात्राओं को 91 टेबलेट का वितरण किया गया

आजमगढ़। ए0एन0 एम0 ट्रेनिंग सेन्टर आजमगढ़ में अध्ययनरत छात्राओं को स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत निःशुल्क टैबलेट। स्मार्टफोन वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन। सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 बालचन्द्र प्रसाद तथा नोडल अधिकारी डा0 उमा शरण पाण्डे जी मौजूद रहे। कार्यक्रम में।छडज्ब् की प्रिंसिपल श्रीमती प्रियंका यादव तथा समस्त ट्यूटर भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में ए0एन0एम0 की समस्त बैच की छात्राओं को 91 टैबलेट का वितरण किया गया।

जनता के बीच होगा मन की बात का प्रसारण आज

प्रयागराज। भाजपा प्रयागराज महानगर के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मन की बात का 122 वां संस्करण 25 मई को सुबह 11 बजे आयोजित किया जाएगा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि प्रधानमंत्री जी के राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रयागराज महानगर के द्वारा 1216 बूथों पर कार्यकर्ताओं की संगं जनता के बीच में मन की बात का प्रसारण किया जाएगा और महानगर के सभी विधायक गण सांसद महापौर,पार्षद गण वरिष्ठ नेतागण एवं पूर्व से सम्मानित पदाधिकारी एवं जिले एवं मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने बूथ के सभी कार्यकर्ता के साथ कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

दो दिवसीय एथलेटिक एवं चयन प्रतियोगिता का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। जिला एथलेटिक संघ के तत्वाधान में दो दिवसीय एथलेटिक एवं चयन प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम आजमगढ़ में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे आइडियल बुलडोजर के डायरेक्टर नितिन कुमार व वेदांता हॉस्पिटल के डायरेक्टर विशाल जायसवाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर विधिवत किया गया। कुल 213 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिसमें बालक वर्ग में 140 व 73 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्य अतिथि नितिन कुमार ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से जनपद के एथेलिटक के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना है ताकि होनहार को तराशा जाए और उन्हें प्रदेश से लगायत राष्ट्रीय क्षितिज पर मुकाम मिल सकें। उन्होंने कहाकि जिला एथलेटिक संघ जिस तरह से बच्चों को प्रतिभाओं को निखार रहा है वह सराहनीय है। उन्होंने खिलाड़ियों से यह भी कहाकि अथक परिश्रम के दम पर कोई भी स्थान हासिल किया जा सकता है इसके लिए परिश्रम, धैर्य, और हौसले की आवश्यकता होती है। हर जीतने वाला कभी न कभी हारा होगा, आप अपना अभ्यास कभी भी छोड़िएगा। वहीं डायरेक्टर विशाल जायसवाल ने कहा कि वेदांता ग्रुप खिलाड़ियों के साथ-साथ जिला एथलेटिक संघ के साथ सदैव खड़ा रहेगा। प्रतिभावान खिलाड़ियों को जब भी कहीं भी कोई आवश्यकता होगी हम उनकी मदद करने में स्वयं को गौरवान्वित महसूस करेंगे। प्रतियोगिता में सब जूनियर बालक वर्ग 60 मी दौड़ में अल्काब साजिद प्रथम बालिका वर्ग में रिया यादव प्रथम 800 मीटर बालक वर्ग में अरविंद कनौजिया प्रथम बालिका वर्ग में किरण वर्मा प्रथम 100 मीटर दौड़ में सुमित सोनकर प्रथम बालिका वर्ग में प्रीति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में मुख्य रूप से विनोद सिंह सोनू, मोजम्मिल खान, अनिल तिवारी, मिथिलेश यादव, मोहम्मद इरफान , अल्ताफ जावेद, मृत्युंजय निषाद, उज्जवल, स्टेडियम स्टाफ भैयालाल, मोहम्मद सैफ का योगदान रहा।

किसी भी दशा में मादक पदार्थो की तस्करी नही होनी चाहिए

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में स्वापक नियंत्रण के लिए गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा मादक पदार्थो की तस्करी, अफीम या भांग की अवैध खेती, प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी व दुरुपयोग, नशीली दवाओं की जांच हेतु आवश्यक उपकरणों एवं अन्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जिला आबकारी अधिकारी को निर्देश दिया कि किसी भी दशा में मादक पदार्थो (अफीम, भांग, अवैध शराब) की तस्करी नही होनी चाहिए, इसके लिए अभियान चलाकर जनपद के इन्ट्री प्वाइण्ट पर चेकिंग करें। उन्होने औषधि निरीक्षक को निर्देश दिया कि किसी भी दशा में प्रतिबन्धित दवाओं की तस्करी एवं दुरूपयोग नही होना चाहिए। इसके लिए जनपद के अधिक से अधिक मेडिकल स्टोर की चेकिंग करें। उन्होने कहा कि दवा विक्रेताओं को निर्देशित करें कि किसी भी दशा में बिना चिकित्सकीय परामर्श के किसी भी व्यक्ति को नार्कोटिक्स दवाओं की बिक्री न करें। इसके साथ ही अन्य बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में एसपी ट्रैफिक, एसीएमओ, जिला आबकारी अधिकारी, औषधि निरीक्षक डॉ0 सीमा वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसपी ट्रैफिक ने 15 दिवसीय अभियान तहत की गोष्ठी का आयोजन

आजमगढ़। हेमराज मीना, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में विवेक त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा यातायात पुलिस में नियुक्त उ0नि0 यातायात व मु0आ0 यातायात की पुलिस लाइन सभागार में गोष्ठी की गयी। अपर पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा शासन के निर्देश के अनुसार जनपद में घटित सड़क दुर्घटना में 50 प्रतिशत की कमी लाये जाने हेतु प्रवर्तन , यातायात जागरूकता व अन्य आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद में बिना परमिट व किसी प्रकार डग्गामार वाहन संचालित न हो पाये। एसे वाहनों के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक वैद्यानिक कार्यवाही अमल में लायी जाये।

अनंत के शतक से प्रयाग क्लब ने जीता उद्घाटन मुकाबला

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। अनंत पाल के शतक (113 रन नाबाद, 78 गेंद 19 चौके, दो छक्के) और मनित की अचूक गेंदबाजी (4-0-14-4) से प्रयाग क्लब ने राम बाबू पाल क्लब को 249 रन से हराकर स्वर्गीय केशरीनाथ त्रिपाठी स्मृति अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबले अपने नाम किया। सीएवी इंटर कालेज मैदान पर शनिवार से शुरू हुई प्रतियोगिता में सीएवी कालेज ने टास जीतकर 30 ओवर में तीन विकेट पर 297 रन (113 नाबाद, नरहरि दीक्षित 55 नाबाद, शुभ सोनी 43, अर्श अहमद 24, अहमर 2/62, रुद्र सिंह 2/70) बनाकर राम बाबू पाल क्लब को 15.5 ओवर में 48 रन (सुधांशु पाल 11, मनित 4/14, अर्णव अग्रवाल 3/01, सागर केसरवानी 2/18) पर समेट दिया। मैच में मोहम्मद आरिफ व मोहम्मद नबी अंपायर एवं खुर्शीद अहमद स्कोरर रहे। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य अमरेंद्र नाथ सिंह और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज त्रिपाठी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। प्रतियोगिता के संरक्षक रमेश पाल, अध्यक्ष अभिजीत सोनकर और सचिव प्रशांत सिंह रिंकू ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। आयोजन सचिव शिवार्जित पाल ने धन्यवाद ज्ञापन एवं डॉ. अनूप कुमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर अमित सिंह, विवेक श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार, देवेश मिश्र, परवेज आलम, आरपी दुबे, विजेंद्र राय, जीशान, मनोज पांडेय, कौशिक पाल, प्रशांत खरे, विनोद कुमार आर्य, अजय यादव, प्रिमांशु आदि मौजूद रहे।

कार्यालय पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, सुलतानपुर।

पत्र संख्या-क-04/2025 दिनांक : मई 22, 2025

दुकान मय राशन शाप आमंत्रण सूचना

कृपया समस्त फर्म/अधिकृत ठेकेदार को सूचित किया जाता है कि पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय सुलतानपुर के अन्तर्गत पी0टी0एस0 सुलतानपुर में राशन शॉप, (मशाला,तेल,खाद्यान्न व अन्य सौन्दर्य प्रशाधन) व सब्जी क्रय विक्रय करने के लिये संचालन की व्यवस्था किया जाना है।

उक्त कार्य हेतु मुहरबन्द टेण्डर जिसके लिफाफे पर उक्त विज्ञापन अंकित हो, निम्न हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक-27.05.2025 से दिनॉक 17.06.2025 को समय 12:00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर टेण्डर बाक्स में डाला जायेगा निर्धारित समय के उपरान्त प्राप्त टेण्डर पर विचार नहीं किया जायेगा।

1- टेण्डर में टेण्डरकर्ता द्वारा दुकान मय राशन शाप को चलाये जाने हेतु 01 वर्ष की अवधि के लिये किराये का स्पष्ट विवरण अंकित करना होगा। इस, शर्त के पालन में असमर्थता व्यक्त किये जाने पर टेण्डर निरस्त करते हुए अर्नेसमनी जब्त कर ली जायेगी।
2- पी0टी0एस0 सुलतानपुर के अन्तर्गत राशन शाप की दुकान चलाये जाने हेतु एक वर्ष की अवधि के लिये स्वीकृत धनराशि (किराया) को शत-प्रतिशत सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा जमा करना होगा। जिसका उल्लेख टेण्डरकर्ता द्वारा अपने टेण्डर फार्म में अंकित किया जायेगा। अन्यथा उनके टेण्डर पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
3- टेण्डर अघोहस्ताक्षरी या उनके द्वारा अधिकृत किये गये प्राधिकारी द्वारा दिनांक-17.06.2025 को दिन में 14:00 बजे खोला जायेगा।
4- वह व्यक्ति जिसका टेण्डर अधिकतम बोली के आधार पर स्वीकार किया जायेगा, उसे अनुबन्ध पत्र 07 दिवस के अन्दर भरना होगा और ऐसा न करने पर अर्नेसमनी जब्त करते हुए टेण्डर निरस्त कर दिया जायेगा।
5- वह व्यक्ति जिसका टेण्डर अंतिम रूप से स्वीकृत किया जायेगा, आदेश प्राप्ति की तिथि से दुकान मय चलाने का कार्य प्रारम्भ करेगा, जो एक वर्ष तक प्रचलित रहेगा।
6- अधोहस्ताक्षरकर्ता सबसे कम व अधिक रकम वाले टेण्डर अथवा अन्य किसी टेण्डर को स्वीकृत करने के लिए अथवा अस्वीकृत करने के कारण को बताने के लिए बाध्य नहीं होगा।
7- प्रत्येक ठेकेदार को उक्त कार्य के लिए टेण्डर फार्म रू0-100/-जमाकर प्रधान लिपिक कार्यालय पुलिस प्रशिक्षण विधालय सुलतानपुर के कार्यालय से प्राप्त किया जायेगा। टेण्डर फार्म के साथ रू0-10,000/-अर्नेसमनी के रूप में संलग्न कर सीलबन्द लिफाफा में डालना होगा।
8- यदि दो टेण्डरकर्ता का टेण्डर में अंकित धनराशि एक समान एवं सबसे अधिक पाये जाने पर टेण्डरकर्ता को किसी राजकीय विभाग में दुकान मय राशन शाप चलाये का अनुभव रखने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने वाले टेण्डरकर्ता को वरीयता दी जायेगी।
9- कमेटी द्वारा विचार विमर्श कर दुकान मय राशन शाप नीलामी की बोली का न्यूनतम मूल्य रू0 20000/- प्रतिमाह प्रशिक्षण चलने पर अथवा प्रशिक्षण न चलने पर रू0 3000/- प्रतिमाह निर्धारित की गयी है। अधिकतम बोली लगाये जाने वाले फर्म/ठेकेदार जो उपरोक्त नियम शर्तो को पूरा करते है को टेण्डर स्वीकृत किया जायेगा।
10- जिस फर्म/ठेकेदार को दुकान मय राशन शाप संचालन का टेण्डर स्वीकृत होता है, उसे प्रतिमाह व्यय होने वाली बिजली, पानी का पैसा जमा करना होगा।
11- राशन शॉप, (मशाला, तेल, खाद्यान्न व अन्य सौन्दर्य प्रशाधन) व सब्जी क्रय पदार्थो इत्यादि की बिक्री की जायेगी।
12- राशन शॉप, (मशाला, तेल, खाद्यान्न व अन्य सौन्दर्य प्रशाधन) व सब्जी क्रय आदि का रेट बाजार मूल्य से अधिक नहीं होगा। इसके अतिरिक्त जो सामान कम्पनी द्वारा पैक में रहेगा उस पर कम्पनी द्वारा निर्धारित प्रिन्ट रेट से अधिक में बिक्री कदापि नही की जायेगी।
13- निविदा को पूर्ण रूप से निरस्त करने का या किसी अंशिक संशोधन का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित होगा।

(ब्रजेश कुमार मिश्र)
पुलिस अधीक्षक
पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय
सुलतानपुर

UPID-234229 Dated-23-05-2025
विज्ञापन आदेश के अनुसार www.upgov.in पर उपलब्ध

सरकार को आरबीआई के रिकॉर्ड लाभांश से राजकोषीय घाटा कम होकर 4.2% पर आने की उम्मीद

नई दिल्ली। आरबीआई ने सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बंपर लाभांश दिया है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार इस लाभांश से सरकार के राजकोषीय घाटे में कमी आने के साथ विकास खर्च में बढ़त की उम्मीद है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का बंपर लाभांश देना देश की अर्थव्यवस्था के लिए काफी अहम साबित होगा।

इससे सरकार का राजकोषीय घाटा कम हो सकता है। वर्तमान में राजकोषीय घाटा 4.5% है, अब इसके घटकर 4.2% आने की उम्मीदें बढ़ गईं हैं। भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार यह घाटा 20 से 30 आधार अंकों तक कम

सिस्टम

रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई ने मार्च 2025 के अंत तक बैंकिंग सिस्टम में धन डालना शुरू कर दिया।

होकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.2त्न तक पहुंच सकता है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में रिजर्व बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से करीब 2.56 लाख करोड़ रुपये का लाभांश मिलने का अनुमान जताया गया था। हालांकि आरबीआई ने ही उम्मीद से काफी अधिक लाभांश सरकार को दे दिया है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह अतिरिक्त राजस्व

सरकार को अपने घाटे को कम करने में मदद करेगा। इसके साथ ही प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अधिक खर्च की गुंजाइश बढ़ेगी।

भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बंपर लाभांश से सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। इससे, वैश्विक वित्तीय अनिश्चितताओं के बीच बॉन्ड्स की यील्ड कर्व को मैनेज करने मदद मिलेगी। यह रिजर्व बैंक के आकस्मिक जोखिम बफर (सीआर) को बढ़ावा देगा। जिससे इसका वित्तीय लचीलापन बढ़ा जाएगा। रिपोर्ट में आगे भारतीय रिजर्व बैंक के बड़े सरप्लस के पीछे की गतिविधियों के बारे में भी बताया गया। इसके अनुसार, केंद्रीय बैंक का सरप्लस मुख्य रूप से इसकी तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) संचालन और घरेलू और विदेशी प्रतिभूतियों की होल्डिंग से ब्याज के रूप में होने वाली आय के कारण संभव हो पाया।

रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई ने मार्च 2025 के अंत तक बैंकिंग सिस्टम में धन डालना शुरू कर दिया।

1 मार्च, 2025 तक बैंकिंग प्रणाली की तरलता फिर से सरप्लस में आकर 1.2 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। 16 दिसंबर 2024 और 28 मार्च 2025 के बीच औसत तरलता घाटा 1.7 लाख करोड़ रुपये रही। रिपोर्ट में आगे बताया किया वित्त वर्ष 2026 में स्थायी तरलता सरप्लस रहने की उम्मीद है। इससे ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) खरीद, आरबीआई के लाभांश हस्तांतरण और 25-30 अरब डॉलर के अनुमानित भुगतान संतुलन (बीओपी) सरप्लस जैसे कारकों से मदद मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय बैंक का मजबूत लाभांश सरकार को अपने राजकोषीय लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने और विकास को बढ़ावा देने में मदद देगा।

यूपी के ओंकार नाथ ने द मनीमेकर टूर्नामेंट में जीत हासिल कर 15 लाख रुपये का इनाम जीता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले से ताल्लुक रखने वाले 30 वर्षीय सॉफ्टवेयर डेवलपर ओंकार नाथ ने मानसिक खेलों के प्रति अपनी गहरी रुचि को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने पोकरबाजी (पोकरबाजी) के प्रतिष्ठित द मनीमेकर टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना ली है। 1000 से अधिक प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए, ओंकार ने अपना पहला मार्की खिताब जीता और अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि 15 लाख रुपये हासिल की।

ओंकार की पोकर यात्रा की शुरुआत 2018 में हुई, जब वे दोस्तों के साथ मनोरंजन के तौर पर खेलते थे। धीरे-धीरे यह शौक गंभीर जुनून में बदल गया, जब उन्होंने यूट्यूब पर प्रोफेशनल खिलाड़ियों को खेलते हुए देखा और इस खेल की रणनीतिक गहराई और कौशल को समझा। खेल की संभावनाओं को महसूस करते हुए, उन्होंने भारतीय पोकर प्लेटफॉर्म्स की तलाश शुरू की और पोकरबाजी पर आकर रुके। तब से लेकर अब तक यह सीखने और लगातार आगे बढ़ने का एक शानदार सफर रहा है, जिसे पोकरबाजी द्वारा भारत में पोकर अनुभव को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता ने और भी प्रेरित किया।राष्ट्रीय स्तर की शतरंज प्रतियोगिताओं में अपने स्कूल का प्रतिनिधित्व करने से लेकर अपने सॉफ्टवेयर जॉब और एक प्रभावशाली पोकर करियर के बीच संतुलन बनाने तक, ओमकार की कहानी जुनून और दृढ़ता की कहानी है। उसका अंतिम सपना लास वेगास में लाइव पोकर टूर्नामेंट खेलना और अपने खेल को निखारना है।

पोकर एक मैराथन है, कोई दौड़ नहीं। मेरी यात्रा उतार-चढ़ाव से भरी रही है, लेकिन हर अनुभव ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है – सिर्फ खेल के बारे में नहीं, बल्कि खुद के बारे में भी, ओंकार ने साझा किया।

द मनीमेकर जीतना मेरे लिए वाकई खास है। यह सिर्फ इनाम की बात नहीं है, बल्कि हर एक हाथ में डाली गई मेहनत और अनुशासन की कहानी है। मुझे गर्व है कि मैंने पूरे टूर्नामेंट में जैसा खेल दिखाया, वह मेरे समर्पण का प्रतीक है।

सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट जैसी चुनौतीपूर्ण करियर के बावजूद, ओंकार ने हमेशा अपने पोकर कौशल को निखारने के लिए समय निकाला है। वे हर खेल को सीखने और आगे बढ़ने का एक मौका मानते हैं। द मनीमेकर में उनकी जीत न सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि देशभर के उभरते पोकर खिलाड़ियों, खासकर छोटे शहरों जैसे चंदौली से आने वाले युवाओं के लिए एक प्रेरणा भी है।

रीजेंसी हेल्थ लखनऊ ने क्रोनिक कब्ज से परेशान मरीजों के सही इलाज के लिए नई जांच तकनीक एनोरेक्टल मैनोमेट्री शुरू की, इस तकनीक से पेल्विक फ्लोर की कमजोरी की पहचान की जा सकेगी

लखनऊ। रीजेंसी हेल्थ लखनऊ ने अपनी पहले से ही आधुनिक गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी यूनिट में एक और महत्वपूर्ण फैसिलिटी जोड़ दी है। अब यहाँ एनोरेक्टल मैनोमेट्री नाम का एक विशेष डायग्नोस्टिक टेस्ट की सुविधा भी उपलब्ध है। यह जांच पेल्विक फ्लोर डिस्सिनर्जिया जैसी समस्या की पहचान करने में मदद करती है, क्योंकि यह क्रोनिक कब्ज का एक आम लेकिन अक्सर न पहचाना जाने वाला कारण होता है। इस नई फैसिलिटी के साथ रीजेंसी हेल्थ लखनऊ अब उन कुछ चुनिंदा अस्पतालों में शामिल हो गया है, जो मरीजों को एनोरेक्टल मैनोमेट्री के साथ-साथ बायोफीडबैक थेरेपी जैसी एडवांस्ड सेवाएं भी एक ही जगह पर देते हैं। इससे मरीजों को कब्ज की समस्या का पूरा और सही इलाज मिल सकेगा।

क्रोनिक कब्ज को अक्सर सिर्फ एक पाचन की समस्या मान लिया जाता है। लेकिन कई मरीज जो सालों तक दवाएं, एनेमा या हाथ से मल निकालने जैसे उपाय करने के बाद भी राहत नहीं पाते, असल में पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियों की गड़बड़ी से परेशान होते हैं। यह मांसपेशियां ठीक से काम नहीं करतीं, जिससे सामान्य ढंग से पेट साफ नहीं हो पाता है। रीजेंसी हेल्थ लखनऊ के सीनियर गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजिस्ट डॉ. प्रवीण झा ने कहा, ÷पेल्विक फ्लोर डिस्सिनर्जिया एक मांसपेशियों के तालमेल की समस्या है, जो सिर्फ दवाओं या खानपान में बदलाव से ठीक नहीं होती।÷ उन्होंने बताया, ÷अक्सर यह बीमारी सालों तक पहचानी नहीं जाती, जिससे मरीज निराश हो जाते हैं और खुद से गलत इलाज करते रहते हैं

। अब रीजेंसी में एनोरेक्टल मैनोमेट्री जांच की सुविधा शुरू होने से हम इस बीमारी की सही पहचान कर सकते हैं। इससे हम ऐसा इलाज बना सकते हैं जो शरीर को बिना तकलीफ दिए सीधे इस समस्या की जड़ पर काम करे और मरीज को पेट साफ होने की सामान्य प्रक्रिया और बेहतर जीवन वापस दिला सके। एनोरेक्टल मैनोमेट्री एक जांच है जो यह देखती है कि मलद्वार (एनस) और मलाशय (रेक्टम) की मांसपेशियां दबाव और हलचल पर कैसे प्रतिक्रिया करती हैं। इससे डॉक्टर यह समझ पाते हैं कि कहीं इन मांसपेशियों में सही तालमेल या ताकत की कमी तो नहीं है।

यह जांच लगभग 30 मिनट में पूरी हो जाती है और यह बिल्कुल सुरक्षित होती है, जिसमें मरीज को बहुत ही कम असुविधा महसूस होती है। जब बीमारी की सही पहचान हो जाती है, तो ज़्यादातर मरीजों को फिजियोथेरेपी और बायोफीडबैक जैसी टारगेटेड थेरेपी से काफी आराम मिलता है।

रीजेंसी हेल्थ लखनऊ के कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. पीयूष ठाकुर ने बताया, हमने देखा है कि बायोफीडबैक थेरेपी लेने वाले मरीजों में काफी अच्छे नतीजे आए हैं। कई मरीजों ने कब्ज की दवाओं पर निर्भर रहना बहुत कम कर दिया है और उनके पेट साफ करने की क्षमता में भी साफ सुधार हुआ है।÷

उन्होंने आगे कहा, ÷कई मरीजों को इस थेरेपी से ऐसी राहत मिली है जिसकी उन्होंने कभी उम्मीद नहीं की थी। इससे वे अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी सामान्य रूप से जीने लगे हैं। यह देखना बहुत सुकून देने वाला होता है कि बिना किसी सर्जरी या तकलीफ के इलाज से मरीजों की सेहत और जीवन दोनों में कितना बड़ा फर्क आ सकता है।

रीजेंसी हेल्थ लखनऊ ने पिछले चार महीनों में सीजीएचएस (ष्टत्र॥स्) लाभार्थियों में 30 से ज्यादा मरीजों की मदद की है, जो यह दिखाता है कि अस्पताल अब और भी ज्यादा मरीजों को विशेष गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी देखभाल देने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

अब जब गैस्ट्रो यूनिट में एनोरेक्टल मैनोमेट्री जैसी आधुनिक जांच फैसिलिटी भी जुड़ गई है, तो रीजेंसी हेल्थ लखनऊ एक बार फिर यह साबित कर रहा है कि वह मरीजों को पूरी तरह से केंद्र में रखकर इलाज प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अस्पताल का कहना है कि जो लोग लंबे समय से कब्ज, ज्यादा जोर लगाने की जरूरत या अधूरा पेट साफ होने जैसी दिक्कतों से परेशान हैं, वे खुद इलाज करने के बजाय किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह लें ताकि सही समय पर सही इलाज मिल सके ।

एलआईसी ने 24 घंटे में किए 5,88,107 लाइफ इंश्योरेंस, बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है। एलआईसी ने 24 घंटे में 5,88,107 जीवन बीमा पॉलिसी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। एलआईसी ने इस उपलब्धि को लेकर एक बयान भी जारी किया। इसमें निगम ने कहा कि इस साल 24 जनवरी को 24 घंटे में देशभर में 4,52,839 एलआईसी एजेंटों ने मिलकर कुल 5,88,107 लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी किए, जो विश्व रिकॉर्ड है। इस उपलब्धि को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। एलआईसी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह हमारे एजेंटों के समर्पण, कौशल और अथक कार्य का एक प्रमाण है। इस शानदार प्रयास ने महज 24 घंटे के भीतर जीवन बीमा उद्योग में एक नया वैश्विक मानक स्थापित कर दिया। यह उपलब्धि हमारे ग्राहकों और उनके परिवारों को महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के हमारे मिशन की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह रिकॉर्ड प्रयास एलआईसी के एमडी और सीईओ सिद्धार्थ मोहंती की पहल का परिणाम था। जिसमें उन्होंने प्रत्येक एजेंट से 20 जनवरी, 2025 को मैड मिलियन डे पर कम से कम एक पॉलिसी पूरी करने की अपील की थी।

आरबीआई की ओर से सरकार को मजबूत लाभांश, एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में बताया यह कैसे संभव हुआ?

नई दिल्ली।केंद्रीय बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान रुपये को स्थिर करने के लिए कई आक्रामक कदम उठाए हैं। इसमें बड़े पैमाने पर डॉलर की बिक्री भी शामिल है। सितंबर 2024 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 704 बिलियन अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई की ओर से की गई इन्हीं कवायदों का परिणाम है कि केंद्रीय बैंक सरकार को लाभांश के रूप में एक मोटी रकम देने में सफल हो पाई है। आइए जानते हैं एसबीआई की रिपोर्ट में इस बारे में क्या कहा गया है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से सरकार को लगभग 2.7 ट्रिलियन रुपये का रिकॉर्ड लाभांश भुगतान मजबूत सकल डॉलर बिक्री, उच्च विदेशी मुद्रा लाभ और ब्याज आय में लगातार वृद्धि के कारण संभव हुआ है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस महत्वपूर्ण अधिशेष हस्तांतरण को काफी हद तक विदेशी मुद्रा बाजार में आरबीआई की सक्रिय भागीदारी से मदद मिली। असल में, जनवरी 2025 में आरबीआई एशियाई केंद्रीय बैंकों के बीच विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा विक्रेता रहा। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि ÷यह अधिशेष भुगतान डॉलर की मजबूत सकल बिक्री, विदेशी मुद्रा में इजाफा और ब्याज आय में लगातार वृद्धि से संभव हो पाया÷।

केंद्रीय बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान रुपये को स्थिर करने के लिए कई आक्रामक कदम उठाए हैं। इसमें बड़े पैमाने पर डॉलर की बिक्री भी शामिल है। सितंबर 2024 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 704 बिलियन अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। उसके बाद, आरबीआई ने मुद्रा स्थिरता बनाए रखने के लिए बड़ी मात्रा में डॉलर बेचे।

चालू वित्त वर्ष के दौरान, फरवरी 2025 तक भारतीय रिजर्व बैंक ने 371.6 बिलियन डॉलर की बिक्री की।

ट्रंप के 25% टैरिफ के बावजूद भारत में बने आईफोन अमेरिका में सस्ते होंगे

नई दिल्ली। अपने एक बयान में ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर एपल भारत में आईफोन बनाने का फैसला करता है तो वे इसपर पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। हालांकि, जीटीआरआई का मानना है कि इस तरह के शुल्कों के बावजूद भारत में आईफोन का निर्माण लागत की दृष्टि से अधिक प्रभावी है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

भले ही अमेरिका भारत में बने आईफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए, फिर भी इसकी कुल उत्पादन लागत अमेरिका में इसे बनाने की तुलना में बहुत कम होगी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (त्ज्ञ्रऋ्) ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। जीटीआरआई की ओर से यह जानकारी ऐसे समय पर दी गई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक बयान के कारण खासा चर्चा में है। अपने बयान में ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर एपल भारत में आईफोन बनाने का फैसला करता है तो वे इसपर पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। हालांकि,

जीटीआरआई का मानना है कि इस तरह के शुल्कों के बावजूद भारत में आईफोन का निर्माण लागत की दृष्टि से अधिक प्रभावी है। रिपोर्ट में 1,000 अमेरिकी डॉलर के आईफोन की पूरी मौजूदा मूल्य श्रृंखला के बारे में विस्तार से बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन के निर्माण में एक दर्जन से अधिक देशों का योगदान है। एपल अपने ब्रांड, सॉफ्टवेयर और डिजाइन जरिए मूल्य का सबसे बड़ा हिस्सा, लगभग 450 डॉलर प्रति डिवाइस अपने पास रखता है। क्वालकॉम और ब्रॉडकॉम जैसे अमेरिकी घटक निर्माताओं के हिस्से में करीब 80 जाते हैं। जबकि ताइवान चिप बनाकर 150 अमेरिकी डॉलर हासिल करता है। दक्षिण कोरिया ओएलईडी स्क्रीन और मेमोरी चिप्स बनाकर 90 डॉलर हासिल करता है। जापान मुख्य रूप से कैमरा सिस्टम तैयार कर 85 डॉलर के पाट्‌र्स की आपूर्ति करता है। जर्मनी, वियतनाम और मलेशिया छोटे आईफोन के कई अन्य छोटे-छोटे हिस्से बनाकर 45 डॉलर का योगदान देते हैं। जीटीआरआई ने कहा कि चीन और भारत जैसे देश आईफोन असेंबली के मामले में प्रमुख खिलाड़ी होने के बावजूद, प्रति डिवाइस केवल लगभग 30 डॉलर ही कमाते हैं। यह एक आईफोन के कुल खुदरा मूल्य का 3 प्रतिशत से भी कम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 25 प्रतिशत टैरिफ लागू होने के बाद भी भारत में आईफोन का निर्माण आर्थिक रूप से तर्कसंगत है। ऐसा मुख्य रूप से भारत और अमेरिका में पारिश्रमिक लागत में भारी अंतर के कारण है। भारत में, आईफोन असेंबल करने वाले श्रमिक हर महीने लगभग 230 डॉलर कमा पाते हैं। वहीं कंपनी यदि अमेरिका के कैलिफोर्निया जैसे राजय में आईफोन बनाने का फैसला लेती है तो उसे काफी महंगा पड़ेगा। न्यूनतम मजदूरी से जुड़े कानूनों के कारण अमेरिका में फोन बनाने पर आईफोन की श्रम लागत लगभग 2,900 अमरीकी डॉलर तक पहुंच जाएगी, जो इसकी वर्तमान श्रम लागत से 13 गुना अधिक है। अमेरिका में एक आईफोन असेंबल करने का खर्च लगभग 390 डॉलर भारत में एक आईफोन को असेंबल करने में लगभग 30 डॉलर का खर्च आता है, जबकि अमेरिका में इसी प्रक्रिया पर लगभग 390 डॉलर का खर्च आएगा। अगर एपल अपना उत्पादन अमेरिका ले जाता है, तो हर आईफोन उसका मुनाफा वर्तमान के 450 अमेरिकी डॉलर से घटकर मात्र 60 अमेरिकी डॉलर रह जाएगा। ऐसे में, बिना खुदरा कीमतों में इजाफा किए वह इससे अधिक लाभ नहीं हासिल कर पाएगा। जीटीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कैसे वैश्विक मूल्य शृंखलाएं और श्रम लागत का अंतर भारत को विनिर्माण के लिए एक प्रतिस्पर्धी विकल्प बनाते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर ने खोली पाकिस्तान और आतंकवाद के गठजोड़ की पोल: गृह मंत्री अमित शाह

भारत की सुरक्षा नीति अब आत्मनिर्भर और निर्णायक है: अमित शाह

लखनऊ। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जब BSF के 18वें अलंकरण समारोह और प्रतिष्ठित रुस्तमजी मेमोरियल लेक्चर में आए तो वह दृश्य केवल एक समारोह नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा चेतना का उद्घोष बन गया। यह कोई साधारण उपस्थिति नहीं थी। यह उस दूरदर्शी रणनीतिकार का आगमन था जो नीतियों को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें रणनीतिक अस्त्रों में परिवर्तित करता है। भारत के सुरक्षा-शिल्पकार, लौह-संकल्प के धनी अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब 'प्रतिक्रिया' नहीं बल्कि 'प्रतिकार' करता है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए शाह ने स्पष्ट किया कि, 'जिन आतंकियों के जनाज़े पर पाक सेना के अफसर कंधा दे रहे हैं, वही इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि पाक अब आतंक का समर्थक नहीं, संरक्षक है। ऑपरेशन सिंदूर से यह बात उजागर हुई है कि पाकिस्तान और आतंकवाद के बीच गठजोड़ है। कई दशकों से देश पाक समर्थित आतंक का सामना कर रहा है। पाक ने कई घटनाएँ की, लेकिन इसका उचित जवाब नहीं दिया गया। 2014 में मोदी जी पीएम बने, जिसके बाद आतंकवाद को मुँहतोड़ जवाब मिला। उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद एयर स्ट्राइक और अब पहलगाम हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर।

यह सब उस बदलते भारत की गवाही देते हैं, जो अब संकल्प के साथ कार्रवाई करता है। 8 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया गया और 9 आतंकी अड्डों को नष्ट किया गया, जिसमें सिर्फ आतंकी कैंपों को ध्वस्त किया। ऑपरेशन सिंदूर मोदी जी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों से सटीक जानकारी और सेना की मारक क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन था। सेना ने 100 किमी अंदर घुसकर पाक को उसका जमीर दिखाने का काम किया है। BSF के जवान भी मोर्चे पर थे। जवान एक इंच भी पीछे नहीं हटे और उनकी गोली का जवाब गोले से दिया। यह एक स्पष्ट इशारा था कि मोदी युग में भारत अब अपने सुरक्षा मानकों को खुद लिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में क्चस्न के कर्मियों की वीरता और समर्पण ने देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। युद्धकाल हो या शांति काल, BSF के जवानों ने हमेशा अपने कर्तव्य को निभाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। चाहे शून्य से 45 डिग्री कम तापमान हो या 45 डिग्री की गर्मी, चाहे लद्दाख की सीमाएँ हों या रेगिस्तान, क्चस्न और सारी पैरामिलिट्री फोर्सेस सीमा सुरक्षा के काम में लगी हैं। शाह ने भारत के प्रथम BSF महानिदेशक के.एफ. रुस्तमजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह भी रेखांकित किया कि कैसे 1965 में 25 बटालियनों से शुरू हुआ बल आज 192 बटालियनों में विकसित हो चुका है। 'राष्ट्र सुरक्षा सर्वोपरि' के सिद्धांत पर चलने वाले अमित शाह, जो भारत के सुरक्षा-शिल्पकार हैं, उन्होंने स्पष्ट किया कि अब भारत की सुरक्षा नीति किसी विदेशी दबाव से संचालित नहीं होती।

बढ़ती मांग के बीच गिरी बैटरी धातुओं की कीमतें, लिथियम 80% सस्ता

नई दिल्ली। ई-वाहनों और ग्रीन एनर्जी की बढ़ती मांग के बावजूद 2024 में लिथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट और निकल जैसी बैटरी धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। ग्लोबल रिपोर्ट के मुताबिक, आपूर्ति बढ़ने से दाम गिरे हैं, खासकर चीन, कांगो और इंडोनेशिया जैसे देशों के कारण।

दुनियाभर में बैटरियों के लिए जरूरी खनिजों और धातुओं खासकर लिथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट और निकल जैसे तत्वों की मांग 2024 में तेजी से बढ़ी। ये धातुएं ई-वाहनों, सौर और पवन ऊर्जा सिस्टमों में इस्तेमाल होने वाली बैटरियों के लिए जरूरी हैं। इसके बावजूद इन धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

ग्लोबल क्रिटिकल मिनरल्स आउटलुक 2025 रिपोर्ट के मुताबिक, लिथियम की कीमतें 2021-22 में आठ गुना बढ़ी थीं, अब उनमें 80 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। कोबाल्ट, ग्रेफाइट और निकल के दाम भी 10 से 20 फीसदी तक घटे हैं। कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण इन खनिजों की आपूर्ति बढ़ना है।

चीन, इंडोनेशिया और कांगो जैसे देशों ने इनका खनन-उत्पादन तेजी से बढ़ाया है। 2020 के बाद से बैटरी में इस्तेमाल होने वाली धातुओं की आपूर्ति पिछले दशक की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बढ़ी।

सूबे के सात जिलों का जीएसडीपी में 54 प्रतिशत योगदान

नई दिल्ली।16वें वित्त आयोग को सरकार की ओर से भेजी गई एक रिपोर्ट से पता चला है कि महाराष्ट्र के 18 जिलों की विकास दर जीएसडीपी विस्तार दर के 0.8 गुना से भी कम है। इसके अलावे, प्रति व्यक्ति आय औसत राज्य आय से भी कम है। आइए इस बारे में विस्तार से जानतें हैं। महाराष्ट्र के 36 जिलों में से केवल सात जिले सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 54 प्रतिशत का योगदान करते हैं, जो 2024 में 45 लाख करोड़ रुपये था। एक सरकारी रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। देश में आर्थिक महाशक्ति माने जाने वाले राज्य में आर्थिक गतिविधियां बड़े पैमाने पर केंद्रित हैं, इन सात जिलों में मुंबई, पुणे और नागपुर जिले शामिल हैं। 16वें वित्त आयोग को सरकार की ओर से भेजी गई एक रिपोर्ट से पता चला है कि महाराष्ट्र के 18 जिलों की विकास दर जीएसडीपी विस्तार दर के 0.8 गुना से भी कम है। इसके अलावे, प्रति व्यक्ति आय औसत राज्य आय से भी कम है। जीएसडीपी एक विशिष्ट अवधि के दौरान राज्य की सीमाओं के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापता है। इसमें कहा गया है कि महाराष्ट्र की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत का 148 प्रतिशत है, जबकि राज्य के 12 जिलों की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से कम है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने पांच वर्षों की जिला रणनीतिक योजनाएं तैयार की हैं, जिन्हें विश्व बैंक की परियोजना से समर्थन प्राप्त है, ताकि इन 36 प्रशासनिक इकाइयों की सापेक्षिक शक्तियों के आधार पर संतुलित आर्थिक विकास में तेजी लाई जा सके।

कसया पुलिस की कार्यप्रणाली पर भड़के मृतक के परिजनों ने लगाया जाम

उचित मुआवजा व चालक की गिरफ्तारी पर माने मृतकों के परिजन

अवधनामा संवाददाता

सड़क जाम किए परिजनों को समझाते विधायक व एडीएम

- बीते दिनों स्कॉर्पियो सवारों ने दो ठेला व्यवसायियों को रौंद दिया था
- पुलिस एक घंटे के अंदर कार्रवाई के बजाय चालक को छोड़ने भड़क गए थे

कसया, कुशीनगर। नगर के देवरिया मार्ग पर गोलाबाजार में बीते मंगलवार की रात स्कॉर्पियो की टक्कर से मरे दोनों युवकों के परिजनों ने शनिवार को सुबह 8 बजे से ही सड़क को जाम कर दिया। जिसमे घर की महिलाओं पुरुषों और आस पास के अन्य लोग शामिल रहे। लखनऊ में इलाज के दौरान ऐक्सिडेंट में घायल युवक मंटू मद्धेशिया की भी मौत हो गई।

बता दें कि पिछले मंगलवार की देर रात करीब साढ़े 10 बजे गांधी चौक से देवरिया की तरफ जा रहीं तेज गति स्कॉर्पियो ने दुकान बंद कर घर जा रहे 2 ठेला व्यवसायियों को टक्कर मारते हुए सड़क किनारे लगे बिजली के पैनल से टकरा गई थी। जिसमे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी वहीं दूसरे युवक की हालत काफी गंभीर बना हुआ था। जिसका इलाज लखनऊ अस्पताल में चल रहा था, शुक्रवार को इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए परिजनों द्वारा शनिवार की सुबह गोला बाज़ार पर सड़क अवरुद्ध कर जाम लगा दिया गया। जिससे आवागमन काफी देर तक बाधित रहा। मौके पर पहुंचीं स्थानीय पुलिस ने लोगों को समझाने का काफी प्रयत्न किया लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं थे। जिसके बाद मौके पर कसया सीओ कुंदन सिंह, कसया तहसीलदार धर्मवीर सिंह, न्यायिक एसडीएम तमकुही रोड बलबीर सिंह पहुंच कर काफी देर तक परिजनो को समझाते रहे। परन्तु परिजनों द्वारा उच्चाधिकारियों को मौके पर बुलाने की जिद को खत्म नहीं करा पाए। काफी मान मनौवल के बीच कुशीनगर विधायक पीएन पाठक, एडीएम वैभव मिश्रा, एएसपी मौके पर पहुंच कर परिजनों को मनाने में कामयाब रहे। परिजनों की मांग थी कि उचित मुआवजा और ऐक्सिडेंट में शामिल ड्राइवर सहित अन्य लोगों की गिरफ्तारी किया जाए। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा स्कॉर्पियो चालक को गिरफ्तार कर 1 घंटे के अंदर छोड़ दिया गया।

माइक्रोप्लान के तहत गांवों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की दिशा में करें कार्य : डीएम

अवधनामा ब्यूरो

- ग्राम्य विकास, सोशल सेक्टर, मनरेगा, पंचायती राज के कार्यक्रमों की डीएम ने की समीक्षा

कुशीनगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में ग्राम्य विकास, सोशल सेक्टर, मनरेगा एवं पंचायती राज के कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिला पंचायती राज अधिकारी ने प्रत्येक ब्लाक वार चयनित दो दो मॉडल ग्रामों के बारे में अवगत कराते हुए कहां की इनका चयन कर नोडल तथा सहयोगी अधिकारी नामित कर दिया गया है।

ई रिक्शा के क्रय के सापेक्ष वाहन चालकों के संबंध में बताया कि 414 ई रिक्शा क्रय किए गए हैं। आरआरसी निर्माण हेतु भूमि के संबंध में कहा गया कि 62 स्थान पर भूमि अनुपलब्ध है। कुल 12783 व्यक्तिगत शौचालय का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राप्त हुआ है। सामुदायिक शौचालय के अद्यतन प्रगति की भी जानकारी दी गई। कूड़ा गाड़ी का ग्रामों में जाने का रूट मार्ग के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही सफाई अभियान, कूड़ा कलेक्शन तथा 15वें वित्त आयोग, पंचम वित्त आयोग अंतर्गत धनराशि व्यय किए जाने में तीन अच्छे ग्राम पंचायत तथा तीन खराब ग्राम पंचायत के बारे में भी बताया गया। डीएम ने निर्देशित किया जिस भी ग्राम में सचिवों ने कार्य नहीं किया उन्हें चिन्हित कर मुझे अवगत कराए।

जिलाधिकारी में जिला पंचायत अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन ग्रामों में आरआरसी हेतु भूमि अनुपलब्ध है उसकी तहसीलवार सूची प्रस्तुत करें तथा एसडीएम यथा आवश्यक भूमि आवंटित करें। पंचम वित्त तथा 15वें वित्त आयोग में प्राप्त धनराशि का उपयोग कर गांव में विकास कार्य को अंजाम दे। विकास कार्यों को धरातल पर मूर्तरूप देने हेतु प्रस्ताव तैयार करें। कहा कि अवलोकन कर सभी बी डी ओ अवगत कराए की कहां सचिवों के द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मनरेगा के अंतर्गत कराए गए कार्यों, उपलब्ध कराए गए रोजगार, मिनी स्टेडियम, पौधारोपण हेतु की गड्ढा खुदाई, नालों/ड्रेनों की सिल्ट सफाई कार्यों की प्रगति, मनरेगा पार्क, खेल मैदान के संबंध में अद्यतन प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने मनरेगा पार्क, खेल मैदान, मिनी स्टेडियम की अद्यतन फोटोग्राफ्स प्रस्तुत करने सहित ड्रेनों व नालों की सफाई करने के निर्देश भी दिए। इसी क्रम में डीसी मनरेगा ने बताया कि जनपद में 44 मनरेगा पार्क, 76 मिनी स्टेडियम तथा 256 खेल के मैदान है। फैमिली आईडी बनवाने के कार्यों की प्रगति भी ब्लॉकवार जानी गई। बीडीओ खड्डा एवं कप्तानगंज के द्वारा बेहतर प्रदर्शन नहीं करने के कारण स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिए। कहां की प्रति ब्लॉकवार कम से कम एक माह में 1000 औसतन फैमिली आईडी बनवाए जाए। उन्होंने दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी को विभिन्न ब्लॉक स्तरों पर दिव्यागों को चिन्हित कर कैंपों का आयोजन कर यूडी आईडी कार्ड बनवाने के भी निर्देश दिए।

10 गांवों के पंचायत सहायकों को नोटिस

पंचायत सहायकों के द्वारा ग्राम पंचायत में सहज जन सेवा केंद्रों के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं की समीक्षा कर 10 सबसे खराब पंचायत सहायकों मटिया, शंकर पट्टी, तुर्कवलिया, दरिया खुर्द, सिहुलिया, पिपरा बुजुर्ग, सिंगहा, शिवपुर डीह, आदि को नोटिस देने के निर्देश दिए।

पत्रकार को पितृ शोक

महराजगंज, रायबरेली अवधनामा संवाददाता। प्रेस क्लब महराजगंज के वरिष्ठ पत्रकार एवं संरक्षक अनिल जायसवाल के पिताजी का लंबी बीमारी के चलते आज शनिवार को दोपहर बाद लगभग 3 बजे महराजगंज स्थित उनके निजी निवास पर निधन हो गया। वे 84 वर्ष के थे। आपको बता दें कि, मृदुल स्वभाव के व्यक्तित्व के धनी समाजसेवी एवंम पूर्व शिक्षक माता प्रसाद जायसवाल 84 पिछले एक महीने से स्वास्थ्य बीमारी से ग्रसित था जिनका इलाज रायबरेली के एक निजी अस्पताल से चल रहा था 2 दिन पूर्व अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी तो उनके पुत्र प्रेस क्लब महराजगंज के संरक्षक व वरिष्ठ पत्रकार अनिल जायसवाल ने उन्हें इलाज के लिए रायबरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया दो दिन इलाज चलने के बाद वह ठीक भी हो गए और डॉक्टर ने उन्हें घर ले जाने की सलाह दी आज सुबह रायबरेली से अपने पिता माता प्रसाद जायसवाल को घर लेकर आए किंतु घर लाने के लगभग चार घंटे बाद उनकी तबीयत अचानक फिर बिगड़ गई वह पुनः रायबरेली ले जाने की व्यवस्था कर ही रहे थे कि वह वह सभी को अलविदा कर गए। उनके निधन की खबर मिलते ही समूचे कस्बे में शोक की लहर फैल गई उनके घर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का पता लगा तो शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में मंत्री प्रतिनिधि शिवम तिवारी, नगर के प्रथम नागरिक सरला साहू एवं उनके पति प्रभात साहू, सपा नेता सुधीरसाहू, अली अमजद, पूर्व प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक रामलालअकेला, सपा विधायक श्याम सुंदर भारती, पूर्व विधायक राजाराम त्यागी, कांग्रेस नेता सुशील पासी, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष सरदार फतेह सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष सूर्य प्रकाश वर्मा, भाजपा नेता पवन साहू, मंडल अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जन्मेजय सिंह, समेत टाउन एरिया के लिपिक रामचंद्र त्यागी, यमुना प्रसाद, भारत लाल, गौस मोहम्मद, चंद्रकेश मौर्य कैलाश कुमार व सभी सभासदों एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जगदीप वर्मा, अनुराग अग्रहरी, ज्ञान प्रकाशजयसवाल, मुरारी गुप्ता विचित्र चौधरी, भल्लू ठेकेदार बाला प्रसाद मौर्य, राम कन-कन गुप्ता, सूर्यभान सिंह, पंकज गुप्ता सहित बड़ी तादाद में लोगों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करी।

किसी भी हड़ताल व आपदा से निपटने के लिए समस्त तैयारियां रखे दुरूस्त : डीएम

रायबरेली अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह की उपस्थिति में विद्युत विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर प्रस्तावित हड़ताल के दृष्टिगत जनहित में निर्बाध विद्युत आपूर्ति, विद्युत स्टेशनों, उपकरणों, लाइनों की सुरक्षा व कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों, ठेकेदारों के साथ एक बैठक कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभाागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनये रखने हेतु रणनीति तैयार की गयी और आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गयी। जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित विभागों को अपने टेक्नीकल स्टॉफ की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर टेक्नीकल स्टाफ की टीमों का गठन कर एक कार्ययोजना तैयार कर ली जाये, जिससे आकस्मिक परिस्थितियों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था बनी रहे। सुरक्षा की दृष्टि से जहां पर भी सीसीटीवी कैमरे लगे है उनको चेक कराकर क्रियाशील रक्खा जाये, जिन संस्थानों में जेनसेट है उनको क्रियाशील अवस्था में रक्खा जाये।

नोडल अधिकारी ने कान्हा उपवन, बछरावां का किया निरीक्षण

रायबरेली। नोडल अधिकारी बी चंद्रकला ने कन्हा उपवन बछरावां का भी निरीक्षण किया। यहां पर उन्होंने गोवंशों को दी जा रही सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए उनके भोजन, पानी, प्रकाश और चिकित्सा व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल कुमार को निर्देश दिया कि संक्रमित गोवंश को क्वॉरेंटाइन करके उसका उचित उपचार कराया जाए। गोवंश पशुओं की टैगिंग अवश्य कराई जाए। सभी पशुओं को निर्धारित चार्ट के अनुसार ही हरा चारा व पानी आदि की व्यवस्था कराई जाए। यहां पर उन्होंने गोवंशों को फल और गुड़ का सेवन भी कराया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, डीडीओ अरुण कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अनिल कुमार और केंद्र के चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेंद्र उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन जेल का विशेष सचिव ने किया निरीक्षण, दिया निर्देश

अवधनामा ब्यूरो

निर्माणाधीन जेल का निरीक्षण करते विशेष सचिव

कुशीनगर। विशेष सचिव सिंचाई व जल संसाधन विभाग तथा शासन द्वारा नामित जनपद के नोडल अधिकारी डा. अरविंद कुमार चौरसिया ने पडरौना अंतर्गत भटवलिया गांव में निर्माणाधीन जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। उन्होंने पी डब्लू डी एवं कार्यदायी संस्था के अभियंताओं, अधिकारियों निर्माण परियोजना से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को गुणवत्तापरक एवं मानक के अनुरूप ही बनाए, क्वालिटी का विशेष ध्यान रखें। निर्माण कार्य को निश्चित समयांतर्गत पूर्ण करें। नोडल अधिकारी निर्माणाधीन जिला कारागार के गेट पर पहुंचे तो वहां लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने उन्हें प्रोजेक्ट मानचित्र तथा नक्शा के माध्यम से हो रहे निर्माण की जानकारी दी। इस परियोजना का आरएसबी प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से निर्माण कराया जा रहा है। निरीक्षण के क्रम में नोडल अधिकारी ने जिला जेल परिसर में बन रहे बिजली उपकेंद्र, जनरेटर कक्ष, गेस्ट हाऊस, प्रशासनिक ब्लाक का फाउंडेशन और कैदियों के बैरकों का जायजा लिया। निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष प्रकट किया। कहा कि जिला जेल का निर्माण फाउंडेशन स्तर पर है, कुछ बैरक बन चुके हैं। कार्यदायी संस्था को शासन की ओर से तय की गई समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण कराने को कहा गया है। इस अवसर पर सहायक अभियंता नितिन रस्तोगी, दिनेश कुमार शर्मा, परामर्शी प्रिंस मद्धेशिया आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष के लिए आए 16 आवेदन पत्र

महराजगंज, रायबरेली अवधनामा संवाददाता। इन्हौना रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय पर ब्लॉक अध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया गया। इस दौरान कुल 16 आवेदन पत्र आए। जिसमें प्रदीप चौधरी प्रिशु वैश्य भारत मिश्रा हौसला प्रसाद तिवारी सच्चिदानंद त्रिपाठी भगवान दीन फौजी हनुमान जायसवाल राजेश भारती सहित आदि लोगों ने पद के लिए आवेदन किया। कांग्रेस नेता प्रिन्सू वैश्य ने बताया कि जिले में नए ब्लॉक अध्यक्ष को लेकर चयन अभियान चलाया जा रहा है।जिसमें सक्रिय रूप से कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं को कमेटी में उचित स्थान दिया जाना पहली प्राथमिकता होगी इस मौके पर जिला महासचिव विधानसभा प्रभारी रामखेलावन पार्टी के जिला सचिव ब्लॉक प्रभारी अखिलेश शुक्ला प्रदीप चौधरी प्रिन्सू वैश्य मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं को और बनाएं बेहतर : सीएमओ

देवरिया अवधनामा संवाददाता। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ अनिल कुमार गुप्ता ने शनिवार को कार्यालय में नगरीय क्षेत्र के चिकित्साधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई। सीएमओ ने कहा कि शहरी क्षेत्र की आबादी को घर के पास इलाज मिलना चाहिए। लोगों को इलाज के लिए निजी अस्पतालों के चक्कर न काटने पड़े और उनके घर के पास ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों। सीएमओ ने कहा कि डॉक्टर समय पर ड्यूटी पर मौजूद हों। स्वास्थ्य केंद्र पर ज्यादातर बीमारियों का इलाज मिल सके। इसके लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने कर्मचारियों को ताकीद किया कि आंकड़ों को दुरुस्त करें। फाइलों का रखरखाव बेहतर करें। शहरी क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ सेवाएं मिल सके। इसके लिए नियमित आकलन और समीक्षा किया जाना अत्यंत जरूरी है। प्रत्येक नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रत्येक दिन टीकाकरण की सूचना आशा द्वारा मुहल्ले में और कस्बे में प्रचारित प्रसारित की जाए।

शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी शिशिर ने किया विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। विशेष सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग तथा जनपद के लिए नामित नोडल अधिकारी श्री शिशिर ने आज जनपद के विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्य शासन की मंशानुरूप निर्धारित समयसीमा और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण किए जाएं। निरीक्षण के दौरान श्री शिशिर ने बृहद गो-संरक्षण केंद्र पिपरा चंद्रभान, अस्थायी गौ-आश्रय स्थल सोनहुला रामनगर, कान्हा गौशाला गौरीबाजार, बरहज तथा पिपरपाती का भी दौरा किया।

उन्होंने इन स्थलों में संरक्षित गोवंशों के लिए गर्मी और लू से बचाव की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा कहा कि गोवंशों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पेयजल और चारे की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। नोडल अधिकारी ने गौ-आश्रय स्थलों में दिए जा रहे साइलेज की सराहना करते हुए कहा कि इससे गोवंशों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है और बीमारियाँ कम हुई हैं, जिससे दवाओं पर आने वाला सरकारी खर्च भी घटा है। कान्हा गौशाला बरहज में गोबर से तैयार किए जा रहे पेंट के अभिनव प्रयोग की उन्होंने प्रशंसा की और कहा कि गौ-उत्पादों की बाजार में अच्छी मांग है। यह प्रयास गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाएगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इसके अतिरिक्त, नोडल अधिकारी ने 7091 लाख रुपए की लागत से बन रही 22 किमी लंबी कंचनपुर-बघौचघाट-पकहा टू-लेन विद पेव्ड शोल्डर सड़क परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का कार्य 27 जनवरी 2024 को प्रारंभ हुआ था और वर्तमान में 95त्न कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता पर संतोष जताया और कहा कि शोल्डर कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार ही पूरा किया जाए। श्री शिशिर ने सरयू नदी पर निर्माणाधीन मोहन सेतु का भी निरीक्षण किया। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पिपरा चंद्रभान, करौंदी, अहिलवार बुजुर्ग, बेलही, महराजपुर सहित विभिन्न गांवों में निर्मित पानी की टंकियों का भी उन्होंने निरीक्षण किया। बताया गया कि वर्तमान समय में जनपद में कुल 272 ग्रामों में पानी की टंकी बन चुकी है, जिससे नल से जल की आपूर्ति की जा रही है।

मोदी सरकार को घेरने की तैयारी में जुटी कांग्रेस

अमेठी। कांग्रेस ने 28 मई को नैना रिजार्ट बहादुरपुर में संविधान बचाओ अभियान संगोष्ठी का आयोजन किया है। शुक्रवार को केन्द्रीय कांग्रेस कार्यालय में तैयारी बैठक में संगोष्ठी के विषय बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने की। संगोष्ठी मोदी सरकार की दैनिक विफलताओं पर केंद्रित होगी। कार्यक्रम संयोजक डॉ संजय सिंह ने बताया कि संगोष्ठी बढ़ती बेरोज़गारी,मंहगाई, लघु एवं मध्यम उद्योगों का पतन, ग्रामीण संकट, कल्याण कारी नीतियों को जानबूझकर कमजोर करने से नागरिकों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों पर केंद्रित होगी। तैयारी बैठक में पूर्व विधायक राधेश्याम धोबी, परमानंद मिश्र, धर्मराज बहेलिया,जीत लाल सरोज, अनिल सिंह, विजय पासी, डॉ देवमणि तिवारी,सर्वेश सिंह, नरसिंह बहादुर सिंह, शत्रुघ्न सिंह, रामबरन कश्यप,राज कुमार यादव, देवेन्द्र सिंह गप्पू आदि मौजूद रहे।

छापेमारी में दो क्विंटल लहन व आधा दर्जन भट्ठियां नष्ट

दो महिलाएं पांच-पांच लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

कसया, कुशीनगर। शनिवार को आबकारी विभाग व कसया पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध कच्ची शराब के ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में लहन नष्ट कर पांच भट्ठियां तोड़ी और मौके से अवैध कच्ची शराब बरामद किया। थाना क्षेत्र के ग्राम मैनपुर टोला खदही, धोबहा, दीनापट्टी सहित अन्य कई गांवों में आबकारी विभाग व पुलिस ने कच्ची शराब के ठिकानों पर छापेमारी की।

इस दौरान छापेमारी में लगभग दो क्विंटल लहन नष्ट की गई और दस लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद के साथ दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया और पांच अवैध कच्ची शराब की भट्ठियों को नष्ट किया गया। दोनों महिलाओं के पास से पांच-पांच लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुआ। टीम द्वारा अवैध रूप से शराब बनाने वाली दो महिलाओं को अवैध कच्ची शराब बनाते रंगे हाथों पकड़ा गया साथ ही इनके कब्जे से अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी है। आबकारी निरीक्षक कसया क्षेत्र 2 अरुण कुमार के नेतृत्व में आबकारी व पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की।

अमेठी में निकली ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा, राजेश अग्रहरि ने किया पाकिस्तान के खिलाफ ट्रेडवार का एलान

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। आपरेशन सिंदूर की कार्रवाई की सफलता के बाद भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को प्रणाम करने के लिए तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश की जनता रोज सड़कों पर देशभक्ति के नारों के साथ गर्व की अनुभूति कर रही है।

अमेठी के प्रतिष्ठित उद्योग पति और जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि के नेतृत्व में शुक्रवार को ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए। आसपास के जनपदों के व्यापारी नेताओं की मौजूदगी में राजेश अग्रहरि ने पाकिस्तान के खिलाफ ट्रेडवार शुरू करने का एलान किया और कहा कि भारत के व्यापारी अब पाकिस्तान के साथ कोई व्यापार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और आतंकवाद के समर्थक पाकिस्तान के साथी देशों का इलाज भारतीय सेना ने कर दिया है।अब देश की जनता की भावनाओं के साथ जुड़े व्यापारी पाकिस्तान के खिलाफ ट्रेडवार शुरू करेंगे। तिरंगा यात्रा राजेश मसाला फैक्ट्री से शुरू हुई और देश भक्ति के नारों की गूंज के साथ अमेठी ब्लाक तिराहे पर डॉ अम्बेडकर प्रतिमा स्थल पर समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नौजवानों, महिलाओं और व्यापारियों का उत्साह सातवें आसमान पर नजर आया। दो हजार से अधिक लोगों ने भारतीय सेना के पराक्रम को प्रणाम किया। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उच्च सदन के वरिष्ठ सदस्य एम एल सी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष रविकांत गर्ग, उत्तर प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत शारदा, व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी, भाजपा के जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ल, पूर्व जिला अध्यक्ष राम प्रसाद मिश्र, जिला महामंत्री राकेश त्रिपाठी, पूर्व प्रमुख घनश्याम चौरसिया, जिला पंचायत सदस्य जगन्नाथ पांडेय, गिरजा शंकर शुक्ल, पूर्व चेयरमैन चंद्रमा देवी, चेयरमैन अंजू कसौंधन,त्रियुगीनारायण शुक्ल, देव प्रकाश पाण्डेय, अजय कुमार तिवारी, संतोष कुमार गुप्ता, हरिकेश श्रीवास्तव, वीरेंद्र यादव, अनिल पाल, फूल चंद कसौंधन, सियाराम गुप्ता राकेश सोनी, अवनीश सिंह,कमरुल आदि मौजूद रहे।

जनपद देवरिया के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का किया गया आयोजन

देवरिया। देवरिया के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समस्त थानों पर राजस्व के अधिकारी एवं पुलिस के अधिकारी मौजूद रहकर उनके द्वारा जनता की समस्याओं को सुना गया एवं संयुक्त रूप से राजस्व व पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर कई समस्याओं का निस्तारण भी कराया गया। पुलिस अधीक्षक देवरिया विक्रान्त वीर के निर्देशन में जनपद में बेहतर जनसुनवाई एवं पुलिस के उत्तरदायित्व निर्धारण करने, संवेदनशीलता बढ़ाने, एवं बेहतर पारदर्शिता बढ़ाने के लिए थाना दिवस पर डेस्क सिस्टम के तहत समस्त थानों पर हल्का प्रभारी व बीट पुलिस अधिकारी द्वारा अपने-अपने हल्का/ग्राम/बीट की डेस्क लगाकर जनसमस्याओ को सुना गया और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण भी कराया गया। पुलिस अधीक्षक देवरिया विक्रान्त वीर द्वारा थाना रामपुर कारखाना में जनसमस्याओं को सुना गया जिसके क्रम में थाना रामपुर कारखाना पर कुल 14 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 04 प्रार्थना पत्र का निस्तारण कराया गया।

बुद्धा घाट पर दीपोत्सव एवं हिरण्यवती नदी की उतारी आरती

अवधनामा संवाददाता

- पवित्र और पूजनीय है बौद्ध कालीन हिरण्यवती नदी : पी.एन पाठक

कसया, कुशीनगर। बौद्ध कालीन हिरण्यवती नदी के बुद्धा घाट पर शनिवार को कुशीनगर विधायक पी.एन पाठक की अगुवाई में दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान नदी की वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच आरती भी उतारी गई। मौके पर मधुर स्वरलहरियों में मां दुर्गा और हनुमान चालीसा पाठ का का स्वर गुंजायमान होता रहा। एक साथ दीप प्रज्ज्वलित होने पर नदी के जल में प्रकाश प्रतिबिंबित होकर आकर्षण का केंद्र बढ़ा रहे थे। विधायक श्री पाठक ने कहा कि हिरण्यवती नदी पवित्र और पूजनीय बौद्ध कालीन नदी है। इसकी आरती और घाटों की सीढ़ियों पर दीप जलाकर छवि को और ख्याति मिलेगी। यहां हजारों की तादाद में प्रत्येक वर्ष बौद्ध भिक्षु और पर्यटकों का दल पहुंचकर जल से आचमन और लेकर स्वदेश जाते भी हैं। इसलिए नदी पवित्रता और साफ-सफाई बनाए रखना सबका दायित्व है। नदी की आरती होती रहेगी। इसके अलावा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

थाना समाधान दिवस में आई सौ से अधिक शिकायतें, डीएम ने मुंशीगंज में की जनसुनवाई

अमेठी अवधनामा संवाददाता। महीने के चतुर्थ शनिवार को जिले के सभी थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस में सौ से अधिक शिकायतें आईं।डी एम संजय चौहान ने मुंशीगंज थाने में जनसुनवाई के साथ थाना समाधान दिवस का निरीक्षण किया। डी एम ने राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों से उनके क्षेत्र की समस्यायों की जानकारी ली और जनशिकायतों को मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।डी एम ने कहा कि शिकायतें लम्बित मिलने पर सम्बंधित राजस्व कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। नाली, चकमार्ग, तालाब की जमीनों पर अवैध कब्जे, अवैध अतिक्रमण की शिकायतों को तत्काल संज्ञान में लेकर आवश्यकता अनुसार पुलिस बल के सहयोग से समुचित निस्तारण करने के निर्देश दिए। कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही और शिकायतों को लम्बित पाए जाने पर एस डी एम ओर तहसीलदार को सम्बंधित के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित करने के निर्देश दिए। मुंशीगंज में कुल आठ शिकायतें आईं थीं। तीन का निस्तारण मौके पर हो गया है। अमेठी में प्रभारी निरीक्षक और तहसीलदार ने जनसुनवाई की,कुल नौ प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए हैं। चार का निस्तारण हुआ है। अन्य के निस्तारण के लिए टीमों का गठन किया गया है।

अवैध रूप से चल रहे प्रसव केंद्र को स्वास्थ्य विभाग ने नोटिस में दे दिया अभयदान

- झोलाछाप नोडल अधिकारी ने नोटिस में नहीं किया प्रसव केंद्र का जिक्र
- एक सप्ताह पूर्व गर्भपात के दौरान हो गई थी महिला की मौत

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। स्वास्थ्य विभाग और विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अवैध रूप से संचालित प्रसव केंद्र और अस्पतालों में अवस्थाओं के चलते एक पर एक हो रही मौतों के बावजूद अपनी कार्रवाई में उन्हें अभय दान देना लोगों की बेवजह मौत का कारण बन रहा है , ऐसा ही कुछ देखने को मिला भांवलखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र के वरतारा में अवैध रूप से दुकान में चल रहे लाइफ केयर प्रसव केंद्र पर 17 मई को गर्भपात के दौरान हुई एक महिला की मौत के मामले में , आपको बता दें जहानपुर निवासी सुशीला देवी पत्नी राम प्रकाश अपनी बेटी शालिनी को लाइफ केयर प्रसव केंद्र पर दिखाने ले गई थी जिसे वहां मौजूद नर्स अलका और रेनू ने गर्भपात कराने की सलाह दी और आनन-फानन में उसका गर्भपात कर दिया और जब महिला की हालत बिगड़ी तो दोनों नर्स दुकान छोड़कर भाग गई सुशीला देवी अपनी बेटी को लेकर दूसरी जगह ले गई जहां उसकी मौत हो गई इस मामले में सुशीला देवी ने थाना अध्यक्ष रोजा को एक प्रार्थना पत्र देते हुए कार्रवाई की मांग की वहीं दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग की टीम भी सक्रिय हो गई और सीएचसी भावलखेड़ा प्रभारी/झोलाछाप नोडल अधिकारी राजीव कुमार भारती जहानपुर गांव पहुंचे इसके बाद इस अवैध प्रसव केंद्र की नर्स और संचालक को बचाने का खेल शुरू हो गया प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को वैसे तो दुकान बंद मिला लेकिन प्रभारी जी के अधिकारी ने नर्स को पर्सनल नंबर व्हाट्सएप पर नोटिस जारी कर दिया अब आप समझ सकते हैं जब प्रभारी चिकित्सा अधिकारी नर्स के संपर्क में थे तो दुकान कैसे खुली मिलती।

नोटिस में खेल चिकित्सा विभाग और प्रसव केंद्र संचालक का मेल

फिर क्या हुआ प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने नर्स के व्हाट्सएप पर नोटिस भेज दिया और जो नोटिस में लिखा वह चौका देने वाला है प्रभारी ने नोटिस में लिखा कि आप 22 मई को दिन में 12:00 अवैध रूप से क्लीनिक पर रोगियों की चिकित्सा उपचार करते पाए गए सवाल उठता है जब क्लीनिक ही नहीं मिली तो कहां चिकित्सा करते पाए गए आपका क्लीनिक पंजीकृत नहीं है दूसरी तरफ प्रसव केंद्र का संचालन और महिला की गर्भपात के दौरान हुई मौत का नोटिस में कोई जिक्र नहीं किया गया और स्वास्थ्य विभाग में नोटिस के सहारे अवैध रूप से संचालित प्रसव केंद्र को अभयदान दे दिया जो दर्शाता है कि स्वास्थ्य विभाग की मिली भगत के चलते ही इस तरह के तमाम प्रसव केंद्र और बग़ैर रजिस्ट्रेशन के अस्पताल चल रहे हैं जिन्हें घटना घटित होने के बाद इसी तरह अभयदान मिल जाता है और ऐसी घटनाओं को लगातार बढ़ावा मिल रहा है ऐसे अवैध रूप से संचालित प्रसव केंद्र ही भ्रूण हत्या को अंजाम देते हैं , और चुप-छुपाते अल्ट्रासाउंड करा कर लिंग परीक्षण कराने वाले ऐसे प्रसव केंद्रों पर भ्रूण हत्या को अंजाम देते हैं जिसकी भनक तक स्वास्थ्य विभाग को नहीं लगती

बांदा में बाल श्रम के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान

बांदा। पुलिस अधीक्षक श्री पलास बंसल के निर्देशन में बाल श्रम के विरुद्ध एक सघन अभियान चलाया गया। इस अभियान को एंटी ह्यूमेन ट्रैफिकिंग यूनिट, श्रम विभाग एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम ने मिलकर अंजाम दिया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे रेलवे स्टेशन, पीली कोठी, बाबूलाल चौराहा, अतर्रा चुंगी एवं मेडिकल कॉलेज के आसपास की दुकानों, होटलों और मेडिकल स्टोर्स की गहन जांच की गई। जांच के दौरान तीन नाबालिग बच्चों को गैर-खतरनाक श्रेणी के कार्य करते हुए पाया गया। संबंधित प्रतिष्ठानों के मालिकों को श्रम विभाग द्वारा नोटिस/चालान जारी किया गया। टीम ने मौके पर उपस्थित अन्य दुकानदारों को भी बालश्रम न कराने के प्रति जागरूक किया और चेतावनी दी कि भविष्य में यदि कोई बाल श्रम कराते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में श्रम अधिकारी श्री सुनील कुमार शुक्ला, थाना AHTU से आरक्षी प्रशांत यादव तथा चाइल्ड हेल्पलाइन से शिव संपत यादव सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है।

शाहजहांपुर की नुमाइश स्वास्थ्य विभाग के लिए बन सकती है गले की हड्डी

- बाहर से भी आ रहे लोग
- यूपी में कोरोना की दस्तक, गाजियाबाद में 4 संक्रमित मिले

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। जनपद में खिरनी बाग रामलीला मैदान और फैक्ट्री स्टेट में चल रही नुमाइश स्वास्थ्य विभाग के लिए गले की हड्डी बन सकती है , जहां जनपद ही नहीं प्रदेश से बाहर के लोग भी नुमाइश देखने आ रहे हैं जहां शाम को अच्छी खासी भीड़ जुटती है इस पर स्वास्थ्य विभाग को ध्यान देने की जरूरत है प्रशासन ने भले ही धारा 163 लागू होने के बावजूद नुमाइश लगाने की परमिशन दे दी हो लेकिन अब उत्तर प्रदेश में कोविड की बढ़ती संख्याओं को देखते हुए इस पर लगाम लगाने की आवश्यकता है अन्यथा प्रदेश से बाहर से आने वाले लोग और शाम को नुमाइश में बढ़ती भीड़ शाहजहांपुर के लिए आफत खड़ी कर सकती है सरकार ने सचेत रहने की चेतावनी दी है तो प्रशासन को भी कड़े कदम उठाने चाहिए यूपी में कोविड (कोरोनावायरस) की एंट्री हो गई है। शुक्रवार को गाजियाबाद में चार पॉजिटिव पेशेंट मिले हैं। इसमें एक मरीज का प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, जबकि तीन अन्य मरीजों को घर में आइसोलेट कर दिया गया है। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने कहा- कोरोना पॉजिटिव पेशेंट में 71 वर्षीय बुजुर्ग, उनकी 64 वर्षीय पत्नी, एक 18 वर्षीय युवती और एक 37 वर्षीय महिला शामिल हैं। कोरोना के JN1 वैरिएंट की वजह से संक्रमण सामने आने के बाद यूपी में पहली बार चार केस सामने आए हैं। पूरे भारत में कुल 261 पॉजिटिव केस मिले हैं।

वहीं कोरोना बारिश के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी शाहजहांपुर विवेक मिश्रा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि अभी तक सरकार ने कोई ऐसी गाइडलाइन जारी नहीं की है फिर भी अगर कोई ऐसी स्थिति सामने आती है तो पूरी तैयारी कर ली गई है वेंटीलेटर सहित सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

गन्ने की निराई कर रहे किसान पर बाघ ने किया हमला

शाहजहांपुर। जनपद में खेत पर गन्ने की निराई कर रहे किसान पर बाघ ने हमला कर दिया। बाघ किसान को खींचकर ले जाने लगा, तो चीखपुकार सुनकर आसपास काम कर रहे ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर पहुंच गए। उन्होने शोर मचा कर डंडे फेंककर बाघ के चंगुल से किसान को छुड़ाया। उसके बाद घायल किसान को सीएचसी लेकर गए। जहां से उसको राजकीय मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। दरअसल घटना थाना खुटार क्षेत्र के छापाबोझी गांव की है जहां के रहने वाले लाल मोहम्मद खेत पर गन्ने की निराई का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक दूसरे खेत से आए बाघ ने उनके उपर हमला कर दिया। बाघ किसान को खींचकर ले जाने लगा तभी चीखपुकार सुनकर आसपास काम करने वाले ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर लाठी-डंडे फेंककर जैसे-तैसे घायल किसान को छुड़ाया और फिर उसको सीएचसी भेजा गया। हालत गंभीर होने पर लाल मोहम्मद को राजकीय मेडिकल कालेज भेजा गया। जहां उसका इलाज किया जा रहा है, लाल मोहम्मद ने बताया कि बाघ इससे पहले भी कई जानवरों को अपना निवाला बन चुका है।

पूर्व विधायक लंभुआ देव मणि द्विवेदी पहुंचे पी जी आई हॉस्पिटल

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। एक रोड एक्सीडेंट में सुल्तानपुर गोलाघाट (निकट अमर उजाला ऑफिस) के अधिवक्ता नवीन शुक्ला का निधन हो गया था। उनके पुत्र की भी स्थिति एक्सीडेंट से बहुत नाजुक हो गई थी,जिससे सुल्तानपुर से बच्चे को लखनऊ रेफर कर दिया गया था।बुधवार की शाम पूर्व विधायक लंभुआ देव मणि द्विवेदी जी बच्चे का हाल चाल लेने लखनऊ पी जी आई हॉस्पिटल पहुंचे और परिजन से हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों की टीम से बच्चे की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त की और उन्हें अच्छे ढंग से इलाज करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि बच्चे के इलाज में धनाभाव नहीं होने पाएगा। पूर्व विधायक के करीबी गौरव शुक्ला ने बताया कि जानकारी प्राप्त होते ही पूर्व विधायक हॉस्पिटल पहुंचे और परिजन से मिले। परिजन को हर संभव मदद का वादा किया और मेडिकल टीम को अच्छे से अच्छा इलाज करने के लिए निर्देशित किया। गौरव शुक्ला ने आगे बताया कि 24 मई शनिवार को पूर्व विधायक लंभुआ देव मणि द्विवेदी मृतक अधिवक्ता नवीन शुक्ला के आवास पर पहुंचेंगे और परिजन से मुलाकात करेंगे।

थाना समाधान दिवस का जायजा लेने थाना रानीपुर व हुजूरपुर पहुंचे डीएम व एसपी

- जन समस्याओं की सुनवाई करते हुए गुणवत्तापरक निस्तारण के दिये निर्देश

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को आयोजित होने वाले थाना समाधान दिवसों में जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह द्वारा थाना रानीपुर व हुजूरपुर पहुंचकर कर मौजूद फरियादियों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण कराए जाने के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस में जन समस्याओं की सुनवाई करते हुए डीएम ने निर्देश दिया कि बेनामी ज़मीन, चकमार्ग की पटाई, पैमाईश कराने, आबादी की ज़मीन में निर्माण सम्बन्धी विवाद, रास्ते तथा भूमि से सम्बन्धित अन्य प्रकार के विवादों से सम्बन्धित प्रार्थना-पत्रों में राजस्व व पुलिस की टीम मौके पर जाकर तत्काल कार्यवाही करें। डीएम ने अपने अंश से अधिक भूमि का बैनामा करने सम्बन्धी शिकायत पर सुनवाई करते हुए अपने अंश से अधिक भूमि का बैनामा किये जाने के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर नियमानुसार कार्यवाही करने तथा पीड़ित पक्ष को पैसा वापस दिलाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने तहसीलदार व लेखपालों को निर्देश दिया कि गांवों में जाकर अंश निर्धारण से सम्बन्णित प्रकरणों का निस्तारण करायें। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त होने वाली शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए लोगों के बीच मौके पर जाकर उनके तथ्यों को सुनकर न्यायोचित कार्यवाही करें इससे सम्बन्धित लोग पूरी तरह से संतुष्ट होंगे। डीएम ने निर्देश दिया कि रास्ते के विवाद में 133 सीआरपीसी में दर्ज कर त्वरित निस्तारण किया जाय। डीएम ने पुलिस व राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभिन्न न्यायालयों प्रचलित वादों से सम्बन्धित मामलों में किसी प्रकार का निर्माण न होने पाये, प्रत्येक दशा में यथास्थिति को बहाल रखा जाए। डीएम ने सरकारी ज़मीन से सम्बन्धित एक प्रकरण में तहसीलदार की कोर्ट में लम्बित मुकदमें को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करते हुए निस्तारण करने के निर्देश दिये। थाना रानीपुर में निर्मित तालाब की सराहना करते हुए डीएम ने बेहतर संरक्षण के निर्देश देते हुए कहा कि भूमि की उपलब्धता के अनुसार अन्य थानों पर भी तालाब बनवाया जाय।

जल जीवन मिशन कार्यों में भारी अनियमितता, ठेकेदारों पर आरोप

अवधनामा संवाददाता

बांदा। जनपद के ग्राम पुकारी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत एलएंडटी कंपनी द्वारा कराए जा रहे पाइपलाइन बिछाने के कार्यों में गंभीर लापरवाहियाँ सामने आई हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कार्य मानक रेशियो और गुणवत्ता के अनुसार नहीं किया जा रहा है। पाइपलाइन की आरसीसी संरचना ठीक ढंग से नहीं डाली जा रही है, जिससे भविष्य में जलापूर्ति व्यवस्था पर संकट उत्पन्न हो सकता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग हो रहा है और निर्माण की प्रक्रिया में नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। ग्रामीण लंबे समय से इस अव्यवस्था की शिकायत कर रहे हैं, परंतु अभी तक किसी भी अधिकारी ने मामले में संज्ञान नहीं लिया है।

नाबालिग लड़कियों से करवा रहे मजदूरी- ग्रामीणों द्वारा लगाए गए एक अन्य गंभीर आरोप के अनुसार, कार्य में नाबालिग लड़कियों से मजदूरी कराई जा रही है। यह न केवल बाल श्रम निषेध कानून का उल्लंघन है, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी अत्यंत निंदनीय है।

जिलाधिकारी से जांच की मांग- गांववासियों ने माननीय जिलाधिकारी से अपील की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को विवश होंगे।

जन आक्रोश बढ़ रहा है- लगातार हो रही अनदेखी और प्रशासन की निष्क्रियता से लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जल जीवन मिशन जैसी महत्त्वाकांक्षी योजना की गुणवत्ता और उद्देश्य पर इस प्रकार के कार्य सीधे सवाल खड़े कर रहे हैं।

ग्रामीणों की मांग- ग्रामीणों ने सरकार और जिला प्रशासन से मांग की है कि कार्य की गुणवत्ता की जांच कर सही कार्य सुनिश्चित कराया जाए तथा स्थानीय नागरिकों को संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए।

मानवता की सेवा में दो लोगों ने किया देहदान

- प्राचार्य डॉ सलिल श्रीवास्तव ने की देह दान करने की अपील
- मरणोपरांत सेवा का सच्चा तरीका है देह दान: डॉ.वंदना

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग में आज एक अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक क्षण देखा गया, जब दो व्यक्तियों द्वारा अपने देह के दान का घोषणा पत्र हस्ताक्षर कर अपना देह मरणोपरांत एनाटॉमी विभाग में विद्यार्थियों के अध्यन हेतु दिए जाने की घोषणा की। ये दान चिकित्सा शिक्षा और शोध में अमूल्य योगदान देंगे। दान की परंपरा में अपने महत्वपूर्ण योगदान को दर्ज करवाते हुए सिविल लाइन निवासी 76 वर्षीय श्री राम सुमेर व गायत्री शक्ति पीठ से जुड़े 44 वर्षीय श्री सरजू वानप्रस्थी ने अपने देह का दान स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सुल्तानपुर के शव विभाग को किया । दानकर्ताओं की श्रृंखला में जुड़े दो महत्वपूर्ण नाम समाज के प्रतिष्ठित एवं जिम्मेदार वर्ग से आने वाले वक्त के लिए नैतिकता को सृजित करने व पीढ़ियों को उत्तरदायित्व का बोध करवाने का आह्वान किया। इन दोनों महान आत्माओं ने अपने जीवनकाल में ही यह संकल्प लिया कि मृत्यु के उपरांत उनका शरीर चिकित्सा शिक्षा के लिए दान किया जाएगा। उनके परिवारजनों ने भी इस निर्णय में पूर्ण समर्थन देते हुए इसे साकार करने का विश्वास दिलाया। एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ वंदना दीक्षित ने कहा कि ÷इन दोनों व्यक्तियों का यह त्याग भावी डॉक्टरों की शिक्षा में एक अनमोल साधन सिद्ध होगा। यह समाज को यह संदेश देता है कि मृत्यु के बाद भी सेवा संभव है। हम उनके इस महान योगदान को नमन करते हैं। सर्व विदित है कि देह दान की घोषणा किये व्यक्तियों के शरीरों को मरणोपरांत विभाग में संरक्षित किया जाता हौ और उनका उपयोग मेडिकल छात्रों की एनाटॉमी शिक्षा व अनुसंधान के लिए किया जाता है, ताकि आने वाले चिकित्सकों को बेहतर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सके। प्राचार्य डॉ सलिल श्रीवास्तव ने भी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे भी इस पुनीत कार्य के विषय में विचार करें और समाज के हित में ऐसी पहल को आगे बढ़ाएं। कार्यक्रम के दौरान विभाग के सहायक आचार्य डॉ अंशुमान सिंह , डॉ सुरेंद्र यादव व चिकित्सक डॉ शिवांगी सिंह , डॉ ध्रुवंकित डॉ कुनाल झा आदि चिकित्सक व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

हत्या अभियुक्त गिरफ्त में

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में थाना उत्तर पुलिस टीम द्वारा 23-05-2025 को भरतनगर देशी शराब के ठेके के पास से एक हत्या अभियुक्त को आलाकत्ल सहित 24 घंटे के अन्दर गिरफ्तार किया। थाना उत्तर क्षेत्रान्तर्गत भरतनगर देशी शराब के ठेके के पास हुई कहासुनी में एक व्यक्ति संजय उर्फ संतू यादव की चाकू से हत्या कर दी गयी थी। उच्चाधिकारियों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। मामले में वादी राजेन्द्र सिंह पुत्र अर्जुन सिंह निवासी ग्राम ककरऊ थाना उत्तर जनपद फिरोजाबाद की तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 317/2025 धारा 103(1) बीएनएस पंजीकृत करते हुए उक्त अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु व घटना का सफल अनावरण करने हेतु दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा ठोस पतारसी सुरागरसी के आधार पर थाना उत्तर पुलिस टीम द्वारा हत्या करने वाले अभियुक्त रामलखन पुत्र कुंवर बहादुर निवासी झलकारी नगर गली नं0.04 थाना उत्तर जनपद फिरोजाबाद को दखल चौराहे नाले के पास से 24.05.2025 को सुबह समय 09.45 बजे गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से एक अदद छुरा (आला कत्ल) बरामद हुआ। अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजुल पाण्डेय थाना उत्तर, उ0नि0 सुनील कुमार चौकी प्रभारी आगरा गेट, उ0नि0 अनुज कुमार तिवारी चौकी प्रभारी ककरऊ कोठी, उ0नि0 विधान चन्द्र चौकी प्रभारी विभव नगर, उ0नि0 रितिक शर्मा, है0का0 409 राकेश कुमार, का0 1508 दीपक वर्मा, का0 363 देवेन्द्र सिंह, का0 840 प्रेम सिंह थाना उत्तर जनपद फिरोजाबाद सम्मिलित रहे।

गनपत सहाय महाविद्यालय में कुलपति का औचक निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में डॉ.राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षा के द्वितीय पाली (प्रातः 10 से 12) में विश्व विद्यालय के कुलपति ने औचक निरीक्षण किया। बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, एम.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर और एम.कॉम. द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा दे रहे लगभग 500 छात्र/छात्राओं का डॉ.राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के माननीय कुलपति प्रो.विजेन्द्र सिंह ने विश्वविद्यालय के उड़का दल के साथ औचक निरीक्षण किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अंग्रेज सिंह ÷राणा÷ तथा महाविद्यालय द्वारा बनाये गये आंतरिक उड़ाका दल के सदस्य भी साथ रहे। कक्ष निरीक्षण के दौरान सारी व्यवस्था चाक-चौबंद मिली इसके बाद कुलपति ने अपनी टीम के साथ कंट्रोल रूम, प्रश्नपत्रों और उत्तर पुस्तिकाओं के नोडल कक्ष का निरीक्षण किया जहां की व्यवस्था और प्रश्नपत्रों और उत्तरपुस्तिकाओं के रख-रखाव की व्यवस्था को देखकर महाविद्यालय की प्रशंसा की। निरीक्षण के दौरान माननीय कुलपति महोदय ने कहा कि किसी अनुदानित महाविद्यालय में जो व्यवस्था और शैक्षणिक वातावरण होना चाहिए, गनपत सहाय महाविद्यालय उस पर पूरी तरह से खरा उतरा है और वहीं महाविद्यालय परिसर की खूबसूरती व हरी-भरी क्यारियों, छात्र/छात्राओं के लिए उत्तम पेयजल की व्यवस्था को देखकर महाविद्यालय के प्रबंधक के कार्यों की सराहना की और साथ ही महाविद्यालय में नक़लविहीन सुचितापूर्ण परीक्षा तथा प्रश्नपत्रों व कापियों की रख रखाव के लिए प्राचार्य की सराहना करते हुए बधाई दी। इस मौक़े पर प्रो.मो शाहिद, प्रो.शक्ति सिंह, प्रो.नीलाम तिवारी, प्रो.गीता त्रिपाठी, प्रो.मनोज मिश्रा, डॉ.संध्या श्रीवास्तव, डॉ अजय कुमार मिश्रा, डॉ.आशीष द्विवेदी, डॉ.विष्णु शंकर अग्रहरि, डॉ.कुंवर दिनकर प्रताप सिंह इत्यादि प्राध्यापक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

नोडल अधिकारी ने किया चिकित्सालय का निरीक्षण

फिरोजाबाद। नोडल अधिकारी, नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश शासन अरुण प्रकाश ने 200 शैय्या महिला स्वशासी राज्य चिकित्सालय का निरीक्षण किया, यह चिकित्सालय 193.23 करोड़ की लागत से निर्मित किया गया है, यहां पर 110 कर्मचारियों के सापेक्ष 50 नियमित और 22 संविदा कुल 72 कर्मचारी कार्यरत हैं, यह चिकित्सालय 24, दिसंबर, 2024 को राजकीय निर्माण निगम कार्यदयी संस्था द्वारा हस्तांतरित किया गया है, उन्हें अवगत कराया गया कि यहां पर सेंट्रल ऑक्सीजन पाइपलाइन का अभाव है, जिससे मरीजों को असुविधा हो रही है, नोडल अधिकारी ने बताया कि शासन को अवगत कराकर इस सुविधा से भी इस अस्पताल को युक्त किया जाएगा, जिससे आमजन को परेशानियों को सामना न करना पड़े।

सरदार करतार सिंह सराभा की जयंती मनाई

अवधनामा संवाददाता

टूंडला। क्रान्तिकारी संगठन आप और हम राष्ट्रीय भ्रष्टाचार अपराध मुक्ति संगठन द्वारा संचालित गुरु नानक रसोई पर देश की आजादी के महान भारत मां के सच्चे वीर सपूत सरदार करतार सिंह सराभा की जयंती पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सामाजिक कार्यकर्ता बी एस बेदी के नेतृत्व आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित डॉ अनिल वार्ष्णेय और समाजसेवी वीर सुरेन्द्र पाल सिंह यादव , उदयवीर सिंह पुनिया एवं संगठन के पदाधिकारी समाजसेवियों ने पुष्प अर्पित कर नमन किया और मीठे शरबत का वितरण किया,संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी एस बेदी ने कहा सरदार करतार सिंह सराभा का जन्म पंजाब के जिला लुधियाना के सराभा गांव में हुआ इनकी प्रारंभिक शिक्षा लुधियाना और गांव में हुई इनके पिता का देहांत हो गया था इनकी परवरिस माता और दादा ने की थी 15 वर्ष की उम्र में गदर पार्टी के सक्रिय सदस्य बन गए थे दिल में एक ही सपना सजाए रखा ब्रिटिश राज्य का अंत और देश की आजादी, सरदार भगत सिंह इनको अपना आदर्श गुरु मानते थे। ब्रिटिश सरकार ने लाहौर षडयंत्र केस में 16 नवंबर 1915 को फांसी दे कर शहीद कर दिया था उस वक्त इनकी उम्र मात्र 19 वर्ष थी,देश का दुर्भाग्य है आजाद भारत की सरकारों ने वीरों को आज तक भारत रत्न और शहीद का दर्जा नहीं दिया आज शहीद की जयंती पर हम सरकार से आजादी के वीरों को भारत रत्न और शहीद का दर्जा जल्द देने की मांग करते हैं। कार्यक्रम के अतिथि डॉ अनिल वार्ष्णेय ने कहा सरदार करतार सिंह सराभा एक ऐसे क्रांतिकारी जो देश वासियों को गुलामी से मुक्त कराने के लिए 19 वर्ष की आयु में अपने को बलिदान कर दिया। कार्यक्रम में बी एस बेदी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनिल वार्ष्णेय वरिष्ठ समाजसेवी वीर सुरेन्द्र पाल सिंह यादव , समाजसेवी उदय वीर सिंह पौनिया,दीपक सलूजा पश्चिमी प्रदेश प्रभारी सूबेदार उदयवीर सिंह समाजसेवी मनीष यादव,वीरेंद्र कुमार जिला संरक्षक सरदार इंदर पाल सिंह सरदार मनमंदिर सिंह, ठाकुर भजन सिंह ,राजकुमार ,नेकराम आदि लोग मौजूद रहे।

गौशाला में व्यापक मात्रा में वृक्षारोपण करें

फिरोजाबाद। नामित नोडल अधिकारी विशेष सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन अरूण प्रकाश ने आज जलेसर रोड स्थित कान्हा गौशाला और सांती गौशाला का निरीक्षण किया, कान्हा गौशाला का निरीक्षण करते हुए उन्हे अवगत कराया कि इसका संचालन नगर निगम फिरोजाबाद द्वारा किया जा रहा है, यहां पर कुल 286 गौवंश संरक्षित पाए गए, जिसमें 6 नर व 280 मादा है, कान्हा गौशाला की कुल क्षमता 300 गौवंशों की है, निरीक्षण के दौरान भूसा, हरा चारा व दाना उपलब्ध पाए गए, गौ आश्रय स्थल पर गौवंशों को गर्मी व लू से बचाव हेतु पर्दे कूलर व पंखा लगे हुए पाए गए, सीसीटीवी कैमरों से गौवंशों की निगरानी भी की जा रही है, नोडल अधिकारी द्वारा गौ आश्रय स्थल पर गौवंशों को चना व गुड भी खिलाया गया। इसके बाद नोडल अधिकारी सांती गौशाला भी गए जहां उन्हे बताया गया कि यह गौशाला 350 गायों की क्षमता से युक्त है, परंतु वर्तमान में 128 गायें है, जिसमें 109 मादा व 19 नर है।

थाना समाधान दिवस में शिकायतों का किया मौके पर निस्तारण

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी रमेश रंजन व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित की उपस्थिति में थाना नसीरपुर में जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया, इस अवसर पर जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आए हुए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के आदेश दिए, उन्होंने उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद को निर्देशित किया कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त रूप से टीम बनाकर मौके पर भेज कर प्रकरणों को गुणवत्ता के साथ निस्तारण कराये, उन्होंने कहा कि थाने पर आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लें और उनका त्वरित समाधान कराये, उन्होंने यह भी निर्देश दिए की जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय स्तर पर ही निस्तारित करें। थाना दिवस के दौरान शिकायतकर्ता बृज किशोर पुत्र जगदीश ने अवैध रूप से कब्जा किए चकमार्ग को खाली कराने के लिए बताया जिस पर जिलाधिकारी ने गम्भीरता से उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद व एस एच ओ को संयुक्त रूप से मौके पर जाकर जांच कर कार्यवाही करने के आदेश दिए। इसी तरह शिकायतकर्ता विजेन्द्र सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह ने खाद के गढढे मौजा हरिहा प् अवैध कब्जे का बताया जिस पर जिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक को निर्देश दिए कि संयुक्त रूप से मौके पर जाकर जांच कर कार्यवाही करने के आदेश दिए, इस दौरान उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद, पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी सहित तहसील कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

बैठक में बाल संरक्षण योजनाओं की दी गई जानकारी

अवधनामा ब्यूरो

इटावा, उदी। मिशन वात्सल्य के अंतर्गत ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक ब्लॉक सभागार में संपन्न हुई जिसमें बाल संरक्षण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। खंड विकास अधिकारी बृज बिहारी त्रिपाठी ने कहा कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना व स्पॉन्सरशिप के पात्र बच्चों को शीघ्र चिन्हित कर उनके आवेदन करवाएं। बाल विवाह रोके जाने के लिए सभी को शपथ भी दिलाई। जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देश पर पहुंचे बाल संरक्षण अधिकारी सोहन गुप्ता ने मिशन वात्सल्य के अंतर्गत गठित ग्राम बाल संरक्षण समितियों को सक्रिय करने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 01 मार्च 2020 से अब तक पिता को खो देने वाले बच्चों के संरक्षण के लिए सरकार मदद कर रही है कोई भी पात्र बच्चा योजना के लाभ से वंचित न रह जाए। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के अंतर्गत ऐसे बच्चों को ढाई हजार रुपए महीना तथा अनाथ बच्चों को स्पॉन्सरशिप के अंतर्गत चार हजार महीने की आर्थिक मदद प्रदान की जा रही है। बाल सरंक्षण विशेषज्ञ प्रेम कुमार शाक्य ने कहा कि समस्याग्रस्त व पीड़ित बच्चों के अलावा बाल विवाह संबंधित सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर शीघ्र दें ताकि बच्चों को त्वरित संरक्षण प्रदान किया जा सके। उन्होंने बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों के दायित्व, न्याय पीठ बाल कल्याण समिति व किशोर न्याय बोर्ड की कार्यप्रणाली और निःसंतान दंपतियों के लिए दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया समझाई। सीडीपीओ शोभा रानी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से कहा कि वे उक्त बाल संरक्षण योजनाओं में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। शिक्षा विभाग से धर्मेंद्र कुमार, स्वास्थ्य विभाग से अभिषेक अवस्थी, आंकड़ा विश्लेषक उमर मुर्तजा, उपनिरीक्षक सर्वेश कुमार, सीडीपीओ कार्यालय से शशांक के अलावा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

विकास खण्ड कार्यालय से निकाली गई तिरंगा यात्रा

राठ (हमीरपुर)। बीते दिन ब्लाक प्रमुख के नेत्रत्व में विकास खण्ड कार्यालय से अम्बेडकर चौराहा होते हुये शहीद पार्क तक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें जनप्रतिनिधियों सहित भारी संख्या में भाजपाइयों ने सहभागिता की। तिरंगा यात्रा का नेत्रत्व कर रही राठ ब्लाक प्रमुख रामदुलारी अनुरागी ने बताया कि आतंकियों द्वारा पहलगाम हमले में उजाड़े गये भारतीय महिलाओं के सिंदूर का बदला भारतीय सेना द्वारा लिया गया। जिसमें सेना ने आपरेशन सिंदूर चलाकर कई आतंकियों को मारने के साथ साथ उनके ठिकानों को बर्बाद कर दिया। जिसपर भारतीय सैनिकों के पराक्रम व साहस की हौशला अफजाई के लिये तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। जो विकास खण्ड कार्यालय से अम्बेडकर चौराहा, बजरिया होते हुये शहीद पार्क में जाकर समाप्त हुई। जिसमें विधायक मनीषा अनुरागी, जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास बुधौलिया, पूर्व विधायक डा0 अंबेश कुमारी, विधायक प्रतिनिधि भरत अनुरागी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला, ग्राम प्रधान रामकुमार माते, राजेंद्र सिंह, संतोष सिंह, ज्ञानसिंह, दीपू मुंशी, मुकेश गुप्ता, महेंद्र गाँधी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

राठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अवैध वसूली का आरोप

जन्म प्रमाण पत्र के लिए 150 रुपये की रिश्वत का वीडियो वायरल

अवधनामा संवाददाता

राठ (हमीरपुर) हमीरपुर जिले के राठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (छ्राष्ट) में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कर्मचारी खुलेआम 150 रुपये की अवैध वसूली कर रहे हैं। इस संबंध में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।हालांकि अवधनामा इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। इसके अलावा, प्रसव के नाम पर मरीजों और उनके परिजनों से हजारों रुपये की मांग के भी आरोप लगे हैं।

वायरल वीडियो और आरोप

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दावा किया गया है कि राठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 150 रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं। वीडियो के वायरल होने से स्थानीय लोगों में आक्रोश है, और यह स्वास्थ्य केंद्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करता है। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षित प्रसव के नाम पर 1,000 से 2,000 रुपये तक की अवैध वसूली की शिकायतें भी सामने आई हैं। यह स्थिति जिले के स्वास्थ्य विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी को दर्शाती है।

सीएमओ पर सवालयह मामला

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. गीतम सिंह पर पहले से लगे धांधली के आरोपों को और पुख्ता करता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि राठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केवल रेफरल सेंटर बनकर रह गया है, जहां बुनियादी सुविधाओं के अभाव में मरीजों को निजी अस्पतालों की ओर रुख करना पड़ता है। इसके बावजूद, कर्मचारी छोटी-छोटी सेवाओं के लिए रिश्वत मांगने से नहीं हिचकते। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहले भी विवादों में रहा है। 6 जुलाई 2023 को सीएमओ डॉ. गीतम सिंह ने केंद्र का औचक निरीक्षण किया था, जिसमें अनियमितताएं और गंदगी पाई गई थी। अधीक्षक डॉ. अखिलेश कुमार को साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन ताजा आरोपों से स्पष्ट है कि कोई ठोस सुधार नहीं हुआ।

अन्य क्षेत्रों में समान शिकायतें

यह मामला अकेला नहीं है। 27 अगस्त 2024 को सरीला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी प्रसव के नाम पर 2,000 रुपये की अवैध वसूली का वीडियो वायरल हुआ था। अतरौली धगवां गांव के धूराम ने स्टाफ नर्स पर अभद्र व्यवहार और रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। सीएमओ ने तब जांच और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन कार्रवाई की प्रगति स्पष्ट नहीं है। जनता में आक्रो शस्थानीय लोगों का कहना है कि राठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अवैध वसूली और भ्रष्टाचार आम हो गया है। गरीब मरीजों को मजबूरी में रिश्वत देनी पड़ती है, और विरोध करने पर अभद्र व्यवहार का सामना करना पड़ता है। यह मामला स्वास्थ्य सेवाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार और प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है।सीएमओ का रुखवायरल वीडियो के संबंध में सीएमओ डॉ. गीतम सिंह ने मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि, पूर्व में दिए गए ऐसे आश्वासनों पर अमल न होने से जनता में विश्वास की कमी है।

राठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जन्म प्रमाण पत्र और प्रसव के नाम पर कथित अवैध वसूली ने हमीरपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार को उजागर किया है। जनता मांग कर रही है कि दोषी कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई हो और स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। यदि प्रशासन इस मामले में ठोस कदम नहीं उठाता, तो यह स्वास्थ्य सेवाओं पर जनता के भरोसे को और कमजोर करेगा।

मानवाधिकार सहायता संघ अंतर्राष्ट्रीय द्वारा संचालित नि:शुल्क प्याऊ

कार्यक्रम संयोजक रहे तहसील अध्यक्ष अतीक खान

अवधनामा संवाददाता

राठ हमीरपुर। मानवाधिकार सहायता संघ अंतरराष्ट्रीय द्वारा संचालित निशुल्क प्याऊ की व्यवस्था कराई गई अंबेडकर चौराहा निखार ब्यूटी पार्लर के सामने परमानेंट के लिए निशुल्क प्याऊ व्यवस्था कराई गई पहले दिन गर्मी को देखते हुए शरबत वितरण किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने शरबत पिया और गर्मी से राहत भरी सांस ली इस पूरे कार्यक्रम के संयोजक रहे तहसील अध्यक्ष अतीक खान और सहयोगी तौफीक मंसूरी रहे जब इस विषय में अतीक खान से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मानवाधिकार सहायता संघ अंतरराष्ट्रीय के हमीरपुर जिला अध्यक्ष गफूरुद्दीन द्वारा सभी तहसीलों में प्याऊ की व्यवस्था के लिए निर्देश दिया गया था जिसमें सबसे पहले राठ तहसील में इस कार्यक्रम को सफल बनाया गया और सभी से अपील की है कि सभी लोग मिट्टी के बर्तनों में अपने-अपने मकान की छत में थोड़ी सी छाया करके उसमें पानी भरकर रख दें जिससे कि पक्षी पानी पी सके और जो भी व्यक्ति घर से बाहर निकले तो वह तौलिया और जूते पहनकर निकले जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकले पूरन सिंह रघुवीर प्रसाद दीपेंद्र राजपूत अनवर खान रानी दीदी समा योगेंद्र व बबलू हलीम और भी काफी तादाद में लोग मौजूद रहे।

समर कैंप में उच्च प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालय के बच्चें ले रहे लुत्फ

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार सिंह एवं खंड शिक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार सिंह के निर्देशन पर विकासखंड ताखा के पी0एम0 श्री विद्यालय समथर, पटियायत, उच्च प्राथमिक विद्यालय सोरों, तमोरी, ताखा, नगला ढकाऊ, अमथरी, चमरौआ, पूरनपुरा, खिरिया, रुद्रपुर, रमपुरा कुदरेल, भडरपुरा, कुदरैल में समर कैंप की शानदार शुरुआत योग, प्राणायाम और खेल गतिविधियों के साथ हुई। पी एम श्री विद्यालय समथर के बच्चे विभिन्न प्रकार की खेलकूद गतिविधियों का भरपूर आनंद उठा रहे हैं। बच्चों ने विद्यालय में खो-खो, कबड्डी, क्रिकेट, कैरम, लूडो के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास जैसी अलग-अलग मजेदार एक्टिविटीज में प्रतिभाग किया। उच्च प्राथमिक

विद्यालय सोरों में बच्चों को हस्त शिल्प कला-मिट्टी से पारंपरिक वस्तुएं बनाना का आयोजन किया गया, पार्क या ग्राम स्वच्छता अभियान पर विस्तृत चर्चा की गई तथा मैं समाज के लिए क्या कर सकता/ सकती हूं÷पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। समर कैंप के आयोजन के अवसर पर ब्लॉक स्काउट मास्टर अवनीश दुबे ने कहा कि इस प्रकार के समर कैंप के आयोजन से बच्चों में एकता और सहयोग की भावना विकसित होती है जिससे बच्चे शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हैं साथ ही उनके अंदर छुपी हुई खेल प्रतिभा निखरती है। संकुल शिक्षक अमित सिंह ने सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि विद्यालय के इस विशेष समर कैंप में अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा प्रतिभाग कराए और खेलकूद की गतिविधियों से बच्चों के स्वास्थ्य आत्मविश्वास को बेहतर बनाएं। इस अवसर पर शिक्षा मित्र नीलम यादव, विजय बहादुर, अमर सिंह, नीरज यादव मिथिला देवी, शोभाराम, सतीश, रेनू, बीना, राधेश्याम द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बीमार पत्नी के इलाज में रास्ता बाधा, पति ने लगाई प्रशासन से गुहार

सुमेरपुर (हमीरपुर) थाना सुमेरपुर में आयोजित समाधान दिवस में इमलिया थोक निवासी रामप्रकाश पाण्डेय ने मकान तक पहुंचने वाले दोनों रास्ते बंद होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं और उनका इलाज कानपुर में चल रहा है। लेकिन मकान के पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण दिशा के रास्तों को आसपास के किसानों ने तारबंदी और खंभे गाड़कर बंद कर दिया है। इससे वाहन घर तक नहीं पहुंच पा रहा, जिसके कारण पत्नी को समय पर अस्पताल ले जाना मुश्किल हो गया है।रामप्रकाश ने प्रार्थना पत्र में चेतावनी दी कि यदि समय पर चिकित्सा न मिलने से उनकी पत्नी की मृत्यु होती है, तो इसके लिए शासन और प्रशासन जिम्मेदार होगा। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर रास्ता खुलवाने की मांग की, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

संक्षिप्त समाचार

एस एस पी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर सुनी फरियादियों की समस्याएं

इटावा,अवधनामा ब्यूरो। माह के चतुर्थ शनिवार के दृष्टिगत सम्पूर्ण समाधान दिवस(थाना दिवस) के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने थाना जसवन्तनगर पर जन शिकायतों को सुना तथा थाना दिवस के अवसर पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण के लिए सम्बंधित को निर्देशित किया। उक्त कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस के अन्य अधि0 /कर्म0गण उपस्थित रहे।

मनोज चौधरी बने जिला मंत्री

इटावा,अवधनामा ब्यूरो। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला इकाई का विस्तार करते हुए जिला अध्यक्ष संतोष सिंह चौहान ने मनोज चौधरी को जिला मंत्री नियुक्त किया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की जिला इकाई की एक अति आवश्यक बैठक की जिसमें जिला अध्यक्ष संतोष सिंह चौहान ने मनोज चौधरी को जिला मंत्री बनाया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संतोष सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में कुछ पुलिसकर्मी जानबूझकर व्यापारियों का उत्पीड़न करने में जुटे हैं जिसका लिखित रूप से संज्ञान प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंचन के माध्यम से प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी को दिया जाएगा जिससे छिबरामऊ जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। बैठक में प्रमुख रूप से शहर अध्यक्ष ओम रतन कश्यप युवा जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता महिला जिला अध्यक्ष सुनीता कुशवाहा जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मेंद्र भदोरिया शहर महामंत्री विवेक गुप्ता जिला उपाध्यक्ष राजीव पाल अभिषेक दिक्षित प्रदीप कनौजिया हैदर कुरैशी राहुल चौहान रेडीमेड संगठन के अध्यक्ष विनोद जैन शहर उपाध्यक्ष अनू गुप्ता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रोस्टर के अनुसार हो रही है नाले व नालियों की सफाई

बहराइच। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बहराइच ने बताया कि बरसात के दृष्टिगत नगर क्षेत्र के अन्तर्गत सभी 41 बड़े नाला व मझोले नालों की प्रतिदिन नियमानुसार रोस्टर के अनुसार सफाई करायी जा रही है। उन्होनें बताया कि मो. घसियारीपुरा व कानूनगोपुरा उत्तरी के छोटे नालों का पानी जो संघारन मन्दिर के सामने बने बड़े नाले में गिरता है उसकी तल्लीझार सफाइ नगर पालिका के सम्बन्धित सफाई नायक, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक की देख-रेख में करायी जा रही है।

संचालित योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को किया जाये लाभान्वित

सोनभद्र। प्रदेश सरकार द्वारा जनपद में संचालित विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने हेतु नामित नोडल अधिकारी जय शंकर दूबे विशेष सचिव वित्त शासन उत्तर प्रदेश लखनऊ व जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) रोहित यादव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वृहद गो संरक्षण केन्द्र चोपन, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत संचालित पटवध ग्राम समूह पेयजल योजन, केवथा ग्राम समूह पेयजल योजना का निरीक्षण किये, सर्व प्रथम नोडल अधिकारी द्वारा वृहद गो संरक्षण केन्द्र चोपन का निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि गोशाला में छोटे पशु व बड़े पशुओं को रखने हेतु बाड़े बनाये जाये, जिससे कि पशु आपस में लड़ने न पायें।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी पर आरटीआई एक्ट उल्लंघन का आरोप

भ्रष्टाचार छिपाने का संदेह

अवधनामा संवाददाता

राठ (हमीरपुर) जिले में सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI Act, 2005) के प्रावधानों का उल्लंघन अब आम बात हो गई है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी कार्यालय पर RTI के तहत मांगी गई सूचनाओं का जवाब न देकर कानून की खुलेआम अवहेलना करने का आरोप लगा है। आरटीआई एक्ट के अनुसार, सूचना 30 दिनों के भीतर प्रदान करना अनिवार्य है, और ऐसा न करने पर जन सूचना अधिकारी (आरटीआई) के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। बावजूद इसके, हमीरपुर के कई विभागों द्वारा जानबूझकर सूचनाएं नहीं दी जातीं या अधूरी/गलत जानकारी देकर कानून का उल्लंघन किया जाता है।औड़ेरा गांव के आरटीआई कार्यकर्ता रामसिंह राजपूत ने बताया कि उन्होंने 15 अप्रैल 2025 को क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जो जन सूचना अधिकारी भी हैं, से पांच बिंदुओं पर सूचना मांगी थी। इनमें राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों के कर्मचारियों, औषधियों, मरीजों की सुविधाओं, और व्यय से संबंधित जानकारी शामिल थी। यह सूचना जनहित में मांगी गई थी, लेकिन निर्धारित 30 दिनों की अवधि बीतने के बाद भी कोई जवाब नहीं दिया गया। रामसिंह ने आरोप लगाया कि विभाग में भ्रष्टाचार की पोल खुलने के डर से सूचना को दबाया जा रहा है। आरटीआई एक्ट, 2005 की धारा 7 (1) स्पष्ट करती है कि जन सूचना अधिकारी को आवेदन प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर सूचना प्रदान

करनी होगी, और यदि सूचना जीवन या स्वतंत्रता से संबंधित हो, तो 48 घंटों में जवाब देना अनिवार्य है। धारा 20 के तहत, सूचना न देने पर PIO के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई, जैसे जुर्माना (अधिकतम 25,000 रुपये तक) या अनुशासनात्मक कार्रवाई, हो सकती है। इसके बावजूद, हमीरपुर में विभागों द्वारा बार-बार आरटीआई कानून का उल्लंघन किया जा रहा है, और उच्च अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न होने से PIOs की मनमानी बढ़ रही है। रामसिंह ने बताया कि जवाब न मिलने पर उन्होंने 16 मई 2025 को मुख्य विकास अधिकारी चंद्रशेखर शुक्ला को पत्र लिखकर जन सूचना अधिकारी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने अपील की कि मांगी गई सूचनाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। आरटीआई एक्ट की धारा 19 (1) के तहत, यदि PIO सूचना नहीं देता, तो आवेदक 30 दिनों के भीतर प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (FAA) के पास अपील कर सकता है। यदि FAA भी जवाब नहीं देता, तो धारा 19(3) के तहत आवेदक उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयोग में दूसरी अपील दायर कर सकता है।

यह मामला जिले में आरटीआई एक्ट के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार छिपाने की प्रवृत्ति को उजागर करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि आरटीआई एक्ट का उद्देश्य पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, लेकिन जब अधिकारी कानून की अवहेलना करते हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा बन जाता है। रामसिंह ने मांग की है कि विभाग के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो ताकि भविष्य में RTI के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित हो।

महारानी अहिल्याबाई होलकर के 300 वीं जयन्ती पर प्रदर्शनी का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। पुण्यश्लोक लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर जी के 300 वीं जयन्ती के अवसर पर उनके प्रेरणादायी किये गये कार्यो के जीवन दर्शन पर एक प्रदर्शनी का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय राबर्ट्सगंज पर सम्पन्न हुआ। जिसका उद्घाटन समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड़ व भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल जी व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड़ ने कहा कि न्यायप्रिय प्रशासक, सामाजिक कुरीतियों से जीवन पर्यंत लड़ने वाली नारी सम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्रतिक महारानी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती के अवसर पर उनके जीवन पर्यंत कार्यो को लेकर प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से आम जनता को रानी अहिल्याबाई होल्कर जी के कार्यो से अवगत होने का अवसर प्राप्त हुआ है। उनके द्वारा समाज कल्याण के लिए किए गए अनेक अनेक कार्यो को छिपाने का प्रयास पूर्ववर्ती सरकारों ने किया किंतु भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश के समस्त महान विभूतियां के कार्यो को नमन करती है व आम जनमानस तक उनके किए कार्यो जीवन वृतांत को बताती है। उनके जीवन का कण कण पल पल मानव कल्याण के लिए लगा 300 वर्ष पूर्व उन्होंने कुआ, तालाब, बावड़ी बनवाई नारी सम्मान के लिए अनेक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष किया न्याय प्रियता की प्रतीक बनी अपने जीवन में 26 वर्षो तक का सुशासन का आदर्श प्रस्तुत किया न्याय के लिए अपने पुत्र को भी मृत्यु दंड दिया देशभर में मंदिरों शिवालियों का निर्माण एवं जीणोद्धार कराया नारी शिक्षा को बढ़ावा दिया बाल विवाह, विधवा विवाह, सती प्रथा जैसी अनेक कुरूतियो के लिए संघर्ष किया महिला पुरुषार्थ के लिए अपनी सेना में महिलाओं की भर्ती कर राष्ट्र की रक्षा में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित किया वास्तव में अहिल्याबाई होल्कर जी दूरदर्शी महिला थी जिनसे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी ने कहा कि अहिल्या बाई होलकर जी का जीवन संघर्षो से भरा रहा. उन्होंने अपने ससुर और फिर 22 साल की उम्र में अपने बेटे मालेराव को खो दिया. बेटे के साथ राज्य का पतन न हो जाए, इसके लिए उन्होंने खुद ही प्रशासन संभालना शुरू कर दिया. हालांकि, चूंकि कोई पुरुष राजा नहीं था, अहिल्याबाई ने महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाया।

एनटीपीसी रिहंद की राख से बनाई जा रही सड़क और ईंट

अवधनामा संवाददाता

4 साल में 80 लाख टन राख से बनी सड़कें 2.5 करोड़ ईंटों का उत्पादन

बीजपुर/सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद ने पर्यावरण संरक्षण और विकास में अहम योगदान दिया है। स्टेशन ने पिछले चार वर्षो में सड़क निर्माण में राख का कुशल उपयोग किया है। रिहंद स्टेशन ने उत्तर प्रदेश झारखंड और छत्तीसगढ़ में सड़क निर्माण परियोजनाओं के लिए 80 लाख मीट्रिक टन राख की आपूर्ति की है। इसमें वाराणसी रिंग रोड भदोही में 4 लेन NH731B प्रयागराज इनर रिंग रोड शामिल हैं। रीवा रांची रोड NH98 गढ़वा हरिहरगंज रोड और वाड्रफनगर बायपास रोड भी इसमें शामिल हैं। एनटीपीसी रिहंद आईएसआई मानक वाली फ्लाई ऐश ईंटें बनाने वाला भारत का पहला पावर स्टेशन है। पिछले चार वर्षो में यहां 2.5 करोड़ ईंटों का उत्पादन हुआ है। स्टेशन ने सीमेंट कंपनियों तक राख पहुंचाने के लिए क्ष्ख्क्षक्वैगन का उपयोग शुरू किया है। इस प्रोजेक्ट में 67 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। अब तक 5.3 लाख मीट्रिक टन राख को BTAP ट्रेन से सीमेंट इकाइयों तक पहुंचाया गया है। रिहंद एनटीपीसी का दूसरा स्टेशन है जो 80 फाइन फ्लाई ऐश से NACA आधारित पेवर ब्लॉक बना रहा है। यह पहल निर्माण उद्योग में राख के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। स्टेशन की ये गतिविधियां न केवल बुनियादी ढांचे के विकास में मदद कर रही हैं बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बना रही हैं।

एनसीएल बीना स्थित अटल चिकित्सालय में बाल हृदय जांच केंद्र का हुआ शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

अब तक सिंगरौली परिक्षेत्र के दस हजार से अधिक नन्हें दिलों की हुई जाँच

नन्हा सा दिल-एनसीएल के तहत चिन्हित बच्चों की उच्च इलाज हेतु चल रही फाइनल स्क्रीनिंग

सोनभद्र/सिंगरौली। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने अपने निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत चलाई जा रही अभिनव पहल ÷नन्हा-सा-दिल-एनसीएल÷ के तहत शनिवार को बीना के अटल चिकित्सालय में 'फाइनल स्क्रीनिंग' हेतु 'बाल हृदय जांच केंद्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) मनीष कुमार, सीएमएस एनसीएल विवेक खरे, महाप्रबंधक सीएसआर राजीव रंजन मुख्यालय व बीना परियोजना से पदाधिकारी , सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के प्रतिनिधिगण तथा अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। इस अवसर पर एनसीएल के निदेशक (कार्मिक) मनीष कुमार ने सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नन्हा-सा-दिल' एनसीएल की एक फ्लैगशिप सीएसआर परियोजना है, जो मानवीय संवेदनाओं से प्रेरित है। एनसीएल इसमें एक अभिप्रेरक की भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर उन्होंने सेवा-भाव से जुड़कर इस पहल को और अधिक प्रभावी बनाने का आवाहन किया। गत 23 मार्च 2025 को शुरू हुई ÷नन्हा-सा-दिल-एनसीएल÷ पहल के तहत स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से सिंगरौली परिक्षेत्र के दूर-दराज गांवों से अब तक दस हजार से अधिक नौनिहालों के हृदय जांच किया जा चुका है जिसका उद्देश्य दिल की बीमारियों से जूंझ रहे बच्चों का निःशुल्क इलाज प्रदान करना है।

प्रारंभिक जांच उपरांत हृदय रोग की संभावना वाले बच्चों के नन्हें दिलों का बीना स्थित बाल हृदय जाँच केंद्र में आधुनिक इको मशीन से और गहराई से परीक्षण किया जा रहा है जिससे जरुरतमंद बच्चों के उचित इलाज हेतु श्री सत्य साई हॉस्पिटल्स के मुंबई और रायपुर स्थित उच्च केंद्रों पर भेजा जा सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का जल्द होगा ऐलान, युवा दलित नेता पर फोकस

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। राजनीतिक लिहाज से बेहद अहम उत्तर प्रदेश में जल्द ही भाजपा अपना नया अध्यक्ष घोषित करने वाली है। इसका एलान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे से लौटने के बाद कभी भी हो सकता है। योगी की चली तो सपा-बसपा और कांग्रेस का जवाब देने के लिए संगठन की कमान उर्जावान और सबसे अधिक पढ़े-लिखे दलित नेता को मिल सकती है। पहलगाम आतंकी हमला और उसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के कारण संगठन चुनाव भी स्थगित कर दिया गया था। प्रदेश में फरवरी, 2027 में विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा इसे ध्यान में रखकर ही प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी तय करने में जुटी है। भाजपा यहां 98 जिला और शहरों के अध्यक्षों में से 70 की नियुक्ति कर चुकी है। पार्टी के संविधान के मुताबिक अब वह प्रदेश अध्यक्ष का चयन कर सकती है। भाजपा और संघ दोनों में दलित अध्यक्ष पर में चल रही चर्चा के बीच कहा जा रहा था कि कोई बड़ा चेहरा नहीं है, ऐसे में ओबीसी वर्ग से आने वाले किसी नेता को ही अध्यक्ष बनाना ठीक रहेगा। हांलाकि भाजपा को पिछड़े वर्ग की राजनीति करने वाले अपना दल (सोनेलाल), सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा), निषाद पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) का साथ है। रालोद के पास जाट, अपना दल (एस) के पास कुर्मी, सुभासपा के पास राजभर, मौर्य और कुशवाहा और निषाद पार्टी के पास निषाद समुदाय के मतदाताओं का समर्थन माना जाता है। ऐसे में दलित अध्यक्ष के लिए एक नया नाम समाज कल्याण मंत्री असीम अरूण का लखनऊ और दिल्ली के शीर्ष नेतृत्व के बीच चर्चा में है। असीम आईपीएस अफसर रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पसंद बने और वे ही उन्हें राजनीति में लाए। योगी के भी चहेते हैं। उनकी दलित वर्ग के युवाओं के बीच खासी लोकप्रियता है। हाल में सपा प्रमुख अखिलेश के खिलाफ उनके तेवरों से वे जहां दलितों के चहेते बने, वहीं सपा-बसपा के लिए किरकिरी बन गए। वैसे दावेदारों में स्वतंत्र देव सिंह, यूपी के मंत्री धर्मपाल सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा, राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद के नाम चर्चा में हैं। इसके अलावा पार्टी कुछ दलित चेहरों में पूर्व सांसद रामशंकर कठेरिया, विनोद सोनकर, नीलम सोनकर और पूर्व एमएलसी विद्यासागर सोनकर के नाम पर भी विचार चल रहा है। ब्राह्मण जाति से राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा और पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के नाम भी चर्चा में हैं।

बेंगलुरु-हैदराबाद के कप्तानों ने तोड़े एक ही नियम, लगा भारी-भरकम जुर्माना

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान अपनी-अपनी टीमों की धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया क्योंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था। पाटीदार पर दूसरी बार अपराध करने वाली आरसीबी की एकादश के सदस्य होने के कारण 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल से जारी बयान के मुताबिक, 'पाटीदार पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है क्योंकि यह यह आईपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के तहत उनकी टीम का इस सत्र में दूसरा अपराध था।'' इसके मुताबिक, ''इम्पैक्ट प्लेयर सहित टीम एकादश में शामिल के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से या तो छह लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया।'

सी.एम.एस. छात्र आदिल इण्डियन फॉरेस्ट सर्विस में चयनित

- अखिल भारतीय स्तर पर अर्जित की 119वीं रैंक

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, चौक कैम्पस के छात्र मोहम्मद आदिल ने इण्डियन फॉरेस्ट सर्विस (आई.एफएस.) में चयनित होकर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित परीक्षा में आदिल ने अखिल भारतीय स्तर पर 119वीं रैंक अर्जित की है। सी.एम.एस. संस्थापिका-निदेशिका व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी ने सी.एम.एस. छात्र की इस अभूतपूर्व सफलता पर बधाई देते हुए उसके अत्यन्त उज्जवल भविष्य की कामना की है। डा. गाँधी ने विद्यालय की प्रधानाचार्या व शिक्षकों का भी हार्दिक आभार व्यक्त किया है, जिनके अथक परिश्रम की बदौलत विद्यालय के छात्र उच्च सफलताएं अर्जित कर रहे हैं। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन एवं सी.एम.एस. चौक कैम्पस की प्रधानाचार्या अदिति शर्मा ने भी मोहम्मद आदिल को शुभकामनायें दी हैं। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि यूपीएससी आईएफएस के परिणाम अभी हाल ही में घोषित किये गये हैं। भारतीय वन सेवा भारत सरकार की प्रतिष्ठित सेवा है, जिसमें देश भर के लाखों छात्र प्रतिवर्ष चयनित होने का सपना देखते हैं, ऐसे में इस अत्यन्त प्रतिस्पर्धी परीक्षा में चयन हेतु अत्यन्त उच्च स्तरीय प्रतिभा, ज्ञान व मेधात्व की आवश्यकता होती है। श्री खन्ना ने बताया कि एक अनौपचारिक वार्ता में आदिल ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं शिक्षकों के अलावा सी.एम.एस. के शान्तिपूर्ण वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. के अपने शिक्षकों सुश्री रूचि, सुश्री शिवानी एवं गुलाटी सर को याद करते हुए आदिल ने कहा कि आज मैं जो कुछ भी ही, सी.एम.एस. की बदौलत ही हूँ। सी.एम.एस. शिक्षक प्रारम्भिक स्तर से ही मजबूत शैक्षणिक नींव रखते हैं। उन्होंने सी.एम.एस. संस्थापक स्वं. डा. जगदीश गाँधी को याद करते हुए कहा कि स्व. डा. गाँधी के सिखाये जीवन मूल्यों ने उनके व्यक्तित्व को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है। सी.एम.एस. छात्रों को प्रेषित अपने संदेश में आदिल ने कहा कि खुद पर भरोसा रखे और समर्पण भाव से अपने लक्ष्य के प्रति सतत् प्रयासरत रहें।

अम्बर फाउंडेशन का शिक्षा, सम्मान और संस्कारों को समर्पित प्रेरणादायक आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। अदब, तहज़ीब और तालीम की सरज़मीन पर आज एक सुनहरी इबारत लिखी गई, जब अम्बा फाउण्डेशन द्वारा आयोजित "Excellence Recognition Ceremony" एक ऐतिहासिक और भावनात्मक अनुभव में तब्दील हो गया। इस समारोह में P Board, CBSE, और द्बष्टस्श्च बोर्डों के वे विद्यार्थी जो 10वीं और 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर समाज और अपने अभिभावकों का सिर गर्व से ऊँचा कर चुके हैं, उन्हें उनके माता-पिता की उपस्थिति में मंच पर बुलाकर प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्रदान किए गए। यह आयोजन केवल सम्मान का अवसर नहीं था, बल्कि यह मेहनत, लगन और उस संस्कृति का जश्न था, जो नई पीढ़ी को जिम्मेदार नागरिक और प्रेरणास्रोत बनाने की दिशा में बढ़ा एक ठोस क़दम था। डॉ. राघवेंद्र शुक्ला (OSD, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह) ने समारोह की गरिमा को नई ऊँचाई दी। उन्होंने कहा जो विद्यार्थी मूल्य आधारित शिक्षा ग्रहण करता है, वह न केवल अपने परिवार, बल्कि देश की नींव मजबूत करता है। उनका वक्तव्य छात्रों और अभिभावकों के दिलों को छू गया। **विशेष वक्ता:** AI विशेषज्ञ अमित मिश्रा ने Artificial Intelligence और भविष्य की तकनीकी दुनिया पर प्रकाश डालते हुए कहा आज के युवा अगर तकनीक को समझें और नैतिकता के साथ उसका प्रयोग करें, तो भारत दुनिया का नेतृत्व कर सकता है।

शिक्षा मार्गदर्शन: ज़मा सर, HOD – Physics, Intelligence Career Institute ने NEET की तैयारी कर रहे छात्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रणनीति से परिचित कराया।

कार्यक्रम संचालनः समाजसेवी अली आगा शाजिया हसन की प्रभावशाली आवाज़ और प्रेरक संवाद ने समारोह को भावनाओं और ऊर्जा से भर दिया।

गौ शालाओं के निर्माण में भ्रष्टाचार की शिकायत, प्रभारी मंत्री हरदोई करेंगे निरीक्षण

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार पर लगातार प्रहार कर रही है। इसी क्रम में जनपद हरदोई के विकास खंड सुरसा में गौ शालाओं के निर्माण में भ्रष्टाचार की शिकायत प्रतिनिधियों ने प्रभारी मंत्री असीम अरुण से की है।

जनप्रतिनिधियों ने प्रभारी मंत्री को बताया है कि जनपद हरदोई के सुरसा ब्लॉक के गांवों हुशियापुर, दहीगंवां, जल्लामऊ, मोना, दहिती साल्कूपुर में गौ शालाओं के निर्माण कार्य के नाम पर भ्रष्टाचार हुआ है। शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि मामले की जांच करवा कर प्रभावी कार्यवाही की जाए। जिन गांवों में गौ शालाओं के निर्माण में भ्रष्टाचार की शिकायत की गई है प्रभारी मंत्री असीम अरुण द्वारा 28 मई को उनका स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा।

500 से अधिक शिक्षकों के तबादले की पत्रावली निदेशालय पहुंची

- शिक्षक संगठनों ने जताया विरोध, कहा सिर्फ ऑनलाइन तबादले किए जाएं

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। राजकीय और अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों के तबादले की ऑनलाइन प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है और प्रदेश भर के 500 से अधिक शिक्षकों के तबादले की पत्रावलियां निदेशालय पहुंच चुकी हैं। शिक्षक संगठनों ने ऑफलाइन तबादले का विरोध शुरू कर दिया है। इनका आरोप है कि माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के अफसरों ने बीते वर्ष भारी संख्या में प्रदेश भर के शिक्षकों के ऑफलाइन तबादले किए थे। उप्र. माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के प्रदेश अध्यक्ष सोहनलाल वर्मा ने बताया कि शासन ने 21 मई को प्रदेश में माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों के तबादले के लिए ऑनलाइन स्थानांतरण नीति जारी की है। 15 जून तक तबादले की प्रक्रिया पूरी होनी है। अभी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। वहीं निदेशालय के अफसरों ने बीते वर्ष की तरह इस बार भी तबादला प्रक्रिया में खेल शुरू कर दिया है। प्रदेश भर से 500 से अधिक शिक्षकों के स्थानांतरण की पत्रावलियां स्कूलों के प्रधानाचार्यों, मैनेजर, डीआईओएस और जेडी की संस्तुति के बाद निदेशालय में आ चुकी हैं। इनमें करीब 70 शिक्षक लखनऊ के शामिल हैं। बीते वर्ष से लखनऊ में दूसरे जिलों से करीब 110 शिक्षक स्थानांतरण में आए थे। इनमें 80 फीसदी से अधिक ऑफलाइन वाले थे। सोहनलाल वर्मा का कहना है कि शासन को ऑफलाइन तबादलों पर पूरी तरह से रोक लगानी चाहिए। पारदर्शी व्यवस्था के तहत सिर्फ ऑनलाइन आवेदन करने वाले शिक्षकों के तबादले किए जाने चाहिए।

अधिवक्ता की कार से लगी टक्कर तो लोगों ने कर दी पिटाई

लखनऊ। विभूतिखंड साइबर हाइट्स के पास शुक्रवार शाम हाईकोर्ट से निकल कर घर जा रहे अधिवक्ता की गाड़ी में कुछ युवकों ने टक्कर मारी। विरोध करने पर दबंगों ने अधिवक्ता और उसके साथी पर रॉड से ताबड़तोड़ वार किए। जिससे अधिवक्ता का हाथ टूट गया। वहीं, साथी को भी गम्भीर चोट लगी। अधिवक्ता पर हमला होने की सूचना पर बड़ी संख्या में साथी वकील विभूतिखंड कोतवाली पहुंचे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। डालीगंज निवासी राघवेंद्र हाईकोर्ट में अधिवक्ता हैं। शाम को कोर्ट से निकलकर घर जा रहे थे। साइबर हाइट्स के पास एक कार ने टक्कर मार दी। विरोध करने पर दो कार सवार करीब आठ युवकों ने गाली-गलौज करते हुए धक्का देकर राघवेंद्र को गिरा दिया। इसके बाद कार से रॉड और बेस बॉल बैट निकालकर उन्हें बुरी तरह पीटा। जिससे राघवेंद्र के हाथ में फ्रैक्चर हुआ।

एरा यूनिवर्सिटी समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। एरा यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने भारतीय उद्योग परिसंघ और इसकी युवा शाखा, यंग इंडियंस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। यह साझेदारी शैक्षिक विकास, अकादमिक उत्कृष्टता और विद्वानों की पहल की उन्नति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तीनों संस्थाओं की शक्ति, संसाधनों और विशेषज्ञता को मिलाकर, इस सहयोग का उद्देश्य अभिनव कार्यक्रम, शोध परियोजनाएँ और क्षमता निर्माण पहल विकसित करना है जो अकादमिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से समृद्ध करेंगे और छात्रों के विकास के अवसरों को बढ़ाएँगे। CII एक गैर-लाभकारी और उद्योग प्रबंधित संगठन, भारत में दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और व्यावसायिक अवसरों को बढ़ाने के लिए सरकार, विचारकों और व्यवसायों के साथ मिलकर काम करता है। ब्प्प् के एक हिस्से के रूप में, यंग इंडियंस युवा व्यक्तियों को राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए एक मंच प्रदान करने पर केंद्रित है। 24 मई, 2025 को एरा यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. अनु चंद्रा ने डॉ. गजाला जैदी, डॉ. शीबा रिजवी, डॉ. तबरेज जाफर, मोहम्मद अजहरुद्दीन और सीआईआई लखनऊ चौप्टर के अधिकृत प्रतिनिधियों सम्राट मारवाह, सागर त्रिपाठी और सुसुवी राज सिंह की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू पर एरा यूनिवर्सिटी, लखनऊ के माननीय कुलपति प्रो. डॉ. अब्बास अली महदी के मार्गदर्शन में हस्ताक्षर किए गए हैं।

दक्षता को सशक्त बनाने में सहायक होता ब्रेन योगा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। टुस्को लिमिटेड, लखनऊ एवं यूपिनेडा के अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मनोज सरदाना (ष्टश्वह्र), सुरेश (योगा दक्षता), अंबिका प्रसाद व्यास (अपर महा प्रबन्धक), धीरेन्द्र प्रसाद गैरोला (उप महा प्रबन्धक सतर्कता विभाग), सी0पी0 रतुड़ी (वरिष्ठ प्रबन्धक) एवं शशांक लाल (वरिष्ठ प्रबन्धक) द्वारा दीप प्रज्वलित कर उज्जवलता के साथ आरंभ किया गया। ब्रेन योगा एक ऐसा अभ्यास और व्यायामों का समूह है जो किसी व्यक्ति की संज्ञानात्मक (cognitive efficiency) दक्षता को सशक्त बनाने में सहायक होता है। सुरेश, जिन्हें इस क्षेत्र में व्यापक अनुभव है, ने प्रतिभागियों को ब्रेन योगा के महत्व को समझाने में मदद की।सुरेश ने न केवल वर्तमान स्थिति के प्रति सहानुभूति व्यक्त की, जहां प्रतिभागी, जो विभिन्न विभागों को संभालने वाले अधिकारी हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और मानसिक मंदी का सामना कर रहे हैं क्योंकि वे व्यायाम और फिटनेस दिनचर्या के लिए अधिक समय नहीं दे पा रहे हैं। सुरेश कुमार ने संज्ञानात्मक रूप से जागरूक होने के महत्व और निर्णय लेने की दक्षता पर इसके प्रभाव पर जोर दिया। प्रतिभागियों को जो अनेक प्रकार के अभ्यास सिखाए गए, उनमें से एक नाक से संबंधित व्यायाम भी शामिल था। इस कार्यक्रम का नेतृत्व मनोज सरदाना (CEO) के देख रेख में संचालना में सुचारू रूप से सफल रहा। ब्रेन योगा का उद्देश्य यह है कि योगा जीवन में महत्वपूर्ण है और प्रत्येक दिन पंद्रह मिनट का योगा करने का संकल्प हर किसी को करना चाहिए। इस पहल के जरिए आने वाली पीढ़ी को योगा मे शशक्त करके सभी स्वस्थ एवं निरोग बने रहे। और दवाई के सेवन से दूर रहे। योग एक ऐसी क्रिया है जो की शरीर को स्वस्थ ही नही दिमाग को मजबूत एवं स्वस्थ बनाती है। योगा से हम प्रकृति से जुड़ जाते है जो की हमारे शरीर को स्वस्थ करने मे सहयोग करती है।

इस कार्यक्रम का सफल आयोजन शशांक लाल (वरिष्ठ प्रबन्धक HR & Admin), अंकित कुमार झा (सहायक प्रबन्धक HR & Admin), माधुरी यादव, रवि पांडे , रामकिशोर कनौजिया, अजीतकुमार आदि के नेतृत्व में हुआ। इस आयोजन ने न केवल योगा के प्रति जागरूक किया साथ ही सबके साथ योगा कर एक मिसाल कायम की, और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को योगा के प्रति प्रेरणा जागरूक और सक्रिय बनाने का संदेश भी दिया।

64 यूपी बटालियन, लखनऊ वि.वि. के कैडेट अंडर ऑफिसर आदित्य सिंह का चयन

लखनऊ। 64 यूपी बटालियन, एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। कैडेट अंडर ऑफिसर आदित्य सिंह (एनसीसी बैच 2020-2023 तथा बी.कॉम, लखनऊ विश्वविद्यालय) का चयन ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी द्वारा सेना में अधिकारी के लिए हुआ है। यह उपलब्धि न केवल कैडेट आदित्य सिंह की मेहनत और अनुशासन का प्रतिफल है, बल्कि 64 यूपी बटालियन के प्रशिक्षण की गुणवत्ता और मार्गदर्शन की सफलता का भी प्रतीक है। एनसीसी के साथ अपने जुड़ाव के दौरान अंडर ऑफिसर आदित्य सिंह ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कहा एनसीसी ने मुझे सिखाया कि समूह में कैसे समन्वय करना है और विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल कैसे ढलना है। इसने मुझे विनम्रता के साथ-साथ निर्णायक बनने की प्रेरणा दी। हमारे सीओ सर, एएनओ सर और वरिष्ठों के निरंतर मार्गदर्शन ने मुझे भाषण व सामाजिक जागरूकता प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जिससे मेरे सार्वजनिक बोलने और संप्रेषण कौशल में सुधार हुआ।

आपदा प्रभावित परिवारों के साथ है योगी सरकार...

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार नागरिकों के हर सुख दुख में साथ है। पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता के साथ हर उस सरकारी योजना का लाभ दिया जाएगा जिसके वे पात्र हैं। इस संबंध में गाजियाबाद जिले के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। ये बातें समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद के प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने शनिवार को पीड़ित परिवारों से मुलाकात के दौरान कहीं। दो दिन पूर्व आए तूफान में गाजियाबाद के रसूलपुर सिकरोड़ा, ब्लॉक रजापुर निवासी मुजम्मिल (40) और ग्राम खोड़ा निवासी भानू देवी की असमय मृत्यु हो गई थी। शनिवार को प्रभारी मंत्री पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। इस दौरान पीड़ित परिवारों को 4-4 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी। प्रभारी मंत्री ने बताया कि बाल्य सेवा योजन के अंतर्गत बच्चों को 2500-2500 रूपये प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही दिवंगत मुजम्मिल की पत्नी को विधवा पेंशन का लाभ मिलेगा।

सहायता समूह की महिलाओं को सोलर ड्रायर पर मिला तकनीकी प्रशिक्षण

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक के निर्देशन से पीसीआई इंडिया एवं प्रेरणा ओजस के संयुक्त तत्वावधान में जनपद- फर्रुखाबाद के ब्लॉक-कमालगंज एवं जनपद- औरैया के ब्लॉक-एरवाकटरा की महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की आय वर्धन हेतु सोलर ड्रायर तकनीक पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफल हुआ पीसीआई इंडिया के एसोसिएट निदेशक आदिल अब्बास ने बताया कि सोलर ड्रायर से आम, सेब, अंगूर इत्यादि को सुखाकर ड्राय फ्रूट स्लाइस, फ्रूट पाउडर, फ्रूट बार एवं नेचुरल स्वीटनर ,हरी मटर, धनिया पत्ती, पुदीना, अदरक, टमाटर आदि को सुखाकर सब्जी मिक्स, हर्बल ब्लेंड्स, अदरक पाउडर, मिर्च, हल्दी, खड़ी धनिया आदि को सुखाकर शुद्ध मसाला पाउडर, मिक्स मसाले एवं रेडी-टू-कुक मसाला पैक जैसे उत्पाद विकसित किए जा सकते हैं। अश्वगंधा, शतावरी (सतावर), मोरिंगा (सहजन), अर्जुन की छाल आदि औषधीय पौधों को सुखाकर हर्बल चूर्ण, टी मिक्सचर, सप्लीमेंट कैप्सूल तथा आयुर्वेदिक उत्पाद के रूप में रूपांतरित किया जा इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को मूल्य संवर्धन की तकनीकों से अवगत कराकर उन्हें स्वरोजगार एवं आय सृजन की दिशा में सशक्त बनाना है। इससे न केवल आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। प्रशिक्षण में विशेषज्ञों ने सोलर ड्रायर के निर्माण, संचालन, रख-रखाव एवं विपणन संबंधी जानकारियाँ दीं।

महिलाओं ने इस नवाचार में गहरी रुचि दिखाई और प्रशिक्षण के पश्चात अपने अनुभव साझा किए। यह पहल महिला सशक्तिकरण, सतत विकास लक्ष्यों की पूर्ति एवं स्थायी ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक उल्लेखनीय प्रयास है।

मोहित मित्तल बनायेंगे वैदिक ज्योतिष को अधिक सुलभ

लखनऊ। प्रसिद्ध ज्योतिषी मोहित मित्तल ने फिल्म निर्देशक विपिन अग्निहोत्री के साथ मिलकर वैदिक ज्योतिष को और अधिक सुलभ बनाने के लिए पहल की है। मोहित मित्तल ने लखनऊ की अपनी यात्रा में डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापक दर्शकों तक प्रामाणिक और व्यक्तिगत ज्योतिष मार्गदर्शन पहुंचाने के मकसद से नई पहल की घोषणा की। लगभग आठ वर्षों से अधिक के अनुभव और भारत और विदेशों में फैले क्लाइंट बेस के साथ मोहित ने वैदिक ज्योतिष के प्राचीन विज्ञान पर आधारित व्यावहारिक भविष्यवाणियों, सटीक जन्म कुंडली विश्लेषण और व्यावहारिक जीवन मार्गदर्शन के लिए ख्याति अर्जित की है। मोहित मित्तल ने कहा कि लोगों को उनके जीवन पर ब्रह्मांडीय प्रभावों को समझने में मदद करने और चुनौतियों से निपटने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए तैयार हूं।

मूल्यांकन की तैयारियों का जायज़ा लेने पहुंचे राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज NAAC (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिटेशन काउंसिल) मूल्यांकन की तैयारियों की समीक्षा के उद्देश्य से महामहिम राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी डॉ. पंकज एल. जानी ने विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. जानी ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं तथा प्रशासनिक इकाइयों का सूक्ष्म अवलोकन किया। उन्होंने कुलपति प्रो. अजय तनेजा और उनकी टीम द्वारा की गई व्यवस्थागत तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने NAAC मूल्यांकन के प्रति गंभीरता, प्रतिबद्धता और समर्पण का परिचय दिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर की विशेष रूप से सराहना करते हुए कहा, यहाँ आकर मुझे अनेक सकारात्मक परिवर्तन दिखे, जिससे मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है। उन्होंने गणेश शंकर विद्यार्थी भवन के सुव्यवस्थित शैक्षणिक वातावरण की भी प्रशंसा की। डॉ. जानी ने कुलपति प्रो. तनेजा और उनकी टीम को अंतिम चरण की तैयारियों को और अधिक प्रभावशाली बनाने हेतु रचनात्मक सुझाव भी प्रदान किए। इसके साथ ही, उन्होंने कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देशन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह की तैयारियों की भी सराहना की तथा बीएमआई कैंप में उपस्थित होकर बालिकाओं का मनोबल बढ़ाया। NAAC टीम के आगमन को ध्यान में रखते हुए उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा एवं व्यवस्थापन के विशेष प्रबंध सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। यह दौरा विश्वविद्यालय परिवार के लिए न केवल प्रेरणा का स्रोत रहा, बल्कि आगामी NAAC मूल्यांकन के लिए नई ऊर्जा, मार्गदर्शन और आत्मविश्वास का संचार भी किया।

फीस न देने पर पौत्र ने की थी दादी की हत्या, भेजा गया बाल सुधार गृह

मलिहाबाद। थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार को हुई 70 वर्षीय महिला की हत्या के मामले में मलिहाबाद पुलिस ने उनके 14 वर्षीय पौत्र को बाल सुधार गृह भेज दिया है। पूछताछ में सामने आया कि फीस के रुपये नहीं देने पर किशोर ने दादी का मुंह दबाकर हत्या की थी। पुलिस नामजद आरोपी मृतका के देवर और उसके दो बेटों की भूमिका की जांच कर रही है। इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मृतका के घर के बगल में उनके देवर रहते हैं। मृतका के बेटे की दस साल पहले मौत हो गई थी। मौत के बाद बहू अपने मायके चली गई थी। हत्यारोपी 14 वर्षीय पौत्र कभी वृद्धा के घर तो कभी उनके देवर के घर रहता था। दस दिन बाद बुधवार को रात में पौत्र दादी के घर गया था। उसने दादी से दो हजार रुपये स्कूल फीस के मांगे थे। दादी ने कहा था कि अगर तुम हमारे साथ रहोगे तो स्कूल फीस देंगे। इस पर तैश में आए पौत्र ने मुंह दबाकर दादी की हत्या कर दी थी। इंस्पेक्टर ने बताया कि पूछताछ में पौत्र ने दादी की हत्या करने की बात स्वीकार की है।